भारतीय रेल
वार्षिक रिपोर्ट और लेखा
2022-23

(2023-24 के कार्य निष्पादन की विशिष्टताओं के साथ)

Sir M. Visvesvaraya Terminal, Bengaluru

भारतीय रेल

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा
2022-23

(2023-24 के कार्य-निष्पादन की विशिष्टताओं के साथ)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

विषय सूची

संगठन संरचना	2
उच्च प्रबंध व्यवस्था	3
समीक्षा-संभावनाएं	5
वित्त	8
माल गाड़ी परिचालन	14
यात्री व्यवसाय	19
योजना	35
इंजीनियरी	37
रेल विद्युतीकरण	43
सिगनल एवं दूरसंचार	48
संरक्षा	53
चल स्टॉक	61
सामग्री प्रबंधन	68
अनुसंधान और विकास	70
पर्यावरण प्रबंधन	79
कार्मिक	81
महिलाओं का कल्याण, विकास और सशक्तिकरण	89
नि:शक्त व्यक्तियों के लिए सुविधाएं	90
सुरक्षा	95
सतर्कता	101
हिन्दी का प्रयोग-प्रसार	103
पूर्वोत्तर क्षेत्र	105
जन-संपर्क	109
उपक्रम तथा अन्य संगठन	111
सलाहकार बोर्ड	148
महत्वपूर्ण घटनाएं	149
शब्दों की परिभाषा	152
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा मुहैया कराई गई लेखा परीक्षा टिप्पणियों का सार और की गई कार्रवाई संबंधी नोट	154
वित्तीय विवरण और परिचालन सांख्यिकी	159

भारतीय रेल की संगठन संरचना

रेल मंत्री

रेल राज्य मंत्री (डी)

रेल राज्य मंत्री (जे)

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

- सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक) - एम/टीएंडआरएस
- सदस्य अवसंरचना-एम/इंफ्रा
- सदस्य परिचालन एवं व्यवसाय विकास-एम/ओएंडबीडी
- सदस्य वित्त-एमएफ

महानिदेशक/रे.स्वा.से.-डीजी/आरएचएस
महानिदेशक/मा.सं.-डीजी/एचआर
महानिदेशक/रे.सु.ब.-डीजी/आरपीएफ
महानिदेशक/संरक्षा-डीजी/सेफ्टी

सचिव, रेलवे बोर्ड

क्षेत्रीय रेलवे (ओपन लाइन)

महाप्रबंधक

1. मध्य
2. पूर्व
3. पूर्व मध्य
4. पूर्व तट
5. उत्तर
6. उत्तर मध्य
7. पूर्वोत्तर
8. पूर्वोत्तर सीमा
9. उत्तर पश्चिम
10. दक्षिण
11. दक्षिण मध्य
12. दक्षिण पूर्व
13. दक्षिण पूर्व मध्य
14. दक्षिण पश्चिम
15. पश्चिम
16. पश्चिम मध्य
17. मेट्रो

उत्पादन इकाइयां

महाप्रबंधक

1. चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना, चित्तरंजन
2. बनारस रेल इंजन कारखाना, वाराणसी
3. सवारी डिब्बा कारखाना, पेरंबूर
4. रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला
5. रेल पहिया कारखाना, येलहंका
6. आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

प्रधान मु.प्र.अ.(रे)*

7. पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला
8. रेल पहिया संयंत्र, बेला

अन्य इकाइयां

महाप्रबंधक

1. केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, इलाहाबाद
2. पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण), गुवाहाटी

प्रधान मु.प्र.अ./मु.प्र.अ.(रे.)*

3. केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन (कॉफमो)#

महानिदेशक

4. भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी, वडोदरा
5. महानिदेशक एवं पदेन महाप्रबंधक आरडीएसओ, लखनऊ

सीपीएसई/सीओआरपी एवं स्वायत निकाय/प्राधिकरण

1. बी.सी.एल.
2. कॉनकोर
3. डी.एफ.सी.सी.आई.एल.
4. इरकॉन
5. आई.आर.सी.टी.सी.
6. आई.आर.एफ.सी.
7. के.एम.आर.सी.एल.
8. के.आर.सी.एल.
9. एम.आर.वी.सी.
10. आर.सी.आई.एल.
11. राइट्स
12. आर.वी.एन.एल.
13. क्रिस
14. आर.एल.डी.ए.

बोर्ड के दिनांक 28.11.2022 के पत्र सं. 2021/पीएंडएम/18/5/1 (स्पेस कॉफमो) के अनुसार बंद किए जाने के आदेश के अंतर्गत

* मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलवे)

उच्च प्रबंध व्यवस्था

रेल मंत्री	**अश्विनी वैष्णव**
रेल राज्य मंत्री (डी)	**रावसाहेब पाटील दानवे**
रेल राज्य मंत्री (जे)	**दर्शना जरदोश**
सदस्य, रेलवे बोर्ड	
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)	जया वर्मा सिन्हा
सदस्य (वित्त)	रूपा श्रीनिवासन*
सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास)	सीमा कुमार
सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक)	सतीश कुमार
सदस्य (अवसंरचना)	ब्रज मोहन अग्रवाल*
सचिव	अरुणा नायर
महानिदेशक	
महानिदेशक/रेल सुरक्षा बल	मनोज यादव
महानिदेशक/रेल स्वास्थ्य सेवाएं	डॉ. सुगंधा राहा
महानिदेशक/मानव संसाधन	नवीन गुलाटी
महानिदेशक (संरक्षा)	ब्रज मोहन अग्रवाल
महाप्रबंधक, क्षेत्रीय रेलें	
मध्य	राम करण यादव
पूर्व	मिलिंद के देउस्कर
पूर्व मध्य	अनिल कुमार खंडेवाल
पूर्व तट	मनोज शर्मा
**मेट्रो	पुक रेड्डी
उत्तर	शोभन चौधरी
उत्तर मध्य	रवींद्र गोयल
पूर्वोत्तर	सौम्या माथुर
पूर्वोत्तर सीमा	चेतन कुमार श्रीवास्तव
उत्तर पश्चिम	अमिताभ
दक्षिण	आर एन सिंह
दक्षिण मध्य	अरुण कुमार जैन
दक्षिण पूर्व	अनिल कुमार मिश्रा
दक्षिण पूर्व मध्य	आलोक कुमार
दक्षिण पश्चिम	संजीव किशोर
पश्चिम	अशोक कुमार मिश्रा
पश्चिम मध्य	शोभना बंदोपाध्याय
महाप्रबंधक, उत्पादन इकाइयां	
चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना	हितेंद्र मल्होत्रा
बनारस रेल इंजन कारखाना	बासुदेव पांडा
सवारी डिब्बा कारखाना	बी जी माल्या
रेल पहिया कारखाना	आर राजगोपाल
रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला	एस श्रीनिवास
आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली	पी के मिश्रा
महाप्रबंधक, निर्माण इकाइयां	
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)	एस के पाण्डेय
केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन	अशोक कुमार वर्मा
महानिदेशक	
भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी	रूपा श्रीनिवासन
अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन	अजय कुमार राणा
इरीन/नासिक	राहुल गौतम
इरिसेन/पुणे	एस के झा
इरिसेट/सिंकदराबाद	सुधीर कुमार
आईआरआईटीएम/लखनऊ	एच एस वर्मा
आईआरआईएफएम/सिकंदराबाद	प्रशांत मिश्रा
इरिमी/जमालपुर	पी रवि कुमार, एडीजी
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें)	
केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन	विवेक कुमार#
पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला	प्रमोद कुमार#
रेल पहिया संयंत्र, बेला	अतुल्य सिन्हा#

*कार्यभार देख रहे हैं। **मेट्रो रेल, कोलकाता #प्रधान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (05 जनवरी, 2024 की स्थिति के अनुसार)

14576R
ICE
19015
DEMU
14627
WDG3A

समीक्षा-संभावनाएं

बनारस स्टेशन का दूसरा प्रवेश द्वार

परिणाम: 2022-23

वित्तीय निष्पादन

वर्ष 2022-23 में ₹2,517.38 करोड़ की शुद्ध राजस्व प्राप्तियों के साथ समाप्त हुआ।

माल यातायात परिचालन

	2021-22	2022-23	निरपेक्ष अंतर	अंतर प्रतिशत में
प्रारंभिक राजस्व टन (दस लाख)	1,415.87	**1,509.10**	**93.23**	**6.58**
राजस्व शुद्ध टन किलोमीटर (अरब)	871.82	**959.57**	**87.75**	**10.07**
माल आमदनी@ (करोड़ ₹ में)	1,39,287.30	**1,60,158.48**	**20,871.18**	**14.98**

@ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि।

यात्री व्यवसाय

	2021-22	2022-23	निरपेक्ष अंतर	अंतर प्रतिशत में
यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या (दस लाख)	3,519	**6,396**	**2,877**	**81.76**
यात्री किलोमीटर (अरब)	590	**959**	**369**	**62.54**
यात्री आमदनी (₹ करोड़ में)	39,214.39	**63,416.85**	**24,202.46**	**61.72**

पटियाला रेलइंजन कारखाना

इंजीनियरी संबंधी कार्य

वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित इंजीनियरी संबंधी कार्य पूरे किए गए थे:

	2022-23 (किमी में)
नई लाइनों का निर्माण	**1,815.49**
बड़ी लाइन में परिवर्तन	**242.2**
रेलपथ नवीकरण	**5,227.26**

विद्युतीकरण

2022-23 के दौरान, भारतीय रेल के 6,565 किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

संरक्षा, सिगनल और दूरसंचार

2021-22 की तुलना में 2022-23 के दौरान, परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाएं और प्रति दस लाख किलोमीटर रेलगाड़ी किलोमीटर रेलगाड़ी दुर्घटनाओं (संरक्षा का महत्त्वपूर्ण सूचकांक) का ब्यौरा इस प्रकार है:

	2021-22	2022-23
परिणामी रेल गाड़ी दुर्घटनाएं*	34	**48**
प्रति दस लाख रेलगाड़ी किलोमीटर रेलगाड़ी दुर्घटनाएं	0.03	**0.04**

*कोंकण रेल को छोड़कर

भविष्य की वंदे भारत रेलगाड़ियां और आत्मनिर्भर भारत

सवारी डिब्बों की अनुरक्षण सुविधाओं का विकास, द.म.रे.

यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए थे:

व्यवस्था	2022-23 (रेलवे स्टेशनों की संख्या)
जन उद्घोषणा प्रणाली	5,516
रेलगाड़ी प्रदर्श बोर्ड	1,208
सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणाली	705

परिचालन कुशलता

2021-22 की तुलना में 2022-23 के लिए कुछ महत्वपूर्ण कुशलता सूचकांक इस प्रकार हैं:

कुशलता सूचकांक	बड़ी लाइन		मीटर लाइन	
	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23
शुद्ध टन किलोमीटर प्रति मालडिब्बा प्रति दिन	8,363*	8,670	–	–
सभी मालगाड़ियों की गति (किलोमीटर प्रति घंटे) (सभी कर्षण)	37.82	30.3	–	–
कुल मालडिब्बा किलोमीटर से लदे हुए मालडिब्बों का प्रतिशत	63.6	62.2	–	–
शुद्ध लदान प्रति मालगाडी (टन)	1,817	1,735	–	–
शुद्ध टन किलोमीटर प्रति रेलइंजन घंटा	14,189*	13,899	–	–
यात्री रेलगाड़ी किलोमीटर प्रति रेलगाड़ी प्रति दिन	415*	470	24*	28
*संशोधित				

भारतीय रेल को समर्पित सिंथेटिक ट्रैक

सामग्री प्रबंधन

भारतीय रेल में लागतों, भंडारण, सम्हलाई, बीमा और लाभांश शुल्कों का न्यूनीकरण की दृष्टि से सामग्री प्रबंधन का उत्तरोत्तर नवीकरण किया जा रहा है। 2022-23 के दौरान खपत की गई सामग्री के मूल्य से वस्तुसूची वस्तुओं के मूल्य के मामले-में टर्न ओवर अनुपात 09 प्रतिशत (ईंधन को छोड़कर) और 7 प्रतिशत (ईंधन के साथ) था जबकि पिछले वर्ष यह 11 प्रतिशत (ईंधन को छोड़कर) और 08 प्रतिशत (ईंधन सहित) था। अनुपयोगी चल स्टॉक और प्रोद्भूत स्क्रैप के निपटान की कड़ी निगरानी की गई।

पर्यावरण प्रबंधन

अधिक स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाकर, ऊर्जा संरक्षण के उपाय करके, खाली पड़ी रेल भूमि पर वृक्षारोपण आदि करके रेल परिचालन को पर्यावरण अनुकूल बनाने और प्रतिकूल प्रभावों का न्यूनीकरण करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र संस्थापित करने के लिए खाली भूमि और छतों का उपयोग किया जा रहा है।

मानव संसाधन विकास

उत्पादकता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेल कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु कई पहलें की गईं। इस दिशा में परिवहन से संबंधित शिक्षा, बहुविषयक अनुसंधान और प्रशिक्षण पर केंद्रित भारत के पहले विश्वविद्यालय के रूप में गुजरात के वडोदरा शहर में राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान की स्थापना की गई है।

भारतपूज़ा पुल, दक्षिण रेलवे से गुजरती हुई कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस

औद्योगिक संबंध तथा कार्मिक

31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 11,89,615 नियमित कर्मचारी थे जबकि 31 मार्च 2022 को 12,12,882 कर्मचारी थे, अर्थात 23,267 की कमी आई है।

2022-23 के दौरान औद्योगिक संबंध मधुर बने रहे। 2022-23 के दौरान सभी अराजपत्रित कर्मचारियों (रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के कर्मियों को छोड़कर) को 78 दिन के वेतन के बराबर उत्पादकता संबद्ध बोनस का भुगतान किया गया। रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के समूह 'ग' कोटि के कार्मिकों को 30 दिन के वेतन के बराबर तदर्थ बोनस स्वीकृत किया गया।

स्थायी गति प्रतिबंध में शिथिलता

कर्मचारी कल्याण

भारतीय रेलों की कल्याण योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलाप आते हैं, यथा रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए शैक्षणिक सुविधाएं तथा वित्तीय सहायता, परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए हस्तशिल्प केन्द्र स्थापित करना, बीमारी के समय आर्थिक सहायता, रियायती दरों पर आवास और कार्यस्थलों पर कैंटीन सुविधाओं की व्यवस्था करना तथा कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के लिए सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करना।

कार्यनिष्पादन: 2022-23 (1 जनवरी, 2023 - 31 दिसंबर, 2023)

यात्री व्यवसाय*

जनवरी-दिसंबर 2023 के दौरान, भारतीय रेल में प्रारंभिक यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान 6,011.98 मिलियन की तुलना में 6,871.75 मिलियन थी, जो 859.77 मिलियन (14.30%) की वृद्धि का द्योतक है। इस अवधि के दौरान, यात्री आय ₹69,274.14 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान यात्री आय की तुलना में ₹11,082.35 करोड़ (19.4%) की वृद्धि का द्योतक है।

पुनर्विकास के लिए प्रस्तावित गोरखपुर जंक्शन का एक दृश्य

माल यातायात परिचालन**

पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में वर्ष 2023 (जनवरी-दिसंबर 2023) के लिए राजस्व अर्जक यातायात लदान का विवरण इस प्रकार है:-

(दस लाख टन)

पण्य	जनवरी से दिसबंर 2022 तक	जनवरी से दिसबंर 2023 तक
कोयला	715.64	**762.29**
इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल लौह अयस्क को छोड़कर	27.94	**35.46**
कच्चा लोहा और तैयार इस्पात	65.89	**69.54**
लौह अयस्क	159.88	**176.13**
सीमेंट	146.12	**149.66**
खाद्यान्न	74.79	**53.80**
उर्वरक	54.41	**59.96**
पेतस्ने (खनिज तेल)	48.09	**49.95**
शेष अन्य पण्य	204.58	**200.54**
कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,497.33	**1,557.33**

*प्रारंभिक आधार पर सकल आमदनी विवरण के आधार पर।

**विवरण 7-क के आधार पर

जनवरी-मार्च 2024 की अवधि के लिए अनुमान

माल यातायात परिचालन

जनवरी से मार्च 2024 तक तीन महीनों की अवधि के लिए कोंकण रेल निगम लिमिटेड और डेडीकेटिड फ्रेट कोरीडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को छोड़कर रेलवे द्वारा ढोए जाने वाले माल की अनुमानित मात्रा 412 मिलियन टन है।

यात्री व्यवसाय

जनवरी से मार्च 2024 तक आगामी तीन महीनों के लिए प्रारंभिक यात्रियों की कुल अनुमानित संख्या 1,738 मिलियन है।

डॉ. एम जी आर चेन्नै सेन्ट्रल पर कांचीपुरम सिल्क साड़ी ओएसओपी स्टॉल का एक दृश्य

सकल राजस्व और संचालन व्यय
(विविध सहित)
(₹ करोड़ में)

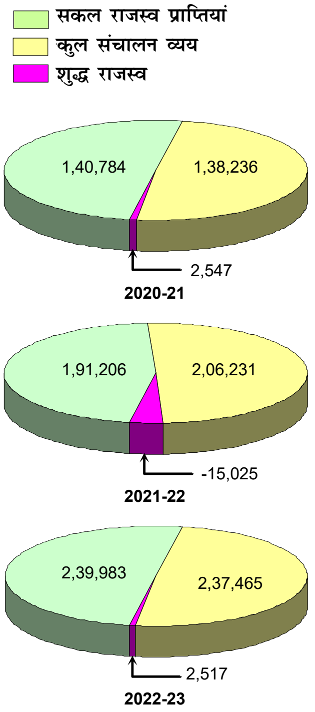

वित्त

2022-23 के लिए परिणाम

रेलों की सकल यातायात प्राप्तियां 2021-22 में ₹1,91,206.48 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2022-23 में ₹2,39,982.56 करोड़ रुपये हो गईं। कुल संचालन व्यय 2021-22 में ₹2,04,606.34 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में ₹2,35,655.78 करोड़ हो गया। विविध लेन-देनों को हिसाब में लेने के बाद, शुद्ध राजस्व प्राप्तियां ₹2,517.38 करोड़ थीं।

रेल अभिसमय समिति की सिफारिशों के अनुसार, 2022-23 के दौरान लाभांश का भुगतान नहीं किया गया था। वर्ष के अंत में शुद्ध राजस्व ₹2,517.38 करोड़ रुपये रहा।

2021-22 की तुलना में 2022-23 के वित्तीय परिणामों का सारांश नीचे दिया गया है:-

(₹ करोड़ में)

	2021-22	2022-23	कमी-बेशी
पूंजीगत निवेश (महानगर परिवहन परियोजना और सर्कुलर रेलवे, उधमपुर-बारामूला परियोजना और विशेष रेल संरक्षा कोष में विनियोग को छोड़कर)	4,13,268.80	**5,19,470.28**	**1,06,201.48**
पूंजी निधि से निवेश	53,449.91	**53,449.91**	**-**
कुल	4,66,718.71	**5,72,920.19**	**1,06,201.48**
सकल यातायात प्राप्तियां	1,91,206.48	**2,39,982.56**	**48,776.08**
कुल संचालन व्यय	2,04,606.34	**2,35,655.78**	**31,049.44**
शुद्ध यातायात प्राप्तियां	(-)13,399.86	**4,326.78**	**17,726.64**
विविध लेन-देन (शुद्ध)	(-)1,624.72	**-1,809.40**	**-184.68**
शुद्ध राजस्व प्राप्तियां	(-)15,024.58	**2,517.38**	**17,541.96**
सामान्य राजस्व को देय लाभांश	-	**-**	**-**
आधिक्य (+) / कमी (-)	(-)15,024.58	**2,517.38**	**17,541.96**
निम्नलिखित का प्रतिशत:			
(क) सकल आय से संचालन व्यय का प्रतिशत	107.39%	**98.10**	**-9.29**
(ख) पूंजी निवेश और पूंजी निधि से निवेश से शुद्ध राजस्व	-3.22	**0.44**	**3.66**
प्रति शुद्ध टन किलोमीटर पूंजी निवेश* (पैसे में)	507	**551**	**44**

*पूंजी निधि से निवेश शामिल है।
#संशोधित

राजस्व

पिछले वर्ष की तुलना में सकल यातायात प्राप्तियों में ₹48,776 करोड़ (25.51%) की वृद्धि हुई। प्रमुख स्रोतों के मामले में विवरण वित्त विवरणों के विवरण 1क में दिया गया है।

संचालन व्यय

2022-23 के दौरान कुल संचालन व्यय ₹2,35,655.78 करोड़ था, जो वर्ष 2021-22 की तुलना में ₹31,049.44 करोड़ अधिक है। संचालन व्यय का अनुदान-वार वितरण वित्त विवरणों के विवरण 1ख और 1ग में दिया गया है।

तुलन-पत्रः

31 मार्च 2023 तक तुलन-पत्र और 2021-22 की तुलना में कमीबेशी का सारांश इस प्रकार है:-

(₹ करोड़ में)

संपत्तियां		31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार	पिछले वर्ष की तुलना में कमी-बेशी
ब्लॉक परिसंपत्तियां		9,72,734.18	1,62,815.59
केन्द्रीय सरकार के अधीन निधियां:			
(i) आरक्षित निधियां	2,352.14		
(ii) बैंक खाते	70,616.70		
		72,968.84	4,004.04
फुटकर देनदार आदि		5,946.58	110.03
हस्ते रोकड़		446.47	(–) 176.70
कुल		10,52,096.07	1,66,752.96
देयताएं			
इनका निरूपण इस प्रकार है:			
ब्याज देय पूंजी*	6,17,614.79		
आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित निवेश, आदि	3,55,119.39		
कुल		9,72,734.18	1,62,815.60
आरक्षित निधियां		2,352.14	318.88
बैंक खाते:			
(i) भविष्य निधि	39,570.32		
(ii) विविध निक्षेप	30,974.90		
(iii) वित्तीय ऋण एवं अग्रिम	71.48		
कुल		70,616.70	1,452.52
फुटकर लेनदार, आदि		6,393.05	1,008.98
जोड़		10,52,096.07	1,66,752.98

*इसमें विशेष रेल संरक्षा निधि में ₹11,954.00 करोड़ का विनियोग, राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में ₹80,000.00 करोड़ का विनियोग, रेल संरक्षा निधि में ₹62,957.03 करोड़ का विनियोग और सॉवरेज ग्रीन फंड में ₹10,239.00 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं है।

आस्थगित लाभांश दायिता*

यह एक आकस्मिक दायिता है और इसे तुलन-पत्र में नहीं दिखाया जाता है।

*इसके अलावा, 2016-17 से रेलवे को लाभांश के भुगतान से छूट दी गई है। रेल बजट के केंद्रीय बजट के साथ विलय उपरांत, रेलवे की ब्याज देय पूंजी को और फलस्वरूप लाभांश देयता को भी बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

परिचालन अनुपात
(प्रतिशत)

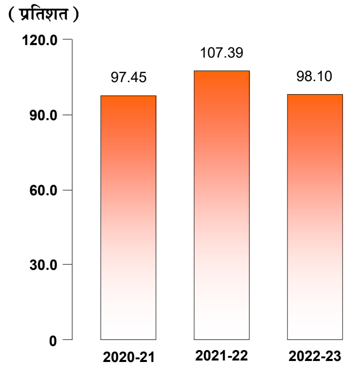

अधिशेष/कमी
(₹ करोड़ में)

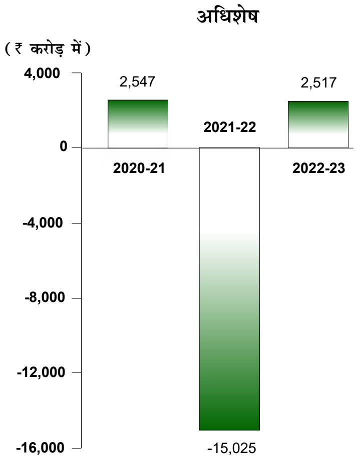

20 किलो लीटर नाइट्रोजन गैस प्लांट, रेडिका, कपूरथला

रेल पूंजी निधि

रेल अभिसमय समिति (1991) की दूसरी रिपोर्ट में यथा अंतर्विष्ट सिफारिशों के अनुसरण में, वर्ष 1992-93 से रेल पूंजी निधि परिचालित हो गई थी। इस निधि में विनियोग राजस्व अधिशेष से किया जाता है और इसका उद्देश्य पूंजीगत स्वरूप की परिसंपत्तियों पर व्यय का वित्तपोषण करना है। वर्ष 2022-23 तक इस निधि से ₹53,449.91 करोड़ का निवेश किया गया था।

आरक्षित निधियों में शेष

रेल अभिसमय समिति (1991) की द्वितीय रिपोर्ट में यथा अंतर्विष्ट सिफारिशों के अनुसरण में, दो मौजूदा निधियों अर्थात दुर्घटना प्रतिकर, संरक्षा एवं यात्री सुविधा निधि और राजस्व आरक्षित निधि का संरक्षा और यात्री सुविधा संबंधी कार्यों पर व्यय को पूरा करने के लिए पुनर्गठन किया गया है। अत: समाप्त की गई निधियों के शेष का विकास निधि में विलय कर दिया गया है।

31 मार्च 2022 की तुलना में 31 मार्च 2023 को निधियों की स्थिति नीचे दी गई है:

(₹ करोड़ में)

निधि का नाम	1.4.2022 को शेष	2022-23 के दौरान निधि में अंशदान	2022-23 के दौरान आहरण	31.3.2023 को शेष
मूल्यह्रास आरक्षित निधि*	136.22	**909.30**	**617.38**	**428.14**
विकास निधि*	0.65	**1,000.26**	**985.39**	**15.52**
पूंजी निधि*	427.83	**14.33**	**0.00**	**442.16**
पेंशन निधि*	87.51	**55,307.39**	**55,034.00**	**360.90**
रेल संरक्षा निधि	#4.67	**30,000.00**	**30,001.29**	**3.38**
ऋण अदायगी निधि*	229.46	**7.69**	**0.00**	**237.15**
राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	1,144.93	**11,517.38**	**11,797.42**	**864.89**
सॉवरेन ग्रीन फंड	0.00	**10,239.00**	**10,239.00**	**0.00**
कुल	2,031.27	**1,08,995.35**	**1,08,674.48**	**2,352.14**

*इसमें वर्ष 2022-23 के लिए मूल्यह्रास आरक्षित निधि से ₹9.30 करोड़, विकास निधि से ₹0.26 करोड़, पूंजी निधि से ₹14.33 करोड़, पेंशन निधि से ₹7.39 करोड़ और ऋण अदायगी निधि से ₹7.69 करोड़ का ब्याज शामिल।

#01.04.2022 को रेल संरक्षा निधि का शेष 31.03.2022 के शेष में ₹(-) 1.99 करोड़ के टीडब्ल्यूएफए के समायोजन पश्चात है।

31 मार्च 2023 को आरक्षित निधियों में कुल शेष ₹2,352.14 करोड़ था, जो पिछले वर्ष की तुलना में ₹320.87 करोड़ की वृद्धि का द्योतक है।

पैनोरमिक सवारी डिब्बों का परीक्षण जारी है, रेडिका

रोकड़ प्रवाह

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय रेल के आंतरिक संसाधनों से ₹1,62,978.50 करोड़ रुपये जुटाए गए।

आंतरिक संसाधन सृजन और योजना परिव्यय के वित्तपोषण हेतु निधियों के उपयोग का विवरण वित्त विवरणों के विवरण IV में दर्शाया गया है। 2022-23 के दौरान, कुल योजना निवेश

₹1,62,978.50 करोड़ (महानगर परिवहन परियोजनाओं, सर्कुलर रेलवे और राष्ट्रीय परियोजनाओं सहित) था। इसका वित्तपोषण ₹1,59,256.15 करोड़ की सीमा तक बजट सहायता से किया गया। 2021-22 के दौरान तदनुरूपी स्थिति यह थी कि कुल योजना निवेश ₹1,24,340.50 करोड़ (महानगर परिवहन परियोजनाओं, सर्कुलर रेलवे और राष्ट्रीय परियोजना को छोड़कर) था। इसका वित्तपोषण ₹1,27,270.53 करोड़ की सीमा तक बजट सहायता से किया गया। शेष योजना निवेश को आंतरिक तथा बजटेतर संसाधनों से पूरा किया गया। वर्ष 2022-23 के दौरान, योजना व्यय का वित्तपोषण करने के लिए निधि शेष में ₹320.87 करोड़ की वृद्धि हुई।

मालवाहक सवारी डिब्बे, रेडिका, कपूरथला

लेखापरीक्षा की आपत्तियां

31 मार्च 2023 को भारतीय रेल के पास कुल 1,846 लेखापरीक्षा टिप्पणियां भाग-I, 741 विशेष पत्र और 5,230 लेखापरीक्षा निरीक्षण रिपोर्टें भाग-I बकाया थीं, जबकि 31 मार्च 2022 के अंत में इनकी बकाया संख्या क्रमशः 1,552, 1,766 और 3,976 थीं।

भारतीय रेल में लेखापरीक्षा की सभी आपत्तियों, निरीक्षण रिपोर्टों, प्रारूप पैराग्राफों, आदि पर चर्चा और उनका निपटान सुनिश्चित करने का सुव्यवस्थित तंत्र है। लेखापरीक्षा, लेखा और कार्यकारी विभागों को शामिल करते हुए विभिन्न स्तरों पर त्रिपक्षीय बैठकें की जाती हैं। प्रारूप पैराग्राफों पर भी रेलवे बोर्ड और लेखापरीक्षा विभाग के बीच शीर्ष स्तर पर चर्चा की जाती है और दिए गए उत्तरों के आधार पर, उनमें से कई बंद हो जाते हैं।

इस वर्ष के लिए रेल मंत्रालय के कामकाज पर लेखापरीक्षा की आपत्तियों का, जैसा कि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं, सारांश पृष्ठ 154 पर दिया गया है।

रेलवे और सरकार के बीच वित्त व्यवस्था

संघ के अन्य मंत्रालयों/विभागों की तरह, रेल मंत्रालय केंद्रीय वित्त/बजट का अभिन्न अंग है। मोटे तौर पर, रेलवे का राजस्व व्यय रेलवे की राजस्व प्राप्तियों से पूरा किया जाना अपेक्षित है। राजस्व व्यय की तुलना में राजस्व प्राप्तियों के आधिक्य को मुख्यतः पूंजीगत व्यय के लिए आंतरिक संसाधनों के रूप में उपयोग किए जाने के लिए मूल्यह्रास आरक्षित निधि, विकास निधि, पूंजी निधि जैसी रेल आरक्षित निधियों में और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष को आंशिक अंशदान में डाला जाता है। रेलवे के पूंजीगत व्यय को आंतरिक संसाधन सृजन के साथ-साथ सामान्य राजकोष से सकल बजट सहायता, बाजार से बजटेतर संसाधनों और भागीदारी से पूरा किया जाता है।

भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा निवेश

1987-88 से भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड, जो रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सरकारी क्षेत्र का उपक्रम है, रेलों में पूंजीगत व्ययों का वित्तपोषण करने के लिए बाजार ऋण जुटा रहा है। भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा जुटाई गई बाजार निधियां रेल योजना के लिए बजटेतर संसाधन बनते हैं और उनका ऐसे चल स्टाक और परियोजनाओं में निवेश किया जाता है, जिन्हें भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेल मंत्रालय को पट्टे पर दिया जाता है।

2022-23 में वित्तपोषित किए गए नए चल स्टॉक को शामिल किए जाने से, भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियों का बेड़ा भारतीय रेल में परिचालित सारे चल स्टाक का 80% से अधिक का निरूपण करता है। 2022-23 में भारतीय रेल वित्त निगम से पट्टे पर लिए गए नए चल स्टॉक और इस स्रोत से संचयी निवेश का विवरण इस प्रकार है:

रेडिका, कपूरथला में निर्मित पहिए जो राष्ट्र को चलाते हैं

परिसम्पत्तियों की कोटि	2022-23 में पट्टे पर लिए गए चल स्टॉक		2022-23 के अंत तक पट्टे पर लिए गए चल स्टॉक	
	अदद	मूल्य (₹ करोड़ में)	अदद	मूल्य (₹ करोड़ में)
बिजली रेल इंजन	456	6,116.88	8,060	83,668.62
डीजल रेल इंजन	50	1,168.55	4,695	50,807.37
कुल रेल इंजन	**506**	**7,285.43**	**12,755**	**1,344,75.99**
माल डिब्बे	6,128	2,451.85	2,20,561	52,302.46
सवारी डिब्बे	2,456	6,896.91	73,100	1,07,728.26
रेलपथ मशीनें	-	-	81.00	342.33
अन्य विविध मदें	-	-	0.00	1,034.38
जोड़		**16,634.19**		**2,95,883.42**

भारतीय रेल वित्त निगम से पट्टे पर ली गई चल स्टाक परिसंपत्तियों पर, रेलवे द्वारा अग्रिम रूप से अर्धवार्षिक पट्टा किरायों का भुगतान किया जाता है ताकि भारतीय रेल वित्त निगम ऋण अदायगी करने में सक्षम हो सके। 2022-23 में रेल मंत्रालय द्वारा अदा किए पट्टा किरायों की मात्रा ₹28,819.91 करोड़ थी जिसमें ₹14,988.10 करोड़ पूंजी घटक और ₹13,831.81 करोड़ ब्याज घटक था।

2011-12 में भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा 90 दोहरीकरण और 32 विद्युतीकरण परियोजनाओं के पूंजीगत व्ययों को पूरा करने के लिए भी उस वर्ष में ₹2,078.49 करोड़ की सीमा तक वित्तपोषण उपलब्ध कराया गया था। वित्तपोषण की सीमा तक परियोजना परिसंपत्तियां भारतीय रेल वित्त निगम से रेल मंत्रालय को पट्टे पर हैं। 2022-23 में रेल मंत्रालय द्वारा पट्टा किरायों के रूप में ₹252.10 करोड़ (₹130.10 करोड़ पूंजी घटक और ₹122.00 करोड़ ब्याज घटक) की राशि का भुगतान किया गया।

वित्त वर्ष 2015-16 से वित्तपोषण के एक नए स्रोत यथा बजटेतर संसाधन (संस्थागत वित्त) शुरू किया गया है। बजटेतर संसाधन (संस्थागत वित्त) निधियां दीर्घकालिक निधियां हैं, जिन्हें दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं जैसे रेलों की ऐसी प्रवाह-क्षमता संवर्धन परियोजनाओं का वित्तपोषण करने के लिए उपयोग किया जा रहा है, जिनका अन्यथा संसाधनों की तंगी के कारण पर्याप्त वित्तपोषण नहीं हो पाता। 2022-23 में ₹15,338 करोड़ सहित 2022-23 के अंत तक भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेलवे को उपलब्ध कराई गई संचयी बजटेतर संसाधन - संस्थागत वित्त निधि ₹1,69,510 करोड़ रुपये है। 2022-23 में रेल मंत्रालय द्वारा पट्टा किरायों के रूप में ₹5,117.04 करोड़ (₹1,804.40 करोड़ पूंजी घटक और ₹3,312.64 करोड़ ब्याज घटक) की राशि का भुगतान किया गया।

वंदे भारत रेलगाड़ी, सडिका

चुनिंदा वित्तीय अनुपात

क्र.सं.	मद	यूनिट	2021-22	2022-23
(क)	**वित्तीय अनुपात**			
1.	परिचालन अनुपात	प्रतिशत	107.39	**98.10**
2.	पूंजी पर प्रतिफल दर	प्रतिशत	(-) 3.22	**0.44**
3.	भारतीय रेल का कार्यशील अनुपात	प्रतिशत	99.70	**90.92**
4.	सब्सिडी सहित परिचालन अनुपात (लागत वसूली))	प्रतिशत	81.10	**80.40**
5.	कोचिंग (यात्री) और माल (मालभाड़ा) के लिए परिचालन अनुपात			
	i. माल	प्रतिशत	72.88	**66.97**
	ii. कोचिंग	प्रतिशत	237.38	**180.82**
6.	ओडब्ल्यूई के प्रतिशत के रूप में और सकल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में कर्ज शोधन।			
	i. ओडब्ल्यूई के प्रतिशत के रूप में कर्ज शोधन	प्रतिशत	18.20	**18.90**
	ii. सकल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में कर्ज शोधन	प्रतिशत	14.90	**14.20**
7.	पूंजीगत व्यय और राजस्व का अनुपात- पूंजीगत व्यय (आंतरिक सृजन से)/राजस्व	प्रतिशत	0.90	**1.40**
(ख)	**आमदनी / प्रतिफल अनुपात (आमदनी के संविभाजन के आधार पर)**			
1.	यात्री प्रतिफल / यात्री किलोमीटर	पैसे में	66.44	**66.13**
2.	मालभाड़ा प्रतिफल / शुद्ध टन किलोमीटर	पैसे में	159.77	**166.91**
(ग)	**उत्पादकता सूचक**			
	i. कर्मचारी उत्पादकता		7,59,187	**8,73,523**
	ii. अवसंरचना उत्पादकता		71,76,680	**78,53,951**
(घ)	**परिसंपत्ति उपयोग**			
1.	परिसंपत्तियों का उपयोग			
	i. एनटीकेएम प्रति माल डिब्बा प्रति दिन - (बड़ी लाइन)	कि.मी.	*8,363	**8,670**
	ii. माल डिब्बा किमी प्रति माल डिब्बा दिन - (बड़ी लाइन)	कि.मी.	*211.00	**223.00**
	iii. माल डिब्बा प्रतिवर्तन - बड़ी लाइन	दिनों में	4.74	**4.70**
	iv. औसत लदान प्रति माल डिब्बा - बड़ी लाइन	टन	62.90	**60.00**
(ङ)	**परिचालन सूचक**			
1.	मालगाड़ी की औसत गति - (बड़ी लाइन) - सभी कर्षण	कि.मी./घंटा	37.80	**30.30**
2.	चल स्टॉक का संक्रामक प्रतिशत - (बड़ी लाइन)			
	i. डीज़ल रेल इंजन	प्रतिशत	9.79	**10.40**
	ii. बिजली रेल इंजन	प्रतिशत	5.85	**4.91**
	iii. ईएमयू सवारी डिब्बे	प्रतिशत	10.40	**7.31**
	iv. यात्री ढुलाई	प्रतिशत	5.68	**4.96**
	v. अन्य कोचिंग वाहन	प्रतिशत	5.55	**7.38**
	vi. माल डिब्बे	प्रतिशत	3.13	**3.11**
3.	विशिष्ट ईंधन की खपत (खपत प्रति 1000 जीटीकेएम) - (बड़ी लाइन)			
	i. यात्री सेवाएं डीज़ल	लीटर	*3.97	**3.59**
	ii. मालभाड़ा सेवाएं डीज़ल	लीटर	*1.60	**1.97**
4.	विशिष्ट ऊर्जा खपत (खपत प्रति 1000 जीटीकेएम) - (बड़ी लाइन)			
	i. यात्री सेवा - बिजली	किलों वॉट घंटे	*19.3	**18.70**
	ii. मालभाड़ा सेवाएं - बिजली	किलों वॉट घंटे	*6.56	**6.40**
5.	समयपालन सूचक - समयपालन (मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां) - (बड़ी लाइन)	प्रतिशत	90.48	**80.79**
6.	दुर्घटना प्रति मिलियन गाड़ी किलोमीटर	प्रतिशत	0.03	**0.04**

*संशोधित

विद्युत कर्षण पर मालगाड़ी, पूर्वोत्तर सीमा रेल

माल यातायात परिचालन

वर्ष 2022-23 में भारतीय रेल ने 1,510.76 मिलियन टन माल यातायात की ढुलाई की, जिसमें से 1,509.10 मिलियन टन राजस्व-अर्जक और 1.66 मिलियन टन राजस्व अर्जक था और वर्ष 2021-22 में 872 अरब की तुलना में 960 अरब का कुल शुद्ध टन किलोमीटर प्राप्त किया। मालभाड़ा आमदनी 2021-22 में ₹1,41,096.39 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में ₹1,62,262.90 करोड़ हो गई जो 15.00% की वृद्धि का द्योतक है।

2021-22 की तुलना में 2022-23 में राजस्व-अर्जक यातायात का पण्य-वार लदान इस प्रकार था:

पण्य	ढोए गए टन (दस लाख में)	
	2021-22	**2022-23**
कोयला		
(i) इस्पात संयंत्रों के लिए	56.70	**59.23**
(ii) वाशरी के लिए	0.07	**0.01**
(iii) विद्युतघरों के लिए	485.23	**568.62**
(iv) सार्वजनिक उपयोग के लिए	110.81	**99.38**
जोड़	652.80	**727.24**
लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल	29.03	**28.15**
कच्चा लोहा और तैयार इस्पात		
(i) इस्पात संयंत्रों से	36.15	**33.70**
(ii) अन्य स्थानों से	32.35	**36.17**
जोड़	68.50	**69.87**
लौह अयस्क		
(i) निर्यात के लिए	7.66	**7.19**
(ii) इस्पात संयंत्रों के लिए	91.46	**87.88**
(iii) अन्य घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिए	69.24	**65.07**
जोड़	168.36	**160.14**
सीमेंट	137.19	**143.93**
खाद्यान्न	73.38	**70.92**
उर्वरक	49.18	**56.34**
खनिज तेल (पेतेस्ने)	44.46	**48.22**
कंटेनर सेवाएं		
(i) देशीय कंटेनर	17.64	**19.83**
(ii) निर्यात-आयात कंटेनर	56.62	**59.39**
जोड़	74.26	**79.22**
शेष अन्य पण्य	118.70	**125.07**
कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,415.87	**1,509.10**

डब्ल्यूएजी-9 एच माल रेलइंजन, चिरेका

राजस्व उपार्जक माल यातायात का स्वरूप

(कुल का प्रतिशत)

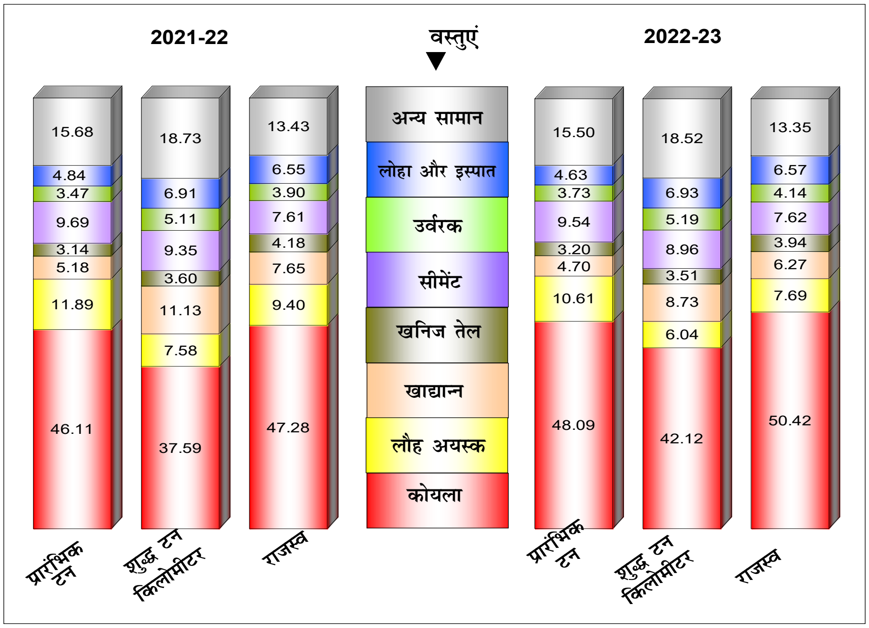

डब्ल्यूएपी-5 उच्च गति यात्री रेलइंजन

2021-22 की तुलना में 2022-23 में प्रमुख थोक पण्यों/पण्य समूहों के लिए राजस्व-अर्जक माल यातायात इस प्रकार था:

क्र. सं.	पण्य/पण्य समूह	प्रारंभिक टन (दस लाख में)		शुद्ध टन किलोमीटर (दस लाख में)		आमदनी $ (₹ करोड़ में)	
		2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**
1	कोयला	652.81	**727.24**	3,27,754	**4,04,138**	65,856.08	**80,746.75**
2	लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्ची सामग्री	29.03	**28.15**	17,761	**16,702**	2,405.75	**2,650.56**
3	कच्चा लोहा और तैयार इस्पात	68.50	**69.87**	60,239	**66,495**	9,124.90	**10,529.33**
4	लौह अयस्क	168.36	**160.14**	66,123	**57,979**	13,092.57	**12,314.07**
5	सीमेंट	137.19	**143.93**	81,476	**86,009**	10,604.94	**12,196.83**
6	खाद्यान्न	73.38	**70.92**	97,076	**83,756**	10,600.52	**10,038.31**
7	उर्वरक	49.18	**56.34**	44,530	**49,832**	5,428.27	**6,629.45**
8	खनिज तेल (पेतेस्ने)	44.46	**48.22**	31,359	**33,690**	5,822.02	**6,305.05**
9	कंटेनर सेवाएं	74.26	**79.22**	66,621	**72,451**	6,274.54	**7,081.97**
10	शेष अन्य वस्तुएं	118.71	**125.07**	78,877	**88,514**	10,017.71	**11,666.16**
11	कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,415.87	**1509.10**	8,71,816	**9,59,566**	1,39,287.30	**1,60,158.48**

$ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि।

पिछले 3 वर्षों के लिए राजस्व-अर्जक माल यातायात का रूझान इस प्रकार है:

	2020-21	2021-22	**2022-23**
प्रारंभिक टन (दस लाख)	1,230.94	1,415.87	**1,509.10**
शुद्ध टन किलोमीटर (दस लाख)	7,19,762	8,71,816	**9,59,566**
औसत गमन (किलोमीटर)	585	616	**636**
माल यातायात से आमदनी$ (₹ करोड़ में)	1,15,738.38	1,39,287.30	**1,60,158.48**

$ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि।

प्रारंभिक टन

(राजस्व-आमदनी)

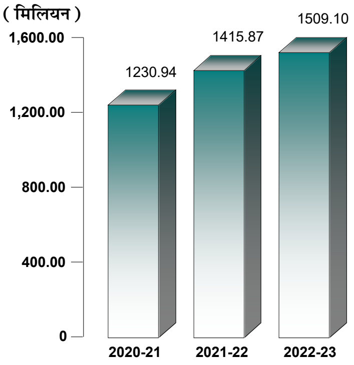

शुद्ध टन किलोमीटर
(राजस्व-आमदनी)

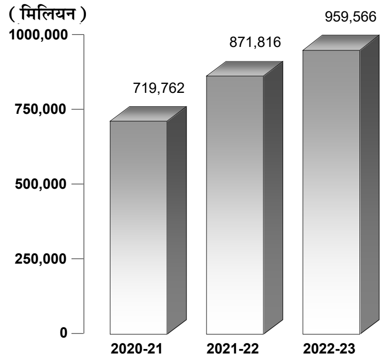

औसत गमन दूरी
माल के टन का औसत गति अंतर
(राजस्व-आमदनी यातायात)

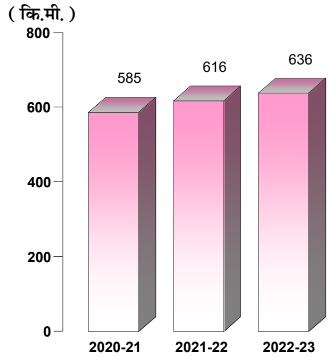

माल आमदनी

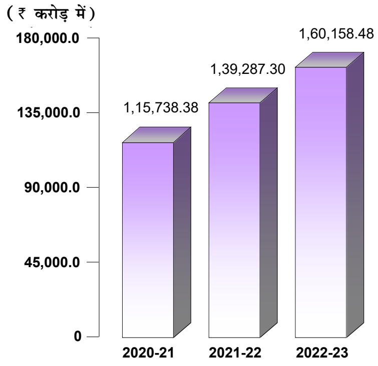

माल यातायात सेवाएं - संरचना और दरें

1. वर्ष 2022-23 में मालभाड़े में कोई वृद्धि नहीं की गई।

2. विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की वैधता-अवधि को बढ़ाया गया है, जिसमें पारंपरिक रिक्त प्रवाह दिशाओं (टीईएफडी) में लादे गए यातायात के लिए उदारीकृत स्वचल मालभाड़ा छूट योजना, स्टेशन से स्टेशन दर (एसटीएस), खुले और सपाट मालडिब्बों में लादे गए बोरीबंद परेषण पर छूट, खुले और सपाट मालडिब्बों में लादे होने पर बोरीबंद/खुली फ्लाई ऐश और बेड ऐश पर छूट, फ्रेट फारवर्डर स्कीम (एफएफएस), अल्प गमन-दूरी रियायत, नमक यातायात के लिए श्रेणीबद्ध रियायत, पूर्वोत्तर राज्यों से/के लिए बुक किए गए यातायात के लिए 6% रियायत आदि शामिल हैं।

माल विपणन

1. **गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल:-** दिनांक 15.12.2021 को भारतीय रेल ने नई 'गति शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल' नीति का लोकार्पण किया था। इस नीति का उद्देश्य रेल कार्गो की सम्हलाई के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में उद्योगजगत से निवेश को बढ़ावा देना है। इन टर्मिनलों का गैर-रेल भूमि के साथ-साथ अंशत: या पूर्णत: रेल भूमि पर निर्माण किया जा रहा है। गति शक्ति टर्मिनल नीति के लोकार्पण के बाद सभी नए टर्मिनलों को गति शक्ति टर्मिनल के रूप में चालू किया जा रहा है।

2. **जॉइन्ट पार्सल प्रोडक्ट:-** भारतीय डाक और भारतीय रेल का जॉइन्ट पार्सल प्रोडक्ट - दिनांक 01.02.2022 को माननीय वित्त मंत्री के बजट भाषण के गति शक्ति खंड के अंतर्गत की गई घोषणा के अनुसार, भारतीय रेल को 'पार्सलों के संचलन हेतु निर्बाध समाधान उपलब्ध कराने के लिए डाक और रेल नेटवर्क के एकीकरण में अग्रणी भूमिका निभाने' का जनादेश दिया गया है।

   उसके अनुपालन में, भारतीय डाक के सहयोग से 'जॉइन्ट पार्सल प्रोडक्ट' तैयार किया गया है, जिसमें डाक विभाग द्वारा प्रथम-मील और अंतिम-मील संपर्क उपलब्ध कराया जाता है, और मध्य-मील अर्थात रेलवे स्टेशन से रेलवे स्टेशन तक मध्यवर्ती संपर्क भारतीय रेल द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। 'जॉइन्ट पार्सल प्रोडक्ट' का लक्ष्य संपूर्ण पार्सल सम्हलाई समाधन सुलभ कराकर व्यवसाय-से-व्यवसाय और व्यवसाय-से-ग्राहक बाजार को हासिल करना है, अर्थात प्रेषक के परिसर से उठाना, बुकिंग और प्राप्तकर्ता के लिए द्वार-पर सुपुर्दगी।

   दिनांक 15.02.2023 से भारतीय रेल के नेटवर्क पर अभिनिर्धारित मार्गों पर समय-सारणीबद्ध जॉइन्ट पार्सल प्रोडक्ट रेलगाड़ियां (पूर्ण रेक में) शुरू की गई हैं। इस समय भारतीय डाक के सहयोग से 13 अभिनिर्धारित मार्गों (वापसी फेरा आधार पर) पर जॉइन्ट पार्सल प्रोडक्ट रेलगाड़ियां चल रही हैं।

3. **वाणिज्यिक आमदनी और गैर-किराया राजस्व संविदाओं के लिए ई-नीलामी:-** दिनांक 13.06.2022 को अखिल भारत आधार पर वाणिज्यिक आमदनी और 'गैर-किराया राजस्व' संविदाओं के लिए ई-नीलामी नीति जारी की गई है। इसमें यात्री रेलगाड़ियों से जुड़ी ब्रेकवैनों/पार्सल वैनों में पार्सल स्थान, पार्किंग स्थल, भुगतान-एवं-उपयोग शौचालय, अमानती सामानघर, वातानुकूल प्रतीक्षालय, बोटल क्रशर, व्यावसायिक प्रचार के लिए जगह, रेलवे स्टेशनों की ब्रांडिंग आदि की संविदाएं शामिल हैं। इस नीति के अंतर्गत भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) के माध्यम से बोली लगाई जाती है।

ई-नीलामी प्रक्रिया (i) निविदाओं को अंतिम रूप देने में लगने वाले समय को बहुत अधिक कम करने और इस कारण राजस्व की हानि की रोकथाम करने, (ii) किसी ठेकेदार के विफल रहने की स्थिति में शीघ्रोशीघ्र ठेका दुबारा देने, और (iii) बोली लगानेवालों के बीच सांठ-गांठ को समाप्त करने में सहायता करती है। इसके अलावा, पूरी भारतीय रेल में किसी भी ई-नीलामी में पंजीकरण/भागीदारी के लिए फर्मों पर कोई भौगोलिक प्रतिबंध नहीं है, जिससे बोली लगानेवालों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

भारतीय रेल का कार्गो लिनियर डबल डैकर माल डिब्बा

4. निजी निवेश आमंत्रित करके माल यातायात के लिए रेकों की अधिप्राप्तिः-

i. सामान्य प्रयोजन मालडिब्बा निवेश योजनाः- अंतिम उपयोगकर्ताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पत्तन स्वामियों, संभार-तंत्र प्रदाताओं और खान मालिकों द्वारा सामान्य प्रयोजन मालडिब्बों की अधिप्राप्ति के लिए निवेश की अनुमति देना। यह योजना पात्र निवेशकों को इन रेकों में किसी भी पण्य की ढुलाई करने हेतु किसी भी वांछित सर्किट (सर्किटों) में सामान्य प्रयोजन मालडिब्बों के न्यूनतम एक रेक में निवेश करने की अनुमति देती है।

ii. उदारीकृत विशेष माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजनाः- वर्ष 2020 में उदारीकृत विशेष माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना को पूर्ववर्ती दो योजनाओं अर्थात उदारीकृत मालडिब्बा निवेश योजना और विशेष माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना को मिलाकर शुरू किया गया था। इस नीति का उद्देश्य रेल यातायात के जिंस आधार को बढ़ाने के लिए उच्च क्षमता और विशेष प्रयोजन मालडिब्बों में अपारम्परिक यातायात के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी को बढ़ाना है। यह नीति संभार-तंत्र सेवा प्रदाताओं या विनिर्माताओं को रेलवे और स्वयं के लिए जीत-जीत की स्थिति का सृजन करने के लिए मालडिब्बों में निवेश करने और चयनित पण्य के रेल परिवहन की श्रेष्ठताओं का उपयोग करने का अवसर देती है। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए उनके पण्यों के साथ-साथ तीसरे पक्ष के पण्यों का परिवहन करके उनके चल स्टॉक का बेहतर उपयोग करने के अवसर का भी सृजन करती है।

रोल-ऑन-रोल-ऑफ (आरओ-आरओ) प्रत्यय के अंतर्गत ट्रकों के परिवहन के लिए मालडिब्बों का प्रवेशन साध्य बनाने के उद्देश्य से, वर्ष 2022 में 'रोल-ऑन-रोल-ऑफ (आरओ-आरओ) सेवाओं' को उदारीकृत विशेष माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना नीति के अंतर्गत पण्यों की सूची में शामिल किया जा चुका है।

iii. मोटरयान माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजनाः- मोटरयान माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना ऑटोमोबाइल क्षेत्र के परिवहन हेतु निजी पार्टियों द्वारा विशेष प्रयोजन रेकों की अधिप्राप्ति और परिचालन की अनुमति देती है।

iv. मालडिब्बा पट्टा योजनाः- इस योजना ने भारतीय रेल में रेल मालडिब्बों को पट्टे पर देने का प्रत्यय शुरू किया था। इस योजना का लक्ष्य सार्वजनिक निजी भागीदारी मार्ग द्वारा कंटेनरों के संचलन हेतु सामान्य प्रयोजन मालडिब्बों, विशेष प्रयोजन मालडिब्बों और मालडिब्बों के रेकों का प्रवेशन है। मालडिब्बा पट्टे पर लेने वाली कंपनियां मोटरयान माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना, सामान्य प्रयोजन मालडिब्बा निवेश योजना, उदारीकृत विशेष माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना, मोटरयान माल रेलगाड़ी ऑपरेटर योजना और कंटेनर रेलगाड़ी ऑपरेटरों को भी मालडिब्बा पट्टे पर दे सकती हैं।

माल यातायात, उत्तर पश्चिम रेलवे

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आवश्यक सूचना इस प्रकार हैः

क. दावे (2022-23)

रेलवे द्वारा दर्ज किए गए दावों की संख्या 2019-20 के दौरान 5,670, 2020-21 में 3,845, 2021-22 में 3,401 और 2022-23 में 3,584 थी।

ख. दावे (अप्रैल-सितंबर 2023)

रेलवे द्वारा दर्ज किए गए दावों की संख्या अप्रैल से सितंबर 2020 की अवधि के दौरान 1,403, अप्रैल से सितंबर 2021 की अवधि के दौरान 1,683, अप्रैल से सितंबर 2022 की अवधि के दौरान 1,717 और अप्रैल से सितंबर 2023 की अवधि के दौरान 1,584 थी।

दावा उत्पन्न होने की रोकथाम करने के लिए रेलवे द्वारा शुरू किए गए उपाय इस प्रकार हैं:

1. उपयुक्त संबंधन के लिए खराब और अलग मालडिब्बों की निगरानी करना और उसे उसके बुक किए गए गंतव्य/सही परेषिती को भेजना। इस प्रयोजनार्थ मालडिब्बों को जोड़ने/अलग करने के विवरण एफओआईएस मॉड्यूल में दर्ज किए जाते हैं।

2. पार्सलों की निगरानी करने के लिए पार्सल/सामान की बुकिंग/लदान/उतराई/सुपुर्दगी का विवरण पीएमएस में डाला जाता है ताकि ग्राहकों के लिए उनके द्वारा बुक करवाए परेषणों की वस्तुस्थिति देख पाना साध्य बनाया जा सके।

3. बुकिंग करते समय, जहां भी आवश्यक हो, दोषपूर्ण पैकिंग दशाओं के बारे में परेषिती या उसके अधिकृत अभिकर्ता से अग्रेषण नोटों पर टिप्पणी प्राप्त की जाती है, जैसे 'आंतरिक/बाहरी पैकिंग शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया है। पारवहन के दौरान क्षति के लिए उत्तरदायी है, आदि' और रेल रसीद/रेलपथ बीजक पर भी उसी टिप्पणी की प्रतिकृति तैयार की जाती है।

4. परेषणों का संबंधन और सुपुर्दगी साध्य बनाने के लिए परेषणों के आगमन से पहले गंतव्य रेलवे स्टेशन पर ओआरआरएस/पीआरआरएस की प्रतिलिपि भेजना।

5. इलेक्ट्रानिक चलायमान तुला चौकियों द्वारा रेकों को तौलना और सुपुर्दगी से पहले गंतव्य पर पार्सलों को तौलना।

6. रेकों का मार्गरक्षण।

7. मानसून पूर्वोपायों के संबंध में प्रत्येक वर्ष सर्वसंबंधित को अग्रिम रूप से अनुदेश जारी किए जाते हैं ताकि गीला होने से परेक्षण की क्षति की रोकथाम की जा सके।

8. मालडिब्बों के दरवाजों को ठीक से बंद करना, बोल्ट लगाना और कसना।

9. बोरीबंद परेषणों से सामग्री की उठाईगिरी की रोकथाम करने के लिए सेलुलोस झिल्ली का उपयोग। पानी के रिसाव को रोकने के लिए दरवाजे के सूराखों पर गनी स्ट्रिप्स/प्लास्टिक शीट का उपयोग, और खुले मालडिब्बों पर तिरपाल का उपयोग।

10. सभी बड़े पार्सल कार्यालयों में पर्याप्त सीसीटीवी की व्यवस्था करना।

11. माल शेड में ऊंचे मस्तूल के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की सुविधा।

12. दावा मामलों के संबंध में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को नवीनतम नियमों, परिपत्रों और नई प्रौद्योगिकियों के बारे में नियमित परामर्श और प्रशिक्षण दिया जाता है।

यात्री व्यवसाय

यात्रियों की यात्राएं
(संख्या)

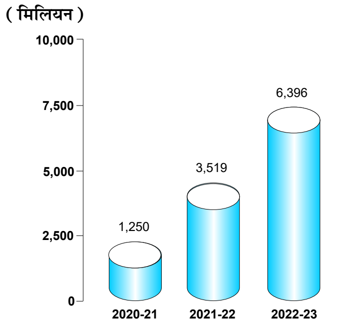

वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 में यात्री यातायात का स्वरूप नीचे दर्शाया गया है:

	उपनगरीय		अनुपनगरीय	
	2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**
प्रारंभिक यात्री (दस लाख में)	2,169	**3,792**	1,350	**2,604**
यात्री किलोमीटर (दस लाख में)	69,798	**11,4350**	5,20,419	**8,44,570**
औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)	32.2	**30.2**	385.5	**324.4**
आमदनी (करोड़ ₹ में)	1,369.98	**2,639.08**	37,844.42	**60,777.76**
प्रति यात्री किलोमीटर औसत दर (पैसे)	19.6	**23.08**	72.72	**71.96**

पिछले तीन वर्षों में यात्री यातायात का समग्र रुझान इस प्रकार था:-

	कुल उपनगरीय और अनुपनगरीय		
	2020-21	2021-22	**2022-23**
यात्री आमदनी (करोड़ ₹ में)	15,248.49	39,214.39	**63,416.85**
यात्री यात्राएं (दस लाख में)	1,250	3,519	**6,396**
यात्री किलोमीटर (दस लाख में)	2,31,126	5,90,217	**9,58,919**
औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)	184.8	167.7	**149.9**

यात्री किलोमीटर

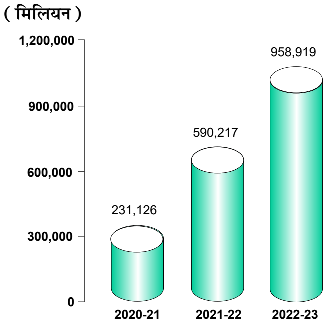

किराया संरचना

क) वर्ष 2022-23 में यात्री किरायों में कोई वृद्धि नहीं की गई।

ख) दिनांक 05.05.2022 से उपनगरीय रेलखंड पर यात्री किराये को निम्नानुसार युक्तिसंगत बनाया गया था:-

(i) वातानुकूल ईएमयू की एकल यात्रा आधार किराये को लगभग 50% घटाकर युक्तिसंगत बनाया गया है।

(ii) प्रथम श्रेणी के एकल यात्रा मूल किराये में लगभग 41% से 49% की कमी की गई है।

बिना टिकट यात्रा

2022-23 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा (बुक नहीं किए सामान की ढुलाई सहित) के विरुद्ध 4.61 लाख जांच की गई। बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बुक नहीं किए गए सामान के लगभग 361.03 लाख मामलों का पता लगाया गया और इस खाते में ₹2260.05 करोड़ वसूल किए गए।

यात्री राजस्व

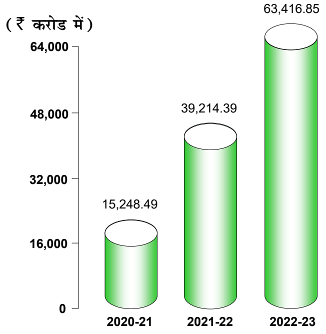

समयपालन

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय रेल में संचयी समयपालन 80.79% है, जो 2021-22 की समनुरूप अवधि की तुलना में 9.69% कम है। वर्ष 2022-23 के दौरान प्रतिदिन 1929 रेलगाड़ियों का परिचालन किया गया जबकि गत वर्ष 2021-22 के दौरान प्रतिदिन 1530 रेलगाड़ियों का परिचालन किया गया था (21% की वृद्धि अर्थात् 399 रेलगाड़ियां प्रतिदिन)।

अयोध्या स्टेशन इमारत, उत्तर रेल

यूनिट राजस्व

वर्ष 2022-23 में प्रति यात्री किलोमीटर की औसत दर 66.13 पैसे थी, जबकि वर्ष 2021-22 में यह 66.4 पैसे थी। विभिन्न श्रेणियों के लिए औसत राजस्व इस प्रकार था:

	प्रति यात्री किलोमीटर आमदनी (पैसे में)		प्रति यात्री आमदनी (₹ में)	
	2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**
उपनगरीय (सभी श्रेणियां)	19.6	**23.1**	6.3	**7.0**
अनुपनगरीय:				
वाता प्रथम श्रेणी	333.6	**331.7**	1,996.5	**1,940.8**
वाता शयनयान	182.6	**186.1**	1,459.0	**1,484.0**
वाता 3-टियर	135.1	**137.0**	1,184.8	**1,183.4**
प्रथम श्रेणी	387.8	**282.7**	234.1	**217.9**
वाता कुर्सीयान	176.2	**190.0**	530.6	**567.6**
शयनयान श्रेणी:				
(i) मेल/एक्सप्रेस	56.9	**56.8**	438.1	**416.5**
(ii) साधारण	63.7	**65.0**	55.4	**123.6**
द्वितीय श्रेणी:				
(i) मेल/एक्सप्रेस	45.1	**41.8**	121.5	**103.1**
(ii) साधारण	21.8	**15.2**	12.7	**8.8**
कुल अनुपनगरीय	72.7	**72.0**	280.3	**233.4**

वर्ष 2021-22 के दौरान भारतीय रेल द्वारा नई गाड़ियों की शुरुआत की गई, उनका चालन-क्षेत्र बढ़ाया गया और मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई, जैसा कि नीचे दिया गया है:

	रेलगाड़ियां शुरू की गई	रेलगाड़ियों के चालन-क्षेत्र बढ़ाए गए	रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए गए	कुल
अनुपनगरीय	145	147	30	322
उपनगरीय	15	50	34	99
कुल	**160**	**197**	**64**	**421**

(इकहरी रेलगाड़ियां)

खानपान सेवाएं

भारतीय रेल की धरोहर का पुनर्स्थापन एवं संरक्षण, आईआरआईटीएम

रेलगाड़ियों में और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं। खानपान नीति-2017 में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के स्वामित्व, संचालन और प्रबंधन के अंतर्गत बेस किचन से रेलगाड़ियों में भोजन की सेवा उपलब्ध कराने का अध्यादेश दिया गया है। रसोई यानों (540 जोड़ी रेलगाड़ियां), ट्रेन साइड वेंडिंग (728 जोड़ी रेलगाड़ियां) और मार्गवर्ती स्टेशनों पर स्थैतिक इकाइयों द्वारा यात्रियों के लिए खानपान सेवाएं सुलभ कराई जाती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलगाड़ी में यात्री ई-केटरिंग सेवाओं जो प्रतिदिन 44,869 भोजनों की औसत के साथ 368 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध हैं, स्थैतिक खाद्य इकाइयों जिनमें 561 बड़ी स्थैतिक इकाइयां (फूड प्लाजा, फास्ट फूड इकाइयां, जन आहार, सेल किचन, बेस किचन, जलपान गृह और ऑटोमैटिक वेंडिंग मशीनें) और 9,318 लघु स्थैतिक इकाइयां (सभी स्टॉल, ट्रॉलियां) शामिल हैं, के माध्यम से अपनी पसंद का भोजन

प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों पर 632 जल विक्रय मशीनें, 1201 बहुप्रयोजनीय स्टॉल, 60 पुस्तक स्टॉल, 34 विविध/क्यूरियो स्टॉल और 03 अनन्य कैमिस्ट स्टॉल चालू हैं जो यात्रियों की यात्रा संबंधी आवश्यक वस्तुओं की सुलभता सुनिश्चित कर रहे हैं।

भारतीय रेल द्वारा खानपान सेवाओं में सुस्पष्ट सुधार लाने के इसके प्रयास में, वर्ष 2022-23 के दौरान कई पहलें की गई हैं जो इस प्रकार हैं:-

- बेस किचन/किचन यूनिटों का उन्नयन किया गया है।
- स्रोत पर ही भोजन तैयार करने की बेहतर निगरानी करने के लिए उन्नत बेस किचन/किचन यूनिटों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस द्वारा बेस किचनों की रियल टाइम निगरानी और लाइव स्ट्रीमिंग को शेयर करना।
- रेलगाड़ियों में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के पर्यवेक्षकों की तैनाती।
- भोजन के डिब्बों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं ताकि रसोई का नाम, पैकेजिंग की तारीख, एक्सपायरी की तारीख आदि जैसे विवरण प्रदर्शित किए जा सकें।
- भोजन के डिब्बों पर स्टिकरों द्वारा शाकाहारी और मांसाहारी भोजन को अलग करना।
- नकदी रहित लेनदेन की अनिवार्य सुविधा, खानपान इकाइयों में किए गए लेनदेन के सभी विवरणों को दर्शाने वाले मुद्रित बिल और बीजक जारी करना।
- शुरू किए गए जागरूकता अभियान:
  - ➢ सभी उत्पादों पर एमआरपी - 'यदि एमआरपी नहीं, लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा'।
  - ➢ बिल नहीं है - तो भोजन निःशुल्क है।
  - ➢ सेवा प्रदाताओं की वर्दियों पर 'कोई बख्शीश नहीं' सिलवाया/प्रदर्शित किया जाता है।
- रसोईयानों और रसोई इकाइयों में स्वास्थ्य-विज्ञान और स्वच्छता की जांच लाने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट किया जाता है। ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण भी किया जाता है।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक खानपान इकाई के नामित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों से प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।
- खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता की पद्धतियों पर नजर रखने के लिए किचन यूनिटों में खाद्य संरक्षा पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।
- खाद्य संरक्षा अधिकारियों सहित रेलवे/इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के अधिकारियों द्वारा नियमित एवं औचक निरीक्षण किए जाते हैं।
- इसके अलावा, रेलगाड़ियों में खानपान सेवाओं में सुधार लाने के उपाय के रूप में, आईआरसीटीसी को समान दरसूची के अंदर मेनू को अनुकूलीकृत करने की छूट दी गई है ताकि क्षेत्रीय व्यंजनों/पसंद की वस्तुओं, मौसमी व्यंजनों, त्योहारों के दौरान आवश्यक वस्तुओं विभिन्न यात्री समूहों के पसंद के अनुसार खाद्य पदार्थों जैसे मोटे अनाज के स्थानीय उत्पादों सहित डायबेटिक फूड, बेबी फूड, हेल्थ फूड का विकल्प दिया जा सके।
- रेल मदद, ट्विटर हैंडल @IR CATERING, सीपीजीआरएएमएस, ई-मेल और एसएमएस द्वारा यात्रियों का फीडबैक, शिकायतें प्राप्त करने के लिए एक सुदृढ़ तंत्र भी मौजूद है।

क्यूआर कोड आधारित टिकटिंग प्रणाली, मेट्रो रेलवे, कोलकाता

आधुनिक यात्री सुविधाओं सहित अपग्रेड किया गया होसपेट रेलवे स्टेशन, जो दक्षिण पश्चिम रेलवे के हम्पी - यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल तक रेलहैड के रूप में सेवा प्रदान करता है।

रेल पर्यटन

भारत गौरव रेलगाड़ी

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से रेल टूर पैकेजों, किफायती पर्यटक रेलगाड़ियों, चार्टर बिजनेस आदि के द्वारा रेल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। अब प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में सफल होने और सहक्रियताओं को बेहतर बनाने तथा जनता को बेहतर पर्यटन उत्पाद पेश करने के लिए रेल आधारित पर्यटन गतिविधियों के साथ-साथ गैर-रेल आधारित पर्यटन उत्पादों को शामिल करने हेतु पर्यटन गतिविधियों की परिधि को बढ़ाया गया है। रेल-संपर्क देशभर में पर्यटन स्थलों तक पहुंचने और उनका प्रचार-प्रसार करने में सहायता करता है।

यद्यपि कोविड-19 विश्वमारी ने पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है तथापि भारतीय रेल के पर्यटन संगठन इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने कोविड-19 की चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया है। भारत सरकार के कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्ती से अनुपालन करते हुए नई सामान्य स्थिति के साथ पैकेज शुरू किए गए थे। रेल टूर पैकेज शुरू करके, भारतीय रेल ने कोविड-19 अवधि के दौरान विभिन्न टूर पैकेजों का संचालन किया।

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से बजट से लग्जरी श्रेणी के यात्रियों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद सुलभ कराती है। इसके अतिरिक्त, यह रेलवे स्टेशनों पर पर्यटन सूचना और सहायता केंद्रों, एग्जीक्यूटिव लाउंज आदि के माध्यम से विभिन्न गंतव्यों और टूर पैकेजों के बारे में भी जानकारी सुलभ कराकर प्रमुख स्थानों पर बजट होटलों का संचालन करने में भी व्यस्त है।

प्रस्तावित काटपाडी जंक्शन, दक्षिण रेल की सादृश्यमूलक छवि

महत्वपूर्ण रेलगाड़ी/कोच सेवाएं, विभिन्न रेल आधारित टूर पैकेज हैं: (i) भारत गौरव गाड़ियां, (ii) लग्जरी टूरिस्ट रेलगाड़ियां जैसे महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरियट, पैलेस ऑन व्हील्स एवं डेक्कन ओडिसी, (iii) डीलक्स रेलगाड़ियां जैसे बौद्ध सर्किट स्पेशल रेलगाड़ी और एसी डीलक्स टूरिस्ट रेलगाड़ी, (iv) रेल टूर पैकेज, और (v) ऑनलाइन चार्टर रेलगाड़ियां/कोच और सैलून कार।

(i) भारत गौरव रेलगाड़ियां:

भारतीय रेल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को दिखाने के उद्देश्य से दिनांक 23.11.2021 के 2021 के वाणिज्यिक परिपत्र संख्या 14 द्वारा भारत गौरव रेलगाड़ी नीति के अंतर्गत थीम-आधारित पर्यटक सर्किट रेलगाड़ियां शुरू की हैं। सेवा प्रदाता अपना स्वयं का व्यवसाय मॉडल अपनाने और पर्यटकों से वसूला जाने वाला टैरिफ निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होगा। सेवा प्रदाता रेल परिवहन, आवास, भोजन, स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा आदि की सुविधा के साथ एक व्यापक पैकेज पेश कर सकता है। सेवा प्रदाता विपणन, टिकटों की बुकिंग, खानपान, आवास आदि जैसी बैक-एंड सेवाओं हेतु सहयोग-करार करने के लिए स्वतंत्र होगा। यह योजना रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भी गुणात्मक प्रभाव का सृजन करेगी। सवारी डिब्बों का स्वामित्व भारतीय रेल के पास रहेगा और भारतीय रेल सवारी डिब्बों के अनुरक्षण और उन्हें खड़ा करने की सुविधाओं सहित परिचालनिक सहायता प्रदान करेगी।

प्रस्तावित चेन्नै इग्मोर, दक्षिण रेल की सादृश्यमूलक छवि

रेल मंत्रालय ने भारत गौरव रेलगाड़ी नीति के अंतर्गत बेहतर गुणवत्ता वाले लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्बों की व्यवस्था द्वारा घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों पर संघटित बल देने और भारत गौरव रेलगाड़ी योजना के अंतर्गत रेल आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु रेलों को देय प्रभारों में लगभग 33% रियायत देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, भविष्य में भारत गौरव रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए एलएचबी सवारी डिब्बों की मांग को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से, इस समय केवल इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन को नए रेक का अनुरोध करने की अनुमति है। मौजूदा सेवा प्रदाता, जिन्होंने पहले ही अपना रेक अनुरोध दे चुके हैं/जिन्हें रेक आवंटित कर दिया गया है, भारत गौरव रेलगाड़ी नीतिगत रूपरेखा के अंतर्गत कार्य करना जारी रखेंगे।

प्रथम भारत गौरव रेलगाड़ी अर्थात शिरडी यात्रा 14.06.2022 को कोयम्बत्तूर से मंत्रालायम और शिरडी तक और वापसी के लिए शुरू की गई थी और यह कुल 2,880 किलोमीटर की दूरी तय करती है। भारत गौरव रेलगाड़ी नीति का विवरण https://bharatgauravtrains.indianrailways.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

सीएसटीएम, मध्य रेल, मुंबई

वित्त वर्ष 2022-23 में देश भर के विभिन्न पर्यटन स्थलों को शामिल करने वाली भारत गौरव रेलगाड़ियों की कुल 31 यात्राएं विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा संचालित की गईं जिनमें 14,146 लोगों ने यात्रा की। ये भारत गौरव रेलगाड़ियां लगभग 74% की उपयोग दर के साथ संचालित की गईं। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित पहली भारत गौरव रेलगाड़ी, रामायण यात्रा, पर्यटकों को लेकर नेपाल गई थी।

(ii) लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ियां

क) महाराजा एक्सप्रेस:

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से महाराजा एक्सप्रेस का सफलतापूर्वक प्रबंधन और परिचालन कर रही है जिसे विश्व भर में सम्मानित किया गया है। 2012 से 2018 तक लगातार सात वर्षों तक 'महाराजा' एक्सप्रेस को विश्व यात्रा पुरस्कार समारोह में विश्व की अग्रणी लग्जरी टूरिस्ट रेलगाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया है। महाराजा एक्सप्रेस को लगातार दो वर्षों अर्थात् 2015 और 2016 के लिए 'लग्जरी हॉस्पिटैलिटी और लाइफ स्टाइल पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है जैसा कि सात सितारा लग्जरी पुरस्कार में घोषित किया गया था।

मधुपुर स्टेशन, पू.रे. पर लिफ्ट

23 सवारी डिब्बों की इस रेलगाड़ी में चार विभिन्न प्रकार के आवास हैं जैसे डीलक्स केबिन, जूनियर सुइट केबिन, सुइट्स और प्रेजीडेंशियल सुइट। सभी केबिनों में सुइट में स्नानागार की सुविधा मौजूद है। इन केबिनों में अलमारी का पर्याप्त स्थान और सामान रखने का स्थान मुहैया कराया गया है।

रेलगाड़ी में एक पूरा रसोईघर भी है जो अंतरराष्ट्रीय और भारतीय व्यंजन परोसता है। इसकी व्यंजन-सूची प्रतिदिन बदलती है और अतिथि यात्रा शुरू होने से पहले विशेष आहार का अनुरोध भी कर सकते हैं। यह रेलगाड़ी ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड सेवाओं को उसी गुणवत्ता/सेवाओं के स्तर के लिए बहुत कम दरों पर पेश करती है।

उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, रणथंभौर, आगरा, खजुराहो और वाराणसी जैसे स्थानों की यात्रा करने के लिए 6 रातों/7 दिनों के तीन पैकेज और 3 रातों/4 दिनों का एक पैकेज बनाया गया है। इस रेलगाड़ी की वेबसाइट अर्थात www.the-maharajas.com पर प्रस्थान तिथियों के साथ यात्रा कार्यक्रम अपलोड किए गए हैं। यह रेलगाड़ी पर्यटन सीजन सितंबर से अप्रैल के दौरान चलाई जाती है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने लगभग 975 पर्यटकों के साथ महाराजा एक्सप्रेस के 23 फेरों का संचालन किया है।

ख) पैलेस ऑन व्हील्स

वर्ष 1982 से भारतीय रेल द्वारा राजस्थान पर्यटन विकास निगम के माध्यम से पैलेस ऑन व्हील्स, एक लग्जरी गाड़ी चलाई जा रही है, जो रेत के बालू के टीलों और शाही महलों की शाही भूमि की जगमग यात्रा करवाती है। विश्व में चौथी सर्वश्रेष्ठ लग्जरी गाड़ी के रूप में मानी जाने वाली पैलेस ऑन व्हील्स में एक ऐसा मूलभूत परिवेश है जो भारतीय भूभाग में सर्वत्र इतनी भव्यता से फैले हुए राजसी आकर्षण और सौंदर्य के साथ परिपूर्ण मेल खाता है।

भारतीय रेल में अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास

भारतीय रेल में पैलेस ऑन व्हील रेलगाड़ी अपनी तरह का सर्वाधिक विलासतापूर्ण यात्रा अनुभव सुलभ कराती है। अतिथि केबिन एक शांत, निजी स्थान मुहैया कराते हैं जहां अतिथि पढ़

सकते हैं, आराम कर सकते हैं अथवा विशालदर्शी खिड़कियों से भूदृश्य की रील को आसानी से निहार सकते हैं।

रसोइयों की एक समर्पित टीम रेलगाड़ी में 2 डाइनिंग कारों में परोसे जाने वाले स्वादिष्ट भोजन का ख्याल रखती है। शाही राजपूताना के विशुद्ध भोजन अनुभव के लिए, ताजा स्थानीय वस्तुओं और पारंपरिक व्यंजनों पर बल दिया जाता है।

पैलेस ऑन व्हील्स में स्पा कार, लाउंज कार और एक बार-कार सुनिश्चित करती है कि आप अपने यात्रा कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान यात्रा करने के अधिक उमदा पहलुओं को फिर से पाएं। अत: जीवन की शांत गति और अधिक उमदा युग में वापस कदम रखने के लिए तैयार रहें।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने 739 पर्यटकों के साथ पैलेस ऑन व्हील्स के 19 फेरों का संचालन किया।

ग) गोल्डन चैरियट:

भारतीय रेल द्वारा कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम के सहयोग से दक्षिण भारत में एकमात्र लक्जरी रेलगाड़ी गोल्डन चैरियट चलाई जाती है जिसका परिचालन प्रत्येक वर्ष सितंबर से मार्च/अप्रैल के महीनों में पर्यटन सीजन के दौरान किया जाता है। कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम ने गोल्डन चैरियट गाड़ी के विपणन और परिचालन के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जनवरी 2020 के दौरान इस रेलगाड़ी को अपने स्वामित्व में लिया गया था। सीजन 2023-24 और 2024-25 के लिए इस रेलगाड़ी के यात्रा कार्यक्रम और प्रस्थान की तारीखें पहले ही आधिकारिक वेबसाइट www.goldenchariot.org पर घोषित और प्रकाशित की जा चुकी हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और गोवा में विभिन्न गंतव्यों के लिए तीन यात्रा कार्यक्रम अर्थात प्राइड ऑफ कर्नाटका (5 रातें/6 दिन), ज्वैल्स ऑफ साउथ (5 रातें/6 दिन) और ग्लिम्पसेस ऑफ कर्नाटका (3 रातें/4 दिन) बनाए गए हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम ने 22 पर्यटकों के साथ गोल्डन चैरियट के 01 फेरे का संचालन किया है।

घ) डेक्कन ओडिसी:

पहली भारतीय लग्जरी रेलगाड़ी 'डेक्कन ओडिसी' की भारी सफलता ने देश के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में एक और डीलक्स रेल यात्रा की शुरूआत का मार्ग प्रशस्त किया है। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के मौलिक विचार के रूप में डेक्कन ओडिसी, यात्रियों को अपनी तरह का सबसे विलासितापूर्ण यात्रा अनुभव पेश करती है।

दक्षिण अफ्रीका की ब्लू ट्रेन अथवा यूरोप की ओरिएंट एक्सप्रेस जैसी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शाही गाड़ियों के समकक्ष बनाते हुए, डेक्कन ओडिसी को हर आधुनिक सुविधा के साथ सुसज्जित किया गया था जो महाराष्ट्र की आरामदेह और डीलक्स यात्रा के लिए प्रत्येक लग्जरी रेलगाड़ी सैर बनाने में योगदान करती है।

डेक्कन ओडिसी रेलगाड़ी भारत के किलों और महलों, ताज महल, बाघ एवं शेर वन अभ्यारण्यों तथा यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों जैसे अजंता एलोरा गुफाएं और हाम्पी आदि की सैर करवाती है। भारत में किसी अन्य लग्जरी गाड़ी की तुलना में डेक्कन ओडिसी सबसे विविधतापूर्ण यात्रा कार्यक्रमों को पेश करती है।

डेक्कन ओडिसी रेलगाड़ी को लगातार तीन बार 'विश्व लग्जरी ट्रैवल अवॉर्ड्स' में एशिया की सर्वश्रेष्ठ लग्जरी गाड़ी घोषित किया गया है। डेक्कन ओडिसी लग्जरी रेलगाड़ी यात्रा में आप सुइट में

स्नानागार सहित समृद्ध रूप से सुसज्जित आरामदायक वातानुकूल केबिनों में रात भर यात्रा का आनंद ले सकते हैं। दिन के समय में आप पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विविध पर्यटन स्थलों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनंद ले सकते हैं। रेलगाड़ी की साज-सज्जा डेक्कन परिवेश के एक विशेष युग को दर्शाती है और प्रत्येक केबिन को छोटी अलमारी, निजी तिजोरी, टेलीफोन, प्रसाधन सामग्रियों सहित संलग्न बाथरूम, वातानुकूलन और अतिथियों की चौबीसों घंटे सेवा हेतु एक निजी परिचर के जैसी सुविधाओं के साथ रचनात्मक ढंग से सजाया गया है।

प्रतिदिन तीन समय के भोजन, दर्शनीय स्थलों की सैर, यात्रा और रेलगाड़ी में ठहरने की लागत पैकेज की लागत में शामिल है। इस रेलगाड़ी में 21 आलीशान सवारी डिब्बे हैं, जिनमें 12 यात्री सैलून, दो डाइनिंग कार, एक बार लाउंज, व्यापार केंद्र के साथ कान्फ्रेंस सैलून, मिनी जिम और आयुर्वेदिक स्पा की सुविधा शामिल हैं। पूरी रेलगाड़ी कॉमन पैसेजवे से जुड़ी हुई है और दोनों छोर पर छह यात्री सैलूनों सहित डाइनिंग कारें रेलगाड़ी के बीच में स्थित हैं। डेक्कन ओडिसी के 21 सवारी डिब्बों में से प्रत्येक को भव्यतापूर्वक सजाया गया है जो बीते युग के महाराजाओं की सुरुचिपूर्ण यात्रा शैली की अंतर्दृष्टि का अवलोकन करवाते हैं।

एक सप्ताह के महाराष्ट्र भ्रमण में शामिल सभी स्थानों को वैभवपूर्ण ढंग से चुना जाता है जिससे पर्यटक विविध भूदृश्यों के बीच यात्रा करने के साथ-साथ राज्य की जीवंतता का अनुभव कर सकें। डेक्कन ओडिसी निश्चित रूप से सरकते हुए पहियों पर एक आश्चर्यजनक सैर है जो यात्रियों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है जहां सब कुछ शाही, सुरुचिपूर्ण और विचारोत्तेजक है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम द्वारा डेक्कन ओडिसी के किसी फेरे का संचालन नहीं किया जा सका था।

(iii) डीलक्स रेलगाड़ियां:

क) बुद्धिस्ट सर्किट स्पेशल रेलगाड़ी:

बौद्ध सर्किट 7 रात/8 दिन के यात्रा कार्यक्रम वाला आला उत्पाद है, जो भारत के सभी प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों और नेपाल में लुंबिनी को शामिल करता है। इसके यात्राक्रम में भगवान गौतम बुद्धि के जीवन चक्र के प्रमुख स्थलों और बोधगया, राजगीर, नालंदा वाराणसी, सारनाथ, कुशीनगर लुंबिनी (नेपाल), श्रावस्ती और आगरा जैसे स्थल शामिल किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में यह यात्रा अत्यंत लोकप्रिय है और घरेलू पर्यटक भी इसके प्रति आकर्षित हो रहे हैं। बौद्ध सर्किट रेलगाड़ियों का विवरण और ऑनलाइन बुकिंग बुद्धिस्ट ट्रेन माइक्रो साइट 'www.irctcbuddhisttrain.com' पर उपलब्ध है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने 44 पर्यटकों के साथ बौद्ध सर्किट के 01 फेरे का संचालन किया है।

ख) वातानुकूल डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ियां:

भारतीय रेल द्वारा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन को घरेलू पर्यटकों को लक्षित करने वाले विभिन्न पर्यटक सर्किटों को परिचालित करने की अनुमति देकर बुद्धिस्ट स्पेशल ट्रेन रेक के उपयोग को बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। अतः उसके द्वारा डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ियां शुरू की गई हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने 789 पर्यटकों के साथ 04 फेरों को संचालन किया है।

(iv) रेल टूर पैकेज:

भारतीय रेल का इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से यह एक व्यापक पैकेज है, जिसमें सड़क परिवहन, आवास, भोजन और दर्शनीय स्थलों की यात्रा जैसे पैकेज के अन्य भागों के अलावा सुनिश्चित आगे की और वापसी की रेल यात्रा के साथ वाजिब दरों पर व्यापक पैकेज सुलभ कराए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 21,741 पर्यटकों ने रेल टूर पैकेज की सुविधा का लाभ उठाया।

(v) रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों और सैलून कारों का ऑनलाइन चार्टर तैयार करना:

रेल मंत्रालय द्वारा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन को चार्टर आधार पर पूर्ण किराया दर रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों और सैलून कारों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए सिंगल विंडो एजेंसी के रूप में नामोद्दिष्ट किया गया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के स्पेशल वेब पेज: www.ftr.irctc.co.in द्वारा पूर्ण किराया दर रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों और सैलून कारों की ऑनलाइन बुकिंग की जाती है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा 632 (140 पूर्ण किराया दर रेलगाड़ियां, 399 पूर्ण किराया दर सवारी डिब्बों और 93 सैलून कारें) चार्टर रेलगाड़ियां/सवारी डिब्बों व सैलून कारों का परिचालन किया गया है।

यात्री सुविधाएं

2022-23 में योजना शीर्ष-53 "यात्री सुविधाएं" के अन्तर्गत आवंटन ₹2,700 करोड़ (बजट अनुमान) था और इसमें संशोधन करके ₹3,824 करोड़ (संशोधित अनुमान) किया गया था।

आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए 1,253 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया था, जिनमें से अब तक 1,250 रेलवे स्टेशनों को पूर्वकथित योजना के अंतर्गत विकसित किया जा चुका है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय रेल में 376 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया। 121 रेलवे स्टेशनों पर वाटर कूलर सुलभ कराए गए, 59 रेलवे स्टेशनों को विद्युतीकृत किया गया और रेलवे स्टेशनों पर 221 यात्री लिफ्ट और 188 एस्केलेटर सुलभ कराए गए।

ग्राहक सेवा

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत, भारतीय रेल प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान द्वारा भारतीय रेल के जनता के संपर्क में आने वाले कर्मचारियों अर्थात् चल टिकट परीक्षकों और माल कर्मचारियों - पार्सल/माल एवं वाणिज्यिक लिपिकों को अधिक नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण की दिशा में उन्मुख करने के लिए राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम, "मिशन रेल कर्मयोगी शिष्टता अमृत" कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत, भारतीय रेल प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान में 1150 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया और इन मास्टर प्रशिक्षकों ने मंडलों में लगभग 93,000 फील्ड कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया ताकि उनकी सक्षमताओं अर्थात संवाद, समयबद्धता, ग्राहक उन्मुखता, समस्या समाधान आदि का संवर्धन करके उनके व्यावसायिक पेशेवर दृष्टिकोण को बदला जा सके। आगे ज्ञान साझा करने के लिए इस प्रशिक्षण का एक ऑनलाइन मॉड्यूल भी विकसित किया जा चुका है और आईजीओटी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया जा चुका है।

क) यात्री आरक्षण प्रणाली

यात्री आरक्षण प्रणाली लगभग 3,465 स्थानों पर संचालित है और 3,000 से अधिक रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। कुल आरक्षित टिकटों में ऑनलाइन टिकट बुकिंग का हिस्सा 80% से अधिक है।

भारतीय डाक के यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत आरक्षण टर्मिनलों का विस्तार दूरस्थ क्षेत्रों में किया गया है; साथ ही गैर-रेल शीर्ष यात्री आरक्षण प्रणाली सुविधाओं को राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के माध्यम से बढ़ाया गया है। पिछले वर्षों में यात्री आरक्षण प्रणाली स्थानों की प्रगति इस प्रकार है:

या.आ.प्र. सुविधा वाले स्थलों की संख्या										
12-13	13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	**22-23**
3,019	3,146	3,201	3,350	3,422	3,384	3,443	3,445	3,274	3,456	**3,465**

ख) अनारक्षित टिकट प्रणाली

2002-03 में शुरू की गई अनारक्षित टिकट प्रणाली अब भारतीय रेल पर लगभग 6,120 स्थलों पर कार्य कर रही है। इनमें भारतीय रेल के अधिकांश महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन शामिल हैं। पिछले वर्षों में स्थानों में वृद्धि का विवरण निम्नानुसार है:

अना.टि.प्र. सुविधा वाले स्थलों की संख्या										
12-13	13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	**22-23**
5,619	5,778	5,835	5,860	6,083	6,070	6,259	6,329	4,218*	6,120	**6,331**

*यह अना.टि.प्र. के कार्य कर रहे स्थलों को दर्शाता है। कोविड के कारण कुछ स्थलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप भी लोकप्रिय हो गया है, खासकर मुंबई के उपनगरीय क्षेत्रों में। नवीनतम संवर्धन एम-यूटीएस है जो पोर्टेबल प्रिंटर से जुड़े मोबाइल उपकरणों द्वारा अनारक्षित टिकट प्रणाली टिकटें बुक करने में सहायता करता है।

ग) स्वचल टिकट विक्रय मशीनें/सिक्का-सह-कार्ड चालित स्वचल टिकट विक्रय मशीनें

इस समय भारतीय रेल में 3,771 से अधिक स्वचल टिकट विक्रय मशीनें और सिक्का-सह-कार्ड चालित स्वचल टिकट विक्रय मशीनें कार्य कर रही हैं। स्वचल टिकट विक्रय मशीनें एक टच स्क्रीन सुविधा से यात्री द्वारा अनारक्षित टिकट, प्लेटफार्म टिकट खरीदने और सीजन टिकट को रिचार्ज करने में सहायता करती हैं। इस प्रकार भीड़-भाड़ के समय काउंटरों पर कतार काफी कम हो जाती है।

घ) भारतीय रेल में ऑनलाइन और मोबाइल टिकट प्रणाली

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन की ओर से आरक्षित टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग हेतु www.irctc.co.in की वेबसाइट, जो देशभर में सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइटों में से एक है, का प्रबंधन क्रिस द्वारा किया जाता है।

कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली

पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 168 स्थानों पर कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों में कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली सुलभ है। उपरोक्त में से कुछ स्थान एकीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकट प्रणाली (पीआरएस-सह-यूटीएस) के साथ एकीकृत हैं।

भारतीय रेल पर टिकट बुकिंग की कुछ प्रमुख विशेषताएं

(क) ई-टिकटिंग प्रणाली

ई-टिकटिंग भारतीय रेल की एक सर्वाधिक यात्री हितैषी पहल है, क्योंकि यह रेल आरक्षण काउंटरों तक जाने की आवश्यकता को समाप्त करती है। जिन यात्रियों ने ई-टिकट बुक किए हैं, वे या तो इलेक्ट्रॉनिक रिजर्वेशन स्लिप का प्रिंट आउट ले सकते हैं या इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा भेजे गए शॉर्ट मैसेज सर्विसेज (एसएमएस) को दिखा सकते हैं, जिसमें आरक्षण चार्ट में यात्रियों का नाम मौजूद होने और मूल रूप में पहचान के निर्धारित प्रमाणों में से किसी एक को रखने के अध्यधीन आरक्षित श्रेणियों में यात्रा करने के लिए रेलगाड़ी में टिकट जांच कर्मचारी के लिए सभी महत्वपूर्ण विवरण होते हैं। ई-टिकटिंग द्वारा पेश की जाने वाली सहूलियत के कारण, पिछले कुछ वर्षों में ई-टिकटिंग का हिस्सा लगातार बढ़ा है और यह 2022-23 के दौरान बुक किए गए कुल आरक्षित टिकटों का लगभग 80% है।

(ख) मोबाइल फोन द्वारा अनारक्षित टिकट बुकिंग

नकदी रहित लेनदेन, संपर्क रहित टिकटिंग को बढ़ावा देने और संवर्धित ग्राहक अनुभव के लिए यूटीएसऑनमोबाइल ऐप शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए टिकट बुकिंग काउंटरों पर कतारों में यात्रियों की प्रतीक्षा करने को समाप्त करना और फलस्वरूप, अनारक्षित टिकट-यात्रा सीजन टिकट और प्लेटफार्म टिकटों की निर्बाध बुकिंग में सहायता करना है। रेल वॉलेट (आर-वॉलेट) (सफल पंजीकरण पर शून्य-शेष के साथ बनाया गया और मोबाइल नंबर के साथ जोड़ा गया); या डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट-बैंकिंग; पेमेंट एग्रीगेटर्स जैसे पेटीएम, मोबिक्विक और फ्री चार्ज के माध्यम से यूपीआई जैसे अन्य डिजिटल साधनों द्वारा किया जा सकता है।

(ग) बुकिंग की स्थिति के बारे में जानकारी

पहले आरक्षण चार्ट को गाड़ी के निर्धारित प्रस्थान से कम से कम 4 घंटे पहले स्वतः अंतिम रूप दे दिया जाता है ताकि प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्री अपनी बुकिंग की अंतिम स्थिति के बारे में जान सकें। इसके बाद, उपलब्ध स्थान, यदि कोई हो, किसी भी कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर से या इंटरनेट द्वारा बुक करवाया जा सकता है। दूसरा आरक्षण चार्ट गाड़ी के निर्धारित/ पुनर्निर्धारित प्रस्थान से पहले 30 मिनट से 5 मिनट के बीच तैयार किया जाता है। शेष शायिकाएं, यदि कोई हो, तो अगले दूरस्थ स्थान पर स्थानांतरित कर दी जाती हैं।

यात्री को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस मिलता है, जिसमें आवंटित सवारी डिब्बा और बर्थ संख्या बताए गए होते हैं।

(घ) वैकल्पिक रेलगाड़ी स्थान योजना - विकल्प

प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्रियों को कन्फर्म्ड स्थान सुलभ कराने और उपलब्ध स्थान का यथेष्ट उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वैकल्पिक रेलगाड़ी स्थान योजना - विकल्प नामक एक योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत, प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्री टिकट बुक करवाते समय चार्ट तैयार करने के बाद शायिका कन्फर्म नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक रेलगाड़ी से यात्रा करने का विकल्प दे सकते हैं।

(ङ) स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट

टिकट बुक करवाने में सहायता करने के लिए 'अनुपनगरीय ग्रेड-5' और 'अनुपनगरीय ग्रेड-6' कोटि के रेलवे स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए 'स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों' को नियुक्त किया गया है। 'अनुपनगरीय ग्रेड-4' और 'अनुपनगरीय ग्रेड-3' रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना भी शुरू की गई है।

(च) यात्री टिकट सुविधा केंद्र

टिकटें (आरक्षित और अनारक्षित दोनों) जारी करने की सुविधाओं का विस्तार करने की दृष्टि से, यात्री टिकट सुविधा केंद्र नामक केंद्रों में कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली टर्मिनलों की स्थापना और संचालन में सार्वजनिक निजी भागीदारी की अनुमति दी गई थी।

(छ) दिव्यांगजन के लिए ऑनलाइन रियायती टिकट बुक करवाने की सुविधा

दिव्यांगजन को ऑनलाइन रियायती टिकट बुक करवाने की सुविधा सुलभ कराने के लिए इंटरनेट द्वारा टिकट बुक कराने की परिधि बढ़ाई गई है।

(ज) इंटरनेट द्वारा विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिन पहले बुकिंग

इंटरनेट (ई-टिकटिंग) द्वारा विदेशी पर्यटकों को कन्फर्म्ड आरक्षण सुलभ कराने के उद्देश्य से उन्हें 365 दिन पहले सभी रेलगाड़ियों में एग्जीक्यूटिव श्रेणी/प्रथम वातानुकूल, द्वितीय वातानुकूल, तृतीय वातानुकूल, स्लीपर श्रेणी, द्वितीय सिटिंग और कुर्सीयान श्रेणी में स्थान बुक करने की अनुमति दी गई है। यह सुविधा अग्रिम आरक्षण अवधि के अनुसार रेलगाड़ी में आरक्षण खुलने के समय तक उपलब्ध है। इसके बाद विदेशी पर्यटक, विदेशी पर्यटक कोटे में टिकट बुक करवा सकते हैं जिसे मांग के स्वरूप के आधार पर कतिपय मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में निर्धारित किया गया है।

(झ) रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान ऑनलाइन बदलने की सुविधा

यात्रियों की सहूलियत के लिए, प्रथम आरक्षण चार्ट तैयार करने के समय तक रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान ऑनलाइन बदलने की सुविधा इंटरनेट द्वारा बुक करवाए गए टिकटों के साथ-साथ कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर से बुक करवाए गए टिकटों, दोनों के लिए उपलब्ध करा दी गई है। यह सुविधा 139 के माध्यम से और यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटरों पर (यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों के कार्य समय के दौरान) सर्वत्र उपलब्ध है। 24 घंटे पहले रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान बदलने के मामले में, सामान्य परिस्थितियों में कोई धन वापसी अनुमेय नहीं है।

कोचिंग वाहन

1. अर्ध-उच्च गति वंदे भारत (रेलगाड़ी-सेट) का प्रारंभ

अर्द्ध उच्च गति स्वनोदित (रेलगाड़ी सेट) वंदे भारत का विनिर्माण स्वदेशीय प्रयासों के साथ सडिका/चेन्नई द्वारा किया गया था जिसे ट्रेन-18/वंदे भारत एक्सप्रेस नाम दिया गया था। 2019-20 में नई दिल्ली-वाराणसी और नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच वंदे भारत सेवाएं शुरू की गई थीं।

इन रेलगाड़ियों में त्वरित त्वरण, यात्रा के समय में पर्याप्त कमी, 160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति, रेलगाड़ी में सूचना मनोविनोद और जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, रिट्रैक्टेबल पायदान और शून्य निर्वहन वैक्यूम बायो शौचालय आदि जैसी विशेषताएं हैं। वैश्विक मानकों के अनुसार ट्रेन-18 में समकालीन विशेषताएं हैं।

उन्नत संरक्षा सुविधाओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं से युक्त वंदे भारत रेलगाड़ियों के नए और बेहतर संस्करण का विनिर्माण किया गया है और 2022-23 में शुरू किया गया है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, नए संस्करण की 8 रेलगाड़ियां मुंबई सेंट्रल-गांधी नगर कैपिटल, नई दिल्ली-अंब अंदौरा, चेन्नई-मैसूर, बिलासपुर-नागपुर, हावड़ा जंक्शन-न्यू जलपाईगुड़ी और सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, मुंबई सेंट्रल-साईंनगर शिरडी और मुंबई सेंट्रल-सोलापुर के बीच चल रही थीं।

इसके अलावा, 2023-24 की उत्पादन योजना में 744 वंदे भारत सवारी डिब्बों का विनिर्माण शामिल किया गया है।

2. विस्टाडोम सवारी डिब्बे

विस्टाडोम सवारी डिब्बे ज्यादा चौड़ी खिड़कियों के साथ-साथ छत में पारदर्शी सेक्शनों से विशालदर्शी दृश्य दिखाते हैं, इस प्रकार यात्री उन स्थानों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले पाते हैं जहां से वे गुजरते हैं। इस समय भारतीय रेल के विभिन्न रेलखंडों पर 88 विस्टाडोम सवारी डिब्बे उपलब्ध हैं।

सवारी डिब्बा कारखाना/चेन्नई द्वारा 2020-21 में 7, 2021-2022 में 15 और 2022-23 (31 मार्च 2023 तक) में 17 एलएचबी प्रकार बड़ी लाइन विस्टाडोम सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया गया है। इसके अलावा, 2023-24 की उत्पादन योजना में 54 विस्टाडोम कोच सवारी डिब्बों का विनिर्माण शामिल किया गया है।

3. वीडियो विश्लेषण के साथ सीसीटीवी कैमरे

रेलगाड़ी के डिब्बों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था एक पूर्वता मद है। 2015-16 के बजट भाषण के पैराग्राफ 31 के अंतर्गत माननीय रेल मंत्री जी ने प्रायोगिक आधार पर क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरे की घोषणा भी की थी और भारतीय रेल ने अपने सवारी डिब्बों में क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरों को बढ़ाने की योजना बनाई है। अभी तक 6,900 से अधिक सवारी डिब्बों में क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरे लगाए जा चुके हैं।

4. पूर्णतया एल.एच.बी. को अपनाना

रेल मंत्रालय ने एल.एच.बी. रेलडिब्बों का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का निर्णय लिया हैं, जो एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता सूचक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक) और कम संक्षारक काय जैसी विशेषताओं के साथ तकनीकी दृष्टि से बेहतर हैं। पारंपरिक सडिका रेलडिब्बों की तुलना में यह सवारी डिब्बे बेहतर आराम मुहैया कराते हैं और अधिक सुदंर हैं। अप्रैल 2018 से भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में अब केवल एल.एच.बी. रेलडिब्बों का उत्पादन हो रहा है। वर्षों के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन लगातार बढ़ा है और 31 मार्च 2023 तक 34,400 से अधिक एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन किया गया है। (2022-23 में 5,133 एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन किया गया था)।

1,060 अदद सडिका रेकों (कुल 742 जोड़ी रेलगाड़ियां) को एलएचबी सवारी डिब्बों के रेकों से बदल दिया गया है। एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ लगभग 1,228 रेक चल रहे हैं।

एलएचबी सवारी डिब्बों का विनिर्माण वर्ष 2006-2014 में 2,209 सवारी डिब्बों से बढ़कर वर्ष 2014-2023 में 31,956 सवारी डिब्बे हो गया है। इसके अलावा, वर्ष 2023-24 में 4,992 एलएचबी सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना है।

5. स्मार्ट सवारी डिब्बे:

चल स्टॉक प्रौद्योगिकी, इसके अनुरक्षण में नवीनतम प्रगति और यात्री के आराम के संवर्धित स्तर को देखते हुए, भारतीय रेल द्वारा रेलगाड़ी सेवा में लगभग 100 स्मार्ट कोच शुरू किए हैं जो स्मार्ट जन उद्घोषणा और यात्री सूचना प्रणाली, स्मार्ट एचवीएसी (तापन, संवातन और वातानुकूलन प्रणाली), स्मार्ट सुरक्षा एवं निगरानी प्रणाली आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं।

6. एन.एम.जी.एच./एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बों की शुरूआत:

क. भारतीय रेल में ऑटोमोबाइल वाहक वाहनों की मांग में वृद्धि हुई है। तदनुसार, मोटरयान संचलन के यातायात को प्राप्त करने के लिए, मौजूदा सडिका डिब्बों का, जिन्हें रेलगाड़ी परिचालन से उत्तरोत्तर हटाया जा रहा है, परिवर्तन करके एन.एम.जी. डिब्बों के विनिर्माण पर अधिक बल दिया जा रहा है।

ख. जबकि एन.एम.जी. डिब्बों की गति क्षमता 75 किलोमीटर प्रति घंटे है, एन.एम.जी.एच. डिब्बों को 110 किलोमीटर प्रति घंटे की उच्च गति क्षमता के साथ शुरू किया गया था जो अधिक लाइन क्षमता का सृजन करेंगे।

ग. इसके बाद, 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता और साइड एंट्री की व्यवस्था वाले एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बे शुरू किए गए हैं।

घ. सडिका सवारी डिब्बों को 250 एन.एम.जी.एच./1,750 एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बों में बदलने की योजना है। इसलिए 250 एन.एम.जी.एच./635 एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बों का परिवर्तन किया जा चुका है (31.03.2023 की स्थिति के अनुसार)।

इसके अलावा, लगभग 1115 एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बों (मोटरयान वाहक वाहनों) में कार्य प्रगति पर है।

7. अन्य पहलें:

क. रेलगाड़ियों के निर्धारित ठहराव समय के भीतर रेलगाड़ियों में शीघ्र पानी भरने के लिए तीव्र गति से पानी भरने की सुविधाएं सुलभ कराई जा रही हैं। ये सुविधाएं पूरी यात्रा के दौरान सवारी डिब्बों में पानी की पर्याप्त सुलभता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य हैं। फिलहाल इस सुविधा की व्यवस्था के लिए लगभग 156 स्थानों की पहचान की गई है, जिनमें से 110 स्थानों पर ये प्रणालियां संस्थापित की जा चुकी हैं और कार्य कर रही हैं। वर्ष 2022-23 में 16 स्थानों पर कार्य पूरा किया गया है।

ख. रेलडिब्बों के बाहरी हिस्से को अधिक प्रभावी और कुशलतापूर्वक ढंग से साफ करने के लिए क्षेत्रीय रेलों में स्वचालित रेलडिब्बा धुलाई संयंत्र लगाए गए हैं। उत्कृष्ट सफाई के अलावा, इस संयंत्र के साथ एकीकृत जल पुनर्चक्रण संयंत्र के माध्यम से पानी की खपत कम करने और उसके पुनर्चक्रण के लिए पानी की सीधी खपत में भी कमी आई है। स्वचालित रेलडिब्बा धुलाई संयंत्र लगाने के लिए 139 स्थान अभिनिर्धारित किए गए हैं। क्षेत्रीय रेल के महाप्रबंधकों को सभी कोचिंग डिपुओं में स्वचालित रेलडिब्बा धुलाई संयंत्र की व्यवस्था करने के लिए अनुदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अब 65 स्थानों पर स्वचालित रेलडिब्बा धुलाई संयंत्र उपलब्ध हैं। वर्ष 2022-23 में 16 स्थानों पर कार्य पूरा किया गया है।

8. धरोहर के लिए हाइड्रोजन

2030 तक शून्य कार्बन पदचिह्न प्राप्त करने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने भारतीय रेल नेटवर्क में हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित रेलगाड़ियों को विकसित करने की योजना बनाई है। तदनुसार, उत्तर रेलवे ने सोनीपत-जींद रेलखंड पर एक डेमू रेक के रेट्रोफिटमेंट के रूप में डीजल ईंधन को हाइड्रोजन ईंधन में बदलने का ठेका दिया है।

डीजल चालित डेमू के रेट्रो फिटमेंट और इसे हाइड्रोजन-ईंधन से चलने वाले रेलगाड़ी सेट में बदलने से न केवल खर्च की बचत होगी, बल्कि कार्बन पदचिह्न और विविक्त पदार्थ का भी न्यूनीकरण होगा। 2023-2024 में इस हाइड्रोजन ईंधन आधारित रेलगाड़ी का फील्ड परीक्षण प्रारंभ होने की प्रत्याशा है।

9. वंदे मेट्रो का उत्पादन

भारतीय रेल ने मुख्य लाइन के साथ-साथ उपनगरीय प्रणाली के लिए वंदे मेट्रो रेलगाड़ियां शुरू करने का निर्णय लिया है। इन रेलगाड़ियों में अत्याधुनिक आईजीबीटी आधारित 3-फेज नोदन

प्रणाली, वातानुकूलन, स्वचालित दरवाजे, जन उद्घोषणा/यात्री सूचना प्रणाली, आपातकालीन टॉकबैक प्रणाली और क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरों आदि सुविधाएं होंगी। वर्ष 2023-24 के बजट में वंदे मेट्रो के 3,600 सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है।

10. सवारी डिब्बों में जैव शौचालय

भारतीय रेल ने "स्वच्छ भारत अभियान" के भाग के रूप में अपने सभी सवारी डिब्बों में जैव शौचालय लगाने/संस्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया है। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि रेलडिब्बों से रेलपथ पर मानव अपशिष्ट न गिरे। इस प्रयास के फलस्वरूप, प्रतिदिन लगभग 2,74,000 लीटर अपशिष्ट जल और प्रतिदिन 3,980 टन मलमूत्र को पटरियों पर गिरने से रोका जा रहा है।

सवारी डिब्बों में जैव शौचालयों की व्यवस्था को वर्ष 2006-2014 में 3,647 सवारी डिब्बों से बढ़ाकर वर्ष 2014-2023 में 80,478 सवारी डिब्बे कर दिया गया है। इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों से निकलने वाले सभी नवनिर्मित सवारी डिब्बों में जैव-शौचालय उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस प्रयास के फलस्वरूप, रेल लाइन पर चलने वाले सभी सवारी डिब्बों में जैव-शौचालयों की व्यवस्था है।

11. नवनिर्मित सवारी डिब्बों में संरक्षा को बेहतर बनाने पर फोकस

भारतीय रेल उत्पादन इकाइयों में विनिर्माण के दौरान रेल यात्रियों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए नीचे बताए गए कदम उठा रही है।

I. रसोई यानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणालियां

ईंधन टैंक और अन्य उच्च वोल्टता उपकरणों के साथ-साथ डीजल आल्टरनेटर सेटों की मौजूदगी के कारण पावर कारों में आग लगने की आशंका अधिक होती है। रसोई यानों में भी इनमें खाना पकाए जाने के कारण आग लगने की आशंका अधिक होती है। इस संबंध में पावर कारों और रसोई यानों में स्वचालित अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणालियां संस्थापित की जा रही हैं।

अप्रैल 2017 में उत्पादन इकाइयों को अनुदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं कि सभी नवनिर्मित पावर कारों और रसोई यानों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली लगाई जाए।

2022-2023 तक 1,775 पावर कारों और 806 रसोई यानों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली लगाई जा चुकी है।

II. सभी नवनिर्मित वातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली

चालित रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर करने के उद्देश्य से, वातानुकूल सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली लगाई जा रही है। सवारी डिब्बों में वात ब्रेक प्रणाली को अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली के साथ एकीकृत करके स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली की विशिष्टियों का उन्नयन किया गया है।

2022-2023 तक 10,844 वातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली लगाई जा चुकी है। जून 2017 में उत्पादन इकाइयों को अनुदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं कि सभी नवनिर्मित वातानुकूल सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली लगाई जाए।

III. अवातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों की व्यवस्था

सभी वातानुकूल सवारी डिब्बों, द्वितीय श्रेणी-सह-गार्ड और लगेज वैन और रसोई यानों में सूखे रासायनिक पाउडर वाले अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। 34,705 अदद अवातानुकूल सवारी डिब्बों में सूखे रासायनिक पाउडर वाले अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराए जा चुके

हैं। इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों को सभी नवनिर्मित अवातानुकूल सवारी डिब्बों में भी अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराने के अनुदेश जारी किए जा चुके हैं।

IV. सवारी डिब्बों में अग्निरोधन में सुधार

सवारी डिब्बों में अग्निरोधी साज-सज्जा सामग्रियां जैसे अग्निरोधी पर्दे, पार्टीशन पैनलिंग, रूफ सीलिंग, फर्श, गद्दी सामग्री और सीट कवर के साथ सीट और शायिका, खिड़कियां और यूआईसी गलियारे आदि उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन वस्तुओं की विशिष्टियों का सतत सुधार के भाग के रूप में समय-समय पर उन्नयन किया जा रहा है। प्रमुख साज-सज्जा वस्तुओं की विशिष्टियों में, अब अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार अग्निरोधन (अर्थात् ताप निर्मुक्ति दर) से संबंधित एक नया निर्देश-मानक शुरू किया गया है।

12. रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को सुदृढ़ बनाने के लिए किए गए अतिरिक्त उपाय

भारतीय रेल ने रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए नीचे बताए गए कदम उठाए हैं।

I. एयर स्प्रिंगों का वर्धमान उपयोग

सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता का संवर्धन करने के लिए, सस्पेंशन प्रणालियों को द्वितीयक स्तर पर एयर स्प्रिंग के साथ पुन: डिजाइन किया जा रहा है जो परिवर्ती भारों पर स्थिर ऊंचाई को बनाए रखने में सक्षम हैं। उपनगरीय रेलगाड़ियों के लिए एयर स्प्रिंग विकसित किए गए हैं और सभी नवनिर्मित ईएमयू एवं डीएमयू सवारी डिब्बों में लगाए जा रहे हैं। अब मुख्य लाइन के सवारी डिब्बों के लिए भी एयर स्प्रिंग विकसित जा चुके हैं और नवनिर्मित सवारी डिब्बों में बड़े पैमाने पर लगाए गए हैं। उत्पादन इकाइयों को सभी नवनिर्मित एलएचबी सवारी डिब्बों में एयर स्प्रिंग का उपयोग करने को कहा गया है।

II. सवारी डिब्बों में दरवाजे बंद होने की स्वचालित प्रणाली:

चालित रेलगाड़ियों से यात्रियों के दुर्घटनावश गिरने की रोकथाम करने के लिए सवारी डिब्बों में दरवाजे बंद करने की स्वचालित प्रणाली की व्यवस्था करने की योजना बनाई गई है। मुख्य लाइन के सवारी डिब्बों के चुनिंदा संस्करणों में दरवाजे बंद करने की स्वचालित प्रणाली सुलभ कराई जाएगी।

वंदे भारत रेलगाड़ियों, तेजस स्लीपर राजधानी, तेजस चेयर कार के सवारी डिब्बों और हमसफर सवारी डिब्बों में भी दरवाजे बंद करने की स्वचालित प्रणाली सुलभ कराई गई है।

पश्चिम रेलवे, मुंबई के लिए सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई में स्वचालित दरवाजों के साथ 14 वातानुकूल ईएमयू (इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट) रेकों का विनिर्माण किया गया है। सडिका/चेन्नई ने कोलकाता मेट्रो के लिए दरवाजा बंद होने की स्वचालित प्रणाली युक्त रेलडिब्बे भी तैयार किए हैं।

इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों को भविष्य में सभी हमसफर और उदय गाड़ी के सवारी डिब्बों का स्वचालित प्लग प्रकार के दरवाजों (प्रति सवारी डिब्बा 4 अदद) के साथ विनिर्माण करने के अनुदेश जारी किए गए हैं।

III. सवारी डिब्बों में दोनों तरफ कार्य करने वाले दरवाजों की व्यवस्था

यात्रियों की आसान निकासी के लिए सवारी डिब्बों में दोनों तरफ कार्य करने वाले दरवाजे वातानुकूल सवारी डिब्बे में दोनों तरफ खुलने वाले दरवाजे हैं। वातानुकूल सवारी डिब्बों में ऐसे

दरवाजे सुलभ कराने की आवश्यकता है ताकि आग लगने की स्थिति में यात्री सवारी डिब्बे से तुरंत बाहर निकल सकें।

स्वच्छता और साफ-सफाई

रेलगाड़ियों में साफ-सफाई

- लगभग 198 सवारी डिब्बा डिपुओं में पेशेवर एजेंसियों द्वारा दोनों छोरों पर सवारी डिब्बों की यंत्रीकृत सफाई की जा रही है। इस उद्देश्य के लिए उच्च दबाव वाले जेट क्लीनर, फ्लोर स्क्रबर, गीले और सूखे वैक्यूम क्लीनर, हैंड हेल्ड बफिंग मशीन आदि जैसी मशीनें काम में लगाई गई हैं।
- रेलगाड़ियों के चालन के दौरान सवारी डिब्बों के शौचालयों, दरवाजों, गलियारों और यात्री कम्पार्टमेंटों में सफाई करने के लिए लंबी दूरी की महत्वपूर्ण लगभग 1200 जोड़ी रेलगाड़ियों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस सुलभ कराई गई है।
- 38 रेलवे स्टेशनों पर सीमित यंत्रीकृत सफाई के लिए क्लीन ट्रेन स्टेशन (सीटीएस) योजना निर्धारित की गई है।
- सफाई ठेकों की सम्हलाई और कारगरता में सुधार लाने के लिए इसे सक्षम बनाने वाले उपबंध के साथ मानक बोली दस्तावेज और सेवा ठेकों की सामान्य शर्त को जारी किया गया है।
- 720 बड़े रेलवे स्टेशनों ने संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से संचालन हेतु सहमति प्राप्त कर ली है।
- मार्च 2023 तक 476 माल शेड, 42 रेल स्वामित्व साइडिंगों और 761 निजी साइडिंगों ने संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संचालन हेतु सहमति प्राप्त कर ली है।
- मार्च 2023 तक लगभग 37 रेलवे स्टेशनों ने सीआईआई से हरित प्रमाणन प्राप्त कर लिया है।

मालगाड़ी, भारतीय रेल

योजना

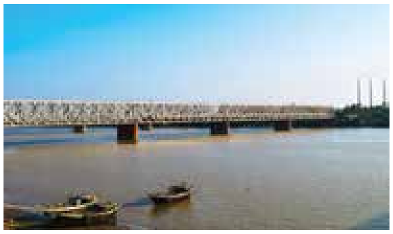

कोलाघाट, द.पू.रे. की रुपनारायण नदी पर पुल

वर्ष 2022-23 में निम्नलिखित परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया गया:-

क्र.सं.	शीर्ष	संख्या में
1	माल डिब्बे (बीएलसी + निजी माल डिब्बे)	22,790
2	रेल इंजन	1,189
3	सवारी डिब्बे जिनमें शामिल हैं	5,877
	(i) ईएमयू	120
	(ii) मेमू	325

इसके अलावा, निम्नलिखित निर्माण-कार्य पूरे किए गए:-

क्र.सं.	शीर्ष	कि.मी. में
1	नई लाइनें	1,815.49
2	मीटर/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन	242.20
3	दोहरी/बहुल लाइनें	3,185.53
4	मार्ग विद्युतीकरण	6,565.00
5	रेलपथ नवीकरण (प्राथमिक और द्वितीयक नवीकरण, दोनों)	5,227.26

2021-22 की तुलना में 2022-23 के लिए योजना आबंटन (संशोधित अनुमान) और वास्तविक शुद्ध व्यय इस प्रकार थे:-

(₹ करोड़ में)

योजना शीर्ष	2021-22		2022-23	
	आबंटन (सं.अ.)	वास्तविक शुद्ध व्यय	आबंटन (सं.अ.)	वास्तविक शुद्ध व्यय
सिविल इंजीनियरी				
1 नई लाइन (निर्माण)	19,071.83	21,244.91	**26,014.07**	**24,310.17**
2 आमान परिवर्तन	3,038.09	2,836.87	**3,870.00**	**2,833.79**
3 दोहरीकरण	32,478.77	32,219.41	**42,526.06**	**29,979.17**
4 यातायात सुविधाएं - यार्ड के ढांचे में परिवर्तन और अन्य	4273.44	2,675.13	**4,740.00**	**4,456.36**
5 सड़क संरक्षा कार्य - रेल फाटक	731.00	450.13	**750.00**	**519.82**
6 सड़क संरक्षा कार्य - रोड ओवर/ अंडर ब्रिज	3,862.13	4,222.06	**6,000.00**	**4,825.25**
7 रेलपथ नवीकरण	15,229.72	14,082.00	**15,388.05**	**13,811.98**
8 पुल संबंधी कार्य	1,365.49	1,296.79	**1,215.00**	**1,042.82**
9 कर्मचारी कल्याण	518.96	473.27	**462.56**	**420.86**
जोड़	80,569.43	79,500.57	**1,00,965.74**	**82,200.22**
यांत्रिक				
1 चल स्टॉक	43,433.11	41,406.17	**60,198.86**	**43,878.98**
2 पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां - पूंजी घटक का भुगतान	14,702.00	14,580.80	**18,898.00**	**17,456.40**
3 मशीन और संयंत्र	866.59	887.07	**537.91**	**519.49**
4 उत्पादन इकाइयों सहित कारखाने	2,513.34	2,668.39	**2,671.46**	**2,478.67**
जोड़	61,515.04	59,542.43	**82,306.23**	**64,333.54**

द.पू.रे. की यात्री गाड़ी सेवाएं

विद्युत इंजीनियरिंग					
1	विद्युतीकरण परियोजनाएं	8,171.51	6,961.37	**8,030.22**	**6,641.61**
2	टीआरडी को छोड़कर कर्षण वितरण कार्यों सहित अन्य विद्युत कार्य	662.81	626.84	**676.17**	**731.28**
	जोड़	8,834.32	7,588.21	**8,706.39**	**7,372.89**
सिग्नल एवं दूरसंचार					
1	सिगनल एवं दूरसंचार संबंधी कार्य	2,332.41	2,142.18	**2,428.47**	**2,448.85**
	जोड़	2,332.41	2,142.18	**2,428.47**	**2,448.85**
अन्य					
1	कंप्यूटरीकरण	485.05	317.80	**462.16**	**398.47**
2	रेल अनुसंधान	23.48	30.82	**107.00**	**39.12**
3	उपयोगकर्ता सुविधाएं	2,351.42	1,995.41	**3,824.20**	**2,157.72**
4	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों/विशेष प्रयोजन योजना आदि में निवेश (सरकारी एवं गैर-सरकारी)	32,244.41	25,750.57	**28,980.87**	**27,532.93**
5	अन्य विनिर्दिष्ट कार्य	862.24	542.55	**856.82**	**556.21**
6	प्रशिक्षण/मानव संसाधन विकास	144.93	75.99	**154.00**	**115.42**
7	वस्तु सूचियां	250.00	-122.45	**350.00**	**1,243.77**
8	महानगर परिवहन परियोजनाएं	2,000.00	2,514.58	**3,536.00**	**4,497.91**
9	बजटेतर संसाधन (भागीदारी)	25,000.00	-	**14,700.00**	
10	क्रेडिट या वसूली	-1,612.73	-	**-2,077.88**	
	जोड़	61,748.80	31,105.27	**50,893.17**	**36,541.55**
	कुल जोड़	2,15,000.00	@1,79,878.66	**2,45,300.00**	**#1,92,897.05**

वास्तविक शुद्ध व्यय

@ वर्ष 2021-22 के दौरान बजटेतर संसाधन (सार्वजनिक निजी भागीदारी) के अंतर्गत ₹10,388.41 करोड़ के वास्तविक व्यय को छोड़कर।

2022-23 के दौरान बजटेतर संसाधन (सार्वजनिक निजी भागीदारी) के तहत ₹11,086.03 करोड़ के वास्तविक व्यय को छोड़कर।

गार्डन रीच, कोलकाता में द.पू.रे. मुख्यालय भवन

इंजीनियरी

आमान परिवर्तन

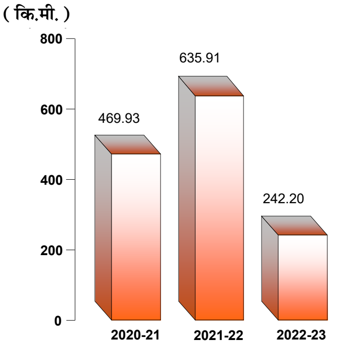

वर्ष 2022-23 के दौरान, 1,815.49 किलोमीटर नई लाइनों का निर्माण किया गया, 242.2 किलोमीटर रेलपथ को मीटर लाइन / छोटी लाइन से बड़ी लाइन में बदला गया, और 3,185.53 किलोमीटर दोहरी/बहुल लाइनों का कार्य पूरा किया गया। इसका विवरण नीचे दिया गया है:-

नई लाइनें

2022-23 के दौरान, निम्नलिखित रेलखंडों पर कुल 1,815.49 किलोमीटर नई लाइनों का निर्माण पूरा किया गया है:-

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	चालू किया गया रेलखंड	कि.मी.
1	दक्षिण मध्य रेल	भद्राचलम-सत्तूपल्ली	भवनपालेम-सत्तूपल्ली	14
2	पूर्व मध्य रेल	खगड़िया-कुशेश्वरस्थान	खगड़िया-अलौली	19
3	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	खरसिया-कोरीछापर नई लाइन	छाल फीडर लाइन	8.5
4	पश्चिम रेल	दाहोद इंदौर नई लाइन	दाहोद-कटवारा	11.3
5	पूर्व तट रेल	खोरधा-बलांगीर	बिछूपालि-झारतरभा	10.65
6	पूर्व तट रेल	अंगुल-बालराम	अंगुल-बालराम	14
7	उत्तर रेल	रोहतक-महम-हांसी	रोहतक-महम	32
8	पूर्व मध्य रेल	कोडरमा रांची नई लाइन	सिधवार-शांकी	26.7
9	दक्षिण मध्य रेल	मुनिराबाद-महबूबनगर	कृष्णा से मागनूर तक	13.2
10	दक्षिण मध्य रेल	भद्राचलम-सत्तूपल्ली	बेतमपुडी कॉर्ड लाइन	1.73
11	पश्चिम मध्य रेल	रामगंजमंडी-भोपाल	जूनाखेड़ा-अखलेरा	27
12	पूर्व तट रेल	अंगुल सुकिन्दा नई लाइन	बाघुआपाल-बुढ़ापंक	95
13	दक्षिण पश्चिम रेल	तुमकुर-रायदुर्ग	कादिरिदेवरपल्लि-डोड्डालहल्ली	20
14	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	मंदिरहसौद-नया रायपुर-केन्द्री	मंदिरहसौद-नया रायपुर-केन्द्री	20.5
15	डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया	पश्चिमी समर्पित माल गलियारा	रेवाडी-मदार (306 किलोमीटर दोहरी लाइन)	612
16	डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया	पश्चिमी समर्पित माल गलियारा	मदार-पालनपुर (353 किलोमीटर दोहरी लाइन)	706
17	उत्तर पश्चिम रेल	दौसा-गंगापुरसिटी नई लाइन	पिपलाई-लालसोट	26.00
18	मध्य रेल	बेलापुर-सीवूड-उरण	खारकोपर-उरण	29.20
19	पूर्व रेल	पीरपैंती-जसीडीह नई लाइन	मोहनपुर-हरलाटांर	16.00
20	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	खरसिया-धरमजयगढ़ लाइन	कारीछापर-बरुड़	4.50
21	पूर्व मध्य रेल	कोडरमा-तिलैया नई लाइन	कोडरमा-झराही	17.30
22	पूर्व मध्य रेल	सकरी-हसनपुर नई लाइन	हसनपुर-बिथान	10.00
23	दक्षिण पश्चिम रेल	गदग-वाडी	संगनाल-हनमापुर	13.10
24	पूर्व रेल	पीरपैंती-जसीडीह नई लाइन	हरलाटांर-हंसडीहा	22.13
25	दक्षिण मध्य रेल	मनोहराबाद-कोत्तपल्ली	कोडकांडला-दुद्देडा	21.68
26	मेट्रो	जोका-बिनय बादल	माझेरहाट के रास्ते जोका-बीबीडी बाग	13.00
27	मेट्रो	न्यू गरिया-हेमंत मुखोपाध्याय	दम दम-न्यू गरिया बरास्ता राजरहाट	11.00
		कुल		**1815.49**

अन्जी पुल, उत्तर रेल

औसा रोड, टीएसएस सिकंदराबाद परियोजना, द.म.रे.

दोहरीकरण

2022-23 के दौरान, 3185.53 किलोमीटर दोहरी/बहुल लाइनों का कार्य पूरा किया गया।

आमान परिवर्तन

2022-23 के दौरान, 242.2 किलोमीटर रेल मार्ग को मीटर लाइन/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में बदला गया था, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

क्र.सं.	रेलवे	परियोजना	चालू किया गया रेलखंड	कि.मी.
1	पश्चिम रेल	अहमदाबाद-महेसाणा	डांगरवा-जगुदन	16
2	पूर्व मध्य रेल	सहरसा-फारबिसगंज	ललितग्राम-नरपतगंज	12
3	उत्तर पश्चिम रेल	अहमदाबाद-उदयपुर बरास्ता हिम्मतनगर	खारवा चांदा-जयसमन्द	37
4	दक्षिण रेल	मयिलादुतुरै-तिरुवारुर	तिरुतुरैपूंडी-अगस्तियंपल्लि	37
5	दक्षिण रेल	मदुरै-बोडिनायकन्नूर	तेनि-बोडिनायक्कनुर	15
6	पश्चिम रेल	अकोला-खंडवा आमान परिवर्तन	खंडवा केबिन-खंडवा	4.4
7	पूर्व मध्य रेल	सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन	नरपतगंज-फारबिसगंज	17
8	पूर्व मध्य रेल	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज	नरकटियागंज-अमोलवा	12.74
9	पूर्व मध्य रेल	सकरी-निर्मली एवं सहरसा-फारबिसगंज	झंझारपुर-महरैल	8
10	पश्चिम रेल	अहमदाबाद महेसाणा आमान परिवर्तन	जगुदान-महेसाणा	10.80
11	पश्चिम रेल	मियागाम-डभोई	मियागाम-कर्जन-डभोई आमान परिवर्तन	8.56
12	पश्चिम रेल	कटोसन रोड-चाणस्मा-रणुज आमान परिवर्तन	कटोसन रोड-बेचराजी	29.00
13	पूर्वोत्तर रेल	इंदारा-दोहरीघाट	इंदारा-दोहरीघाट	34.70
			कुल	**242.2**

तोलाहुंसे-हुबली खंड में विद्युतीकरण के भाग के रूप में तुंगभद्रा पुल पर ओएचई मस्तूलों का निर्माण

रेलपथ नवीकरण और अनुरक्षण

वर्ष 2022-23 के दौरान, संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाइयों में 5,227.26 किलोमीटर का रेलपथ नवीकरण किया गया है। रेलपथ नवीकरण और तत्संबंधी उपगत व्यय का वर्ष-वार विवरण इस प्रकार है:-

वर्ष	सकल व्यय (₹ करोड़ में)	किया गया रेलपथ नवीकरण (संपूर्ण रेलपथ नवीनकरण इकाई में)
2021-22	16,557.87	4,275
2022-23	**16,325.72**	**5,227.26**

एक संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई में एक किलोमीटर संपूर्ण पटरी नवीकरण (0.5 संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई) और एक किलोमीटर संपूर्ण स्लीपर नवीकरण (0.5 संपूर्ण रेलपथ नवीकरण इकाई) शामिल होता है।

रेलपथ उन्नयन

रेलपथ एक रेल प्रणाली की आधारभूत अवसंरचना है और सदैव वृद्धिशील यातायात बोझ को वहन करती है। भारतीय रेल के उच्चतर गति और भारी धुरा भार परिचालन ने रेलपथ संरचना का उन्नयन करना आवश्यक बनाया है। रेलपथ को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से कई नीतिगत पहलें की गई हैं।

रेलपथ संरचना का नवीकरण के समय उन्नयन किया जाता है। स्लीपरों का लकड़ी, इस्पात और सीएसटी-9 से पीएससी (साधारण/ज्यादा चौड़े) स्लीपरों में उन्नयन किया जा रहा है। 90आर/52 किग्रा 72/90 यूटीएस पटरियों के स्थान पर ज्यादा भारी सेक्शन और उच्च तन्य सामर्थ्य की 60 किग्रा 90 यूटीएस/आर 260 पटरियों का उपयोग किया जा रहा है। इसी प्रकार, पूर्ववर्ती फिश प्लेट जॉइंटों के स्थान पर मुख्यत: लंबी पटरी पैनलों या वेल्डित पटरियों का उपयोग किया जा रहा है। मुख्य मार्गों और उच्च घनत्व मार्गों पर मोटे वेब स्विचों का उपयोग करके ज्यादा मजबूत टर्नआउट सुलभ कराए जा रहे हैं। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल की बड़ी मुख्य लाइनों में लगभग 90.06% लंबाई को लंबी वेल्डित पटरियों द्वारा कवर किया जाता है, 99.50% लंबाई में पीएससी स्लीपर और 99.27% लंबाई में 52 किग्रा/60 किग्रा 90 अथवा उच्चतर यूटीएस पटरियां थीं।

वेल्डित पटरियां:

अधिकांश बड़ी लाइन रेलपथों में पटरियों को वेल्डित पटरियों में बदला गया है। 39 मीटर से कम लंबी अल्प-वेल्डित पटरियां और इकहरी पटरियां केवल उन स्थानों पर सीमित हैं जहां तकनीकी दृष्टि से वेल्डित पटरियां अनुमेय नहीं है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल की मुख्य लाइनों पर रेलपथ की कुल लंबाई 1,02,121.9 किलोमीटर थी, जिसमें से 90,427.2 किलोमीटर में लंबी वेल्डित पटरियां थी और 9,300.8 किलोमीटर में अल्प-वेल्डित पटरियां थीं।

रेलपथ आधुनिकीकरण

भारतीय रेल रेलपथ अनुरक्षण, बिछाने, निरीक्षण और अनुरक्षण के उत्तरोत्तर यंत्रीकरण तथा आधुनिकीकरण की दिशा में कार्य कर रही है। वर्ष 2022-23 के दौरान, उठाए गए कुछ प्रमुख कदम इस प्रकार हैं:

(क) **स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीन:** भारतीय रेल में टर्नआउटों, रेल फाटकों, चेक पटरियों से युक्त तीव्र वक्रों, गार्ड रेल को हटाए बिना गार्ड रेल वाले पुलों पर रेलपथ, आदि के वर्तन के लिए छह अदद स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीनों को सेवा में शामिल किया गया है। इसके अलावा, चार अदद स्विच रेल ग्राइंडिंग मशीनों की आपूर्ति होने वाली है।

(ख) **रेलपथ निरीक्षण और अभिलेखन:** रेलपथ अनुरक्षण की योजना बनाना साध्य बनाने के लिए अनुबद्ध समयांतरालों पर मापदण्डों की निगरानी करने के लिए रेलपथ अभिलेखी यान सेवा में लगाए गए हैं। 2022-23 के दौरान, कुल 2,12,486 किलोमीटर रेलपथ अभिलेखन किया गया।

वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल में 250 अदद रेलपथ मशीनों की आपूर्ति की गई, जिससे इनकी कुल संख्या 1,519 हो गई है।

रेलपथ नवीकरण

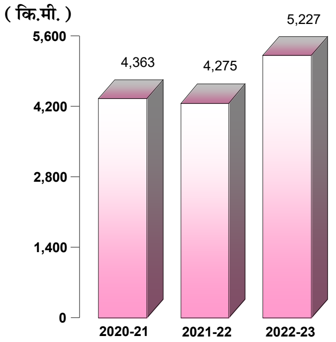

इंदौर मैट्रो

हुगली नदी के नीचे सुरंग जो ग्रीन लाइन पर हावड़ा से एस्प्लेनेड स्टेशन को जोड़ेगी।

2023-24 के दौरान (सितंबर 2023 तक)

(क) रेल ग्राइंडिंग मशीनें (96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीन): भारतीय रेल में पहले से कार्यरत 2 अदद 72 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीनों के अलावा, पूरी भारतीय रेल के रेलपथ को शामिल करने के लिए क्षेत्रीय रेलों को उच्च उत्पादकता वाली 10 अदद 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीनों की आपूर्ति की जा रही है। पूरी भारतीय रेल के रेलपथ को शामिल करने के लिए क्षेत्रीय रेलों को पहली बार उच्च उत्पादकता 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीनों की आपूर्ति की जा रही है। पटरियों के वर्तन के लिए, हाल ही में उत्तर रेलवे में पहली 96 स्टोन रेल ग्राइंडिंग मशीन को सेवा में लगाया गया है।

(ख) 2023-24 के दौरान (सितंबर 2023 तक) भारतीय रेल में 94 अदद रेलपथ मशीनों को सेवा में लगाया गया है।

रेल फाटक

रेल फाटक, विनिर्दिष्ट नियमों एवं शर्तों द्वारा शासित विनियमित विधि से यातायात का सुचारू चालन साध्य बनाने के लिए होते हैं। 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में रेल फाटकों की स्थिति इस प्रकार है:

रेल फाटकों की कुल संख्या	:	18,477
चौकीदार वाले रेल फाटकों की संख्या	:	17,918 (97%)
बिना चौकीदार वाले रेल फाटकों की संख्या	:	559 (3%)

भारतीय रेल द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं और रेल यात्रियों की संरक्षा के लिए रेल फाटकों को उत्तरोतर समाप्त करने का विनिश्चय किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान, 880 अदद बिना चौकीदार वाले रेल फाटकों को समाप्त किया जा चुका है। 31.01.2019 तक, बड़ी लाइन पर बिना चौकीदार वाले सभी रेल फाटकों को समाप्त किया जा चुका है।

रोड ओवर/अंडर ब्रिज

रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा में सुधार लाने और सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए असुविधा को कम करने के लिए रेल फाटकों को यातायात की मात्रा के आधार पर चरणबद्ध ढंग से रोड ओवर/अंडर ब्रिज/सब-वे से बदला जा रहा है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय रेल में सर्वत्र लागत में भागीदारी, रेल लागत/समायोजन कार्य, निक्षेप/बीओटी शर्तों के अंतर्गत और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 234 रोड ओवर ब्रिज और 833 रोड अंडर ब्रिज/सब-वे का निर्माण किया गया है।

पुल

चिनाब ब्रिज विश्व का सबसे ऊँचा रेलवे आर्क ब्रिज

दिनांक 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में कुल 1,58,064 पुल थे जिनमें से 711 महत्वपूर्ण, 12,610 बड़े और 1,44,743 छोटे पुल हैं।

2022-23 के दौरान, रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 1,732 पुलों का सुदृढ़ीकरण/ पुनर्स्थापन/पुनर्निर्माण किया गया है।

पुल निरीक्षण एवं प्रबंधन प्रणाली

जहां तक रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा को बनाए रखने का प्रश्न है, भारतीय रेल में रेल पुलों के निरीक्षण का एक सुस्थापित तंत्र है। सभी रेल पुलों का एक वर्ष में दो बार, एक बार मानसून की

शुरुआत से पहले और दूसरी बार मानसून के बाद पदनामित अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाता है। पुलों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण/पुनर्स्थापन/पुनर्निर्माण करना सतत् प्रक्रिया है और इन निरीक्षणों के दौरान यथा विनिश्चित उनकी दशा के अनुसार, जब भी आवश्यक हो, इस प्रक्रिया को पूरा किया जाता है।

मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति परियोजना

भूमि प्रबंधन

दिनांक 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल लगभग 4.88 लाख हैक्टेयर भूमि की मालिक थी। इस भूमि का लगभग 90% हिस्सा नई लाइन बिछाने, दोहरीकरण, आमान परिवर्तन, रेलपथ, रेलवे स्टेशनों, कारखानों, कर्मचारी कालोनी इत्यादि जैसे भारतीय रेल के परिचालनिक और संबद्ध कार्यों में उपयोग किया जा रहा है।

इस भूमि का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	विवरण	क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)
1.	रेलवे स्टेशन, कालोनियों आदि सहित रेलपथ तथा संरचनाएं	3.62
2.	वनरोपण	0.43
3.	'अधिक अनाज उगाओ' योजना	0.019
4.	वाणिज्यिक कार्यों के लिए लाइसेंस	0.04
5.	मत्स्यपालन जैसे अन्य उपयोग	0.13
6.	अतिक्रमण	0.008
7.	खाली भूमि	0.63
	कुल	**4.88**

भावी रेल नेटवर्क के विकास के लिए विभिन्न अवसंरचनात्मक सुविधाओं का सृजन मुख्यत: भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। अत: भारतीय रेल की भूमि उपयोग नीति का मुख्य उद्देश्य रेल भूमि का संरक्षण और सार्थक अंतरिम उपयोग है।

वर्ष 2022-23 के दौरान रेलवे ने 81.43 लाख पेड़ों का सामूहिक वृक्षारोपण किया। रेलवे द्वारा पर्यावरण और वन मंत्रालय के साथ एक मॉडल करारनामे को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है जो क्षेत्रीय रेलों द्वारा राज्यों के वन विभागों के साथ किया जाएगा। इसके अलावा, अब सभी क्षेत्रीय रेलों को पर्यावरण संबंधी मामले के लिए सभी प्राक्कलनों में 1 प्रतिशत का उपबंध करने के अनुदेश जारी किए जा चुके हैं। इससे वृक्षारोपण की लागत को पूरा करने में सहायता मिलेगी। इस प्रकार, रेलवे अधिक से अधिक पेड़ लगाने के सभी प्रयास कर रही है।

इसके अलावा, 'अधिक अनाज उगाओ' योजना के अंतर्गत सब्जियां, फसलें आदि उगाने के लिए समूह 'ग' और 'घ' कोटि के रेल कर्मचारियों को रेल भूमि का लाइसेंस भी दिया जाता है।

प्रधानमंत्री गति शक्ति रूपरेखा के अनुरूप अवसंरचना के एकीकृत विकास को साध्य बनाने और रेलवे की ओर अपेक्षाकृत अधिक कार्गो यातायात को आकर्षित करने के लिए रेल भूमि को पट्टे, लाइसेंस पर देने और मार्गाधिकार की मौजूदा नीतियों को सरल बनाया गया है। तदनुसार, दिनांक 04.10.2022 को "रेल भूमि प्रबंधन नीति" पर एक मास्टर परिपत्र जारी किया गया है, जिसमें प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की पारदर्शी विधियों द्वारा रेल कार्यप्रणाली से सम्बद्ध कार्यकलापों; सार्वजनिक अवसंरचना; सरकारी विभागों; अस्पतालों; केंद्रीय विद्यालय; रेल के अनन्य उपयोग हेतु ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत, जल शोधन/पुनर्चक्रण, सीवेज शोधन संयंत्रों आदि से संबंधित परियोजनाओं के लिए

तिरुतुरैपुंडी-अगास्तयमपल्ली सेक्शन पर रेल फाटक

रेल भूमि को पट्टे पर देने की व्यवस्था भी शामिल है।

रेल कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष सम्बद्ध प्रयोजनों के लिए रेल भूमि को लाइसेंस पर देने की अनुमति है। रेलवे स्टेशनों, माल शेडों और साइडिंगों पर रेल भूमि के प्लाटों को रेल द्वारा प्रेषित या प्राप्त किए जाने वाले सामानों का चट्टा लगाने/भण्डारण हेतु अन्य पार्टियों को लाइसेंस पर दिया जाता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन को केन्द्रीय विद्यालय खोलने के लिए भी रेल भूमि पट्टे पर दी जाती है। इस भूमि को रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज, सड़कों का निर्माण/सड़कों को चौड़ा करने आदि जैसे जनोपयोगी उद्देश्य के लिए केन्द्रीय/राज्य सरकारों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी दीर्घकालिक आधार पर पट्टे पर दिया जाता है।

रेलवे ने ऐसी भूमि का, जिसका निकट भविष्य में इस्तेमाल की आवश्यकता नहीं है, वाणिज्यिक इस्तेमाल भी शुरू किया है। रेल मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन रेल भूमि/वायु स्थान के वाणिज्यिक विकास से संबंधित सभी कार्यों को करने के लिए, रेल अधिनियम 1989 में एक संशोधन द्वारा, 1 नवम्बर, 2006 को रेल मंत्रालय के अंतर्गत रेल भूमि विकास प्राधिकरण की स्थापना की गई है। दिनांक 31.03.2023 तक, 997.83 हेक्टेयर (लगभग) के 126 स्थानों को वाणिज्यिक विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा इन स्थानों का विकास करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण को खाली रेल भूमि का वाणिज्यिक विकास करने के साथ-साथ बहुकार्य परिसर विकसित करने का कार्य भी सौंपा गया है। 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, रेल भूमि विकास प्राधिकरण को कुल 123 साइटें सौंपी गई हैं, जिनमें से 15 को पहले ही सफलतापूर्वक चालू और पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा, इस समय इरकॉन द्वारा 24 बहुकार्य परिसरों का प्रबंधन किया जा रहा है।

एट्टमानूर-चिंगवनम सेक्शन, द.रे. के दोहरे सेक्शन का दृश्य

रेल विद्युतीकरण

भारतीय रेल की मिशन 100% विद्युतीकरण नीति को देश के संपूर्ण ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। शुरूआत में सरकार ने कच्चे तेल के आयात को कम करने और विदेशी मुद्रा भुगतान की बचत करने के लिए रेल विद्युतीकरण की दर को बढ़ाया था। बहरहाल, अब इस तथ्य को अधिकाधिक स्वीकार किया जा रहा है कि इससे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभ सुलभ कराएगा। कार्यनिष्पादन के मामले-में, विद्युत कर्षण उपयोगकर्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा उपलब्ध कराता है। बिजली रेलइंजनों की उच्चतर शक्ति माल और यात्री रेलगाड़ियों, दोनों के लिए औसत गति और लदान को बढ़ाती है, जो रेलवे को आधुनिक बनाने और आर्थिक विकास के लिए आलंब प्रदान करने के विशालकाय अवसर में परिणत होता है। विद्युतीकरण कार्बन फुटप्रिंट का न्यूनीकरण करके स्वच्छ परिवहन उपलब्ध कराने और देश के लिए परिवहन का पर्यावरण अनुकूल, हरित एवं स्वच्छ साधन सुलभ कराकर अपने नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

लंबे समय से रेलवे को अधिकांशत: कोयला और डीजल ईंधन द्वारा चलाया गया था, लेकिन 1947 में स्वतंत्रता के बाद विद्युतीकरण निरंतर बढ़ रहा है, लेकिन पिछले सात वर्षों में विलक्षण कायापलट देखने को मिला है। तब से एक-एक करके नेटवर्क को पूरा करने के लिए परियोजनाओं को चालू करने की दर को बढ़ाने के साथ सुपुर्दगी पर फोकस रहा है।

मार्च 2023 तक भारतीय रेल में विद्युतीकरण को 57,067 मार्ग किलोमीटर तक बढ़ा दिया गया है जिसमें कोंकण रेल शामिल नहीं है। यह कुल बड़ी लाइन रेल नेटवर्क का 88% है।

II. रेल विद्युतीकरण की प्रगति

(क) स्वतंत्रता पश्चात विद्युतीकरण की प्रगति नीचे सारणीबद्ध है:

वर्ष	संचयी विद्युतीकृत (मार्ग किमी)
1951	388
1961	748
1971	3,706
1981	5,345
1991	9,968
2001	14,856
2011	19,607
2020	39,866*
2021	45,772*
2022	51,804*
2023	**58,074**

*संशोधित

(ख) वर्ष 2022-23 के दौरान कीर्तिमान 6,565 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है।

वार्षिक रेल विद्युतीकरण
(मार्ग किलोमीटर)

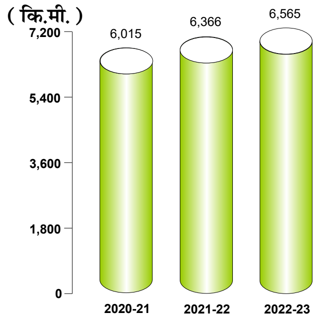

रेल लाइन, द.म.रे. का विद्युतीकरण

वायरिंग रेलगाड़ी, कोर

III. विद्युतीकृत रेलखण्ड (2022-23 में) :

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग किमी
1	जसाई-जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट	मध्य रेल	महाराष्ट्र	9
2	पांगरी-लातूर	मध्य रेल	महाराष्ट्र	130
3	खारकोपर-उरण	मध्य रेल	महाराष्ट्र	29
4	हंसडीहा-गोड्डा	पूर्व रेल	झारखंड	32
5	मोहनपुर-हरिलाटांड़	पूर्व रेल	झारखंड	16
6	बनमनखी-पूर्णिया-बिहारीगंज	पूर्व मध्य रेल	बिहार	60
7	सांकी-बरकाकाना	पूर्व मध्य रेल	झारखंड	31
8	नरकटियागंज-अमोलवा	पूर्व मध्य रेल	बिहार	13
9	सकरी-तमुरिया	पूर्व मध्य रेल	बिहार	29
10	हसनपुर-बिथान	पूर्व मध्य रेल	बिहार	15
11	बिछूपालि-झारतरभा	पूर्व तट रेल	ओड़िशा	12
12	अंगुल-बालराम	पूर्व तट रेल	ओड़िशा	15
13	सुकिन्दा-तालचेर	पूर्व तट रेल	ओड़िशा	92
14	बनिहाल-बड़गाम	उत्तर रेल	जम्मू और कश्मीर	88
15	अबोहर-बठिण्डा-कोट कपूरा	उत्तर रेल	पंजाब	115
16	जालंधर-लोहियां खास	उत्तर रेल	पंजाब	49
17	लुधियाना-जगराओं	उत्तर रेल	पंजाब	38
18	वेरका-डेरा बाबा नानक	उत्तर रेल	पंजाब	45
19	अटारी-छेहरटा	उत्तर रेल	पंजाब	18
20	तरन तारन-खेमकरन	उत्तर रेल	पंजाब	54
21	फगवाड़ा जं.-नवांशहर	उत्तर रेल	पंजाब	35
22	जगराओं-मोगा-फिरोजपुर	उत्तर रेल	पंजाब	83
23	ईशानगर-उदयपुरा	उत्तर मध्य रेल	मध्य प्रदेश	75
24	बांके गंज-मेलानी-कुरैंया	पूर्वोत्तर रेल	उत्तर प्रदेश	29
25	शोहरत गढ़-पचपेरवा-सुभागपुर	पूर्वोत्तर रेल	उत्तर प्रदेश	118
26	काशीपुर-लालकुआं-काठगोदाम	पूर्वोत्तर रेल	उत्तराखंड	79
27	मुरादाबाद-रामनगर	पूर्वोत्तर रेल	उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	72
28	हथुआ-पंच देवरी	पूर्वोत्तर रेल	बिहार	32
29	इंदारा-दोहरीघाट	पूर्वोत्तर रेल	उत्तर प्रदेश	33
30	मिर्जा-अजारा	पूर्वोत्तर सीमा रेल	असम	11
31	जगी रोड-संचोआ-मैराबाड़ी और संचोआ-सिलघाट टाउन	पूर्वोत्तर सीमा रेल	पश्चिम बंगाल और असम	165
32	अलुआबारी-सिलीगुड़ी-सिवोक-न्यू माल-दलगांव	पूर्वोत्तर सीमा रेल	पश्चिम बंगाल और बिहार	179
33	पूर्णिया-जोगबनी	पूर्वोत्तर सीमा रेल	बिहार	79
34	दुधनोई-मेंडीपाथर	पूर्वोत्तर सीमा रेल	मेघालय और असम	20
35	चापरमुख-लामडिंग	पूर्वोत्तर सीमा रेल	असम	91
36	बारसोई-राधिकापुर	पूर्वोत्तर सीमा रेल	पश्चिम बंगाल और बिहार	54

100% विद्युतीकरण और अन्य हरित पहलें, म.रे.

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग किमी
37	एकलाखी-बालुरघाट	पूर्वोत्तर सीमा रेल	पश्चिम बंगाल	**87**
38	लूणी-बाड़मेर	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**180**
39	मावली-बड़ीसादड़ी	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**82**
40	उदयपुर-खारवा चांदा	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**25**
41	बिरधवाल-लालगढ़	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**154**
42	सीकर-चूरू	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**88**
43	बनीसर-बीकानेर-मेड़ता-परबतसर	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**344**
44	हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**67**
45	डेगाना-रतनगढ़	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**87**
46	भीकमकोर-जोधपुर	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**81**
47	नागप्पट्टिनम-वेलंगन्नी	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**10**
48	पलानी-डिंडीगुल	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**56**
49	कारैक्कुडि-मनमदुरै	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**61**
50	विरुदुनगर-तेनकासी	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**122**
51	भगवतीपुरम-सेंगोट्टई-तेनकासी-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**147**
52	एडमन-पुनलूर	दक्षिण रेल	केरल	**8**
53	वाशिम-हिंगोली-पूर्णा	दक्षिण मध्य रेल	महाराष्ट्र	**125**
54	कलिकिरी-तुम्मणगुट्टा	दक्षिण मध्य रेल	आंध्र प्रदेश	**50**
55	बावनपालेम-सत्तुपल्ली	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**14**
56	खानापुर-लातूर रोड-परली वैजनाथ-परभणी	दक्षिण मध्य रेल	कर्नाटक और महाराष्ट्र	**225**
57	आरवल्लि-निडढ़वोलु	दक्षिण मध्य रेल	आंध्र प्रदेश	**33**
58	गदवाल-महबूबनगर	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**73**
59	न्यू पिडुगुराल्ला-सावल्यपुरम	दक्षिण मध्य रेल	आंध्र प्रदेश	**46**
60	कोसाई-मुदखेड	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**138**
61	रोटेगांव-औरंगाबाद	दक्षिण मध्य रेल	महाराष्ट्र	**60**
62	बेतमपुडी कॉर्ड लाइन	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**3**
63	निजामाबाद-मनोहराबाद	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**117**
64	जानकमपेट-बासर	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**23**
65	कर्नूलु-गदवाल	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना	**54**
66	औरंगाबाद-बदनापुर	दक्षिण मध्य रेल	महाराष्ट्र	**56**
67	पलारी-चौरई	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	मध्य प्रदेश	**69**
68	मंदिरहसौद-नया रायपुर-केन्द्री	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	छत्तीसगढ़	**15**
69	घरघोड़ा-भालुमुडा	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	छत्तीसगढ़	**14**
70	निट्टूर-बीरूर-होसदुर्ग	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**151**
71	कुलेम-मडगांव और तिनईघाट-कैसलरॉक	दक्षिण पश्चिम रेल	गोवा	**44**
72	चिक्कजाजूर-हुबली	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**191**
73	मैसूर-चामराजनगर	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**61**

जयपुर भगत की कोठी टीएसएस, जयपुर परियोजना

कल्लीकिरी-टुम्मानमगुट्टा, कोर

एनएमआर रेलगाड़ी घुमाव को पार करते हुए

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग किमी
74	चिकबल्लापुर-बंगारपेट	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**103**
75	चीक्कबाणावार-सोलुर-कुणिगल	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**60**
76	बीरूर-कुम्सि	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**88**
77	होसपेटे-व्यास कॉलोनी	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**19**
78	हासन-अरसीकेरे	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**45**
79	कडूरु-सखरायपठना	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**17**
80	होले आलूर-नवानगरा	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**41**
81	लोंडा-बेलगावि	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**52**
82	महेसाना-डांगरवा	पश्चिम रेल	गुजरात	**29**
83	सिहोर-भावनगर कंक्रीट जेट्टी	पश्चिम रेल	गुजरात	**31**
84	मुली रोड-वगडीया-वांकानेर-दहिंसरा-नवलखी और दहिंसरा-मालिया मियाणा	पश्चिम रेल	गुजरात	**158**
85	वरही-लखपत	पश्चिम रेल	गुजरात	**42**
86	नडियाद-मोडासा	पश्चिम रेल	गुजरात	**106**
87	राजकोट-जेतलसर-लुशाला	पश्चिम रेल	गुजरात	**127**
88	राजुला-महुवा	पश्चिम रेल	गुजरात	**31**
89	सामाख्याली-आदीपुर-न्यू भुज	पश्चिम रेल	गुजरात	**114**
90	अमरसर-बिलेश्वर	पश्चिम रेल	गुजरात	**27**
91	वांसजालिया-पोरबंदर	पश्चिम रेल	गुजरात	**32**
92	सुरबारी-सामाख्याली	पश्चिम रेल	गुजरात	**24**
93	मियागाम-डभोई	पश्चिम रेल	गुजरात	**32**
94	छोटा उदेपुर-अलीराजपुर	पश्चिम रेल	मध्य प्रदेश	**49**
95	कटोसन रोड-बेचराजी	पश्चिम रेल	गुजरात	**29**
96	ढसा-लुणीधार	पश्चिम रेल	गुजरात	**47**
97	चुली-हलवद	पश्चिम रेल	गुजरात	**17**
98	जूनाखेड़ा-अकलेरा	पश्चिम मध्य रेल	राजस्थान	**27**
99	जोका-तरतला	कोलकाता मेट्रो	पश्चिम बंगाल	**7**
100	कवि सुभाष-हेमंत	कोलकाता मेट्रो	पश्चिम बंगाल	**5**
			कुल	**6,565**

IV. 2022-23 के दौरान पूरी की गई महत्वपूर्ण विद्युतीकरण परियोजनाएं:

क्र.सं.	परियोजना	रेलवे	राज्य	मार्ग किमी
1	जसाई-जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट	मध्य रेल	महाराष्ट्र	**9**
2	कोडरमा-हजारीबाग-बरकाकाना-रांची	पूर्व मध्य रेल	झारखंड	**203**
3	दौरम मधेपुरा-पूर्णिया	पूर्व मध्य रेल	बिहार	**77**
4	तरन तारन-पट्टी-खेम करण	उत्तर रेल	पंजाब	**54**
5	वेरका जं.-डेरा बाबा नानक	उत्तर रेल	पंजाब	**45**
6	महोबा-उदयपुरा	उत्तर मध्य रेल	मध्य प्रदेश	**196**
7	गोरखपुर-आनंद नगर-गोंडा और आनंद नगर-नौतनवा	पूर्वोत्तर रेल	उत्तर प्रदेश	**262**

क्र.सं.	परियोजना	रेलवे	राज्य	मार्ग किमी
8	मुरादाबाद-काशीपुर-राम नगर, रामपुर-लालकुआं-काठगोदाम लालकुआं-काशीपुर और बरेली-लालकुआं सहित	पूर्वोत्तर रेल	उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड	**309**
9	कटिहार-जोगबनी	पूर्वोत्तर सीमा रेल	बिहार	**109**
10	चापरमुख-सिलघाट नगर संेचोआ जं.-मैराबाड़ी सहित	पूर्वोत्तर सीमा रेल	असम	**130**
11	अलुआबारी-सिलीगुड़ी बरास्ता बागडोगरा	पूर्वोत्तर सीमा रेल	बिहार और पश्चिम बंगाल	**76**
12	सादुलपुर-रतनगढ़-बीकानेर लालगढ़ रतनगढ़ सरदार शहर सहित	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**286**
13	मावली-बड़ीसादड़ी	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**82**
14	रींगस-सीकर-चूरू	उत्तर पश्चिम रेल	राजस्थान	**140**
15	विरूदुनगर-तेनकासी जं.	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**122**
16	तिरुच्चिरापल्ली-मनमदुरै-विरूदुनगर	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**217**
17	डिंडीगुल-पालक्काड	दक्षिण रेल	तमिलनाडु और केरल	**179**
18	तिरुच्चिरापल्ली-नागप्पट्टिणम-कराईकल पोर्ट	दक्षिण रेल	तमिलनाडु	**153**
19	पिंपल खुटी-मुदखेड और परभणी-परली वैजनाथ	दक्षिण मध्य रेल	महाराष्ट्र और तेलंगाना	**246**
20	पूर्णा-अकोला	दक्षिण मध्य रेल	महाराष्ट्र	**209**
21	परली वैजनाथ-विकाराबाद	दक्षिण मध्य रेल	तेलंगाना और कर्नाटक	**269**
22	धर्मावरम-पकाला	दक्षिण मध्य रेल	आंध्र प्रदेश	**228**
23	छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला फोर्ट	दक्षिण पूर्व मध्य रेल	मध्य प्रदेश	**183**
24	चीक्कवाणवार-हुब्बलि	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**456**
25	बंगारपेट-यलहंका	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**149**
26	मैसूर-चामराज नगर	दक्षिण पश्चिम रेल	कर्नाटक	**61**
27	आदीपुर-न्यू भुज	पश्चिम रेल	गुजरात	**49**
28	कानालुस-वांसजालिया-पोरबंदर	पश्चिम रेल	गुजरात	**103**
29	नडियाद-मोडासा	पश्चिम रेल	गुजरात	**105**

पूसीरे स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन

सिगनल एवं दूरसंचार

सिगनल प्रणाली

रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा का संवर्धन करने और इसे कुशल बनाने के लिए रंगीन रोशनी वाले बहु संकेती सिगनलों के साथ पैनल अंतर्पाशन/रूट रिले अंतर्पाशन/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन से युक्त आधुनिक सिगनल प्रणालियां उत्तरोत्तर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभी तक भारतीय रेल में 6,396 रेलवे स्टेशनों (बड़ी लाइन के लगभग 98.31% रेलवे स्टेशनों को शामिल करते हुए) पर अप्रचलित बहु-केबिन यांत्रिक सिगनल प्रणालियों को बदलकर ऐसी प्रणालियां उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, इस प्रकार इसके परिचालन में अंतर्ग्रस्त परिचालन लागत को यथेष्ट बनाने के साथ-साथ मानव हस्तक्षेप का न्यूनीकरण करके संरक्षा का संवर्धन किया गया है। 2016 में भारतीय रेल ने भविष्य में सभी प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन उपलब्ध कराने का सैद्धांतिक निर्णय लिया था। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, 6,396 अंतर्पाशित रेलवे स्टेशनों में से 3,045 रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

पूर्व रेलवे के बैण्डेल जंक्शन पर 1,002 मार्गों की व्यवस्था वाली नई इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली एशिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली है जिसे 30.05.2022 को चालू किया गया था।

संपूर्ण रेलपथ परिपथन: रेलपथ उपयोग सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, 31.03.2023 तक ए, बी, सी, डी स्पेशल और ई स्पेशल मार्ग को शामिल करते हुए लगभग 34,984 स्थलों पर रेलपथ परिपथन पूरा किया जा चुका है। भारतीय रेल में कुल 6,375 रेलवे स्टेशनों (98%) पर संपूर्ण रेलपथ परिपथन उपलब्ध करा दिया गया है।

धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच: संरक्षा और रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी के पूर्ण आगमन का उन्नत गतिशील स्वचल सत्यापन का संवर्धन करने के लिए, कांटों एवं सिगनलों का केंद्रीकृत परिचालन रखने वाले रेलवे स्टेशनों पर धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच उपलब्ध कराई जा रही है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, 6364 ब्लॉक रेलखंडों पर धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच उपलब्ध कराई जा चुकी है।

मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली: एक ब्लॉक रेलवे स्टेशन के विकास और परिचालन के दौरान अपेक्षित परिचालन जनशक्ति एवं सुविधाओं के रूप में अतिरिक्त पुनरावर्ती राजस्व व्यय के बिना व्यस्त रेलखंडों में लाइन क्षमता का संवर्धन करने में मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली की व्यवस्था बहुत उपयोगी सिद्ध हुई है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 727 ब्लॉक रेलखंडों में मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

स्वचल ब्लॉक सिगनल-प्रणाली: भारतीय रेल में मौजूदा उच्च घनत्व वाले मार्गों पर लाइन क्षमता का संवर्धन और मध्यांतर का न्यूनीकरण करने के लिए, स्वचल ब्लॉक सिगनल-प्रणाली की व्यवस्था द्वारा सिगनल-प्रणाली कम लागत का समाधान उपलब्ध कराती है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, 3908 मार्ग किलोमीटर पर स्वचल ब्लॉक सिगनल-प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (ईआई)

स्वचल रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली: कवच स्वदेश में विकसित स्वचालित रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली है। यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है तथा खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को सुरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है। कवच अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणीकरण की आवश्यकता है। इसके बाद, जुलाई 2020 में कवच को राष्ट्रीय स्वचल रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली के रूप में अपनाया गया। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, कवच को दक्षिण मध्य रेल के 1,465 मार्ग किलोमीटर पर और 111 रेलइंजनों (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट रेकों सहित) में लगाया जा चुका है।

दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारों (लगभग 3,000 मार्ग किलोमीटर) के लिए कवच की निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और पूर्व, पूर्व मध्य, उत्तर मध्य, उत्तर, पश्चिम मध्य और पश्चिम रेल के क्षेत्रों के इन मार्गों पर कार्य प्रगति पर है। भारतीय रेल अन्य 6000 मार्ग किलोमीटर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर रही है। इसके अलावा, भारतीय रेल के उच्च घनत्व नेटवर्क और अन्य उच्च घनत्व नेटवर्क मार्गों को शामिल करते हुए कवच संबंधी कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

कवच को लागू करना, द.म.रे.

केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण: यह कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जो कई रेलवे स्टेशनों को शामिल करने वाले कई सिगनल-प्रणाली प्रतिष्ठानों का एक ही स्थल से नियंत्रण और प्रबंधन करना साध्य बनाती है। यह रेल यातायात का केंद्रीकृत रियल टाइम सिमुलेशन भी उपलब्ध कराती है जिससे समयनिष्ठ रेलगाड़ी परिचालन के लिए रियल टाइम यातायात योजना बनाने में सहायता मिलती है। नियंत्रकों द्वारा रियल टाइम के आधार पर सीधे केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण केंद्र से रेलगाड़ी संचलन का प्रबंधन किया जा सकता है।

अलीगढ़-कानपुर मार्ग पर 31 रेलवे स्टेशनों के साथ दोहरी लाइन रेलखंड के 264.16 मार्ग किलोमीटर को शामिल करने वाले केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण को चालू किया जा चुका है।

इसके अलावा, समस्त उच्च घनत्व नेटवर्क मार्गों को शामिल करते हुए लगभग 14,660 मार्ग किलोमीटर पर केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली: रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली, मंडल नियंत्रण केंद्र में उपलब्ध कराई गई विशाल स्क्रीन पर रेलगाड़ियों की स्थिति, सभी रेलगाड़ी संचलनों की रियल टाइम स्थिति और शामिल रेलखंड का संपूर्ण दृश्य दिखाती है। नियंत्रण कार्यालय में समयपालन रिपोर्ट, रेक और कर्मीदल लिंक, रेलगाड़ी ग्राफ और असामान्य घटना रिपोर्ट जेनरेट होती हैं।

पूरे डिस्प्ले पैनल को, जिसे 'मिमिक इंडिकेशन पैनल' कहा जाता है, एक नजर में प्रणाली की विस्तृत स्थिति दिखाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रत्याशा है कि रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली/ केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण परियोजनाओं के चालू होने के साथ, हमारे नियंत्रक रेलगाड़ी परिचालन का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। नियंत्रण कार्यालयों में रियल टाइम रेलगाड़ी चालन सूचना उपलब्ध कराने के अलावा, यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर यात्री सूचना प्रणाली के स्वचालित कार्य द्वारा रेलगाड़ियों के रेलवे स्टेशनों पर सटीक आगमन/प्रस्थान सूचना भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रणाली पश्चिम और मध्य रेलों में मुंबई तथा पूर्व रेल के हावड़ा के उपनगरीय रेलखंडों पर उपलब्ध कराई जा चुकी है। पूर्व तट रेल के खोरधा रोड मंडल और पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में समान प्रणाली उपलब्ध कराई जा रही है।

रेल फाटकों का अंतर्पाशन: 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल ने रेल फाटकों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 11,079 रेल फाटकों पर सिगनलों के साथ अंतर्पाशन उपलब्ध करा दिया है। रेल फाटकों के बंद होने के कारण अंतर्पाशन किए गए रेल फाटकों की संख्या कम हो गई है।

रेल फाटक पर स्लाइडिंग बूम: विशेषकर उपनगरीय क्षेत्रों में सड़क वाहनों द्वारा रेल फाटक गेट क्षतिग्रस्त होने पर रेलगाड़ी सेवाओं में व्यवधान का न्यूनीकरण करने में अंतर्पाशित स्लाइडिंग बूम की व्यवस्था बहुत कारगर सिद्ध हुई है। स्लाइडिंग बूम अंतर्पाशन की व्यवस्था के साथ, सिगनल-प्रणाली रेलगाड़ी परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव के साथ सामान्य ढंग से कार्य करना जारी रखती है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, 7031 अदद व्यस्त अंतर्पाशित रेल फाटकों पर लिफ्टिंग बैरियरों के साथ-साथ स्लाइडिंग बूम उपलब्ध करा दिए गए हैं, और व्यस्त फाटकों पर भी उत्तरोत्तर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

द.पू.म.रे. द्वारा चालू सर्वश्रेष्ठ स्वचालित सिगनलिंग

डिजीटल अंतर्पाशन, पूर्वोत्तर रेल

भारतीय रेल में सिगनल-प्रणाली की व्यवस्था में वृद्धिः

					31.3.2023 की स्थिति के अनुसार
मद	**मार्च, 19**	**मार्च, 20**	**मार्च, 21**	**मार्च, 22**	**मार्च, 23**
पैनल अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	4,052	383	3,747	3,438	**3,134**
रूट रिले अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	228	228	247	226	**217**
इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	1,606	1,927	2,206	2,572	**3,045**
पैनल अंतर्पाशन/रूट रिले अंतर्पाशन/ इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	5,886	6,018	6,200	6,236	**6,396**
धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच (ब्लॉक रेलखंड)	5,363	5,663	5,805	6,003	**6,364**
स्वचल सिगनल-प्रणाली (मार्ग किलोमीटर)	3,039	3,309	3,447	3,549	**3,908**
मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली (ब्लॉक रेलखंड)	574	602	628	666	**727**
अंतर्पाशित रेल फाटक (अदद)	11,375	11,639	11,710	10,854	**11,079**

आत्मनिर्भरताः

सिगनल-प्रणाली कारखानाः रेल सिगनल-प्रणाली संस्थानाएं रेलगाड़ियों के सुचारू और संरक्षित परिचालन के लिए अनेक विशेषीकृत उपस्करों का उपयोग करती हैं। प्रौद्योगिकी के उन्नयन और सिगनल-प्रणाली की विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की ओर बदलाव के साथ इन उपस्करों की मांग बढ़ गई है। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए दक्षिण रेल के पोत्तनूर, दक्षिण मध्य रेल के मेट्टुगुडा, पूर्वोत्तर रेल के गोरखपुर, पूर्व रेलवे के हावड़ा, मध्य रेल के भायखला, पश्चिम रेल के साबरमती, दक्षिण पूर्व रेल के खड़गपुर और उत्तर रेल के गाजियाबाद में भारतीय रेल के सिगनल-प्रणाली कारखानों में इलेक्ट्रिक पाइंट मशीनों, टोकनरहित ब्लॉक उपकरणों, दोहरी लाइन ब्लॉक उपकरणों, धुरा गणकों, विभिन्न प्रकार के रिले आदि जैसी वस्तुओं का विनिर्माण किया जा रहा है। इन सिगनल-प्रणाली एवं दूरसंचार कारखानों का वर्ष-वार उत्पादन इस प्रकार हैः

सिगनल-प्रणाली एवं दूरसंचार कारखानों का वर्ष-वार उत्पादनः-

वर्ष	**उत्पादन ₹ लाख में**
2018-19	29,669.70
2019-20	32,385.90
2020-21	25,041.89
2021-22	31,300.00
2022-23	**34,033.42**

दूरसंचार

दूरसंचार भारतीय रेल में रेलगाड़ी नियंत्रण, परिचालन और संरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय रेल ने अपनी संचार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक, राष्ट्रव्यापी दूरसंचार नेटवर्क स्थापित किया है। रेलटेल, रेलवे केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम, भारतीय रेल दूरसंचार नेटवर्क की अधिशेष क्षमता का सफलतापूर्वक व्यावसायिक दोहन कर रहा है।

मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के पास लगभग 64,141 मार्ग किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क है जो गीगाबिट्स ट्रेफिक वहन कर रहा है। रेल नियंत्रण संचार को भी, जो रेलगाड़ी परिचालन के लिए सारतात्विक है, ऑप्टिकल फाइबर केबल में स्थानांतरित किया जा रहा है। यह ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क रेलटेल के माध्यम से राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। रेलटेल रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवाएं भी उपलब्ध कराता है।

भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के अनुसरण में, रेलवे 6,108 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करा चुकी है। भारतीय रेल संरक्षा सुनिश्चित करने और रेलगाड़ी परिचालन में विश्वसनीयता का संवर्धन करने के लिए 1.34 लाख वेरी हाई फ्रीक्वेंसी सेटों का भी उपयोग कर रही है।

यात्रियों और परिसरों की सुरक्षा का संवर्धन करने और रेलवे स्टेशन परिसरों में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध के प्रति एक शक्तिशाली निवारक के रूप में कार्य करने के लिए। भारतीय रेल ने सभी रेलवे स्टेशनों (हाल्ट स्टेशनों को छोड़कर सभी कोटियां) पर वीडियो निगरानी प्रणाली उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। 31.03.2023 तक 866 रेलवे स्टेशनों पर वीडियो निगरानी (सीसीटीवी) प्रणाली उपलब्ध करा दी गई है। इसके अलावा, रेल कार्यालयों और भारतीय रेल के सभी मंडलों और क्षेत्रीय अस्पतालों में भी सीसीटीवी उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय रेल ने मोबाइल संचार की वैश्विक प्रणाली - रेलवे (जीएसएम-आर) आधारित सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार (एमटीआरसी) भी शुरू की है। सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार 2,756.6 मार्ग किलोमीटर पर पहले ही उपलब्ध कराया जा चुका है। अब रेलवे ने डेटा और वॉयस की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) सिस्टम आधारित सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार को अपनाने का निर्णय लिया है।

रेलवे ने वॉयस ट्रैफिक के लिए अपना मल्टी-प्रोटोकॉल लेवल स्विचिंग (एमपीएलएस) आधारित नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क (एनजीएन) भी स्थापित किया है। इस नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क (एनजीएन) का उपयोग रेलवे के एडमिनिस्ट्रेटिव वॉयस ट्रैफिक को वहन करने वाली 100 एक्सचेंजों अधिकाधिक इंटरकनेक्ट करने के लिए किया गया है। संरक्षा, विश्वसनीयता और उत्पादकता का संवर्धन करने के लिए संचार को साध्य बनाने हेतु कॉमन यूजर ग्रुप (सीयूजी) मोबाइल फोन को भी किराये पर लिया गया है। इसके अलावा, रेलवे ने अपने सभी कर्मचारियों के लिए कॉमन यूजर ग्रुप सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

रेलवे को कैप्टिव सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार (एमटीआरसी) दूरसंचार के लिए 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम में 5 मैगाहर्ट्ज बैंडविड्थ आबंटित की गई है। दूरसंचार भी यात्री आराम सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यात्रियों की सहूलियत के लिए, 1,208 रेलवे स्टेशनों पर रेलगाड़ी सूचना बोर्ड, 5,516 रेलवे स्टेशनों पर जनउद्घोषणा प्रणालियां और 705 रेलवे स्टेशनों पर सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणालियां उपलब्ध कराई गई हैं।

भारत सरकार की डिजिटल पहल के भाग के रूप में और डिजिटल अंतराल को पाटने के लिए, 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार 6,108 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। भारतीय रेल अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और कार्यकुशलता में सुधार लाने के साथ-साथ कार्यालय में कागज रहित कामकाज के लिए ई-ऑफिस एप्लिकेशन को उत्तरोत्तर क्रियान्वित कर रही है। 31.03.2023 तक, सभी क्षेत्रीय और मंडल मुख्यालयों सहित 236 स्थलों को ई-ऑफिस द्वारा जोड़ा गया है और भारतीय रेल में 1.47 लाख उपयोगकर्ता खाते भी बनाए जा चुके हैं।

द.पू.रे. के आद्रा पर डायमंड क्रॉसिंग को हटाना

महत्वपूर्ण दूरसंचार परिसंपत्तियां नीचे सारणीबद्ध हैं:

क्र. सं.	संस्थापना	ईकाइयां	31.03.2022 की स्थिति के अनुसार	31.03.2023 की स्थिति के अनुसार
1.	ऑप्टिकल फाइबर केबल	मार्ग किलोमीटर	62,652	**64,141**
2.	क्वाड केबल	मार्ग किलोमीटर	63,844	**64,956**
3.	रेलवे टेलीफोन सब्सक्राइबर्स लाइनें	अदद	3,45,374	**3,45,374**
4.	नियंत्रण रेलखंडों की संख्या जिनमें डुएल टोन मल्टीपल फ्रीकेंसी नियंत्रण उपस्कर उपलब्ध कराए गए हैं	अदद	325	**325**
5.	सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार प्रणाली (मार्ग किलोमीटर)			
	क. जीएसएम ® आधारित	मार्ग किलोमीटर	2,728	**2,756.6**
	ख. टेट्रा आधारित	मार्ग किलोमीटर	53	**75.38**
6.	जन उद्घोषणा प्रणाली	रेलवे स्टेशनों की संख्या	5,159	**5,516**
7.	रेलगाड़ी प्रदर्श बोर्ड	रेलवे स्टेशनों की संख्या	1,190	**1,208**
8.	सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणाली	रेलवे स्टेशनों की संख्या	697	**705**
9.	वेरी हाई फ्रीक्वेंसी सेट			
	क. 5 वाट सेट (हैंड हेल्ड)	अदद	1,52,050	**1,34,210**
	ख. 25 वाट सेट (रेलवे स्टेशनों पर)	अदद	8,283	**8,772**
10.	वी सैट	अदद	396	**327**
11.	रेलनेट कनेक्शन	अदद	1,54,175	**1,54,175**
12.	यूटीएस/पीआरएस सर्किट	अदद	11,091	**10,507**
13.	एफओआईएस सर्किट	अदद	2790	**2,962**
14.	एक्सचेंज सर्किट	अदद	1,819	**1,637**
15.	रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई	रेलवे स्टेशनों की संख्या	6,100	**6,108**
16.	रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी	रेलवे स्टेशनों की संख्या	853	**866**
17.	ई-ऑफिस (स्थलों की संख्या)	रेलवे स्टेशनों की संख्या	216	**236**

संरक्षा

पू.सी.रे. में एलएचबी ब्रेक घटक प्रणाली के लिए परीक्षण बैंच

दुर्घटनाएं

वर्षों के दौरान परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, अनुरक्षण पद्धतियों में सतत सुधार और विभिन्न तकनीकी सुधारों के फलस्वरूप, परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या में गिरावट आई है जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ द्वारा दर्शाया गया है:

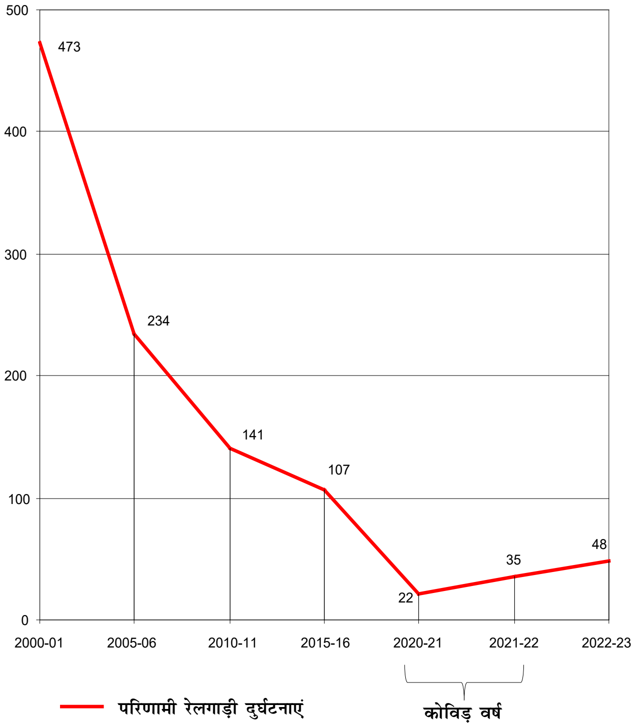

प्रतिकर

वर्ष 2022-23 के दौरान रेलगाड़ी दुर्घटनाओं में यात्रियों की मृत्यु/घायल होने पर भारतीय रेल अधिनियम 1989 की धारा 124 के तहत निकट संबंधियों/पीड़ितों को प्रतिकर के रूप में ₹126.84* लाख (लगभग) की राशि का भुगतान किया गया जबकि वर्ष 2021-22 के दौरान ₹85.88* लाख (लगभग) का भुगतान किया गया था। वर्ष के दौरान प्रदत प्रतिकर राशि उस वर्ष के दौरान निपटाए गए मामलों की संख्या और किए गए भुगतान से संबंधित होती है और इसका उस वर्ष के दौरान हुई दुर्घटनाओं से संबंधित होना आवश्यक नहीं है।

*(*कोंकण रेल और मेट्रो रेल, कोलकाता को छोड़कर)*

रेल संपत्ति को क्षति

वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं के कारण रेल संपत्ति को क्षति की लागत और पारगामी संचार में व्यवधान की अवधि इस प्रकार थी:

वर्ष	चल स्टॉक (लाख में)	रेलपथ (लाख में)	पारगामी संचार के व्यवधान (घंटों में)
2021-22	3,915.15	472.01	568.05
2022-23*	**5,570.21**	**385.74**	**728.02**

*अनंतिम

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के समपार फाटक पर हनी बी साउन्ड प्रणाली

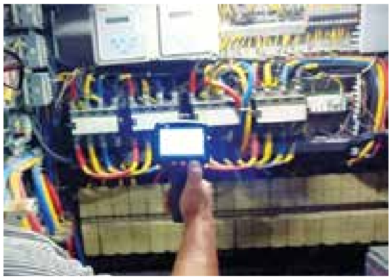

थर्मल इमेजर कैमरा, पूर्वोत्तर सीमा रेल

राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष

वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की पूंजीगत व्यय के भाग के रूप में ₹1 लाख करोड़ की कायिक निधि और ₹20,000 करोड़ के वार्षिक परिव्यय के साथ शुरुआत की गई थी। इस निधि के अंतर्गत रेलपथ नवीकरण, पुलों, सिगनल-प्रणाली, चल स्टॉक और संरक्षा कार्यों से जुड़े कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण एवं सुविधाओं से संबंधित परियोजनाएं पूरी की जाती हैं। राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष से अधिकांश व्यय इंजीनियरी और सिगनल-प्रणाली कार्यों और सुरक्षा कार्य से जुड़ी यात्री सुविधा मदों पर किया गया है। सकल बजट सहायता, आंतरिक सृजन और बजटेतर संसाधनों से सतत और सुनिश्चित वित्तपोषण के साथ, संरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दी गई है और पर्याप्त वित्तपोषण ने यह सुनिश्चित किया है कि इन कार्यों को प्राथमिकता के अनुसार निष्पादित किया जाए। वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष निर्माण-कार्यों पर ₹1.08 लाख करोड़ का सकल व्यय उपगत किया गया था।

नीति आयोग ने संरक्षा और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष के कार्यान्वयन के संबंध में रेलवे की प्रगति की प्रशंसा की है और उल्लेख किया है कि राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष के कार्यान्वयन के बाद सुरक्षा सूचकों में सुधार आया है। नीति आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की वैधता अवधि को सकल बजट सहायता से ₹45,000 करोड़ के अंशदान के साथ 2021-22 से आगे की पांच साल की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है। वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष के अंतर्गत ₹13,894.84 करोड़ का व्यय उपगत किया गया था और वर्ष 2023-24 के लिए ₹12,309.12 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

I. संरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उपाय

- **संरक्षा पर फोकस** - मानवीय त्रुटियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का न्यूनीकरण करने के उद्देश्य से, मानव संसाधनों के कौशलों का उन्नयन करने के साथ-साथ मानव पर निर्भरता को कम करने हेतु नवीन प्रौद्योगिकियों की शुरुआत पर फोकस सहित बहुमुखी विधि, अनुरक्षण का यांत्रिकीकरण, खराबियों का शीघ्र पता लगाना आदि दुर्घटना की रोकथाम करने के प्रमुख संचालक थे।

- **आवधिक संरक्षा लेखापरीक्षा** - क्षेत्रीय रेलों की बहु-विभागीय टीमों द्वारा विभिन्न मंडलों की आवधिक संरक्षा लेखापरीक्षाओं के साथ-साथ अंतर-रेलवे संरक्षा लेखापरीक्षाएं नियमित रूप से की गईं। वर्ष 2022-23 के दौरान, 94 आंतरिक संरक्षा लेखापरीक्षाएं और 33 अंतर-रेलवे संरक्षा लेखापरीक्षाएं की गईं।

- **प्रशिक्षण सुविधाएं** - वर्ष 2022-23 के दौरान, 1,69,047 अराजपत्रित कर्मचारियों (अनंतिम आंकड़े) को पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया।

II. रेलगाड़ी टक्कर का परिवर्जन करने के उपाय

रेलगाड़ी टक्कर का परिवर्जन करने के लिए, सिगनल-प्रणाली से संबंधित प्रौद्योगिकीय सहायता की व्यवस्था इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 48 पर 'सिगनल प्रणाली' भाग के अंतर्गत 'सिगनल एवं दूरसंचार' अध्याय में संक्षेप में बताई गई है।

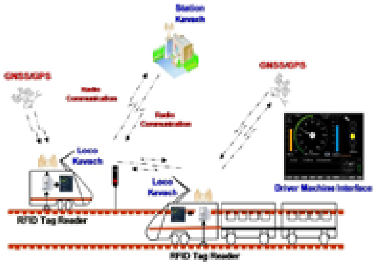

स्वचलित रेलगाड़ी सुरक्षा प्रणाली

III. रेलगाड़ी का पटरी से उतरने का न्यूनीकरण करने के लिए उपाय

रेलगाड़ी का पटरी से उतरने का परिवर्जन करने के लिए, किए गए उपाय अर्थात रेलपथ नवीकरण, रेलपथ उन्नयन, वेल्डित पटरियां, पुल तथा पुल निरीक्षण एवं प्रबंध प्रणाली इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 38 पर 'इंजीनियरी' अध्याय के अंतर्गत संक्षेप में बताए गए हैं।

IV. सवारी डिब्बों की संरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उपाय

1. भारतीय रेल ने रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए नीचे बताए गए कदम उठाए हैं।

एलएचबी सवारी डिब्बा

i. पूर्णतया एल.एच.बी. को अपनाना

रेल मंत्रालय ने एल.एच.बी. रेलडिब्बों का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का निर्णय लिया हैं, जो एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता सूचक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक) और कम संक्षारक काय जैसी विशेषताओं के साथ तकनीकी दृष्टि से बेहतर हैं। पारंपरिक सडिका रेलडिब्बों की तुलना में यह सवारी डिब्बे बेहतर आराम मुहैया कराते हैं और अधिक सुदंर हैं। अप्रैल 2018 से भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में अब केवल एल.एच.बी. रेलडिब्बों का उत्पादन हो रहा है। वर्षों के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन लगातार बढ़ा है और 31 मार्च 2023 तक 34,400 से अधिक एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन किया गया है (2022-23 में 5,133 एलएचबी सवारी डिब्बों का उत्पादन किया गया था)।

1,060 अदद सडिका रेकों (कुल 742 जोड़ी रेलगाड़ियां) को एलएचबी सवारी डिब्बों के रेकों से बदल दिया गया है। एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ लगभग 1,228 रेक चल रहे हैं।

एलएचबी सवारी डिब्बों का विनिर्माण वर्ष 2006-2014 में 2,209 सवारी डिब्बों से बढ़कर वर्ष 2014-2023 में 31,956 सवारी डिब्बे हो गया है। इसके अलावा, वर्ष 2023-24 में 4,992 एलएचबी सवारी डिब्बों का विनिर्माण करने की योजना है।

ii. वीडियो विश्लेषण के साथ सीसीटीवी कैमरे

रेलगाड़ी के डिब्बों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था एक पूर्वता मद है। 2015-16 के बजट भाषण के पैराग्राफ 31 के अंतर्गत माननीय रेल मंत्री जी ने प्रायोगिक आधार पर क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरे की घोषणा भी की थी और भारतीय रेल ने अपने सवारी डिब्बों में क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरों की संख्या को बढ़ाने की योजना बनाई है। अभी तक 6900 से अधिक सवारी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं।

iii. स्मार्ट सवारी डिब्बे

चल स्टॉक प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति, इसके अनुरक्षण और यात्रियों के आराम के वर्धमान स्तर को देखते हुए, भारतीय रेल ने रेलगाड़ी सेवा में लगभग 100 स्मार्ट कोचों को शामिल किया है जिनमें अत्याधुनिक विशेषताएं मौजूद हैं जैसे कि स्मार्ट जन-उद्घोषणा और यात्री सूचना प्रणाली, स्मार्ट एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम), स्मार्ट सुरक्षा और निगरानी प्रणाली, आदि।

iv. अर्ध-उच्च गति वंदे भारत (रेलगाड़ी-सेट) का प्रारंभ

2018-19 में सवारी डिब्बा कारखाना/चेन्नई ने भारत की सर्वप्रथम अर्ध-उच्च गति स्वनोदित (ट्रेन-सेट) वंदे भारत रेलगाड़ियों का स्वदेश में विनिर्माण किया था। 2019-20 में नई दिल्ली-वाराणसी और नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की गई थीं। इन रेलगाड़ियों में वैश्विक मानदंडों के अनुरूप अनेक विशेषताएं मौजूद थीं, जैसे कि तीव्र त्वरण, 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति, ऑन बोर्ड इंफोटेनमेंट और जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, स्वचल स्लाइडिंग दरवाजे, आकुंचनशील पायदान और शून्य निस्सारण निर्वात जैव शौचालय, आदि।

3 फेज 6 एफआरए6068 कर्षण मोटर

वंदे भारत रेलगाड़ियों के संवर्धित संरक्षा विशेषताओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं से युक्त नए एवं उन्नत संस्करण का विनिर्माण और 2022-23 में शुरू

कटंगी पर नया उपरि पैदल पुल

किया गया था। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, नए संस्करण की 8 रेलगाड़ियां मुंबई सेंट्रल-गांधी नगर कैपिटल, नई दिल्ली-अंब अंदौरा, चेन्नई-मैसूर, बिलासपुर-नागपुर, हावड़ा जंक्शन-न्यू जलपाईगुड़ी और सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, मुंबई सेंट्रल-साईंनगर शिरडी और मुंबई सेंट्रल-सोलापुर के बीच चल रही थीं।

इसके अलावा, 2023-24 की उत्पादन योजना में 744 वंदे भारत सवारी डिब्बों का विनिर्माण करने की योजना है।

v. वंदे मेट्रो का उत्पादन

भारतीय रेल ने मुख्य लाइन के साथ-साथ उपनगरीय प्रणाली के लिए वंदे मेट्रो रेलगाड़ियां शुरू करने का निर्णय लिया है। इन रेलगाड़ियों में अत्याधुनिक आईजीबीटी आधारित 3-फेज नोदन प्रणाली, वातानुकूलन, स्वचल दरवाजे, जन उद्घोषणा/यात्री सूचना प्रणाली, आपातकालीन टॉकबैक प्रणाली और सीसीटीवी आदि जैसी विशेषताएं होंगी। 2023-24 के बजट में वंदे मेट्रो के 3,600 सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है।

vi. एन.एम.जी.एच./एन.एम.जी.एच.एस. सवारीडिब्बों की शुरूआत

क. भारतीय रेल में ऑटोमोबाइल वाहक वाहनों की मांग में वृद्धि हुई है। तदनुसार, मोटरयान संचलन के यातायात को प्राप्त करने के लिए, मौजूदा सडिका डिब्बों का, जिन्हें रेलगाड़ी परिचालन से उत्तरोत्तर हटाया जा रहा है, परिवर्तन करके एन.एम.जी. डिब्बों के विनिर्माण पर अधिक बल दिया जा रहा है।

ख. जबकि एन.एम.जी. डिब्बों की गति क्षमता 75 किलोमीटर प्रति घंटे है, एन.एम.जी.एच. डिब्बों को 110 किलोमीटर प्रति घंटे की उच्चतर गति क्षमता के साथ शुरू किया गया था जो अधिक लाइन क्षमता का सृजन करेगा।

ग. इसके बाद, 110 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता और पाश्विक प्रवेश की व्यवस्था वाले एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बे शुरू किए गए हैं।

घ. सडिका सवारी डिब्बों को 250 एन.एम.जी.एच./1750 एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बों में बदलने की योजना है। फलस्वरूप, 250 एन.एम.जी.एच./635 एन.एम.जी.एच.एस. सवारीडिब्बों का परिवर्तन किया जा चुका है (31.03.2023 की स्थिति के अनुसार)।

इसके अलावा, लगभग 1115 एन.एम.जी.एच.एस. डिब्बों (मोटरयान वाहक वाहनों) में कार्य प्रगति पर है।

2. सवारी डिब्बों में आग लगने की रोकथाम करने हेतु किए गए उपाय

भारतीय रेल, रेल यात्रियों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए उत्पादन इकाइयों में विनिर्माण के दौरान नीचे बताए गए कदम उठा रही है।

i. रसोई यानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणालियां

ईंधन टैंक और अन्य उच्च वोल्टता उपकरणों के साथ-साथ डीजल आल्टरनेटर सेटों की मौजूदगी के कारण पावर कारों में आग लगने की आशंका अधिक होती है। रसोई यानों में भी इनमें खाना पकाए जाने के कारण आग लगने की आशंका अधिक होती है। इस संबंध में पावर कारों और रसोई यानों में स्वचालित अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणालियां संस्थापित की जा रही हैं।

रोड अंडर ब्रिज, पश्चिम रेल

अप्रैल 2017 में उत्पादन इकाइयों को पहले ही अनुदेश जारी किए जा चुके हैं कि सभी नवनिर्मित पावर कारों और रसोई यानों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली सुलभ कराई जानी

है। वर्ष 2022-23 तक 1,775 पावर कारों और 806 रसोई यान डिब्बों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली सुलभ कराई जा चुकी है।

ब.रे.का, एलटीएस में शीतलक भरने की मशीन

ii. सभी नवनिर्मित वातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली

चालित रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, वातानुकूल सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली सुलभ कराई जा रही है। सवारी डिब्बों में वात ब्रेक प्रणाली को अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली के साथ एकीकृत करके स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली की विशिष्टियों का उन्नयन किया गया है। वर्ष 2022-23 तक 10,844 वातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली सुलभ कराई जा चुकी है। जून 2017 में उत्पादन इकाइयों को अनुदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं कि सभी नवनिर्मित वातानुकूल सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली लगाई जाए।

iii. अवातानुकूल सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों की व्यवस्था

सभी वातानुकूल सवारी डिब्बों, द्वितीय श्रेणी-सह-गार्ड और लगेज वैन और रसोई यानों में सूखे रासायनिक पाउडर वाले अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। 34,705 अदद अवातानुकूल सवारी डिब्बों में सूखे रासायनिक पाउडर वाले अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों को सभी नवनिर्मित अवातानुकूल सवारी डिब्बों में भी अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराने के अनुदेश जारी किए जा चुके हैं।

iv. सवारी डिब्बों में अग्निरोधन में सुधार

सवारी डिब्बों में अग्निरोधी साज-सज्जा सामग्रियां जैसे कि अग्निरोधी पर्दे, पार्टीशन पैनलिंग, रूफ सीलिंग, फर्श, गद्दी सामग्री और सीट कवर के साथ सीट और शायिका, खिड़कियां और यूआईसी गलियारे आदि उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन वस्तुओं की विशिष्टियों का सतत सुधार के भाग के रूप में समय-समय पर उन्नयन किया जा रहा है। प्रमुख साज-सज्जा वस्तुओं की विशिष्टियों में, अब अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार अग्निरोधन (अर्थात् ताप निर्मुक्ति दर) से संबंधित एक नया निर्देश-मानक शुरू किया गया है।

v. ईएमयू, मेमू और कोलकाता मेट्रो में अलार्म प्रणाली के साथ स्वचालित धूम्र/अग्नि संसूचन की व्यवस्था

वर्ष 2022-23 के दौरान, 37 मेमू रेकों में स्वचालित धूम्र/अग्नि संसूचन और अलार्म प्रणाली सुलभ कराई गई है। कोलकाता मेट्रो में स्वचालित धूम्र/अग्नि संसूचन और अलार्म प्रणाली से सुसज्जित 11 रेक शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, उत्पादन इकाइयों को नवनिर्मित ईएमयू/मेमू रेकों में अलार्म और शमन प्रणाली के साथ स्वचालित धूम्र/अग्नि संसूचन सुलभ कराने के अनुदेश जारी किए गए हैं।

3. रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को सुदृढ़ बनाने के लिए किए गए उपाय

भारतीय रेल ने रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए नीचे बताए गए कदम उठाए हैं।

i. एयर स्प्रिंगों का वर्धमान उपयोग

सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता का संवर्धन करने के लिए, सस्पेंशन प्रणालियों को द्वितीयक स्तर पर एयर स्प्रिंग के साथ पुन: डिजाइन किया जा रहा है जो परिवर्ती भारों पर स्थिर ऊंचाई को बनाए रखने में सक्षम हैं। उपनगरीय रेलगाड़ियों के लिए एयर स्प्रिंग विकसित किए गए हैं और सभी नवनिर्मित ईएमयू एवं डीएमयू कोच में लगाए जा रहे हैं। अब मुख्य

पानीपत ओएमआरएस स्थल, उत्तर रेल

लाइन के सवारी डिब्बों के लिए भी एयर स्प्रिंग विकसित जा चुके हैं और नवनिर्मित सवारी डिब्बों में बड़े पैमाने पर लगाए गए हैं। उत्पादन इकाइयों को सभी नवनिर्मित एलएचबी सवारी डिब्बों में एयर स्प्रिंग का उपयोग करने को कहा गया है।

ii. सवारी डिब्बों में दरवाजे बंद होने की स्वचालित व्यवस्था

चालित रेलगाड़ियों से यात्रियों के दुर्घटनावश गिरने की रोकथाम करने के लिए सवारी डिब्बों में दरवाजे बंद करने की स्वचालित प्रणाली की व्यवस्था करने की योजना बनाई गई है। मुख्य लाइन के सवारी डिब्बों के चुनिंदा संस्करणों में दरवाजे बंद करने की स्वचालित प्रणाली सुलभ कराई जाएगी। वंदे भारत रेलगाड़ियों, तेजस स्लीपर राजधानी, तेजस चेयर कार और हमसफर के सवारी डिब्बों में भी दरवाजा बंद करने की स्वचालित व्यवस्था सुलभ कराई गई है। पश्चिम रेलवे, मुंबई के लिए सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई में स्वचालित दरवाजों के साथ 14 वातानुकूल ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) रेकों का विनिर्माण किया गया है। सडिका/चेन्नई ने कोलकाता मेट्रो के लिए दरवाजा बंद होने की स्वचालित प्रणाली युक्त रेलडिब्बे भी तैयार किए हैं। इसके अलावा, उत्पादन इकाइयों को भविष्य के सभी हमसफर और उदय रेलगाड़ी के सवारी डिब्बों को स्वचालित प्लग प्रकार के दरवाजों (प्रति सवारी डिब्बा 4 अदद) के साथ विनिर्माण करने के अनुदेश जारी किए गए हैं। 2022-23 के दौरान, उत्पादन इकाइयों ने दरवाजा बंद करने की स्वचालित प्रणाली के साथ 8 वंदे भारत रेकों और 2 वातानुकूल ईएमयू रेकों का उत्पादन किया है।

iii. सवारी डिब्बों में दोनों तरफ कार्य करने वाले दरवाजों की व्यवस्था

यात्रियों की आसान निकासी के लिए सवारी डिब्बों में दोनों तरफ कार्य करने वाले दरवाजे वातानुकूल सवारी डिब्बे में दोनों तरफ खुलने वाले दरवाजे हैं। वातानुकूल सवारी डिब्बों में ऐसे दरवाजे सुलभ कराने की आवश्यकता है ताकि अग्नि रोधी योग्यता में सुधार लाया जा सके और आग लगने की स्थिति में यात्री सवारी डिब्बे से तुरंत बाहर निकल सकें।

iv. सवारी डिब्बों के बिजली पैनल में एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली की व्यवस्था

चालित रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, जून 2022 में उत्पादन इकाइयों और क्षेत्रीय रेलों को अनुदेश जारी किए गए थे। अभी तक एलएचबी (वातानुकूल-1,320, अवातानुकूल-80), सडिका (वातानुकूल-8), पावर कार एलएचबी-44 और रसोई यान के 21 तथा एलएसएलआरडी-861 सवारी डिब्बों के बिजली पैनल में एयरोसोल अग्निशमन प्रणाली सुलभ कराई जा चुकी है।

v. रेल फाटकों पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उपाय

इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा रेल फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपाय इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 40 पर 'इंजीनियरी' अध्याय में रेल फाटक, रोड ओवर/अंडर ब्रिज के अंतर्गत संक्षेप में बताए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित उपाय किए जाते हैं:

(क) **रेल फाटकों का अंतर्पाशन:** 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल ने रेल फाटकों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 11,079 रेल फाटकों पर सिगनलों के साथ अंतर्पाशन उपलब्ध करा दिया है।

(ख) **रेल फाटक पर स्लाइडिंग बूम:** विशेषकर उपनगरीय क्षेत्रों में सड़क वाहनों द्वारा रेल फाटक गेट क्षतिग्रस्त होने पर रेलगाड़ी सेवाओं में व्यवधान का न्यूनीकरण करने में अंतर्पाशित स्लाइडिंग

बूम की व्यवस्था बहुत कारगर सिद्ध हुई है। स्लाइडिंग बूम अंतर्पाशन की व्यवस्था के साथ, सिगनल-प्रणाली रेलगाड़ी परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव के साथ सामान्य ढंग से कार्य करना जारी रखती है। 31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, 7,031 अदद व्यस्त अंतर्पाशित रेल फाटकों पर लिफ्टिंग बैरियरों के साथ-साथ स्लाइडिंग बूम उपलब्ध करा दिए गए हैं, और व्यस्त फाटकों पर भी उत्तरोत्तर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

VI. अन्य प्रशासनिक उपाय

- दिनांक 30.11.2023 की राजपत्र अधिसूचना द्वारा भारतीय रेल (चालित लाइन) सामान्य नियमों में **चलायमान ब्लॉक का सिद्धांत** प्रारंभ किया गया है, जिसमें अनुरक्षण/मरम्मत/बदलाव के कार्य की चलायमान आधार पर 52 सप्ताह पहले योजना बनाई जाती है और योजना के अनुसार निष्पादन किया जाता है।

- **बोर्ड के शीर्ष स्तर पर संरक्षा निष्पादन की निरंतर समीक्षा** – शीर्ष स्तर पर बोर्ड बैठक की कार्यसूची में पहली मद के रूप में संरक्षा निष्पादन की निरपवाद रूप से समीक्षा की जाती है। सभी दुर्घटनाओं का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है ताकि शोधक उपाय शुरू किए जा सकें।

- **क्षेत्रीय रेलों के साथ संरक्षा समीक्षा बैठकें** – अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड और बोर्ड सदस्यों द्वारा उनके दौरों के दौरान और नियमित मासिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से क्षेत्रीय रेलों के महाप्रबंधकों और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ संरक्षा समीक्षा बैठकें की जा रही हैं।

- **गहन रात्रिकालीन फुटप्लेट निरीक्षण** – फील्ड में अधिकारियों तथा पर्यवेक्षकों के स्तर पर रात्रिकालीन निरीक्षणों सहित गहन फुटप्लेट निरीक्षण किए गए हैं।

- **नियमित संरक्षा अभियान और जागरूकता अभियान** – हाल की रेल दुर्घटनाओं से सीखे गए सबकों को शामिल करते हुए समय-समय पर संरक्षा अभियान और जागरूकता अभियान चलाए गए हैं ताकि भविष्य में इसी तरह की दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके।

- **आपदा प्रबंधन योजना और मानक कार्यपद्धतियां** – आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के उपबंधों के अनुसार, रेल मंत्रालय ने आपदा प्रबंधन योजना तैयार की है। सभी क्षेत्रीय रेलों और मंडलों ने भी अपनी आपदा प्रबंधन योजना तैयार कर ली है। आपदा प्रबंधन योजना आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं को अंतर्विष्ट करते हुए एक रूपरेखा प्रदान करती है। यह आपदा जोखिम न्यूनीकरण, प्रशमन, तत्परता, प्रत्युत्तर, समुत्थान और वापस बेहतर पुनर्निर्माण को शामिल करती है। यह संबंधित हितधारकों द्वारा कारगर आपदा प्रबंधन के लिए संसाधनों को तीव्रतापूर्वक जुटाने के लिए कार्य की स्पष्टता के साथ भी एक रूपरेखा प्रदान करती है। उपर्युक्त के अलावा, रेल डिब्बों में आग लगने की रोकथाम करने और उससे निपटने के लिए विस्तृत मानक कार्यपद्धतियां बनाई गई हैं ताकि जान-माल और रेल संपत्ति की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। साथ ही, रेलगाड़ी दुर्घटनाओं से निपटने के लिए विस्तृत प्रोटोकॉल तैयार किया गया है।

- **मॉक ड्रिल/अभ्यास** – आपदा/बड़ी ट्रेन दुर्घटनाओं के दौरान बचाव और राहत के लिए, भारतीय रेल द्वारा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के साथ मॉक ड्रिलें की जा रही हैं। इस प्रकार की ड्रिलें आपदा प्रत्युत्तर दलों, सांस्थानिक तंत्रों और उपस्कर की पूर्ण तैयारी और परिचालनिक तत्परता को बनाए रखने के लिए अत्यावश्यक हैं। इस प्रकार की ड्रिलें यथासंभव कम समय के अंदर तैनाती के लिए तत्परता सुनिश्चित करने हेतु की जाती हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में, भारतीय रेल ने सभी क्षेत्रीय रेलों को शामिल

करते हुए 46 मंडलों में 51 स्थानों पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के साथ विस्तृत आपदा प्रबंधन अभ्यास किया है। इसके अलावा, क्षेत्रीय रेलों द्वारा प्रत्येक मंडल में तिमाही मॉक ड्रिल की जाती है, जिसमें रेलों के संसाधनों जैसे दुर्घटना राहत रेलगाड़ियां, दुर्घटना राहत चिकित्सा वैन, ब्रेकडाउन क्रेन आदि को शामिल किया जाता है।

- **भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान, बेंगलूरु** ने नवंबर, 2022 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके साथ ही, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, दमकल एवं आपातकालीन सेवा विभाग, कर्नाटक सरकार और नागरिक सुरक्षा के सहयोग से आपदा प्रबंधन में अंतर्ग्रस्त कर्मचारियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। दुर्घटना राहत रेलगाड़ी पर्यवेक्षकों, संरक्षा परामर्शदाताओं, दुर्घटना राहत रेलगाड़ी कर्मचारियों और क्रेन चालकों जैसे मुख्य व्यक्तियों के बीच आपदा प्रबंधन में अपेक्षित तालमेल की समझ पैदा करने के लिए लगभग 06 नाकारा सवारी डिब्बों और आग लगने की परिस्थिति का भी उपयोग करके 100 से अधिक हताहतों/चोटों की परिस्थिति का प्रतिरूपण करते हुए एक मैगा मॉक ड्रिल की गई थी। इस अभ्यास से आपदा उपरांत आवश्यकताओं का निर्धारण करने और दुर्घटना पश्चात बचाव और राहत कार्य में शामिल विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय आवश्यकताओं को समझने में सहायता मिली है।

चल स्टॉक

वर्ष 2022-23 के दौरान सेवा में लगाए गए चल स्टॉक का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

चल स्टॉक की किस्म		सेवा में लगाई गई यूनिटें					
		परिवर्तन लेखा			परिवर्धन लेखा		
	वर्ष	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन
डीजल इंजन	2021-22	–	–	7	104	–	–
	2022-23	**–**	**–**	**–**	**100**	**–**	**–**
बिजली इंजन	2021-22	44	–	–	903	–	–
	2022-23	**75**	**–**	**–**	**998**	**–**	**–**
माल डिब्बे @	2021-22	12,796	–	–	–	–	–
(वाहन इकाइयों में)	**2022-23**	**22,790**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें							
मोटर कोच	2021-22	–	–	–	8	–	–
	2022-23	**28**	**–**	**–**	**8**	**–**	**–**
ट्रेलर कोच	2021-22	6	–	–	16	–	–
	2022-23	**56**	**–**	**–**	**16**	**–**	**–**
मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें							
मोटर कोच	2021-22	12	–	–	14	–	–
	2022-23	**51**	**–**	**–**	**31**	**–**	**–**
ट्रेलर कोच	2021-22	36	–	–	39	–	–
	2022-23	**153**	**–**	**–**	**93**	**–**	**–**

@ वर्ष के दौरान निर्मित कुल माल डिब्बे (बीएलसी और निजी माल डिब्बों सहित)

वर्ष के दौरान नकारा घोषित किया गया स्टॉक इस प्रकार था–

चल स्टॉक की किस्म						(यूनिटों में)
	बड़ी लाइन		मीटर लाइन		छोटी लाइन	
	2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**
डीजल रेल इंजन	209	**377**	2	**–**	07	**03**
बिजली रेल इंजन	44	**75**	–	**–**	–	**–**
माल डिब्बे (वाहन इकाइयों में)	2,132	**4,241**	19	**22**	–	**–**
इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें						
मोटर कोच	48	**121**	-	**-**	-	**-**
ट्रेलर कोच	224	**284**	-	**-**	-	**-**

कर्षण

सकल टन किलोमीटर और रेलगाड़ी किलोमीटर, दोनों के मामले-में संपूर्ण यात्री एवं माल यातायात की ढुलाई डीजल और बिजली रेलइंजनों द्वारा की गई। बहरहाल, भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत के प्रतीक के रूप में हिल रेलवे सहित कुछ भाप सर्किट पर भाप रेलइंजनों को चलाना जारी रखा गया है।

बोगी कारखाना, आधुनिक माल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

मोज़ाम्बिक रेलवे के लिए सवारी डिब्बे

सडिका द्वारा निर्मित पहला इंटीग्रल सवारी डिब्बा शैल

विस्टाडोम सवारी डिब्बे

पिछले वर्ष की तुलना में, 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार कर्षण-वार बेड़ा इस प्रकार था:-

		(यूनिटों में)
रेलइंजन	**31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार**	**31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार**
भाप	39	**39**
डीजल	4,747	**4,756**
बिजली	8,429	**9,565**
कुल	13,215	**14,360**

चल स्टॉक का विनिर्माण

2022-23 के दौरान उत्पादन इकाइयों का कार्यनिष्पादन इस प्रकार था:-

- **चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चितरंजन** ने आईजीबीटी प्रौद्योगिकी आधारित नोदन प्रणाली और अनुषंगी परिवर्तकों से युक्त 436 अदद अत्याधुनिक बड़ी लाइन 3-फेज उच्च अश्व शक्ति बिजली रेलइंजनों का विनिर्माण किया।
- **बनारस रेलइंजन कारखाना, वाराणसी** ने गैर-रेल ग्राहकों के लिए 3 रेलइंजनों सहित 346 रेलइंजनों का विनिर्माण किया। गैर-रेल ग्राहकों/निर्यात के लिए विक्रय मूल्य ₹41.62 करोड़ था।
- **सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई** ने 2,702 कोच का विनिर्माण किया जिसमें 2,261 एलएचबी सवारी डिब्बे, 184 ट्रेनसेट कोच, 104 तीन फेज मेमू, 120 ईएमयू, 15 उच्च गति स्वनोदित दुर्घटना राहत रेलगाड़ियां, और 18 अदद टावर कार/निरीक्षण कोच शामिल थे।
- **रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला** ने 1,651 कोच का विनिर्माण किया जिसमें 1,431 एलएचबी सवारी डिब्बे और 213 मेमू कोच शामिल हैं।
- **आधुनिक कोच फैक्ट्री, रायबरेली** ने मोजाम्बिक रेलवे के लिए 1,434 एलएचबी सवारी डिब्बों सहित 1,461 कोच और 27 केप गेज कोचों का विनिर्माण किया।
- **रेल पहिया कारखाना, बेंगलूरु** ने 81,480 पहिया सेटों को एसेम्बल किया, 1,90,976 पहियों और 91,889 (यूनिट) धुरों का विनिर्माण किया। गैर-रेल ग्राहकों के लिए विक्रय मूल्य ₹217.22 करोड़ था।
- **रेल पहिया संयंत्र, बेला** ने 2022-23 के दौरान 24,518 पहियों का विनिर्माण किया।
- **पटियाला रेलइंजन कारखाना, पटियाला** ने 198 उच्च अश्व शक्ति बड़ी लाइन बिजली रेलइंजनों और 55 अदद टॉवर कारों का विनिर्माण किया।

2022-23 के दौरान ईएमयू, एमईएमयू और कोलकाता मेट्रो रेक के नवोन्मेषों और नई पहलों का विवरण इस प्रकार है:

3-फेज ऑन बोर्ड एमईएमयू रेक

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, स्वदेश में विकसित 3 फेज़ आईजीबीटी आधारित ऑन-बोर्ड नोदन प्रणाली से युक्त 38 मेन लाइन इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट रेकों का उत्पादन किया गया जिनमें रेल उत्पादन इकाइयों (रेडिका-21, सडिका-10) से 31 एमईएमयू रेकों और बीईएमएल से 7 का उत्पादन शामिल है।

इनकी अन्य मुख्य विशेषताएं नीचे बताई गई हैं:

क) स्टेनलेस स्टील कार बॉडी।

भा.रे. कालका-शिमला रेल के लिए एनजी सवारी डिब्बा

ख) ऊर्जा कुशल पुनरुत्पादक ब्रेकन प्रणाली।

ग) अत्याधुनिक ईथरनेट आधारित संचार प्रौद्योगिकी।

घ) जीपीएस आधारित जन उद्घोषणा/यात्री सूचना प्रणाली।

ङ) वातानुकूल ड्राइवर केबिन।

च) टच स्क्रीन ड्राइवर्स डिस्प्ले यूनिट।

छ) कोच के यात्री क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे।

ज) ड्राइवर केबिन में फ्रंट और साइड व्यू सीसीटीवी कैमरे।

झ) एफआरपी पैनलिंग के साथ सुंदर आंतरिक साज-सज्जा।

ञ) जैव शौचालय।

पीओएच, पू.म.रे.

3-फेज़ अध:बंधित एमईएमयू रेक

2022-23 के दौरान, सवारी डिब्बा कारखाने द्वारा अध:बंधित नोदन प्रणाली आधारित अत्याधुनिक 3 फेज़ आईजीबीटी से सुसज्जित 3 एमईएमयू रेकों का विनिर्माण किया गया है।

इनकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- पूर्णतया निलम्बित कर्षण मोटर को समायोजित करने हेतु आधुनिक ट्रेन 18 बोगियां।
- ऊर्जा कुशल पुनरुत्पादक ब्रेकन प्रणाली।
- स्टेनलेस स्टील कोच बॉडी।
- वातानुकूल ड्राइवर केबिन और श्रमदक्षता कुशल एफआरपी ड्राइवर डेस्क।
- अपनी-श्रेणी-में-सर्वश्रेष्ठ गद्दीदार सीटें।
- यात्री सवारी डिब्बों में दो शौचालय और ड्राइविंग मोटर कोच में एक शौचालय।
- आदि से अंत तक आवाजाही संभव बनाने के लिए सवारी डिब्बों के बीच सीलबंद गलियारे।
- सीसीटीवी निगरानी प्रणाली।
- जीपीएस आधारित जन उद्घोषणा/यात्री सूचना प्रणाली।
- यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा आराम के साथ 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक परिचालन करने में सक्षम।
- आपातकालीन टॉक बैक प्रणाली।

स्वचल धूम्र एवं अग्नि संसूचन प्रणाली

2022-23 के दौरान, भारतीय रेल में स्वचल धूम्र एवं अग्नि संसूचन प्रणाली से सुसज्जित 7 एमईएमयू रेकों और 4 कोलकाता मेट्रो रेकों को शुरु किया गया है।

वातानुकूल अध:बंधित ईएमयू

2022-23 के दौरान, पश्चिम रेल में अध:बंधित नोदन प्रणाली आधारित 3 फेज आईजीबीटी के साथ एक वातानुकूल ईएमयू रेक को शुरू किया गया है जिसकी प्रमुख विशेषताएं नीचे बताई गई हैं।

- स्टेनलेस स्टील कार बॉडी।
- पूर्णत: निलम्बित कर्षण मोटरें।
- आदि से अंत तक गलियारा।
- स्वचल स्लाइडिंग दरवाजे।

पूर्वोत्तर रेल, गोरखपुर में यांत्रिकी कारखाना में एलएचबी सवारी डिब्बों का अनुरक्षण

- 50% विद्युतशक्ति।
- ड्राइवर केबिन में लाइव फीड के साथ सीसीटीवी निगरानी प्रणाली।
- दोतरफा डिस्प्ले के साथ जीपीएस आधारित जन उद्घोषणा/यात्री सूचना प्रणाली।

रियल टाइम रेलगाड़ी सूचना प्रणाली

ईएमयू/एमईएमयू रेलगाड़ियों की रियल टाइम अवस्थिति की जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से ईएमयू/एमईएमयू रेलगाड़ियों में रियल टाइम रेलगाड़ी सूचना प्रणाली सुलभ कराने की योजना बनाई गई है। प्रारंभ में, क्रमशः उत्तर, पूर्व, मध्य और पश्चिम रेलवे के क्षेत्रों के अंदर मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कार शेडों में अवस्थित ईएमयू/एमईएमयू रेकों में 140 उपकरण सुलभ कराए जाएंगे।

कवच

उत्पादन इकाइयों को कवच से सुसज्जित ईएमयू/एमईएमयू और वंदे मेट्रो रेलगाड़ियों का विनिर्माण करने को कहा गया है। यह प्रणाली मानवीय त्रुटि के साथ-साथ ब्रेकन प्रणाली की समस्याओं के कारण रेलगाड़ी टक्कर अथवा दुर्घटनाओं की रोकथाम करने में सहायता करेगी। यह योजना है कि कवच का उन ईएमयू/एमईएमयू में रेट्रोफिटमेंट किया जाएगा, जिन्हें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर परिचालन करने हेतु विनियोजित नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल और नई दिल्ली-हावड़ा रेलमार्गों पर चलाए जाने और शेडों में खड़ा किए जाने की संभावना है। तत्पश्चात, इसे सभी ईएमयू/एमईएमयू रेलगाड़ियों में सुलभ कराया जाएगा।

हेड-ऑन जेनेरेशन प्रणाली

हेड-ऑन जेनेरेशन प्रणाली वह विद्युतशक्ति आपूर्ति प्रणाली है जिसमें रेलगाड़ी की प्रकाश व्यवस्था, वातानुकूलन प्रणाली, पंखों और अन्य यात्री अंतःसंपर्क आवश्यकताओं सहित रेलगाड़ी के होटल लोड की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विद्युतशक्ति का प्रभरण शिरोपरि उपस्कर से किया जाता है।

- सभी एलएचबी सवारी डिब्बों को हेड-ऑन जेनेरेशन संगत बनाया गया है।
- सभी पावर कारों को हेड-ऑन जेनेरेशन संगत बनाया गया है।
- उत्पादन इकाइयों में केवल हेड-ऑन जेनेरेशन संगत एलएचबी सवारी डिब्बों, पावर कारों का विनिर्माण किया जा रहा है।

धुलाई लाइन/गर्त लाइन पर 750 वोल्ट बाह्य विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था

अवधि	750 वोल्ट बाह्य विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था
2022-23	186

इकहरी पावर कार के साथ हेड-ऑन जेनेरेशन संगत रेलगाड़ियों का परिचालन

बिना किसी मार्गवर्ती कर्षण परिवर्तन के साथ आदि से अंत तक हेड-ऑन जेनरेशन संगतता की गुंजाइश रखने वाले मार्ग में रेलगाड़ियों के लिए इकहरी पावर कार प्रणाली की योजना शुरू की गई है।

अवधि	इकहरी पावर कार के साथ हेड-ऑन जेनरेशन संगत रेलगाड़ियां
2022-23	961

अमृत भारत पुश-पुल रेलगाड़ियां

भारतीय रेल द्वारा रेलगाड़ियों की औसत गति को बढ़ाने के उद्देश्य से रेलगाड़ी के आगे और पीछे रेलइंजनों के साथ पुश पुल विधि से अमृत भारत रेलगाड़ियां चलाने की योजना बनाई गई है।

पुश-पुल परिचालन की श्रेष्ठताएं इस प्रकार हैं:

क. दोनों रेलइंजनों द्वारा बिल्कुल एक जैसा भार साझा किया जाना।

ख. पुनरुत्पादन में वृद्धि।

ग. झटकों का न्यूनतम होना।

घ. बेहतर त्वरण और अवत्वरण।

ङ. बेहतर साज-सज्जा आदि।

आयात

वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में विनिर्मित विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए कुल उत्पादन लागत (प्रोफार्मा प्रभारों को छोड़कर) के प्रतिशत के मामले-में कच्चे माल/कलपुर्जों का आयात घटक इस प्रकार है:-

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2021-22	2022-23
बनारस रेलइंजन	डब्ल्यूएपी-7	1.26	**1.48**
कारखाना	डब्ल्यूएजी-9एच	0.51	**0.5**
	डीजल रेलइंजन (मोजाम्बिक लोको)	1.16	**-**
रेल डिब्बा	एलजीएस	0.94	**3.25**
कारखाना	एलएसएलआरडी (एलसी)	0.90	**3.09**
	ईओजी/एलएचबी/एफएसी	0.72	**2.49**
	एससीजीएसी/ईओजी/एलएचबी	0.76	**-**
	वीपीएचएक्स	1.22	**4.19**
	एलडब्ल्यूएससीजेड	0.93	**3.22**
	एलडब्ल्यूएससीएन	0.91	**-**
	एसीसीबी/ईओजी/एलएचबी	0.74	**2.54**
	एसीडब्लू/ईओजी/एलएचबी	0.78	**2.67**
	एलएसीसीएनएक्स	0.74	**2.56**
	एलडब्ल्यूएसीएन (गरीब रथ)	0.81	**2.79**
	एलआरएम 500 एसएक्स	0.64	**-**
चित्तरंजन रेलइंजन	डब्ल्यूएजी-9एचसी	0.35	**0.72**
कारखाना	डब्ल्यूएजी-9	0.35	**-**
	डब्ल्यूएपी-7	0.81	**-**
	डब्ल्यूएपी-5	2.84	**3.03**
आधुनिक रेल	एलडब्ल्यूएफएसी	1.63	**1.80**
फैक्टरी	एलडब्ल्यूसीबीएसी/टी	1.47	**1.61**
	एलडब्ल्यूएफएसी/टी	1.36	**1.50**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन/टी	1.31	**1.44**
	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू/टी (2एसी)	1.31	**1.44**
	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू (2एसी)	1.76	**2.00**
	एलडब्ल्यूएफसीडब्ल्यूएसी	1.61	**1.77**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन	1.79	**1.79**
	एलडब्ल्यूएसीसीएनई	-	**1.98**
	एलडब्ल्यूसीबीएसी	1.64	**1.75**

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2021-22	**2022-23**
	एलडब्ल्यूएससीसीजेड	–	**2.44**
	एलडब्ल्यूएससीजेडएसी	–	**1.94**
	एलएसएलआरडी	1.83	**2.39**
	एलडब्ल्यूएससीएन (जी)	2.08	**2.35**
	एलडब्ल्यूएस डीईईएन	2.14	**2.35**
	एलडब्ल्यूएससीजेड	2.14	**–**
	एलडब्ल्यूएससीएन	2.05	**2.25**
	ब्रेक वैन/टी	–	**1.24**
	ब्रेक वैन/टी (एलडब्ल्यूएलआरआरएम/टी)	1.13	**–**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	1.22	**–**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम (पीसी)	–	**2.06**
	पार्सल वैन	3.56	**3.91**
सवारी डिब्बा	एलएसडीडी	1.05	**2.75**
कारखाना	एलएसीसीएन	0.98	**2.36**
	एलएसीसीएन ई	–	**1.85**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन ई	0.82	**–**
	एलएसीसीडब्ल्यू	1.05	**2.27**
	एलएसीसीडब्ल्यू एलडब्ल्यू	0.97	**–**
	एलएफसीडब्ल्यूएसी	1.11	**2.17**
	एलएससीएन	2.19	**2.65**
	एलएसएलआरडी	0.97	**2.7**
	एलपीवी	1.35	**3.55**
	एलएससीजेड	1.24	**–**
	एलएससीजेड एसी	1.04	**–**
	एलआरएसी	0.67	**1.42**
	विस्टाडोम	0.62	**1.23**
	एलडब्ल्यूसीबी एसी	0.98	**2.48**
	एलडब्ल्यूसीबी एसी डीक्यू	–	**1.95**
	एलएफएसी	1.06	**2.91**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	–	**1.93**

भारतीय रेल की मालडिब्बों की थोक आवश्यकता की पूर्ति रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/कारखानों के साथ-साथ सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की मालडिब्बा विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाती है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में कुल 22,790 मालडिब्बों को शामिल किया गया। इनमें से 1,561 मालडिब्बों (151 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 21,229 मालडिब्बों (632 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था।

वर्ष 2023-24 (अप्रैल-सितम्बर, 2023) के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में 16,481 मालडिब्बे शामिल किए गए। इनमें से 1,158 मालडिब्बों (329 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 15,323 मालडिब्बों (1,385 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था।

चल स्टॉक का अनुरक्षण

वर्ष के दौरान रेल कारखानों में चल स्टॉक इकाइयों की आवधिक ओवरहॉल की संख्या नीचे तालिका में दी गई है:-

चल स्टॉक की किस्म (ब.ला. + मी.ला.)	किए गए आवधिक ओवरहाल (संख्या) वर्ष के दौरान	
	2021-22	**2022-23**
डीजल रेलइंजन	47	**53**
बिजली रेलइंजन	373	**399**
सवारी डिब्बे	27,224	**30,006**
माल डिब्बे	56,135	**65,142**

विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए लाइन पर कुल स्टॉक की तुलना में अनुपयोगी स्टॉक का प्रतिशत इस प्रकार था:

चल स्टॉक की किस्म	लाइन पर कुल स्टॉक की तुलना में अनुपयोगी स्टॉक का प्रतिशत			
	बड़ी लाइन		मीटर लाइन	
	2021-22	**2022-23**	2021-22	**2022-23**
भाप रेलइंजन	–	**–**	18.83	**26.74**
डीजल रेलइंजन	9.79	**10.40**	9.37	**54.05**
बिजली रेलइंजन	5.85	**4.91**	–	**–**
ईएमयू कोच	10.4	**7.31**	–	**–**
यात्री सवारी डिब्बे	5.68	**4.96**	10.48	**1.92**
अन्य सवारी वाहन	5.55	**7.38**	–	**–**
माल डिब्बे	3.13	**3.11**	0.95	**–**

निर्यात आदेश

वर्ष 2022-23 के दौरान चल स्टॉक के निर्यात का कुल मूल्य ₹2,715.10 करोड़ था। मार्च 2022 और मार्च 2023 के अंत तक चल स्टॉक/पुर्जों के निर्यात का संचयी मूल्य क्रमश: ₹14,283.02 करोड़ और ₹16,998.12 करोड़ था।

वर्ष 2022-23 के दौरान निर्यात में सवारी डिब्बे, डीजल बिजली रेलइंजन, डीईएमयू, पुर्जों की आपूर्ति और श्रीलंका और मोजाम्बिक को निर्यात सेवा परामर्श शामिल हैं।

सामग्री प्रबंधन

सामग्री प्रबंधन विभाग संगठन में सामग्रियों के प्रवाह और तत्पश्चात विभिन्न उपयोगकर्ताओं तक इसके आगे संचलन से संबंधित सभी कार्यकलापों की योजना बनाने, व्यवस्था करने, संचार करने, निर्देश देने और नियंत्रण करने का कार्य करता है। भारतीय रेल सार्वजनिक क्रय करने वाले देश के सर्वाधिक विशाल संगठनों में से एक है।

क्रयों पर व्यय

वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल द्वारा परिसंपत्तियों के परिचालन, अनुरक्षण और उत्पादन (रेलपथ संबंधी वस्तुओं और निर्माण-कार्यो के भाग के रूप में आपूर्ति किए गए सामानों को छोड़कर) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं के क्रय पर व्यय ₹64,956.50 करोड़ था। ऐसी वस्तुओं के क्रय का विस्तृत वर्गीकरण नीचे दिया गया है:-

(करोड़ ₹ में)

	2021-22	2022-23
परिचालन, मरम्मत और अनुरक्षण के लिए भण्डार	12,527.08	**15,878.97**
निर्माण के लिए भण्डार	3,345.50	**5,174.69**
ईंधन	10,362.24	**19,227.74**
चल स्टॉक के विनिर्माण के लिए भण्डार और संपूर्ण इकाइयों की खरीद	22,478.95	**24,675.10**
जोड़	48,713.77	**64,956.50**

संग्रहण डिपो

गोदाम प्रबंधन सामग्री प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारतीय रेल के पास अनन्य बहुत बड़ा गोदाम नेटवर्क है जो खपत बिंदु के समीप यथासंभव अधिक कुशलतापूर्वक अपेक्षित सामग्री उपलब्ध कराने के प्रति समर्पित है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के पास 306 संग्रहण डिपो हैं जो पूरे रेल नेटवर्क में फैले हुए हैं। इन डिपुओं में 2.42 लाख से अधिक वस्तुओं का भण्डारण किया जाता हैं जिनमें कच्चा माल, घटक, कलपुर्जे, त्याज्य सामग्रियां आदि शामिल हैं।

अनुपयोगी वस्तुओं का निपटान

कुशल सामग्री प्रबंधन में अनुरक्षण और उत्पादन कार्यकलापों के दौरान उत्पन्न स्क्रैप का समय पर और कारगर निपटान भी शामिल है। औद्योगिक अपशिष्ट और खतरनाक स्क्रैप का सुरक्षित निपटान करना एक कानूनी बाध्यता है जिसे भारतीय रेल द्वारा सतर्कतापूर्वक सुनिश्चित किया जाता है। नाकारा परिसंपत्तियों में फँसी हुई पूंजी को मुक्त करने के लिए ऐसी परिसंपत्तियों का निपटान करना अनिवार्य है। स्क्रैप का निपटान रेलों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। वर्ष 2022-23 के दौरान, स्क्रैप के निपटान से जुटाया गया कुल राजस्व ₹5,756.98 करोड़ था, जबकि वर्ष 2021-22 के दौरान यह ₹5,316.24 करोड़ था।

डिजिटलीकरण

जहां तक आपूर्ति श्रृंखला के डिजिटलीकरण का संबंध है, भारतीय रेल ने काफी प्रगति की है। भारतीय रेल ने भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) प्लेटफॉर्म पर ई-निविदा और ई-बोली के कार्यान्वयन के साथ शुरू हुई सादगीपूर्ण शुरुआत को मजबूती से आगे बढ़ाया है। आज यह यात्रा सभी प्रकार की निविदाओं जैसे सामान और सेवाएं, निर्माण-कार्य, आमदनी/पट्टे पर देना और स्क्रैप विक्रय के लिए इकहरे वेब पोर्टल अर्थात www.ireps.gov.in के रूप में विकसित हो गई है। Goods & Services, Works, Earning/Leasing and sale of scrap. एकीकृत सामग्री प्रबंधन प्रणाली (आईएमएमएस) जो भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम का एक हिस्सा है, रेलों के सभी सामग्री प्रबंधन कार्यकलापों को पूरा करती है।

वर्ष के दौरान प्रमुख पहलें

- उपयोगकर्ता छोर पर समस्त सामग्री प्रबंधन गतिविधियों के डिजिटलीकरण के लिए **आई.आर. ई.पी.एस. के उपयोगकर्ता डिपो मॉड्यूल (यू.डी.एम.)** को सभी उपयोगकर्ता डिपो में सर्वत्र क्रियान्वित किया जा चुका है और अब उपयोगकर्ता छोर पर सामग्री के सभी लेनदेन यू.डी. एम. पर डिजिटल लेजर के माध्यम से किए जा रहे हैं।
- 1 जुलाई 2022 से आई.आर.ई.पी.एस. द्वारा जारी की गई आपूर्ति संविदाओं के अंतर्गत विक्रेताओं को भुगतान के लिए **स्टॉक और गैर-स्टॉक मदों, दोनों के लिए 100% ई-बिल** क्रियान्वित किए जा चुके हैं।

अब आपूर्ति श्रृंखला की सभी प्रक्रियाओं, जैसे स्टॉक का प्रस्ताव, मांगों का सृजन, परिमाण कार्य पत्रक, क्रय प्रस्ताव, निविदा आमंत्रण सूचना का सृजन एवं प्रकाशन, बयाना राशि का संदाय, बोली लगाना, तकनीकी जांच सहित निविदा को अंतिम रूप देना, स्वीकारोक्ति पत्र/क्रयादेशों का ऑनलाइन निर्गम एवं सुपुर्दगी, बयाना राशि का प्रतिदाय, निरीक्षण प्रमाणपत्र, सामग्री रसीद और लेखाकरण, ऑनलाइन बिल प्रस्तुति और पारित करना, उपयोगकर्ता छोर तक सामग्री निर्गम आदि का डिजिटलीकरण कर दिया गया है।

प्रापण एजेंसी

क्षेत्रीय रेलें और उत्पादन इकाइयां अधिकांशतः उनके द्वारा अपेक्षित सामग्रियों का क्रय विकेंद्रीकृत प्रणाली में करती हैं, लेकिन कुछ वस्तुएं ऐसी हैं जो रेलवे बोर्ड के स्तर पर क्रय हेतु केन्द्रीकृत हैं। जीईएम पर उपलब्ध सामान्य उपयोग की वस्तुएं और सेवाएं जीईएम पोर्टल से क्रय के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2022-23 में क्रय किए गए ₹64,956.50 करोड़ मूल्य के भंडार में से, 66.44 प्रतिशत क्रय क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों द्वारा, 2.90 प्रतिशत क्रय जीईएम से और 30.66 प्रतिशत क्रय रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया था।

वर्ष 2022-23 में ₹10,814.06 करोड़ मूल्य के भंडार का क्रय लघु उद्योग क्षेत्र तथा खादी एवं ग्रामीण उद्योगों से किया गया था।

आपूर्तियों के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने 25% अंशदान और अन्य उद्योगों ने 75% अंशदान किया था।

स्वदेशी विक्रेता विकास

भारतीय रेल ने सार्वजनिक क्रय (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश को पूर्णतः क्रियान्वित किया है। वर्ष 2022-23 के दौरान स्वदेशी भंडारों का मूल्य ₹64,316.98 करोड़ था, जो भारतीय रेल द्वारा कुल क्रय का लगभग 99.02% था। भारतीय रेल को अपने रेलइंजनों, सवारी डिब्बों, सिगनल और दूरसंचार उपकरणों आदि के लिए उच्च प्रौद्योगिकी घटकों के लिए आयात पर निर्भर करना पड़ता है जो देश के अंदर अपेक्षित गुणवत्ता के साथ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।

वस्तुसूचियां

वस्तुसूचियों को यथेष्ट स्तर पर बनाए रखना सफल सामग्री प्रबंधन की कुंजी है। वर्ष 2022-23 के लिए टर्न ओवर अनुपात 9% (ईंधन के बिना) और 7% (ईंधन सहित) था, जबकि वर्ष 2021-22 के दौरान यह 11% (ईंधन के बिना) और 8% (ईंधन सहित) था।

मालडिब्बों और इस्पात का प्रापण

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में 22,790 मालडिब्बों को शामिल किया गया। इनमें से 1,561 मालडिब्बों (151 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों द्वारा किया गया था और शेष 21,229 मालडिब्बों (632 बीएलसी माल डिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था। वर्ष 2022-23 के दौरान लौह एवं इस्पात सामग्री का क्रय 1,27,864 मीट्रिक टन (मूल्य ₹1,031.59 करोड़) था, जबकि वर्ष 2021-22 के दौरान यह 1,22,306 मीट्रिक टन (मूल्य ₹683.7 करोड़ रुपये मूल्य) था।

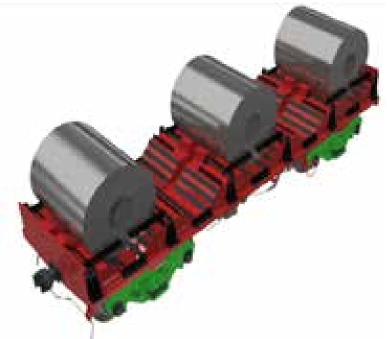

अअमासं द्वारा संकल्पित नया बीएफएनवी माल डिब्बा

अनुसंधान और विकास

रेल मंत्रालय के अधीन अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन (अअमासं), भारतीय रेल का एकमात्र अनुसंधान और विकास संगठन है और यह रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के तकनीकी सलाहकार का कार्य करता है। अअमासं के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

- भारतीय रेल में उपयोग के लिए नई प्रौद्योगिकी का विकास, अंगीकरण, आत्मसात्करण और समावेश।
- उपस्कर और प्रणालियों के नए एवं बेहतर डिजाइनों का विकास।
- भारतीय रेल में अंगीकरण हेतु मानकों का विकास और निर्धारण।
- भारतीय रेल के लिए सामग्रियों और उत्पादों की विशिष्टियां तैयार करना।
- चल स्टॉक (मेट्रो स्टॉक सहित), रेलइंजनों, सिगनल प्रणाली और दूरसंचार उपस्कर और रेलपथ संघटकों की आवश्यक और संरक्षा वस्तुओं का निरीक्षण करना।
- संरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार के लिए तकनीकी अन्वेषण, सांविधिक स्वीकृतियां, परीक्षण और परामर्श सेवाएं प्रदान करना।

अअमासं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, भारतीय विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन आदि जैसे विभिन्न अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ सहयोग करता है। अअमासं उदीयमान प्रौद्योगिकी रेल प्रक्षेत्रों में समझौता ज्ञापन द्वारा यूआईसी, कोरियाई रेलवे अनुसंधान संस्थान, ब्रिक्स रेलवे अनुसंधान नेटवर्क और रूसी रेलवे आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों से भी जुड़ा हुआ है। अअमासं उपस्कर और प्रणालियों में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में विश्वव्यापी ध्यान को आकर्षित करता है।

वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण कार्यकलाप इस प्रकार हैं:-

1. एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली

भारतीय रेल में तीन अत्याधुनिक रेलपथ अभिलेखी यान - एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली शुरू किए गए हैं जो निम्नलिखित उन्नत विशेषताओं से युक्त हैं:

- रेलपथ प्राचल अभिलेखन प्रणाली
- सम्पूर्ण पटरी प्रोफाइल और घिस-पिट मापन प्रणाली
- धुरा बक्से और रेलडिब्बा फर्श की ऊंचाई पर त्वरण मापन
- एलआईडीएआर प्रौद्योगिकी के साथ अधिकतम चलायमान आयाम एनवलप के उल्लंघन की मापन प्रणाली
- लाइन स्कैन कैमरे से रेलपथ संघटकों के वीडियो निरीक्षण और रेलपथ संघटकों की दशा रिपोर्ट करने हेतु विश्लेषण की प्रणाली
- भारतीय रेल के रेलपथ की पिछली खिड़की से वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली

  यह संरक्षित रेलगाड़ी परिचालन के लिए अनुरक्षण पद्धतियों का संवर्धन करती है। यातायात की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेल के रेलपथ की आवधिक निगरानी की जा रही है। इस वर्ष के दौरान 2,21,175 किलोमीटर का रेलपथ अभिलेखन पूरा किया गया है, जो भारतीय रेल में कीर्तिमान रेलपथ अभिलेखन है।

बीसीपीवीएन माल डिब्बा

- उत्तर मध्य रेल के महोबा-खजुराहो रेलखंड और उत्तर रेल के सानेहवाल-न्यू मोरिंडा रेलखंड का अनुरक्षण चल स्टॉक के दोलन परीक्षणों हेतु रेलपथ को मरोड़कर किया जा रहा है।
- लगभग 47000 रेलपथ किलोमीटर डेटा का विश्लेषण करने के बाद मौजूदा रेलपथ प्राचलों के आधार पर भारतीय रेल के रेलपथ हेतु संशोधित सीमा (टीएल-90 आदि) को अंतिम रूप दिया गया है।

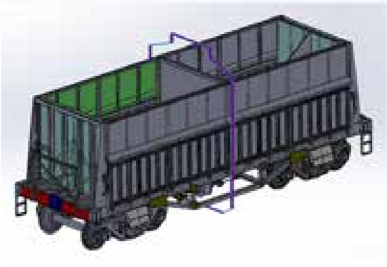

अ.अ.मा.सं. द्वारा डिज़ाइन किए गए बीओबीएसएनएस मालडिब्बे

2. आर350 एचटी पटरी का विकास

इस समय भारतीय रेल नेटवर्क में मुख्यत: 880 ग्रेड 90 यूटीएस पटरियाँ मौजूद हैं। अन्नय रूप से केवल यात्री रेलगाड़ी परिवेश में, इन पटरियों में 200 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति अनुमेय करने की क्षमता है। बहरहाल, मिश्रित यातायात व्यवस्था में, इन पटरियों की अल्प पराभव सामर्थ्य और तदनुरूप चरम तनन सामर्थ्य एवं कठोरता उच्चतर धुरा भार पर एक बाधा बनना शुरू हो रहा है। अल्प पराभव सामर्थ्य की समस्या पर काबू पाने के लिए, अअमासं ने उद्योग भागीदारों के साथ मिलकर आर350 एचटी पटरी विकसित की है, जो 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर 25 टन धुरा भार की ढुलाई करने में सक्षम है।

आर 350 पटरी की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर 25/22.9 टन धुरा भार के लिए सक्षम तथा सीधे और वक्र रेलपथ, दोनों के लिए उपयुक्त है
- पटरी की घिस-पिट में 3 से 5 गुना कमी आती है
- सर्पण संस्पर्श श्रांति प्रतिरोधकता 2 से 5 गुना बढ़ जाती है जो सर्पण संस्पर्श श्रांति के कारण दरार की निम्नतर संभाव्यता में परिणत होती है।
- उच्चतर दरार कठोरता,
- जो पटरी और रेलपथ संघटकों में दरार की निम्नतर संभाव्यता में परिणत होता है
- आर350एचटी पटरी का एलुमिनो थर्मिट/फ्लैश बट वेल्डन उच्चतर सामर्थ्य खराबी की कम संभाव्यता
- बेहतर विश्वसनीयता
- जीवन चक्र की अपेक्षाकृत कम लागत
- लागत 12.75% अधिक है जबकि आयु 50% अधिक है
- रेलपथ अनुरक्षण में लगने वाले समय में कमी
- स्वीडन, ब्राजील, अमेरिका और एनएनओट्रैक, यूरोपीय रेलवे के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुरूप।

3. कवच (रेलगाड़ी टक्कर परिवर्जन प्रणाली)

रेलगाड़ी टक्कर परिवर्जन प्रणाली का विकास: रेलगाड़ी टक्कर परिवर्जन प्रणाली का उद्देश्य रेलगाड़ियों को खतरे का सिगनल (लाल) पार करने से रोकना, टर्नआउट पर अत्यधिक गति/गति प्रतिबंध और ऐसी स्थिति का परिवर्जन करना है जिसमें एक से अधिक रेलगाड़ियां एक ही रेलपथ पर मौजूद हैं जिससे टक्कर हो सकती है, यदि परिचालन इसे नियंत्रित करने में सक्षम नहीं है। यह लोको पायलट के केबिन में सिगनल के संकेतों के रियल-टाइम डिस्पले द्वारा लोको पायलटों की सहायता भी करती है। यह रेलपथ पर संस्थापित आरएफआईडी टैगों से तय की गई दूरी द्वारा रेलगाड़ियों की अवस्थिति के निर्धारण और स्टेशन अंतर्पाशन जैसी

अ.अ.मा.सं. द्वारा बीसीएटीआईसी मालडिब्बे के विकसित डिज़ाइन

स्थैतिक इकाई से सिगनल-प्रणाली संबंधी सूचना के संप्रेषण पर आधारित है। कवच (रेलगाड़ी टक्कर परिवर्जन प्रणाली) स्वदेश में विकसित स्वचल रेलगाड़ी संरक्षण प्रणाली है जो खतरे का सिगनल पार करने, दो रेलइंजनों के बीच टक्कर जैसी असामान्य घटनाओं की रोकथाम करती है और रेलइंजन की गति की निगरानी करती है। कवच चरण-दो के कार्य इस प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग की जा रही अन्य रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली के समतुल्य बनाने के लिए शुरू किए जाते हैं। मई 2022 में कवच (भारतीय रेल स्वचल रेलगाड़ी संरक्षण प्रणाली) की कार्यात्मक अपेक्षा विशिष्टि एसपीएन संख्या आरडीएसओ/एसपीएन/196/2020वर्जन 4.0 जारी की गयी थी और विभिन्न परीक्षण प्रगति पर हैं।

4. सिगडेटः इलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन के लिए सिगनल-प्रणाली डिजाइन ऑटोमेशन टूल

अअमासं द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के साथ "रेल सिगनल-प्रणाली हेतु अंतर्पाशन प्रतिमान और सिद्धि" परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत, आईआईटी खड़गपुर ने नीचे बताए गए कार्यों के लिए सिगडेट (सिगनलिंग डिजाइन ऑटोमेशन टूल फॉर ईआई) स्वचालित टूल विकसित किया है:

1. सिगनल इंटरलॉकिंग प्लान से रूट कंट्रोल चार्ट जेनरेट करना
2. रूट कंट्रोल चार्ट से इलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन के लिए एप्लिकेशन लॉजिक सर्किट जेनरेट करना

सिगडेट हस्तचालित सिगनल-प्रणाली डिजाइन कार्य की तुलना में रूट कंट्रोल चार्ट तैयार करने के लिए आवश्यक समय को कम करता है। सिगडेट समय की बचत करने और इलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन कार्यों को चालू करने में तेजी लाने के लिए इस पूरी प्रक्रिया को स्वचालित बनाता है। इस टूल की सहायता से, इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणालियों को चालू करने के लिए रेलवे स्टेशन यार्डों के सिगनल इंटरलॉकिंग प्लान को कैप्चर करके रूट कंट्रोल चार्ट स्वचालित विधि से जेनरेट किए जा सकते हैं। यह टूल सिगनल इंटरलॉकिंग प्लान को इलेक्ट्रॉनिक रूप में कैप्चर करने हेतु एक ग्राफिकल यूजर इंटरफेस सुलभ कराता है और आगे की कार्रवाई हेतु यार्ड के ज्यामितीय डेटा को भण्डारित करने के लिए इंटर्नल डेटा स्ट्रक्चर का उपयोग करता है।

100 तक मार्ग रखने वाले स्टेशन यार्डों के लिए रूट कंट्रोल चार्ट जेनरेट करने के लिए, दिनांक 23.08.2023 को सिगडेट शुरू किया गया था। क्षेत्रीय रेलों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर, ऑटोमेशन टूल सिगडेट में सुधार किया गया है और दिनांक 31.10.2022 एवं 18.07.2023 को इसका क्रमशः संस्करण 2.0 और संस्करण 3.0 जारी किया गया है।

ऑटोमेशन टूल सिगडेट भी इलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन के लिए एप्लिकेशन लॉजिक सर्किट भी जेनरेट कर सकता है लेकिन ऑटोमेशन टूल के इस भाग को अभी और अधिक विकास एवं सुधार की आवश्यकता है। क्षेत्रीय रेलों से एप्लिकेशन लॉजिक सर्किट भाग के संबंध में फीडबैक प्राप्त हुआ है और आईआईटी खड़गपुर सिगडेट के एप्लिकेशन लॉजिक भाग में सुधार लाने के लिए प्राप्त फीडबैक पर काम कर रहा है।

5. पुलों का ड्रोन द्वारा निरीक्षण

महत्वपूर्ण/बड़े पुलों में ऐसे कई क्षेत्र हैं जैसे गर्डर के नीचे, पीएससी गर्डरों के स्थल, लंबे पाये आदि जहां आम तौर पर मानव द्वारा निरीक्षण कर पाना संभव नहीं है। ड्रोन निरीक्षण की सहायता से इन अगम्य क्षेत्रों का भी कुशलतापूर्वक निरीक्षण किया जा सकता है। अअमासं द्वारा बीएस-129 (आर1) के रूप में त्रिविम पुल सूचना मॉडल और मानव रहित हवाई प्रणाली (ड्रोन) का उपयोग करते हुए भारतीय रेल के पुलों का ड्रोन निरीक्षण करने हेतु विस्तृत

दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। एकत्र किए गए विवरणों को अंततः वेब सक्षम सूचना प्रौद्योगिकी एप्लिकेशन पुल प्रबंधन प्रणाली के साथ मिलाया जा सकता है, जो भारतीय रेल को सभी पुलों की जानकारी और अपवाद रिपोर्टों को डिजिटल प्रारूप में बनाए रखने में समर्थ बनाता है, जिसे सभी हितधारकों द्वारा एक्सेस किया जा सकता है।

6. थर्मल विजन कैमरा प्रणाली का विकास

यह स्वतः संसूचन और अलार्म जनन प्रणाली है जो रेलपथ पर दिन/रात के समय थर्मल विजन कैमरा और आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस का उपयोग करके 500-600 मीटर की दूरी पर हाथी/बड़े जंगली जानवरों का पता लगाने में सक्षम है। अप्रैल 2023 में यह परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है। इस प्रणाली का एक सेट एसजीयूजे आधारित रेलइंजन डब्ल्यूडीपी4डी 40436 में लगाया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा उपलब्ध कराए गए अभिलेख के अनुसार अभी तक हाथी/वन्य जीवों से संभावित टक्कर की कुल 15 घटनाओं से बचा जा चुका है।

एटलस (ऑटोनॉमस थर्मल विजन कैमरा आधारित लोको पायलट सहायता प्रणाली) के लिए थर्मल विजन कैमरे की विशिष्टि तैयार और अअमासं की वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। रेलवे बोर्ड और क्षेत्रीय रेलों को आवश्यकता के अनुसार अन्य रेलइंजनों में आगे फिटमेंट के लिए विशिष्टि के विकास के बारे में सूचित किया जा चुका है।

7. अतितप्त धुरा बक्सा अतितप्त पहिया संसूचक और स्वदेशी पहिया संघट्ट भार संसूचक प्रणाली की विशिष्टि का विकास

अतितप्त धुरा बक्सा अतितप्त पहिया संसूचक प्रणाली एक स्वचल मार्गवर्ती संसूचन प्रणाली है जो धुरा बक्से के बेयरिंगों, पहिया रिम/डिस्क और ब्रेक डिस्क के तापमान की निगरानी करके अतितप्त धुरा बक्सों और बंद पहियों का पता लगाती है। उत्तर रेल द्वारा 106 अदद अतितप्त धुरा बक्सा अतितप्त पहिया संसूचक प्रणाली का प्रापण शुरू किया गया है।

पहिया संघट्ट भार संसूचक एक मार्गवर्ती संसूचन प्रणाली है, जिसका उपयोग ऊपरी तल्ले की संभावित खराबियों जैसे फ्लैट स्पॉट, आउट-ऑफ-राउंड, बिल्ट-अप ट्रीड, शेल ट्रीड वाले पहियों के साथ-साथ सस्पेंशन (स्प्रिंगों, शॉक एब्जार्बरों आदि) में खराबियों की पहचान करने के लिए किया जाता है, जो उच्च संघट्ट भारों में परिणत होती हैं, जिससे वाहन एवं बोगी संघटकों और रेलपथ संरचना को क्षति पहुंचती है। दिनांक 06.07.2023 को स्वदेशी पहिया संघट्ट भार संसूचक की विशिष्टि सं. आरडीएसओ-एसपीएन-आरई-डब्ल्यूआईएलडी-2023 जारी की गई है।

8. मालडिब्बों के नवविकसित डिजाइन

- **बीओबीएसएनएस मालडिब्बा**

  यह मालडिब्बा पार्श्व निस्सारण के साथ 25 टन धुरा भार की ढुलाई करने में सक्षम है और इन मालडिब्बों के उपयोग से रेक प्रवाह-क्षमता मौजूदा बीओबीएसएन मालडिब्बा की तुलना में 11% बढ़ गई है। 22.9 टन धुरा भार पर 100/100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर सफलतापूर्वक दोलन परीक्षण किए जा चुके हैं। 100/75 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से भारतीय रेल में परिचालन के लिए रेलवे बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। 600 मालडिब्बों का निर्माण किया जा रहा है।

- **बीएलएसएस मालडिब्बा**

  25 टन धुरा भार का यह सपाट मालडिब्बा कंटेनरों की ढुलाई कर सकता है जिसमें इकाई संरचना (04 अदद ए-कार और 44 अदद बी-कार) को पुनर्व्यवस्थित करके मालडिब्बों की

संख्या 45 प्रति रेक से बढ़कर 48 हो जाती है। निचला ढांचा मेरुदंड प्रकार का है जो मौजूदा 25 टन कंटेनर मालडिब्बों से धड़ा भार में न्यूनीकरण को साध्य बनाता है। इस समय इन मालडिब्बों का परीक्षण किया जा रहा है।

- **एफएमपी (आरओआरओ) मालडिब्बा**

  यह एक मल्टी-मोडाल कम फर्श ऊंचाई वाला सपाट मालडिब्बा है जिसे सड़क वाहनों, कंटेनरों, स्टील उत्पादों और इसी तरह की वस्तुओं की ढुलाई के लिए डिजाइन किया गया है। फर्श की ऊंचाई 975 मिलीमीटर तक कम कर दी गई है। विभिन्न लंबाइयों वाले सभी तरह के सड़क वाहनों का लदान करने के लिए पांच प्रकार के डिजाइन उपलब्ध हैं। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

- **एसीटी1 मालडिब्बा**

  4875 मिलीमीटर ऊंचाई और एकसमान फर्श ऊंचाई के साथ ज्यादा ऊंचाई वाला ऑटो कार मालडिब्बा आसानी से लदान और उतराई सुविधा के साथ दोनों डेकों में स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल्स की ढुलाई कर सकता है। एक रेक में 330 अदद छोटी कारों और 264 अदद स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल्स की ढुलाई की जा सकती है। प्रोटोटाइप का विकास और दोलन परीक्षण पूरे हो गए हैं। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त हो गयी है और पाँच रेकों का निर्माण किया जा रहा है।

9. यात्री परिवहन में सुधार

मौजूदा एलएचबी पुश-पुल राजधानी एक्सप्रेस की तरह पुश-पुल रेलगाड़ी के अवातानुकूल संस्करण की संकल्पना की गई है। एलएचबी अवातानुकूल (एलडब्ल्यूएससीएन, एलडब्ल्यूएस और एलएसएलआरडी) सवारी डिब्बों और दो डब्ल्यूएजी-5 रेलइंजनों के साथ पुश-पुल विधि में 02 अवातानुकूल रेकों का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रकार के संघटन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- मौजूदा एलएचबी अवातानुकूल सवारी डिब्बों के बराबर यात्री क्षमता
- अर्ध-स्थायी कप्लर के साथ अधिक चौड़े धूल-रोधी गलियारे
- क्षैतिज स्खलन ज्यादा चौड़ी खिड़कियां
- हेड-ऑन जेनरेशन संगत ज्यादा पतले स्विच बोर्ड कैबिनेट
- आधुनिक उन्नत सुविधाएं जैसे सीसीटीवी, जीपीएस आधारित यात्री उद्घोषणा/यात्री सूचना प्रणाली, एलईडी बत्तियां आदि

नियंत्रणीयता, कप्लर बल, सीओसीआर सहित सभी कार्यनिष्पादन परीक्षणों के पूरा करने के बाद, दिनांक 21.11.2023 को अअमासं द्वारा भारतीय रेल में परिचालन हेतु अंतिम सामान्य गति प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है।

- **वंदे भारत एक्सप्रेस (संस्करण-2.0)**

सफल दोलन और कार्यनिष्पादन परीक्षणों के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस ने भारतीय रेल के विभिन्न मार्गों पर चलना शुरू कर दिया है।

मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- 160 किलोमीटर/घंटा की गति क्षमता
- सभी सवारी डिब्बे वातानुकूल कुर्सीयान हैं और एक्जीक्यूटिव श्रेणी कुर्सीयान में 180 डिग्री घूमने वाली कुर्सियों की व्यवस्था है।

- सभी सवारी डिब्बों में पूर्णतः स्वचल प्लग प्रकार स्खलन दरवाजे हैं।
- परिचालन में संरक्षा का संवर्धन करने के लिए नोदन प्रणाली के साथ एकीकृत कवच की व्यवस्था।
- चार विद्युत चालित पुश बटन और आपातकालीन टॉक बैक यूनिटों की व्यवस्था।
- ईएन 45545 के अनुसार अग्नि संरक्षा की व्यवस्था।
- केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली के साथ समर्पित नियंत्रण कक्ष और तकनीकी कर्मीदल, रसोई यान कर्मीदल एवं हाउसकीपिंग कर्मचारियों के लिए टिप अप सीट उपलब्ध कराई गई है।
- मुख्य लाइन की लंबी दूरी की रेलगाड़ियों के लिए बोगी को बेहतर सवारी के साथ हल्के वजन, उच्च गति और 17 टन धुरा भार क्षमता वाली ऊर्जा कुशल बोगी के रूप में डिजाइन किया गया है।
- अन्य सुविधाओं में सभी सवारी डिब्बों में एलईडी बत्ती साजसामान (विसरित रोशनी), सपाट एलईडी गंतव्य बोर्ड, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, ऑनबोर्ड सूचना प्रणाली, ड्राइवर कैब में स्पीकर, दरवाजा सूचक बत्ती, वाईफाई राउटर, आपदा प्रबंधन बत्ती शामिल हैं।

- **मैसर्स मेधा इलेक्ट्रिक्स के साथ वातानुकूल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट**

अअमासं ने मैसर्स मेधा इलेक्ट्रिक्स को 33% विद्युतशक्ति के साथ 12 कार रेक की 3-फेज ऑन बोर्ड नोदन प्रणाली से लैस वातानुकूल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट कोच के डिजाइन एवं विकास में आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान की है। वातानुकूल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट में सीधी पार्श्विक दीवारों और नालीदार छत के साथ स्टेनलेस स्टील बॉडी है। जून 2023 में मुंबई में सांविधिक रेल संरक्षा आयुक्त निरीक्षण पूरा हो गया है। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

- **3-फेज अध:बन्धित मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट**

स्वदेशी 3-फेज नोदन प्रणाली के साथ 3-फेज अध:बन्धित मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट का डिजाइन और विकास कार्य भी किया गया है। इस मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट में एयर स्प्रिंग के साथ ट्रेन-18 प्रकार की बोगी, पहिया रोपित ब्रेक डिस्क प्रणाली के साथ ईपी ब्रेक और वातानुकूल ड्राइवर कैब की व्यवस्था है। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति (110 किलोमीटर प्रति घंटा गति के लिए) प्राप्त हो गई है।

- **एलएचबी वातानुकूल विस्टा-डोम डाइनिंग कार (एलडब्ल्यूसीटीडीएसी)**

पर्यटन बाजार को भारतीय रेल यातायात प्रणाली की ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटकों हेतु एलएचबी वातानुकूल विस्टा-डोम सवारी डिब्बे पहले ही विकसित किए जा चुके हैं और भारतीय रेल में सफलतापूर्वक चल रहे हैं। इसी क्रम में, यात्रा के दौरान एक रेक में सन्निकट एलएचबी विस्टा-डोम पर्यटक यान में यात्रा कर रहे पर्यटक यात्रियों के लिए आकर्षक सौन्दर्यात्मक साज-सज्जा के साथ भोजन करने की अलग व्यवस्था की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एलएचबी वातानुकूल विस्टा-डोम डाइनिंग कार के एक नए संस्करण की संकल्पना की गई है।

एलएचबी एसी विस्टा-डोम डाइनिंग कार की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- 160 किलोमीटर/घंटा की गति क्षमता
- इस कोच में 24 पर्यटक यात्रियों के लिए 04 अदद कॉर्नर सोफों के साथ गद्दीदार सीटों एवं मेजों पर भोजन करने की व्यवस्था है।

- ➢ विस्टा-डोम सवारी डिब्बों की तरह पर्यटक यात्रियों के लिए यात्रा के दौरान प्राकृतिक सुंदरता का विशालदर्शी दृश्य देख पाना साध्य बनाने हेतु बगल की दीवारों और छत पर ज्यादा बड़ी पारदर्शी खिड़कियां उपलब्ध कराई गई हैं।
- ➢ अपारदर्शी बनाने के लिए छत के कांच पर विद्युत नियंत्रण द्वारा तह चढ़ाने की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई की गई है।

10. पार्सल सेवाओं का विकास

बॉल ट्रांसफर यूनिट (बीटीयू) फ्लोर के साथ एनएमजीएचएस का विकास

- वित्त वर्ष 2022-23 की बजट घोषणा के पैराग्राफ 21 के अनुसरण में, रेलवे बोर्ड ने सूरत-वाराणसी के बीच ओडी के लिए सूरत में पश्चिम रेल में 'रेल डाक गति शक्ति-संयुक्त पार्सल उत्पाद सेवा' का प्रत्यय सिद्धि मॉडल प्राधिकृत किया था।
- मिशन 'रेल डाक गति शक्ति-संयुक्त पार्सल उत्पाद सेवा' के अंतर्गत, रेलवे बोर्ड ने अअमासं को ऐसे एनएमजीएचएस सवारी डिब्बे का डिजाइन विकसित करने को कहा था, जिसमें कार्गो बक्सों एवं भारतीय डाक कार्गो व्यवस्था की आसान सम्हलाई के लिए बॉल ट्रांसफर यूनिट (बीटीयू) की अतिरिक्त संलग्नी और ताला लगाने की व्यवस्था उपलब्ध हो।
- अअमासं ने बीटीयू फर्शबंदी के साथ समर्पित एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों का परिवर्तन करने के लिए डिजाइन/आरेखणों का मानकीकरण किया है। इनकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

  - ➢ गतायु सडिका सवारी डिब्बों से परिवर्तित बीटीयू फर्शबंदी के साथ समर्पित एनएमजीएचएस कोच।
  - ➢ परिचालन गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा।
  - ➢ लदान/उतराई के दौरान प्रपट्टिकायुक्त कार्गो बक्सों के आसान संचलन हेतु फर्श पर बॉल ट्रांसफर यूनिटों की व्यवस्था।
  - ➢ प्रपट्टिकायुक्त कार्गो बक्सों को उद्बंधन बेल्ट द्वारा सुरक्षित करना साध्य बनाने और चालन के दौरान परेषणों की चाल की रोकथाम करने के लिए फर्श पर चांदनुमा झिरीदार जंजीर छल्लों की व्यवस्था।
  - ➢ ढुलाई क्षमता 18 टन (अधिकतम)।

पश्च मुहाने के साथ एलएचबी पार्सल वैन (एलवीपीएचआर)

हाल ही में, भारतीय रेल ने भारतीय रेल में वाहनों के परिवहन के संबंध में यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऑटोमोबाइल वाहकों की संख्या को बढ़ाने की अवश्यकता महसूस की है। इस संबंध में, भारतीय रेल में पार्सल के साथ-साथ ऑटोमोबाइल वाहनों की गतिशीलता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सर्वनिष्ठ सार्वभौमिक स्टॉक के रूप में एलवीपीएचआर की संकल्पना की गई है, जो परेषण की त्वरित सुपुर्दगी के लिए पश्च मुहाना उपलब्ध कराता है। भारतीय रेल में इसकी शुरूआत करने के लिए रेलवे बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

पश्च मुहाने वाली एलएचबी पार्सल वैन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- ➢ भारतीय रेल में किसी भी कोचिंग स्टॉक के उच्चतम आय भार के साथ मौजूदा एलवीपीएच का उन्नत संस्करण।
- ➢ 130 किलोमीटर/घंटा की गति क्षमता

- मौजूदा एलवीपीएच की तुलना में अधिक चौड़े पार्श्विक लदान दरवाजों के साथ अधिक चौड़ा पश्च अन्त्य मुहाना।
- अंतर-कोच मोटर यान आवाजाही के लिए सिमटनशील पाती प्लेटें, जिन्हें शटर दरवाजों को बंद करने से पहले वापस खींच लिया जाएगा।
- मोटर कारों/स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल्स के परिवहन हेतु 23040 मिलीमीटर × 2580 मिलीमीटर का आंतरिक फर्श क्षेत्रफल।

11. 12000 अश्व शक्ति बिजली रेलइंजन का विकास - डब्ल्यूएजी12बी

इस रेलइंजन का उत्पादन मेक इन इंडिया परियोजना के अंतर्गत किया गया है। इस रेलइंजन का विनिर्माण मैसर्स एल्सटॉम के सहयोग से मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है। ये डब्ल्यूएजी12बी बिजली रेलइंजन देश में सर्वत्र विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की ढुलाई कर रहे हैं। इस बिजली रेलइंजन की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- यह देश का सबसे शक्तिशाली माल रेलइंजन है जो 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकता है
- 22.5 टन धुरा भार के साथ युगल बो-बो, 25 टन तक अपग्रेड करने योग्य
- प्रवर्तक कर्षण प्रयास 22.5 टन धुरा भार के लिए 706 किलो न्यूटन और 25 टन धुरा भार के लिए 785 किलो न्यूटन
- 6000 टन भार के साथ 1:200 की नियंत्रण प्रवणता पर 75 किलोमीटर प्रति घंटे की संतोलक गति प्राप्त करता है
- 1:150 की नियंत्रक प्रवणता के साथ फीडर मार्गों पर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से 6000 टन भार की ढुलाई करता है

12. हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित 1600 अश्व शक्ति डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट रेलगाड़ी

अअमासं ने 'हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित डीपीआरएस 1200 किलो वाट डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट के विकास' के लिए तकनीकी विशिष्टि तैयार की हैं। यह एक नई तकनीक है और शुरूआत में इस परियोजना के लिए उत्तर रेल के सोनीपत-जींद रेलखंड के बीच परिचालित 1200 किलोवाट डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट में हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित प्रणाली का रेट्रो-फिटमेंट करने का विचार है। कम अनुरक्षण और नियंत्रणीय कार्बन पदचिह्नों के साथ हाइड्रोजन डीजल (43 मैगा जूल/किलोग्राम) की तुलना में उच्च ऊर्जा ईंधन (120 मैगा जूल/किलोग्राम) है। अधिकतम और औसत विद्युतशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रस्तावित संकरित विद्युतशक्ति प्रणाली में प्राथमिक ऊर्जा स्रोत प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन फ्यूल सेल है और द्वितीयक ऊर्जा स्रोत बैटरी बैंक होगा। अअमासं द्वारा 5 उप-प्रणालियों का प्ररूप परीक्षण पूरा कर लिया गया है तथा ईंधन डालने की अवसंरचना और हाइड्रोजन आधारित नोदन एवं ऑनबोर्ड भंडारण प्रणाली के संरक्षा निर्धारण हेतु एक तृतीय पक्ष संरक्षा अंकेक्षक नियुक्त किया गया है।

13. अग्नि परीक्षण सुविधाओं का विकास

भारतीय रेल अग्नि संरक्षण के लिए चरणबद्ध तरीके से ईएन 45545 मानकों को अपना रही है। ईएन 45545 मानकों का एक विस्तृत सेट है जो रेल वाहनों के लिए अग्नि संरक्षण और इन उपायों के लिए पुष्टीकरण विधियों को विनिर्दिष्ट करता है। वंदे भारत रेलगाड़ियां और प्रापण हेतु प्रक्रियाधीन भावी चल स्टॉक ईएन 45545 संगत हैं।

ईएन 45545 मानकों के अग्नि गुणों के अनुरूप भारतीय रेल के सवारी डिब्बों की साज-सज्जा सामग्री के परीक्षण के लिए, अअमासं ने इस उद्देश्य के लिए धातुकर्म और रासायनिक निदेशालय में अग्नि परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की है। इस प्रयोगशाला के लिए निम्नलिखित 04 अग्नि परीक्षण मशीनों का प्रापण किया गया है:-

- आईएसओ 5660-1 अभिक्रिया-से-अग्नि परीक्षण-ऊष्मा निर्मुक्ति, धुआं बनना और द्रव्यमान हानि दर - भाग 1: ऊष्मा निर्मुक्ति दर (शंकु कैलोरीमापी विधि)
- आईएसओ 11925-2: 2010 अभिक्रिया से अग्नि परीक्षण-लौ के प्रत्यक्ष संघट्टन के अधीन सामानों की प्रज्वलनीयता - भाग 2: एकल-लौ स्रोत परीक्षण।
- आईएसओ 5658-2 अभिक्रिया से अग्नि परीक्षण-लौ का फैलाव-भाग 2: आरोही विन्यास में इमारत और परिवहन सामानों पर पार्श्विक प्रसार
- आईएसओ 9239-1 फर्शों के लिए अभिक्रिया से अग्नि परीक्षण-भाग 1: विकरणी ऊष्मा स्रोत का उपयोग करके ज्वलन आचरण का निर्धारण।

14. परीक्षण और जांच

अअमासं ने विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक की शुरूआत के लिए कीर्तिमान संख्या में गति जांच की हैं और गति प्रमाणपत्र जारी किए हैं।

गति प्रमाणपत्र के अलावा, अअमासं ने परीक्षण और फील्ड जांचें जैसे कि दोलन जांच, कप्लर बल, नियंत्रणीयता, आपातकालीन ब्रेकन दूरी, रबड़ भी की हैं एवं प्लास्टिक और झटका जांच, पुष्टिकारी दोलनेखी यान चालन जांच, निष्पीड जांच आदि।

विवरण इस प्रकार हैं:-

परीक्षण/जांच का प्रकार	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24 अक्टूबर 2023
दोलनेखी जांच	21	30	45	18
कप्लर बल, नियंत्रणीयता, आपातकालीन ब्रेकन दूरी, रबड़ एवं प्लास्टिक और झटका जांच	08	15	27	19
पुष्टिकारी दोलनेखी यान चालन जांच	15	1	10	8
रेलपथ मशीन चालन	09	12	13	7
निष्पीड जांच	05	7	11	6
विशेष जांच और अध्ययन	02	6	5	8
उप-जोड़	**60**	**71**	**111**	**66**
एयर ब्रेक प्रयोगशाला परीक्षण	01	1	11	11
ब्रेक डायनोमीटर परीक्षण	01	0	0	0
श्रांति परीक्षण	21	13	10	4
कुल परीक्षण और जांचें	**83**	**85**	**132**	**81**

पर्यावरण प्रबंधन

पूर्ण रूप से खिले फूल, रेडिका

रेलवे यातायात का सबसे कम प्रदूषण करने वाला साधन है। रेल परिचालन को पर्यावरण-हितैषी बनाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदम अनुवर्ती पैराग्राफों में एक-एक करके बताए गए हैं।

भारतीय रेल में हरित ऊर्जा पहल

सौर ऊर्जा

भारतीय रेल ने ऊर्जा का एक बहुत बड़ा उपभोक्ता होने के नाते न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभावों वाले ऊर्जा तंत्र को प्राप्त और साकार करने के लिए लागत-फलकारी विकल्पों की पहचान करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध किया है, जिसके द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता पर अपनाकर कार्बन उत्सर्जन का न्यूनीकरण किया है।

इसके भाग के रूप में, मार्च 2023 तक भारतीय रेल में 150.16 मैगा वाट के सौर संयंत्र (छत पर 143.46 मैगा वाट + भूमि पर 6.7 मैगा वाट) पहले ही चालू किए जा चुके हैं। मार्च 2023 तक कुल 2033 रेलवे स्टेशनों पर और सेवा परिसरों में छतों पर संयंत्र लगाए हैं।

कर्षण आपूर्ति के लिए दो प्रायोगिक परियोजनाओं को पहले ही सफलतापूर्वक चालू किया जा चुका था:

- उत्तर रेल में पानीपत के पास दिवाना में 2 मैगा वाट क्षमता का सौर संयंत्र। सितंबर 2020 में इसे सफलतापूर्वक चालू किया गया था।
- भेल द्वारा बीना में 1.7 मैगा वाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र, जो सौर ऊर्जा का सीधे 25 किलो वोल्ट की आल्टरनेटिंग करंट प्रणाली में प्रभरण करता है। जुलाई 2020 में इसे सफलतापूर्वक चालू किया गया था।

नवनिर्मित रंगपो स्टेशन पू.सी.रे. के अग्रभाग की योजना बनाई गई

पवन ऊर्जा

- भारतीय रेल ने 103.4 मैगा वाट के पवन ऊर्जा बिजली संयंत्र संस्थापित किए हैं।
- तमिलनाडु में 10.5 मैगा वाट क्षमता (गैर-कर्षण के लिए) और 10.5 मैगा वाट क्षमता (कर्षण के लिए), राजस्थान में 26 मैगा वाट क्षमता (कर्षण के लिए) और महाराष्ट्र में 56.4 मैगा वाट क्षमता (कर्षण के लिए) के पवन ऊर्जा संयंत्र संस्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, डेवलपर मोड में 50 मैगा वाट क्षमता के पवन ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए भी करारनामे पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रकाश-व्यवस्था में सुधार

- भारतीय रेल विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर प्रकाश-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयास कर रही है। प्रकाश-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न नीतियां जारी की गई हैं। अभी तक (मार्च 2023 तक) 1,562 रेलवे स्टेशनों पर प्रकाश-व्यवस्था को बेहतर बनाया जा चुका है।

हावड़ा स्टेशन, पू.रे. पर सोलर पैनल

ऊर्जा संरक्षण

- ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न प्रयासों के कार्यान्वयन से सार्थक परिणाम मिल रहे हैं क्योंकि पिछले 5 वर्षों के दौरान ऊर्जा खपत (गैर-कर्षण) जो पिछले 5 वर्षों के दौरान संबद्ध भार में वृद्धि के बावजूद लगभग स्थिर रही है।

पानी का फव्वारा, चिरेका

- रेल कर्मचारियों के बीच ऊर्जा कुशलता और संरक्षण पहलों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस के दौरान प्रत्येक वर्ष 'ऊर्जा संरक्षण सप्ताह' मनाया जा रहा है।
- रेल मंत्रालय और क्षेत्रीय रेलों के विभिन्न ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों एवं ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने के सतत प्रयासों के फलस्वरूप इस वर्ष 09 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
- गैर-कर्षण संस्थापनाओं में ऊर्जा उपयोग का न्यूनीकरण करने के लिए, दिनांक 30.12.2022 को एक कार्य-योजना के साथ एक ऊर्जा कुशलता नीति जारी की गई है। यह नीति मोटे तौर पर 05 कार्रवाई बिंदुओं अर्थात् सतत-संपोषित इमारतों, क्लाउड आधारित डेटा निगरानी एवं प्रबंधन पोर्टल, उपस्कर और उपकरणों में ऊर्जा कुशलता, विद्युतशक्ति गुणवत्ता की बहाली, क्षमता निर्माण और जागरूकता पर केंद्रित है।
- सभी रेलवे स्टेशनों पर 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां लगाई जा चुकी हैं। इसके द्वारा, भारतीय रेल अपने सभी रेलवे स्टेशनों पर 100% एलईडी प्रकाश-व्यवस्था रखने वाली पूरे विश्व में सर्वत्र एक बड़ी रेलवे बन गई है।
- कार्यालयों, अनुरक्षण डिपुओं आदि सहित सभी रेल संस्थापनाओं में भी 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां उपलब्ध कराई जा रही हैं और सभी आवासीय क्वार्टरों में भी 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां लगाई जा चुकी हैं।

रेल पहिया कारखाना, येलहंका

सहायक पावर यूनिट - सहायक पावर यूनिट, कंप्रेसर और अल्टरनेटर के साथ युग्मित एक छोटे डीजल इंजन की स्वत:पूर्ण इकाई है जो बैटरी को चार्ज करती है। इसकी अपनी नियंत्रण प्रणाली, एक्सेसरीज होती हैं तथा यह इंजन की मौजूदा नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकृत होती है। जब रेलइंजन 10 मिनट से अधिक समय तक निष्क्रिय खड़ा रहता है तो मुख्य इंजन बंद हो जाता है तथा सहायक पावर यूनिट प्रणाली में छोटा 25 अश्व शक्ति का इंजन काम करना शुरू कर देता है और बैटरियों एवं एयर ब्रेक पाइपों को चार्ज करता है। रेलइंजन के मुख्य इंजन द्वारा 25 लीटर की खपत की तुलना में सहायक पावर यूनिट का डीजल इंजन प्रति घंटे केवल 3 लीटर डीजल की खपत करता है। सहायक पावर यूनिट युक्त प्रत्येक रेलइंजन से अकेले ईंधन तेल में ही ₹20 लाख प्रति वर्ष की बचत होने की प्रत्याशा है। मरहौरा संयंत्र में विनिर्माणाधीन सभी नए डीजल रेलइंजनों में सहायक पावर यूनिट लगाई गई हैं।

वनरोपण

वर्ष 2022-23 के दौरान रेलवे ने 81.43 लाख पेड़ों का सामूहिक वृक्षारोपण किया। रेलवे द्वारा पर्यावरण और वन मंत्रालय के साथ एक मॉडल करारनामे को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है जो क्षेत्रीय रेलों द्वारा राज्यों के वन विभागों के साथ किया जाएगा। इसके अलावा, अब सभी क्षेत्रीय रेलों को पर्यावरण संबंधी मामले के लिए सभी प्राक्कलनों में 1 प्रतिशत का उपबंध करने के अनुदेश जारी किए जा चुके हैं। इससे वृक्षारोपण की लागत को पूरा करने में सहायता मिलेगी। इस प्रकार रेलवे अधिक से अधिक पेड़ लगाने के सभी प्रयास कर रही है।

इसके अलावा, 'अधिक अनाज उगाओ' योजना के अंतर्गत सब्जियां, फसलें आदि उगाने के लिए समूह 'ग' और 'घ' कोटि के रेल कर्मचारियों को रेल भूमि का लाइसेंस भी दिया जाता है।

गणपति हट, चिरेका

कार्मिक

औद्योगिक संबंध

वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। मान्यता प्राप्त फेडरेशन/ यूनियनों ने सभी महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया है जिसके फलस्वरूप भारतीय रेल के समवेत उद्देश्यों को प्राप्त करने में रेल कर्मचारियों की प्रभावी और सार्थक भागीदारी हुई।

कर्मचारियों की संख्या

31.03.2022 की तुलना में 31.03.2023 को रेल कर्मचारियों (एमटीपी/रेलवे को छोड़कर) का समूह-वार और विभाग-वार विवरण इस प्रकार है:-

समूह-वार विवरण	दिनांक 31.3.2022 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31.3.2023 की स्थिति के अनुसार
समूह क	10,789	**10,390**
समूह ख	7,533	**7,425**
समूह ग		
(i) कारखाना और कारीगर कर्मचारी	1,23,701	**1,20,339**
(ii) रनिंग कर्मचारी	1,47,548	**1,49,026**
(iii) अन्य कर्मचारी	9,23,311	**9,02,435**
समूह घ		
(i) कारखाना और कारीगर कर्मचारी	$	**$**
(ii) अन्य कर्मचारी	$	**$**
जोड़	12,12,882	**11,89,615**

$ पूर्व समूह घ का समूह ग में विलय कर दिया गया है

विभाग-वार विवरण		
प्रशासन	14,251	**14,320**
कार्मिक	19,873	**20,169**
लेखा	20,144	**19,453**
इंजीनियरी	2,82,338	**2,74,112**
सिगनल और दूरसंचार	62,535	**60,965**
परिवहन	1,48,789	**1,47,746**
वाणिज्य	71,533	**69,667**
यांत्रिक इंजीनियरी	2,84,595	**2,75,161**
भण्डार	16,555	**15,575**
बिजली	1,92,001	**1,97,193**
चिकित्सा	32,751	**29,316**
रेल सुरक्षा बल	67,517	**65,624**
निर्माण	-	**-**
गति शक्ति	-	**314**
जोड़	12,12,882	**11,89,615**

प्रति कर्मचारी वार्षिक औसत वेतन

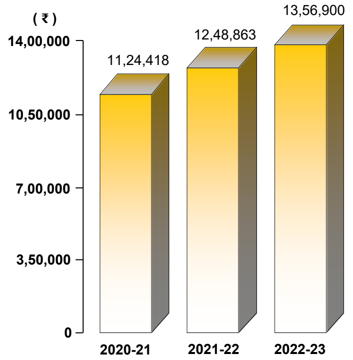

शांतिकुज, हरिद्वार में प्रबंधन विकास कार्यक्रम

रेल कर्मयोगी - शिष्ट-ता अमृत प्रशिक्षण कार्यक्रम

वेतन बिल

गत वर्ष की तुलना में पेंशन आदि सहित वेतन बिल 8.54% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹9,924.60 करोड़ बढ़कर ₹1,61,418.87 करोड़ हो गया। प्रति कर्मचारी औसत वेतन ₹12,48,863 प्रति वर्ष से 8.7% बढ़कर ₹13,56,900 प्रति वर्ष हो गया। साधारण संचालन व्यय (मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि में विनियोग को छोड़कर) से चालित लाइन (पेंशन और उपदान के प्रति संदाय को छोड़कर) कर्मचारी लागत का अनुपात 57% था। 31 मार्च की स्थिति के अनुसार, कर्मचारियों की कुल संख्या और पिछले दो वर्षों में प्रति कर्मचारी औसत वार्षिक वेतन नीचे बताया गया है:-

	2021-22	**2022-23**
कर्मचारियों की कुल संख्या (हजार में)	1,213	**1,190**
औसत वार्षिक मजदूरी प्रति कर्मचारी (₹ में)	12,48,863	**13,56,900**

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2022-23 में भारतीय रेल में (एमटीपी रेलों को छोड़कर) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व की स्थिति इस प्रकार है:-

	अनुसूचित जाति के कर्मचारियों की संख्या		अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या	
	31.03.2022 की स्थिति के अनुसार	**31.03.2023 की स्थिति के अनुसार**	31.03.2022 की स्थिति के अनुसार	**31.03.2023 की स्थिति के अनुसार**
समूह क	1,468 (13.61)	**1,448 (13.94)**	780 (7.23)	**772 (7.43)**
समूह ख	1,175 (15.60)	**1,225 (16.50)**	497 (6.60)	**517 (6.96)**
समूह ग#	1,96,647 (16.46)	**1,97,830 (16.88)**	92,294 (7.73)	**91,468 (7.81)**
कुल जोड़	1,99,290 (16.43)	**2,00,503 (16.85)**	93,871 (7.74)	**92,757 (7.80)**

\# पूर्ववर्ती समूह 'घ' सहित

नोट: कोष्ठक में उल्लिखित आंकड़े कर्मचारियों की कुल संख्या से अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिशत दर्शाते हैं।

आरक्षण संबंधी मामलों के निपटान और अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों द्वारा उनकी सेवा संबंधी मामलों की शिकायतों की जांच करने के लिए मंत्रालय/क्षेत्रीय रेलों/मंडलों/कारखानों/उत्पादन इकाइयों में प्रत्येक स्तर पर एक पूर्णतया समर्पित आरक्षण प्रकोष्ठ मौजूद है।

रेल भर्ती बोर्ड

2022-23 के दौरान, भारत में सर्वत्र 21 रेल भर्ती बोर्डों द्वारा 43,832 उम्मीदवारों के पैनल मांगकर्ता रेलों/उत्पादन इकाइयों को भेजे गए हैं।

प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिता, आईआरआईटीएम

उत्पादकता सम्बद्ध बोनस

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय रेल के सभी अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को (रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के कर्मचारियों को छोड़कर) 78 दिन का उत्पादकता सम्बद्ध बोनस स्वीकृत किया गया। इससे लगभग 11,07,346 रेल कर्मचारी लाभान्वित हुए। इसके अलावा, वर्ष 2022-23 के लिए रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के समूह 'ग' एवं 'घ' कर्मियों के लिए 30 (तीस) दिन की परिलब्धियों के बराबर तदर्थ बोनस स्वीकृत किया गया। उत्पादकता सम्बद्ध बोनस

और तदर्थ बोनस, दोनों का भुगतान ₹7,000 प्रति माह की अधिकतम सीमा से किया गया। उत्पादकता सम्बद्ध बोनस और तदर्थ बोनस के लिए वित्तीय निहितार्थ क्रमशः लगभग ₹1,968.87 करोड़ और ₹44.27 करोड़ था।

मानव संसाधन विकास तथा जनशक्ति नियोजन

प्रशिक्षण

भारतीय रेल में राजपत्रित और अराजपत्रित कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण केंद्रों के विभिन्न सेट हैं। पूरी भारतीय रेल में स्थित ये प्रशिक्षण केंद्र विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देते हैं अर्थात् परिवीक्षाधीन/प्रारंभिक प्रशिक्षण (अर्थात कार्यकारी पद ग्रहण करने से पहले), प्रोन्नति प्रशिक्षण (अर्थात पदोन्नति पर), पुनश्चर्या प्रशिक्षण (अर्थात जीवन वृत्ति-मध्य/प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नए प्रगति की शुरुआत पर) और विशेषीकृत प्रशिक्षण (विशेषीकृत पाठ्यक्रमों के लिए)। 2022-23 के दौरान लगभग 4,35,514 (अनंतिम) अराजपत्रित कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के जैसे प्रारंभिक, प्रोन्नति, पुनश्चर्या, विशेषीकृत प्रशिक्षण दिए गए हैं।

प्रौद्योगिकी में परिवर्तन/उन्नति, सेवाओं की गुणवत्ता और परिचालन की संरक्षा द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों से निपटने के लिए मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करने के लिए सार्थक पहले की गई हैं। इनमें शामिल हैं:-

(क) संरक्षा कोटि के सभी रेल कर्मचारियों को उनकी जीवन वृत्ति के विभिन्न चरणों में सुव्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक कोटि के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों और विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के साथ-साथ प्रारंभिक/पदोन्नति चरणों में नियत आवधिकता के अनुसार विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध हैं जो अधिक व्यावहारिक पहलुओं पर बल देते हैं जिनसे उन्हें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और कौशल उन्नयन को आत्मसात करने में सहायता मिलती है। इन मॉड्यूलों को कार्य पद्धति में तकनीकी बदलावों को देखते हुए अद्यतन किया जाता है। लोको कर्मचारियों की तरह संरक्षा कर्मचारी भी सिमुलेशन प्रशिक्षण लेते है। प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है।

(ख) रेलगाड़ी परिचालन में शामिल जनता के संपर्क में आने वाले सभी कर्मचारियों को आशंका अवबोधन एवं आपातकालीन प्रत्युत्तर का एक दिवसीय विशेष संक्षेपित प्रशिक्षण दिया जाता है। सहायक लोको पायलटों, वातानुकूल परिचारकों और अन्य रनिंग कर्मचारियों के लिए प्रारंभिक और आवधिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में अग्निशामन और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को शामिल करने हेतु रनिंग कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल भी तैयार किया गया है। राहत, बचाव एवं स्वास्थ्यलाभ (तीन 'आर') पर बल देते हुए संरक्षा कर्मचारियों को प्राथमिक चिकित्सा और आपदा प्रबंधन का अनन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण केंद्रों में योग और ध्यान पाठ शुरू किए गए हैं, जिनका उद्देश्य रेल कर्मचारियों को अपनी नौकरी में अंतर्ग्रस्त तनाव से मुकाबला करने में सहायता करना है। प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा संचालित कुछ अन्य विशेषीकृत पाठ्यक्रमों में पर्यवेक्षकों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम, रेलपथ पर्यवेक्षकों के लिए संरक्षा उन्मुखी पाठ्यक्रम, गार्ड और ड्राइवरों के लिए वात ब्रेक परिचालन प्रशिक्षण, कनिष्ठ इंजीनियरों/वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियरों (रेलपथ)/पुल/निर्माण कार्य के लिए पुलों का निरीक्षण एवं पुनर्स्थापन शामिल हैं।

(ग) आंतरिक प्रशिक्षण के अलावा, रेल कर्मचारियों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अंतर्गत विदेश में प्रशिक्षणों के लिए भी भेजा जाता है और भारत के अंदर अग्रणी प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा भी साधन-सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

कर्मचारियों की संख्या

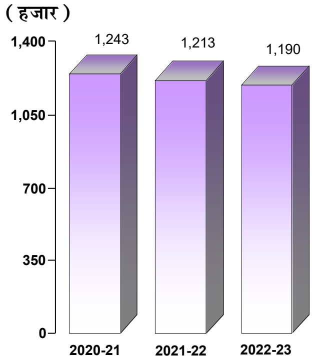

गति शक्ति और राष्ट्रीय संभार योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईआरआईटीएम

80वां पुरूष हॉकी टूर्नामेंट, आरेडिका

प्रशिक्षुता प्रशिक्षण

प्रशिक्षण अवसंरचना स्थापित करने के लिए राजकोष पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना प्रतिष्ठानों में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग करके उद्योग के लिए कुशल जनशक्ति को विकसित करने के लिए प्रशिक्षुता प्रशिक्षण एक सबसे कारगर विधि है। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण लेने के बाद लोग नियमित रोजगार के समय औद्योगिक वातावरण में आसानी से ढल सकते हैं। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण की अन्य श्रेष्ठताएं इस प्रकार हैं:-

- प्रशिक्षण की बेहतर गुणवत्ता, अनुभवजन्य अधिगम और संवर्धित रोजगार क्षमता।
- प्रशिक्षुओं को कौशलों को अमल में लाने का वास्तविक अवसर सुलभ कराता है और कार्य वातावरण में आत्मविश्वास हासिल करने में उनकी सहायता करता है।

भारतीय रेल को प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षुओं की नियुक्ति में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रशस्ति पत्र' से भी सम्मानित किया गया है।

प्रशिक्षण मॉड्यूल

प्रौद्योगिकीय उन्नयन और रोजगार की परिवर्तित आवश्यकताओं को देखते हुए सभी विभागों के मौजूदा प्रशिक्षण मॉड्यूलों की समीक्षा करने की आवश्यकता थी। इसलिए सभी विभागों अर्थात यातायात, वाणिज्य, बिजली, सिविल, यांत्रिक, सिगनल एवं दूरसंचार तथा वित्त के मौजूदा प्रशिक्षण मॉड्यूलो का पुनरीक्षण, अद्यतनीकरण किया गया और रेलवे की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इन प्रशिक्षण मॉड्यूलों को ऑनलाइन विधि में बदल दिया गया है और इन्हें अपलोड कर दिया गया है।

ऑनलाइन प्रशिक्षण

विभिन्न कोटि के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सामग्री को भी पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, पीडीएफ डॉक्यूमेंट्स और व्याख्यानों के वीडियो आदि के रूप में ऑनलाइन विधि में बदला गया है। अब इन प्रशिक्षण सामग्रियों को रेल कर्मचारी अपने दूरस्थ तैनाती स्थान से भी एक्सेस कर सकते हैं। अधिकांश प्रशिक्षण अब ऑनलाइन/संयुक्त विधि से आयोजित किए जा रहे हैं।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा का गठन मूलत: रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए किया गया था। यह कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों और आश्रितों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पास नियमों के अनुसार उनके परिवार के सदस्यों एवं आश्रितों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती है।

2,572 चिकित्सा अधिकारियों और 37,087 पराचिकित्सा कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या के साथ यह विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक स्वास्थ्य सेवा है। यह पूरे देश में फैले हुए 129 अस्पतालों एवं 586 स्वास्थ्य इकाइयों में 14,000 आंतरिक शय्याओं के साथ पूरे वर्ष भर चौबीसों घंटे कार्य करती है। यह लगभग एक करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान करती है।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा उपचार सेवाओं के साथ-साथ निवारक, प्रोत्साहक, व्यावसायिक और औद्योगिक स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान करती है। यह रेलवे परिसरों के अंदर पानी और भोजन की गुणवत्ता की निगरानी करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

रेल अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री - जन आरोग्य योजना क्रियान्वित की गई है। अभी तक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री - जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों के लिए 91 अस्पताल खोले गए हैं।

हमारे तेरह क्षेत्रीय अस्पताल अधिकांश विशेज्ञताओं और कुछ अतिविशेषताओं में बहुत प्रतिष्ठित डीएनबी कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण हेतु संस्थानों का कार्य कर रहे हैं।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा द्वारा किए जाने वाले अन्य कार्यों में यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना, रेल दुर्घटनाओं के संबंध में कार्रवाई करना, कॉलोनी की स्वच्छता, और खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य परियोजनाओं का कार्यान्वयन करना और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण देना एवं अध्ययन कार्यक्रम आयोजित करना शामिल हैं। हमारी स्वास्थ्य सेवाओं पर लाभार्थियों को अत्यधिक विश्वास है।

चिरेका में 12वीं अखिल भारतीय तीरंदाज़ी चैम्पियनशिप

रेल अस्पताल में कोविड का इलाज व टीकाकरण किया जा रहा है। रेल अस्पतालों में 98 पीएसए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र लगाए और चालू किए जा चुके हैं। 21 लाख से अधिक लाभार्थियों को कोविड टीकाकरण की पहली और 19 लाख से अधिक को दूसरी खुराक दी जा चुकी है।

कार्यनिष्पादन के आंकड़े (2022-2023)

कुल बहिरंग रोगी मामले जिन्हें परिचर्या प्रदान की गई	1,77,40,128
कुल अंतरंग रोग मामले जिन्हें भर्ती किया गया	4,89,019
की गई शल्यचिकित्साओं की कुल संख्या	1,28,625
रुग्णता के कारण नष्ट श्रम दिवसों का प्रतिशत	1.72
उन नए उम्मीदवारों की संख्या जिनकी आरोग्यता के लिए जांच की गई	1,42,273
उन कर्मचारियों की संख्या जिनकी आवधिक चिकित्सा जांच की गई	1,19,570
एकत्र किए गए/पाए गए दोषपूर्ण खाद्य नमूनों की संख्या	3,882
अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण/आरोग्यता के लिए पानी के नमूने	12,13,606/11,03,624
जीवाणु परीक्षण/आरोग्यता के लिए पानी के नमूने	78,756/75,096
उन बीमार यात्रियों की संख्या जिन्हें रेलवे डॉक्टरों द्वारा परिचर्या प्रदान की गई	67,643
उन बच्चों की संख्या जिन्हें टीका लगाया	8,484
स्वास्थ्य आश्वासन कैम्प	10,394

कर्मचारी कल्याण

भारतीय रेल की कल्याण योजनाओं में शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, आवास, खेलकूद, मनोरंजन और खानपान के क्षेत्रों में व्यापक कार्य शामिल हैं।

कर्मचारी हित निधि, रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को शिक्षा, मनोरंजन, चिकित्सा देखभाल, खेलकूद, स्काउट और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में अतिरिक्त सुविधाएं सुलभ कराने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। चिकित्सा की स्वदेशी पद्धतियों अर्थात आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधालयों का संचालन इस निधि की सहायता से किया जाता है।

31.03.2023 की स्थिति के अनुसार, लगभग 41.88% कर्मचारियों को रेल क्वार्टर सुलभ कराए गए हैं। 2022-23 के दौरान कुल 2,659 कर्मचारी क्वार्टरों को विद्युतीकृत किया गया।

भारतीय रेल में विभिन्न प्रकार की सहकारी समितियां कार्य कर रही हैं। ये सहकारी समितियां केंद्रीय सहकारी समिति रजिस्ट्रार, पूर्व कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग अथवा संबंधित राज्य के, जिनमें वे कार्य कर रही हैं, सहकारी समिति रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत हैं। ऐसी समितियों के कार्य बहुराज्य सहकारी समिति अधिनियम 2002 द्वारा शासित किए जाते हैं। समितियों के कर्मचारियों

योग शिविर, आईआरआईटीएम

के प्रशासनिक, वित्तीय, प्रबंधकीय, नियुक्ति और सेवा मामलों पर रेल प्रशासन की कोई अधिकारिता नहीं है। भारतीय रेल स्थापना नियमावली की जिल्द II के अध्याय XXIII के उपबंधों के अनुसार रेलवे द्वारा इन सहकारी समितियों को केवल कतिपय सुविधाएं और रियायतें उपलब्ध कराई जाती हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय रेल में 53 थ्रिफ्ट एवं क्रेडिट समितियां, 101 रेल कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समितियां, 11 श्रम सहकारी समितियां तथा 04 रेल कर्मचारी आवासन समितियां कार्यरत हैं।

पेंशन अदालतें

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के निर्देशों के अनुसार, क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों को पेंशनभोगियों की शिकायतों की जांच करने और निपटान करने के लिए क्षेत्रीय रेल में वार्षिक रूप से और मंडल में तिमाही रूप में पेंशन अदालत आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इन मामलों का मौके पर निपटान करने के समस्त प्रयास किए जा रहे हैं। दिसम्बर 2022 के माह में आयोजित पेंशन अदालत के दौरान कुल 4,087 मामलों पर सुनवाई की गई थी।

रेल मंत्री कल्याण एवं राहत कोष

इस कोष से विपत्ति के समय रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को वित्तीय सहायता और राहत प्रदान की जाती है। इस निधि के मूल स्रोत रेल कर्मचारियों के और रेल महिला कल्याण संगठनों की ओर से स्वैच्छिक अंशदान हैं।

रेल विद्यालय

भारतीय रेल द्वारा एक (01) डिग्री कॉलेज तथा उनहत्तर (69) रेल विद्यालयों का संचालन किया जाता है। ये स्कूल पूर्णतः कर्मचारी कल्याण उपाय के रूप में संचालित किए जा रहे हैं और रेल कर्मचारियों के बच्चों के साथ-साथ अन्य बच्चों को रियायती शुल्क पर उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, रेल भूमि पर तिरानवे (93) केन्द्रीय विद्यालय भी कार्य कर रहे हैं, जो इन विद्यालयों के आस-पास रहने वाले बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं।

वर्ष 2022-23 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद के क्षेत्र में भारतीय रेल के खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियां

1. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर:

- दिनांक 28 जुलाई 2022 से 8 अगस्त 2022 तक बर्मिंघम (यूनाइटेड किंगडम) में आयोजित 22वें राष्ट्रमंडल खेल 2022 में देश की पदक तालिका में रेलवे के खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत द्वारा जीते गए कुल 61 पदकों में से 12 पदक रेलवे खिलाड़ियों ने हासिल किए। रेलवे खिलाड़ियों ने 03 स्वर्ण, 04 रजत और 05 कांस्य पदकों का योगदान किया। रेलवे खिलाड़ियों का प्रदर्शन विलक्षण रहा है।
- 19 से 24 अप्रैल, 2022 तक उलानबटोर (मंगोलिया) में आयोजित सीनियर एशियाई फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल और महिला कुश्ती चौंपियनशिप में रेलवे के कुश्ती (पुरुष और महिला) खिलाड़ियों श्री बजरंग (उत्तर रेल) और श्री गौरव बालियान (पूर्वोत्तर रेल) ने रजत पदक जीता और श्री सुनील कुमार (उत्तर पश्चिम रेल), सुश्री सरिता मोर (उत्तर पश्चिम रेल) और श्री सत्यव्रत कादियान (उत्तर रेल) ने कांस्य पदक जीते।
- 27 मई 2022 से 7 जून 2022 तक बाकू (अजरबैजान) में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप 2022 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल स्पर्धा के खेल में भारतीय रेल के निशानेबाज खिलाड़ी श्री स्वप्निल कुसाले (मध्य रेल) ने रजत पदक जीता।
- मैड्रिड (स्पेन) में आयोजित यूरोपीय ओपन 2022 में श्री नितिन चौहान, जूडो खिलाड़ी (दक्षिण पश्चिम रेल) ने रजत पदक जीता।

- 15 से 18 जून 2022 तक दोहा (कतर) में आयोजित 9वीं एशियाई जिमनास्टिक और कलात्मक चैम्पियनशिप में सुश्री प्रणति नायक (चितरंजन रेलइंजन कारखाना) ने कांस्य पदक जीता।
- 13 से 16 जुलाई 2022 तक बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित यूएसआईसी (विश्व रेलवे) क्रॉस कंट्री (पुरुष और महिला) चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की क्रॉस कंट्री टीमों (पुरुष और महिला) ने स्वर्ण पदक जीता।
- 8 से 18 सितंबर 2022 तक बेलग्रेड (सर्बिया) में आयोजित 2022 विश्व सीनियर कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय रेल के कुश्तीबाज (पुरुष और महिला) श्री बजरंग (उत्तर रेल) और सुश्री विनेश फोगाट (उत्तर रेल) ने कांस्य पदक जीते।
- 1 से 15 अक्टूबर 2022 तक सिलहट (बांग्लादेश) में आयोजित 2022 महिला टी-20 एशिया कप में भारतीय रेल क्रिकेट (महिला) खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया और कप जीता।
- 17 से 23 अक्टूबर 2023 तक पोंटेवेड्रा, स्पेन में आयोजित अंडर-23 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप 2022 में भारतीय रेल के पहलवान श्री नितेश (पश्चिम रेल) ने कांस्य पदक जीता।
- 12 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2022 तक काहिरा, मिस्र में विश्व चैंपियनशिप में भारतीय रेल के निशानेबाज श्री स्वप्निल कुसाले (मध्य रेल) और सुश्री मेघना सज्जनार (दक्षिण पश्चिम रेल) ने कांस्य पदक जीता।
- 5 नवंबर 2022 को बेंगलूरु में आयोजित सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी भारतीय रेल की सीनियर महिला क्रिकेट टीम ने जीती। भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में 06 खिलाड़ी भारतीय रेल के हैं।
- 9 से 19 नवंबर 2022 तक डेगू, कोरिया में आयोजित 15वीं एशियाई एयर गन शूटिंग चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की निशानेबाज सुश्री मेघना सज्जनार (दक्षिण पश्चिम रेल) ने स्वर्ण पदक जीता।
- 13 से 22 नवंबर 2022 तक श्रीलंका में आयोजित राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप में भारतीय रेल के शतरंज खिलाड़ी श्री पी. श्याम निखिल (सवारी डिब्बा कारखाना) ने स्वर्ण पदक जीता।
- 21 से 26 नवंबर 2022 तक जयपुर (भारत) में आयोजित यूएसआईसी (विश्व रेलवे) टेबल टेनिस में भारतीय रेल की टेबल टेनिस टीमों (पुरुष और महिला) ने स्वर्ण पदक जीते।
- 7 से 14 फरवरी 2023 तक जॉर्डन में आयोजित पश्चिम एशियाई हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारतीय रेल की हैंडबॉल खिलाड़ी (महिला) सुश्री निक्की (दक्षिण पूर्व मध्य रेल), सुश्री काजल (दक्षिण पूर्व मध्य रेल), सुश्री मीनू (दक्षिण पूर्व मध्य रेल), सुश्री दीपा देवी (उत्तर रेल), सुश्री सिमरन (उत्तर रेल) और सुश्री कीर्ति सिंह (दक्षिण मध्य रेल) ने भाग लिया और स्वर्ण पदक जीता।
- 7 मार्च 2023 को काठमांडू, नेपाल में आयोजित एशियाई क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की क्रॉस कंट्री खिलाड़ी सुश्री सोनिका (उत्तर मध्य रेल), सुश्री छवि यादव (दक्षिण पूर्व मध्य रेल) और सुश्री मुन्नी देवी (दक्षिण मध्य रेल) ने भाग लिया और टीम चैम्पियनशिप जीती।
- 20 से 23 मार्च 2023 तक तामुलपुर (असम) में आयोजित चौथी एशियाई खो-खो चैम्पियनशिप में भारतीय रेल के खो-खो (पुरुष) खिलाड़ियों श्री अक्षय गंपुले (पश्चिम रेल), श्री अमित पाटिल (दक्षिण पूर्व मध्य रेल) और श्री अरुण गुंकी (दक्षिण पूर्व मध्य रेल) ने भाग लिया और स्वर्ण पदक जीता।

चिकित्सा सुविधाएं, पू.रे.

2. राष्ट्रीय स्तर पर:

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान, भारतीय रेल की टीमों ने कुल 53 राष्ट्रीय चैंपियनशिपों में भाग लिया। उनमें भारतीय रेल 01 चैंपियनशिप में सेमी-फाइनलिस्ट, 04 चैंपियनशिपों में तृतीय स्थान पर, 10 चैंपियनशिपों में उपविजेता और 22 चैंपियनशिपों में विजेता रही।

3. 2022-23 के दौरान निम्नलिखित रेलवे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है:-

क्र.स.	नाम	खेल	पुरस्कार	रेलवे
(i)	सुश्री सरिता मोर	कुश्ती	अर्जुन पुरस्कार	उत्तर पश्चिम रेल
(ii)	सुश्री दीप ग्रेस एक्का	हॉकी	अर्जुन पुरस्कार	पूर्व तट रेल
(iii)	श्री सुजीत मान	कुश्ती	द्रोणाचार्य पुरस्कार	उत्तर रेल
(iv)	मोहम्मद अली क़मर	मुक्केबाजी	द्रोणाचार्य पुरस्कार	पूर्व रेल

भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ

महिलाओं का कल्याण, विकास और सशक्तिकरण

भारतीय रेल देश में सबसे बड़ी सिविल नियोक्ता है जिसमें 31 मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार कुल 11,89,615 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें 97,676 कर्मचारी महिलाएं थीं। रेलवे द्वारा कर्मचारी कल्याण पर पर्याप्त बल दिया जाता है। यद्यपि रेलों की अधिकांश कर्मचारी कल्याण योजनाओं और गतिविधियों से पुरुष और महिला रेल कर्मचारी, दोनों लाभान्वित होते हैं, तथापि ऐसी विभिन्न पहलें विद्यमान हैं जो महिला-केंद्रित हैं, जिनमें महिला कर्मचारियों के साथ-साथ रेल कर्मचारियों के परिवार की महिला सदस्याएं भी शामिल हैं। महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध अन्य विभिन्न प्रकार की सुविधाएं महिला रेल कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध हैं, जिनमें परिवार कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रसूति अवकाश, बालक देखभाल अवकाश तथा विशेष अवकाश शामिल हैं। दिव्यांग महिला रेल कर्मचारी अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए विशेष भत्ता प्राप्त करने की हकदार हैं।

प्रत्येक क्षेत्रीय रेल में बनाए रखी जाने वाली कर्मचारी हित निधि द्वारा बड़ी संख्या में कर्मचारी कल्याण कार्यों का वित्तपोषण किया जाता है जिनमें महिला सशक्तिकरण से संबंधित कार्यों के लिए विशेष परिव्यय की व्यवस्था होती है। कर्मचारी हित निधि में बालिका अर्थात रेल कर्मचारियों की पुत्रियों की उच्चतर शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु एक पृथक धनराशि की भी व्यवस्था की गई है।

महिला कर्मचारियों हेतु कार्य वातावरण को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर समितियां गठित की गई हैं जो लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित परिवादों पर कार्रवाई करती हैं। महिला कर्मचारियों के लिए विश्राम गृहों की व्यवस्था के साथ-साथ कर्मचारियों के बच्चों के लिए कार्यस्थलों/कार्यालयों में अनेक शिशु सदन खोले गए हैं।

कर्मचारियों के परिवार की महिला सदस्यों को व्यावसायिक कौशल जैसे सिलाई, बुनाई, श्रृंगार कला, कम्प्यूटर कार्य और रेलों के लिए आवश्यक कतिपय लेखन-सामग्री वस्तुएं बनाना सिखाने के लिए कर्मचारी हित निधि के तत्वाधान में हस्तशिल्प केंद्र और महिला समितियां भी चलाई जा रही हैं ताकि उनके परिवार की आमदनी बढ़ाई जा सके।

महिला सशक्तिकरण के लिए एक अन्य अनूठी पहल रेलों में 'महिला कल्याण संगठन' हैं जिसमें रेलवे अधिकारियों की पत्नियां शामिल होती हैं, जो महिला कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवार की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक अग्रसक्रिय कदम है। महिला कल्याण संगठन के कार्यकलापों में नर्सरी स्कूलों, शिशु सदनों, विशेष आवश्यकताएं रखने वाले बच्चों के लिए स्कूलों का प्रबंधन, पात्र मामलों में वित्तीय सहायता प्रदान करना और कर्मचारियों के परिवार की महिला सदस्यों के लिए हस्तशिल्प केन्द्र खोलना शामिल है।

क्षेत्रीय रेलों द्वारा महिला कर्मचारियों के कल्याण के क्षेत्र में विभिन्न उपाय किए गए हैं जैसे रेलवे स्टेशनों और कार्यालयों पर सैनेटरी पैड विक्रय मशीनों/भस्मकों को संस्थापना के साथ-साथ वजन कम करने, अरक्तता/स्तन कैंसर आदि के लिए सेमिनार आयोजित करना।

यात्री सुविधा के लिए नई लिफ्ट

दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं

दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू किया गया था। इस अधिनियम के उपबंधों के क्रियान्वयन के लिए रेल मंत्रालय सहित केंद्र/राज्य सरकार के सभी मंत्रालयों की बहुक्षेत्रक सहयोगी पद्धति की आवश्यकता है।

रेलगाड़ियों में आरक्षण

➢ दिव्यांगजन रियायती टिकट पर यात्रा करने वाले दिव्यांगजनों के लिए अनुपनगरीय रेलखंडों पर चलने वाली सभी रेलगाड़ियों में पूरे किराये पर स्लीपर श्रेणी में चार शायिकाओं, तृतीय वातानुकूल और तृतीय इकोनामी में दो शायिकाओं (उन रेलगाड़ियों में जिनमें तृतीय वातानुकूल श्रेणी के सवारी डिब्बे नहीं लगे हैं), आरक्षित सेकेंड सिटिंग (2एस) और वातानुकूल चेयर कार में दो सीटों (उन रेलगाड़ियों में जिनमें उन श्रेणियों के दो से अधिक सवारी डिब्बे लगे हैं) और गरीब रथ एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के एसएलआरडी सवारी डिब्बों में चार शायिकाओं का आरक्षण कोटा निर्धारित किया गया है। दिव्यांगजन के साथ सहचर के रूप में जाने वाले व्यक्ति को भी इस कोटे से शायिका का आबंटन किया जाता है। दिव्यांगजनों के लिए दुरंतो एक्सप्रेस जैसी पूर्णतया आरक्षित रेलगाड़ियों में एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों में चार शायिकाएं निर्धारित करने के अनुदेश भी जारी किए गए हैं।

अलग आरक्षण खिड़की

यदि प्रति शिफ्ट औसत मांग 120 टिकटों से कम नहीं है तो दिव्यांगजनों, महिला यात्रियों, वरिष्ठ नागरिकों, पूर्व सांसदों, विधायकों, मान्यता-प्राप्त पत्रकारों और स्वतंत्रता सेनानियों की आरक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों में अलग खिड़कियां निर्धारित की गई हैं। यदि दिव्यांगजन या वरिष्ठ नागरिकों सहित इनमें से किसी भी श्रेणी के व्यक्तियों के लिए एक अनन्य खिड़की निर्धारित करने का कोई औचित्य नहीं है तो इन सभी श्रेणियों के व्यक्तियों के आरक्षण अनुरोधों को पूरा करने के लिए कुल मांग के आधार पर एक या दो खिड़कियां निर्धारित की गई हैं।

दिव्यांग यात्रियों के लिए रेल किराये में रियायत

1. शारीरिक दिव्यांग/गतिविषयक दिव्यांग व्यक्ति जो सहचर के बिना यात्रा नहीं कर सकते - किसी भी उद्देश्य के लिए। बहरहाल, वे सहचर के साथ या उसके बिना टिकट बुक करवा सकते हैं।	• द्वितीय श्रेणी, स्लीपर, प्रथम श्रेणी, तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 75%। • प्रथम वातानुकूल और द्वितीय वातानुकूल में 50%।
2. बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति जो सहचर के बिना यात्रा नहीं कर सकते - किसी भी उद्देश्य के लिए। बहरहाल, वे सहचर के साथ या उसके बिना टिकट बुक करवा सकते हैं।	• राजधानी/शताब्दी रेलगाड़ियों में तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 25%। • मासिक सीजन टिकट* और तिमाही सीजन टिकट** में 50%।
3. पूर्ण दृष्टिहीनता से पीड़ित दृष्टि दिव्यांग व्यक्ति, अकेले या सहचर के साथ यात्रा करने वाले - किसी भी उद्देश्य के लिए।	• एक सहचर भी समान रियायत के लिए पात्र है।
4. पूर्ण बधिर एवं वाक दिव्यांग व्यक्ति (उस व्यक्ति में दोनों कष्ट एकसाथ हों), अकेले या एक सहचर के साथ यात्रा करने वाले - किसी भी उद्देश्य के लिए।	• द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और प्रथम श्रेणी में 50%। • मासिक सीजन टिकट और तिमाही सीजन टिकट में 50%। • एक सहचर भी समान रियायत के लिए पात्र है।

* मासिक सीजन टिकट ** तिमाही सीजन टिकट

अतिरिक्त सुविधाएं

- ➢ रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों आदि के उपयोग के लिए पहिया कुर्सियों की व्यवस्था करने के अनुदेश पहले से मौजूद हैं। पहिया कुर्सियां रेलवे द्वारा अपनी लागत पर उपलब्ध कराई जाती है और दिव्यांगजनों, वृद्धजनों को रेलगाड़ियों से लाने या तक पहुंचाने के लिए उनके परिचरों को पूर्णतया 'नि:शुल्क' दी जाती है। बहरहाल, जब परिचर इच्छुक या उपलब्ध नहीं है तब दिव्यांगजनों आदि का मार्गरक्षण करने के लिए पूर्व-निर्धारित नगण्य दर पर कुलियों (सहायकों) की सेवाएं ली जा सकती हैं। इसकी सूचना रेलवे स्टेशन परिसर में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की जाती है। पहियाकुर्सी पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, बीमार व्यक्तियों आदि को लाने-ले जाने के लिए कुली शुल्क अलग-अलग रेलवे स्टेशन पर अलग-अलग होता है, जैसा कि क्षेत्रीय रेलवे द्वारा निर्धारित किया जाए।
- ➢ दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए कुछ रेलवे स्टेशनों पर बैटरी से चलने वाली कारें उपलब्ध कराई गई हैं।
- ➢ 40 प्रतिशत और उससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों (जिसमें नेत्रहीन शामिल हैं) के लिए रेलवे स्टेशनों पर एसटीडी/पीसीओ बूथों के आबंटन में 25 प्रतिशत बूथ आरक्षित किए गए हैं।
- ➢ रेल सुरक्षा बल दिव्यांगजनों की रेल यात्रा में परेशानी मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत है। 'ऑपरेशन सेवा' इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित पहल है, जहां रेल सुरक्षा बल के कर्मी बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और बीमार/घायल व्यक्तियों की रेल यात्रा में सहायता करते हैं और रेलगाड़ी में चढ़ने और उतरने में उनकी हर संभव सहायता करते हैं, उनकी आकस्मिक जरूरतों को पूरा करते हैं जैसे पहियाकुर्सी, स्ट्रेचर, चिकित्सा सहायता, एम्बुलेंस, दवा आदि उपलब्ध कराना।
- ➢ वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, रेल सुरक्षा बल द्वारा 52,000 से अधिक दिव्यांगजनों की सहायता की गई और इस वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल-सितंबर 2023) में यह आंकड़ा 32,000 से अधिक व्यक्ति है।
- ➢ जरूरतमंद रेल यात्री (दिव्यांगजन सहित) सीधे रेल मदद पोर्टल पर टेलीफोन/शिकायत करके या हेल्पलाइन नंबर 139 (जो आपातकालीन प्रत्युत्तर सहायता प्रणाली नंबर 112 के साथ एकीकृत है) के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उनकी समस्या का तत्काल आधार पर निवारण किया जाता है और उनके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है/सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- ➢ रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा संबंधी शिकायतों और अन्य शिकायतों को प्राप्त करने एवं सुलझाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, कू आदि पर भी चौबीसों घंटे उपलब्ध है।
- ➢ दिव्यांगजनों की संरक्षित और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, रेल सुरक्षा बल 'ऑपरेशन उपलब्ध' के अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु आरक्षित कूपे में अनधिकृत यात्रा करते पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करता है।
- ➢ दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित डिब्बों में अनधिकृत यात्रा करते हुए पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 47,260 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ 47,165 मामले दर्ज किए गए थे और वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल-सितंबर 2023) में 28,815 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के साथ 28,524 मामले दर्ज किए गए हैं।

सवारी डिब्बे का विशेष डिजाइन

भारतीय रेल ने दिव्यांगजन, सवारी डिब्बा कारखाना डिजाइन एसएलआरडी [द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड वैन और दिव्यांगजन डिब्बा] सवारी डिब्बों को सेवा में शामिल किया है। इन सवारी डिब्बों में दिव्यांगजन यात्रियों की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त डिजाइन वाला कूपा और शौचालय है।

इन सवारी डिब्बों में ज्यादा चौड़े प्रवेश द्वार, ज्यादा चौड़ी शायिकाएं, ज्यादा चौड़े कूपे, ज्यादा बड़े शौचालय और शौचालय दरवाजे आदि उपलब्ध कराए गए हैं। इन शौचालयों के अंदर सहारे के लिए साइड की दीवारों पर अतिरिक्त ग्रैब रेल और शौचालय के अंदर कम ऊंचाई पर वॉश बेसिन एवं दर्पण भी उपलब्ध हैं।

प्रत्येक मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ी में सडिका प्रकार के सवारी डिब्बे वाला कम से कम एक सवारी डिब्बा रखने का प्रयास किया जाता है। इस समय भारतीय रेल के बेड़े में 3,334 सडिका प्रकार के एसएलआरडी और 359 जीएसआरडी सवारी डिब्बे (31.03.2023 की स्थिति के अनुसार) मौजूद हैं।

इसके साथ-साथ, सवारी डिब्बा उत्पादन इकाइयों ने दिव्यांगजन यात्रियों के लिए एलएचबी सेकेंड लगेज, गार्ड और दिव्यांग कम्पार्टमेंट (एलएसएलआरडी) प्रकार के सवारी डिब्बों का विनिर्माण शुरू कर दिया है, जिन्हें भारतीय रेल में उत्तरोत्तर शामिल किया जा रहा है। वर्ष 2018-19 में ऐसे 11 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया गया था, वर्ष 2019-20 में ऐसे 21 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया गया था और वर्ष 2020-21 में ऐसे 336 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया गया था, वर्ष 2021-22 में ऐसे 547 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया गया था, और वर्ष 2022-23 में ऐसे 361 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया गया है।

इस समय भारतीय रेल में 1,283 एलएचबी प्रकार के एलएसएलआरडी/एलडीएलएसआर (31.03.2023 की स्थिति के अनुसार) का विनिर्माण किया जा चुका हैं और उत्पादन योजना में वृद्धि के साथ एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों की संख्या बढ़ाए जाने की योजना है।

इसके अलावा, सभी उत्पादन इकाइयों को भविष्य में नए डिजाइन के सभी सवारी डिब्बों में सवारी डिब्बे की प्रत्येक तरफ 920 मिलीमीटर चौड़े कम से कम दो दरवाजे उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। इससे दिव्यांगजन यात्रियों के लिए सवारी डिब्बों के अंदर बेहतर सुगम्यता सुनिश्चित होगी।

दृष्टि दिव्यांग यात्रियों की सहायता के लिए, सभी नवनिर्मित सवारी डिब्बों में एकीकृत ब्रेल पहचानसूचक, यानी ब्रेल लिपि अध्यारोपित पहचानसूचक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों में इसका रेट्रो-फिटमेंट भी चरणबद्ध विधि से जारी है।

रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं

भारतीय रेल दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत उल्लिखित जनादेश को पूरा करने के लिए भारत सरकार के 'सुगम्य भारत अभियान' के भाग के रूप में दिव्यांगजनों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों को सुगम्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजन यात्रियों के लिए सुविधाओं सहित सुविधाओं में सुधार/संवर्धन एक सतत और चलायमान प्रक्रिया है।

इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि 2020 में भारतीय रेल में कार्यान्वयन हेतु 'दिव्यांगजनों और कम गतिशील यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं की सुगम्यता दिशानिर्देश' को परिपत्रित किया गया था और दिनांक 13.11.2023 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। व्यापक सुगम्यता दिशानिर्देशों में निम्नलिखित भाग हैं:

I. सूचना प्रणाली अभिगम्यता

क) रेलवे/आईआरसीटीसी का वेबपेज/वेबसाइट

ख) मोबाइल ऐप

ग) जन उद्घोषणा प्रणाली

घ) स्टेशन पहचानसूचक व्यवस्था डिजाइन

II. स्टेशन सुगम्यता

क) सुगम्य पार्किंग

ख) टिकट और पूछताछ खिड़की

ग) सहायता बूथ-दिव्यांगजनों के लिए सहायता स्थान

घ) सुरक्षा जांच

III. प्लेटफॉर्म सुगम्यता

क) शौचालय

ख) पेयजल बूथ

ग) भोजनालय और कैफेटेरिया

IV. अंतर-प्लेटफॉर्म स्थानांतरण

क) सबवे

ख) फुट ओवर ब्रिज

ग) लिफ्ट

V. रेलगाड़ी/सवारी डिब्बा सुगम्यता

क) रेलगाड़ी सवारी डिब्बा और प्लेटफार्म इंटरफेस

ख) सवारी डिब्बे की बाह्य साज-सज्जा

ग) सवारी डिब्बे की आंतरिक साज-सज्जा और बैठने की व्यवस्था

घ) सवारी डिब्बा सुविधाएं, सुगम्य शौचालय, दिव्यांग अनुकूल सवारी डिब्बे

ङ) आपातकालीन निकासी

VI. निगरानी और फीडबैक तंत्र

क) निगरानी तंत्र

ख) फीडबैक तंत्र

भारतीय रेल में भर्ती

जहां तक अराजपत्रित पदों के लिए खुले बाजार से सीधी भर्ती का संबंध है, रेलवे द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का अनुपालन किया जाता है, जो निर्देश-मानक दिव्यांगजन व्यक्तियों के लिए पदों के प्रत्येक समूह अर्थात 'ग' और 'घ' में संवर्ग संख्या में रिक्तियों की कुल संख्या के चार प्रतिशत का आरक्षण उपबंधित करता है, जिसका प्रत्येक एक प्रतिशत खंड (क), (ख) और (ग) के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए और एक प्रतिशत खंड (घ) से (ङ) के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित होगा, अर्थात्;

(क) अंधता और निम्न दृष्टि (1%)।

(ख) बधिर और ऊंचा सुनने वाला व्यक्ति (1%)।

(ग) गतिविषयक दिव्यांगता (ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, बीए) जिसमें कुष्ठ रोगमुक्त व्यक्ति, प्रमस्तिष्क घात, बौनापन, तेजाबी आक्रमण पीड़ित और पेशीय दुष्पोषण (1%) शामिल हैं।

(घ) स्वपारायणता, बौद्धिक दिव्यांगता, विनिर्दिष्ट विद्या दिव्यांगता और मानसिक रुग्णता; तथा

(ङ) बधिर-अंधता (1%) सहित (क) से (घ) के बीच बहुदिव्यांगता।

रेलवे में अराजपत्रित पदों पर खुले बाजार से भर्ती के लिए, दिव्यांग उम्मीदवारों को निम्नलिखित छूट/रियायत भी प्रदान की जाती है:

(i) दिव्यांग उम्मीदवारों से केवल ₹250 परीक्षा शुल्क (छूट-रहित कोटि से ₹500 की तुलना में) लिया जाता है और वह भी लिखित परीक्षा में उनके उपस्थित होने पर वापस लौटा दिया जाता है।

(ii) जब दिव्यांगजनों के लिए रिक्तियां आरक्षित हैं और प्रत्येक कोटि अर्थात, अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग-नान क्रीमी लेयर के लिए अर्हता प्राप्त करने के न्यूनतम प्रतिशत अंकों के साथ दिव्यांगजनों का पूरा पैनल नहीं बनाया जा सकता है, तब इस समुदाय के लिए अर्हता प्राप्त करने के निर्धारित न्यूनतम अंकों में 2 अंकों तक की छूट की अनुमति दी जाएगी।

(iii) समुदाय-वार आयु छूट के साथ-साथ दिव्यांग उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट दी जाती है।

(iv) दिव्यांग उम्मीदवारों को लेवल-1 भर्ती परीक्षा के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) में उपस्थित होने से छूट दी गई है।

(v) अनेक दिव्यांगता कोटियों के दिव्यांग उम्मीदवारों को भर्ती परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए लिपिक की सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

(vi) परीक्षा केंद्र को दिव्यांगजन अनुकूल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जैसे रैम्प, भूतल पर बैठने की व्यवस्था आदि। दृष्टि ह्रास पीड़ित उम्मीदवारों को कागज के साथ टेलर फ्रेम, ब्रेल स्लेट का उपयोग करने की अनुमति है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के कार्यान्वयन के बाद, आरक्षण को 3% से बढ़ाकर 4% करने और आरक्षण के उपबंध हेतु दिव्यांगों का कार्यात्मक वर्गीकरण की परिधि को बढ़ाने के लिए रेल मंत्रालय ने सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से इसे उपयुक्त रूप से क्रियान्वित किया है। समूह 'क' पदों पर सीधी भर्ती हेतु दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 द्वारा यथा अभिनिर्धारित कुष्ठ रोगमुक्त व्यक्तियों और तेजाबी आक्रमण पीड़ितों की नई कोटियों के लिए भी आरक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सुरक्षा

रे.सु.ब./पू.रे., पूर्व रेल के यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

रेल सुरक्षा बल का गठन रेल सुरक्षा बल अधिनियम 1957 (वर्ष 1985 और 2003 में यथा संशोधित) के अंतर्गत रेल संपत्ति, यात्री क्षेत्रों, यात्रियों की बेहतर रक्षा और सुरक्षा तथा उनसे संबंधित मामलों के लिए किया गया है। रेल सुरक्षा बल का नेतृत्व महानिदेशक पद के अधिकारी द्वारा किया जाता है, जो रेल मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

रेल सुरक्षा बल को रेल संपत्ति की चोरी, गबन और गैरकानूनी कब्जे के मामलों से निपटने के लिए 'रेल संपत्ति (विधिविरुद्ध कब्जा) अधिनियम 1966' के अंतर्गत शक्तियां प्रदान की गई हैं। रेल सुरक्षा बल को रेल अधिनियम 1989 के अंतर्गत छत पर यात्रा, दलाली, महिलाओं के लिए निर्धारित सवारी डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश, अनधिकृत बिक्री, अतिक्रमण आदि के अपराधों से निपटने की भी शक्तियां प्रदान की गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा "स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985" की धारा 42 और 67 और "सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003" की धारा 25 के अंतर्गत रेल सुरक्षा बल के क्रमश: अधिकारिता क्षेत्रों के अंदर रेल सुरक्षा बल की शक्तियों की अतिरिक्त परिधि का संवर्धन किया गया है।

रेल सुरक्षा बल का प्रशासनिक ढांचा भारतीय रेल के प्रशासनिक ढांचे के अनुरूप है। इसके अलावा, रेल सुरक्षा विशेष बल नामक एक विशेष संघटन, जो वाहिनी पैटर्न पर संगठित है, क्षेत्रीय रेलों में रेल सुरक्षा बल की सहायता करने के लिए विशेषीकृत सेवाएं सुलभ कराता है। इस समय देश के विभिन्न भागों में अवस्थित रेल सुरक्षा विशेष बल की 15 वाहिनी हैं, जिनमें एक महिला वाहिनी और एक कमांडो वाहिनी (कोरास) शामिल हैं।

पृथक विशेषीकृत आसूचना इकाइयां, नामत विशेष आसूचना शाखा (एसआईबी) और अपराध आसूचना शाखा (सीआईबी) भी क्रमश: विशेष और आपराधिक आसूचनाओं के एकत्रण के लिए क्षेत्रीय रेलों के साथ-साथ मंडलों में कार्य करती हैं। उपर्युक्त के साथ-साथ भण्डार, श्वान दस्ता और बैंड इस बल की अन्य विशेषीकृत इकाइयां हैं और बल की आवश्यकता के अनुसार मंडल, वाहिनी और क्षेत्रीय स्तर पर अवस्थित हैं।

दिनांक 14.08.2019 को माननीय रेल मंत्री जी ने रेलवे के लिए प्रथम कमांडो बल: कोरास (रेल सुरक्षा के लिए कमांडो) को नियुक्त किया था। रेल सुरक्षा बल और रेल सुरक्षा विशेष बल के जवानों को शामिल करने वाले विशिष्ट वर्दी में कोरास बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट और अत्याधुनिक हथियारों आदि से लैस हैं। कोरास कमांडो ने बारूदी सुरंगों और कामचलाऊ विस्फोटक उपकरणों से निपटने, बंधकों के बचाव, छिपकर गोली दागने और सेंध लगाने में विशेषज्ञता के साथ बुनियादी और उन्नत कमांडो पाठ्यक्रमों सहित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा किया है। इस यूनिट की संकल्पना रेलगाड़ी परिचालनों की क्षति, अशांति, व्यवधान, हमले/बंधक/अपहरण और रेल क्षेत्रों में आपदा परिस्थितियों संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रिस्पांडर के रूप में की जा रही है। बहरहाल, 'पुलिस' और 'सार्वजनिक व्यवस्था' भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत राज्य सरकार के विषय हैं और इसलिए, राज्य सरकारें अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों अर्थात राजकीय रेल पुलिस/जिला पुलिस के माध्यम से रेलों पर अपराध की रोकथाम, पता लगाने, दर्ज और जांच-पड़ताल करने और कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। रेल सुरक्षा बल रेल संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों के लिए बेहतर रक्षा और सुरक्षा सुलभ कराने और तत्संबंधी मामलों के लिए राजकीय रेल पुलिस/जिला पुलिस के प्रयासों की पूर्ति करता है। रेल संपत्ति सहित सरकारी संपत्ति की क्षति, तोड़-फोड़ के मामलों

कार्य पर रे.सु.ब. कार्मिक

को भारतीय दंड संहिता और अन्य अधिनियम के अंतर्गत संबंधित राजकीय रेल पुलिस/राज्य पुलिस द्वारा दर्ज किया जाता है और उनकी छानबीन की जाती है। साथ ही, राजकीय रेलवे पुलिस पर उपगत प्रशासनिक व्यय को केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा साझा किया जाता है।

रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों को चौबीसों घंटे सुरक्षा संबंधी सहायता

- **रेल हेल्पलाइन :** रेल यात्री सीधे रेल मदद पोर्टल पर या हेल्पलाइन नंबर 139 (राष्ट्रीय आपातकालीन नं. 112 के साथ एकीकृत) के माध्यम से कॉल/शिकायत करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उनकी समस्या का तत्काल आधार पर निवारण किया जाता है और उनके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है/सहायता उपलब्ध कराई जाती है।
- **ट्विटर :** सुरक्षा से संबंधित शिकायतों/सुझावों का, जो रेल मंत्री के ट्विटर हैंडल @RailMinIndia और @RailwaySeva द्वारा प्राप्त किए जाते हैं, तत्परतापूर्वक निपटान किया जाता है और आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जाती है।

ट्विटर और सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त की गई शिकायतों का विवरण

वर्ष	ट्विटर पर प्राप्त हुई शिकायतों की संख्या	हैल्पलाइन नंबर पर प्राप्त हुई शिकायतों की संख्या
2022-23	**25,089**	**2,22,328**

रेल सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण करने हेतु किए गए प्रयास

रेल यात्रियों को संरक्षित एवं सुरक्षित यात्रा सुलभ कराने के उद्देश्य से, 866 रेलवे स्टेशनों पर और 7,264 सवारी डिब्बों में मुहैया कराए गए क्लोज़्ड सर्किट टेलीविजन कैमरों से निगरानी रखी जाती है। टीम रेल सुरक्षा बल द्वारा रेल यात्रियों की रक्षा और सहायता करने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं ताकि यात्रियों सहित भारतीय रेल के सभी हितधारकों के बीच विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को बढ़ाया जा सके। रेल सुरक्षा बल पूरे भारत में पूर्ण समर्पित भाव से और प्रतिबद्धता के साथ उसे सौंपी गई ड्यूटियों और उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहा है।

क) **ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते (बच्चों को बचाना):-** रेल सुरक्षा बल देखभाल और सुरक्षा की जरूरत रखने वाले ऐसे बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक कार्य करता है जो विभिन्न कारणों से खो गए हैं/अपने परिवार से बिछुड़ गए हैं। रेल के संपर्क में आने वाले बच्चों की देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलों हेतु संशोधित मानक कार्यपद्धति 2021 के अंतर्गत रेलों में खोए हुए, पीछे छूट गए, निराश्रित बच्चों के मामलों में रेल कर्मचारियों और अन्य हितधारकों द्वारा अपनाए जाने वाले विस्तृत दिशानिर्देश, कार्यपद्धतियां दी गई हैं।

वर्ष	रेल सुरक्षा बल द्वारा बचाए गए बच्चों की संख्या
2022-23	**17,031**

ऑपरेशन "नन्हे फरिश्ते" (बच्चों को बचाना)

ख) **ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' :-** रेल सुरक्षा बल रेलों में यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा पर विशेष ध्यान देता है। रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित एवं अन्य शिकायतों को प्राप्त करने और सुलझाने के लिए टेलीफोन कॉल (रेल हेल्पलाइन 139 और ट्विटर, फेसबुक, कू, इंस्टाग्राम आदि जैसे अन्य सोशल मीडिया फोरमों) पर चौबीसों घंटे टेलीफोन कॉल पर उपलब्ध है। वर्ष 2022-2023 के दौरान रेल सुरक्षा बल ने 5,525 अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित राजकीय रेल पुलिस को सौंप दिया है।

प्लेटफार्म पर सुरक्षा जांच

वर्ष	भा.दं.सं. के पता लगाए गए मामलों की संख्या	रेल सुरक्षा बल द्वारा बचाए गए बच्चों की संख्या
2022-23	4,932	5,525

ग) **ऑपरेशन "अमानत"** – रेल सुरक्षा बल कर्मी उन यात्री सामानों को सुरक्षित करने में सहायता करते हैं जो यात्रियों द्वारा रेलगाड़ी में चढ़ने अथवा गाड़ी/रेलवे स्टेशन से रवाना होने की जल्दबाजी में पीछे छूट जाते हैं। वर्ष 2022-23 में रेल सुरक्षा बल ने यात्री सामानों के पीछे छूट जाने के 32,337 मामलों का पता लगाया है, जहां इस बरामद सामान का मूल्य लगभग ₹50 करोड़ है, और इसे ऑपरेशन अमानत के तहत सही यात्रियों को सौंप दिया गया है।

वर्ष	पीछे छूटे सामान की पुनर्प्राप्ति	बरामद संपत्ति का मूल्य (करोड़ ₹ में)
2022-23	32,337	50

घ) **ऑपरेशन "जीवन रक्षा"** – वित्त वर्ष 2022-23 में ऑपरेशन जीवन रक्षा के अंतर्गत प्लेटफामों, रेलपथों पर और रेलगाड़ियों में रेल सुरक्षा बल द्वारा सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण 873 पुरुष और 543 महिला यात्रियों के जीवन की रक्षा की गई, जिसमें यात्री जल्दीबाजी में चलती रेलगाड़ी में चढ़ने/उतरने की कोशिश की और रेलगाड़ी के पहिए के नीचे आने के खतरे के साथ फिसल/गिर गए या फिर चलती रेलगाड़ी के सामने जानबूझकर आकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

वर्ष	रेलपथ पर होने वाली मौतों को कम करने के लिए जीवन की रक्षा करना	
	पुरुष	महिला
2022-23	873	543

ङ) **ऑपरेशन "सेवा"** – रेल सुरक्षा बल कर्मी बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिवयांगजन और बीमार/घायल व्यक्तियों की रेलगाड़ियों और उससे जुड़ी सेवाओं द्वारा उनकी यात्रा में सहायता करते हैं जैसे कि रेलगाड़ियों में चढ़ना और उतरना; आकस्मिक जरूरतों को पूरा करना जैसे पहियाकुर्सी, स्ट्रेचर, चिकित्सा सहायता; एम्बुलेंस, दवा और शिशु आहार सुलभ कराना, आदि।

वर्ष	रेल सुरक्षा बल से सहायता पानेवाले व्यक्तियों (बुजुर्गों/महिलाओं/दिव्यांगजनों/बीमार/घायलों/शिशुओं) की संख्या
2022-23	52,062

च) **ऑपरेशन "मातृशक्ति"** – रेल सुरक्षा बल कर्मी, विशेषत: महिला रेल सुरक्षा बल कर्मी जो इस समय रेल सुरक्षा बल की कुल कर्मचारी संख्या का 9% हैं जो कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में अधिकतम है, ऐसी गर्भवती महिलाओं की सहायता करने के लिए लीक से हटकर कार्य करती हैं, जो अपनी रेलगाड़ी यात्रा के दौरान या रेल परिसर में प्रसव पीड़ा में जाती हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन मातृशक्ति के अंतर्गत रेलगाड़ियों में 158 गर्भवती महिलाओं और अन्य रेल परिसरों में 220 महिलाओं की प्रसव में सहायता की है।

रेल सुरक्षा बल का ऑपरेशन मातृशक्ति

वर्ष	उन मामलों की संख्या जिनमें प्रसव के दौरान देखभाल और सहायता सुलभ कराई गई	
	रेलगाड़ी में	परिसरों में
2022-23	158	220

यात्री सुरक्षा के बारे में सचेत करते हुए रेसुब कार्मिकों का दल

छ) ऑपरेशन "आहट" (एक्शन अगेंस्ट ह्यूमन ट्रैफिकिंग) - रेल सुरक्षा बल ने अवैध मानव व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रव्यापी 'ऑपरेशन आहट' शुरू किया है। इस मुहिम के अंतर्गत पीड़ितों, विशेषत: महिलाओं एवं बच्चों को अवैध व्यापारियों के चंगुल से बचाने पर फोकस के साथ लंबी दूरी की रेलगाड़ियों/मार्गों पर विशेष टीमों को तैनात किया जाता है। रेल सुरक्षा बल नामोद्दिष्ट गैर-सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों अर्थात कानून प्रवर्तन एजेंसियों आदि के समन्वय से ऑपरेशन आहट के अंतर्गत कार्रवाई कर रहा है। वर्ष 2022-23 में रेल सुरक्षा बल ने ऐसे 562 बच्चों और 42 वयस्कों की रक्षा की है जिनका रेल प्रणाली द्वारा अवैध व्यापार किया जा रहा था।

वर्ष	अवैध व्यापार के पीड़ितों की संख्या जिनकी रक्षा की गई				गिरफ्तार किए गए अवैध व्यापारियों की संख्या
	किशोर		वयस्क		
	लड़के	लड़कियां	पुरुष	महिला	
2022-23	**461**	**101**	**15**	**27**	**207**

छ) ऑपरेशन "उपलब्ध" - आम जनमानस के लिए आरक्षित स्थान के लिए रेल टिकटों को खरीदना बहुत कठिन कार्य रहा है क्योंकि दलाल कन्फर्म्ड रेल आरक्षण को ऑनलाइन हथिया रहे थे, जिससे आम जनमानस के लिए कन्फर्म्ड टिकट की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। रेल सुरक्षा बल दलाली (रेल टिकट खरीदने और आपूर्ति करने का अनधिकृत कारोबार) में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध गहन और निरंतर कार्रवाई कर रहा है। इसी प्रकार यात्रियों के लिए सुरक्षा की अनुभूति का संवर्धन करने के प्रयास में, ऑपरेशन उपलब्ध के तहत अधिकृत यात्रियों के प्रवेश को रोकने वाले टॉवल स्प्रेडर्स और दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित डिब्बे में अनधिकृत प्रवेश के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है। पूरी भारतीय रेल में रेल सुरक्षा बल द्वारा दलालों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाए जाते हैं और इसमें संलिप्त पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध मौजूदा कानूनी उपबंधों के अनुसार कार्रवाई की जाती है। ऐसे मामलों में टीम रेल सुरक्षा बल द्वारा संगत कानूनी उपबंधों के अंतर्गत कार्रवाई की गई थी।

क. टॉवल स्प्रेडर्स/अनधिकृत प्रवेश/अधिकृत यात्रियों के प्रवेश का विरोध करनेवालों के विरुद्ध कार्रवाई

वर्ष	रेल अधिनियम की धारा 155 के अंतर्गत दर्ज किए गए मामले	गिरफ्तार व्यक्ति	वसूल की गई जुर्माना राशि (₹)
2022-23	**28,720**	**28,196**	**64,68,025**

ख. गैर-कानूनी टिकटों की खरीद के विरुद्ध कार्रवाई

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या	जब्त की गई टिकटों की संख्या		जब्त की गई टिकटों का मूल्य (करोड़ ₹ में)		ब्लॉक की गई आईआरसीटीसी यूजर आईडी की संख्या
			भावी यात्रा	पिछली यात्रा	भावी यात्रा	पिछली यात्रा	
2022-23	**3,987**	**4,280**	**15,296**	**3,56,162**	**4.6**	**18.3**	**24,518**

ग. दिव्यांगजन यात्रियों के लिए आरक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा स्थान पर अनधिकृत रूप से कब्जा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2022-23	**47,165**	**47,260**

झ) **ऑपरेशन "रेल सुरक्षा"** - रेल सुरक्षा बल को रेल संपत्ति की सुरक्षा और संरक्षा का अध्यादेश दिया गया है। रेल सुरक्षा बल 'रेल संपत्ति (विधिविरुद्ध कब्जा) अधिनियम 1966' के संगत उपबंधों के अंतर्गत रेल संपत्ति की चोरी, गबन में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करता है। वर्ष 2022-2023 के दौरान रेल सुरक्षा बल ने ₹6.3 करोड़ की चोरीशुदा रेल संपत्ति की बरामदगी के साथ 9,179 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ऑपरेशन अमानत

बुक किए गए परेषण + रेल सामग्री

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	बरामद की गई संपत्ति का मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2022-23	**6,283**	**6.3**	**9,179**

ञ) **ऑपरेशन सतर्क** - रेलगाड़ियों द्वारा प्रतिबंधित वस्तुओं का परिवहन कर चोरों/कानून तोड़ने वालों का एक प्रमुख जरिया बन गया है। इस मुहिम का उद्देश्य अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कार्य में उनकी सहायता करना है जिसके अंतर्गत रेल सुरक्षा बल तंबाकू उत्पाद, शराब उत्पाद की बरामदगी, नकली भारतीय मुद्रा नोट/आलेखांकित सोना/आलेखांकित नकदी/आलेखांकित अन्य कीमती धातु/तस्करी का सामान/हथियार और गोला-बारूद/विस्फोटकों की बरामदगी और प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी करता है/इसमें अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सहायता करता है।

वर्ष	तंबाकू उत्पाद			शराब उत्पाद			ब्लॉक की गई आईआरसीटीसी यूजर आईडी की संख्या		
	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार व्यक्ति	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार व्यक्ति	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार व्यक्ति
2022-23	**260**	**7.4**	**118**	**2,183**	**2.8**	**1,439**	**176**	**64.5**	**213**

ट) **ऑपरेशन 'दुसरा'** - दूर-दराज के स्थानों पर रेल परिसरों और रेलगाड़ियों में अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा खाने-पीने की वस्तुओं की बिक्री द्वारा अनधिकृत विक्रय/फेरी लगाने की गतिविधि का खतरा बना रहता है। इससे यात्रियों को खाने में मिलावट और खाने की खराब गुणवत्ता का खतरा अधिक बना रहता है। यह मुहिम रेल परिसरों और रेलगाडियों में अनधिकृत फेरी लगाने और विक्रय के खतरे के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए शुरू की गई है।

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2022-23	**2,07,159**	**2,08,395**

ठ) **ऑपरेशन "नारकोस"** - स्वापक पदार्थ न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को नष्ट करते हैं, बल्कि वे अर्थव्यवस्था और राष्ट्र हित को भी नुकसान पहुंचाते हैं। 2019 से रेल सुरक्षा बल को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत तलाशी लेने, जब्त करने और गिरफ्तार करने की शक्ति भी प्रदान की गई है। रेल द्वारा स्वापक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान पर फोकसशुदा ध्यान देने के लिए, रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नारकोस शुरू किया है। वर्ष 2022-2023 के दौरान रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नारकोस के अंतर्गत ₹81 करोड़ मूल्य की अवैध वस्तुओं की बरामदगी के साथ 1,435 मामलों का पता लगाया है और 1,022 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ की बरामदगी

वर्ष	पता लगाए गए मामलों की संख्या	बरामद स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ का मूल्य (करोड़ ₹ में)	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2022-23	**1,435**	**81**	**1,022**

ङ) **ऑपरेशन 'डब्ल्यूआईएलईपी'** - वन्यजीवों, पशु अंगों और वानिकी उपज की तस्करी प्रकृति के विरुद्ध अपराध है। टीम रेल सुरक्षा बल इस मुद्दे के प्रति सजग है और ऑपरेशन डब्ल्यूआईएलईपी के अंतर्गत रेल द्वारा वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है।

वर्ष	पता लगाए गए मामलों की संख्या		गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
	जंतु समूह	वनस्पति	
2022-23	67	41	68

ऑपरेशन महिला सुरक्षा के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा का संवर्धन करने के लिए किए गए विशेष प्रयास:

- 'मेरी सहेली' पहल के अंतर्गत, जहां लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्री की पूरी यात्रा के दौरान अर्थात् प्रारंभिक स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक सुरक्षा पर फोकसशुदा ध्यान दिया गया है।
- क्षेत्रीय रेलों को यथासंभव अधिक सीमा तक रेलगाड़ी मार्गरक्षी दलों में पुरुष और महिला रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल कर्मियों की उपयुक्त संयुक्त संख्या तैनात करने के अनुदेश दिए गए हैं।
- महानगरों में चलने वाली महिला स्पेशल रेलगाड़ियों का महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा मार्गरक्षण किया जा रहा है। अन्य रेलगाड़ियों में, जिनमें मार्गरक्षण उपलब्ध कराया जाता है, रेलगाड़ी मार्गरक्षी दलों को अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों, मार्ग पर और ठहराव रेलवे स्टेशनों पर महिला सवारी डिब्बों की अतिरिक्त निगरानी करने के लिए कहा गया है।
- महिलाओं के लिए आरक्षित कूपों में पुरुष यात्रियों के प्रवेश के विरुद्ध अक्सर अभियान चलाए जाते हैं।

रेल अधिनियम की धारा 162 के अंतर्गत की गई कार्रवाई (महिलाओं के लिए आरक्षित रेलगाड़ी अथवा अन्य स्थान में प्रवेश करना)

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2022-23	61,703	68,051

सुरक्षित यात्रा को सुनिश्चित करने में रेसुब की भूमिका

सतर्कता

सतर्कता संगठन रेल प्रशासन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शिकायतों की जांच करता है, प्रबंधकीय निर्णयों के संबंध में नमूना जांच करता है, ताकि वस्तुनिष्ठता, पारदर्शिता और मौजूदा नियमों एवं पद्धतियों के अनुरूप उनके अनुपालन का निर्धारण किया जा सके।

सतर्कता कार्य-प्रणाली के चार पहलू हैं: (i) निवारक सतर्कता, (ii) सहभागी सतर्कता, (iii) दंडात्मक सतर्कता और (iv) अग्रसक्रिय सतर्कता।

निवारक सतर्कता

इसका उद्देश्य रेलवे अधिकारियों के एक व्यापक वर्ग में ज्ञान का प्रसार करना, निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी के उपयोग को उत्प्रेरित करते हुए अधिक पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता प्रदान करने हेतु प्रणाली के युक्तिकरण उपायों का सुझाव देना और भ्रष्टाचार शमन से संबंधित मुद्दों के बारे में जनता के बीच अधिक जागरूकता पैदा करना है।

इस दिशा में उठाए गए कुछ कदम इस प्रकार थे:

- 2022-23 में सभी रेलों में कुल 14,043 निवारक जांचें की गईं।
- 2022-23 में सभी बड़ी रेल इकाइयों ने परिपत्रण के लिए ई-पत्रिकाएं/बुलेटिन जारी किए। इन बुलेटिनों में विभिन्न विभागों से संबंधित घटना अध्ययन, करें और मत करें आदि शामिल हैं।
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 के दौरान व्यापक जन अभियान चलाने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किया गया।

सहभागी सतर्कता

(क) **24 घंटे सतर्कता हेल्पलाइन:** रेलवे की 24 घंटे सतर्कता हेल्पलाइन (हेल्पलाइन नंबर 139) इसके अलावा, सतर्कता अधिकारियों के ईमेल पते वेबसाइट पर पोस्ट किए गए हैं।

(ख) आम जनता को विभाग में उपलब्ध सुविधाओं और शिकायतों को दर्ज करने के अर्थोपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए हर साल अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवंबर के पहले सप्ताह के दौरान **सतर्कता जागरूकता सप्ताह** मनाया जाता है। वर्ष 2022 में 31 अक्टूबर और 6 नवंबर के बीच सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया था।

(ग) **परामर्श:** 2022 में सतर्कता द्वारा सामयिक मुद्दों पर 228 कार्यशालाएं/वेबिनार/संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न स्तरों और विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों, वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और अन्य रेल कर्मियों ने भाग लिया था; प्राथमिक फोकस नियमों, कार्यपद्धतियों और सर्वाधिक महत्वपूर्ण, उन कठिनाइयों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करना था, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

दंडात्मक सतर्कता

उन अधिकारियों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है जिनके विरुद्ध अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के दौरान सतर्कता जांच मामलों में अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई/अंतिम रूप दिया गया:

सतर्कता जांच मामले	2022-23
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई थी।	**2,892**
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप बड़ी शास्ति रोपित की गई।	**804**
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप छोटी शास्ति रोपित की गई।	**2,317**

अग्रसक्रिय सतर्कता

व्यापक जन संपर्क वाले क्षेत्रों (जैसे आरक्षण कार्यालय, टिकट बुकिंग काउंटर, सामान/पार्सल तथा माल बुकिंग कार्यालय, ऑन-बोर्ड यात्री रेलगाड़ियां इत्यादि), स्क्रैप के लेखांकन/निपटान में, मालडिब्बों तथा पार्सल वैन के लदान (मुख्यत: अतिभारण की घटनाओं का पता लगाने/नियंत्रित करने की दृष्टि से) आदि में औचक जांच की गईं। कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान, इन उपायों के परिणामस्वरूप ₹141.58 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की गई।

हिंदी का प्रयोग-प्रसार

राजभाषा प्रदर्शनी का दृश्य

राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 के उपबंधों के अनुसार, भारतीय रेल हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। 31 मार्च, 2023 के अंत तक अधिसूचित रेल कार्यालयों की कुल संख्या 3,637 है। इन रेल कार्यालयों में हिंदी में प्रवीण कर्मचारियों को राजभाषा नियमों के अंतर्गत विनिर्दिष्ट विषयों में शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करने के लिए निर्देश पहले ही दे दिए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे बोर्ड कार्यालय एवं क्षेत्रीय रेलों आदि के राजभाषा अधिकारियों द्वारा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति की निगरानी करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किए जाते हैं।

वर्ष 2022-23 में संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा कुल 71 निरीक्षण किए गए हैं तथा संसदीय समिति द्वारा निरीक्षणों के दौरान इन कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग की प्रशंसा की गई है। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड कार्यालय द्वारा हिंदी में गृह-पत्रिका 'रेल राजभाषा' भी प्रकाशित की जाती है। अभी तक इस पत्रिका के 132 अंक प्रकाशित किए जा चुके हैं जिनकी प्रतियां सभी रेल कार्यालयों को परिपत्रित की गई हैं। क्षेत्रीय रेलों/मंडलों आदि द्वारा भी उनके स्तर पर लगभग 156 हिंदी गृह-पत्रिकाएं प्रकाशित की जा रही हैं।

हिंदी टंकण, हिंदी आशुलिपि और हिंदी भाषा में प्रशिक्षण

गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों के अलावा, भारतीय रेल द्वारा भी हिंदी भाषा, हिंदी टंकण तथा हिंदी आशुलिपि में सेवाकालीन प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 के अंत तक प्रशिक्षित कर्मचारियों की स्थिति इस प्रकार है:-

गतिविधि	31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार
हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान/प्रवीण	8,79,262	**8,56,740**
हिंदी टंकण	7,672	**7,882**
हिंदी आशुलिपि	2,597	**3,005**

अन्य गतिविधियां

कंप्यूटर आदि जैसे द्विभाषी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदने की मौजूदा नीति का अनुपालन किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में भारतीय रेल के विभिन्न कार्यालयों में 71,863 द्विभाषी पर्सनल कंप्यूटर उपलब्ध हैं। रेलवे बोर्ड सहित सभी क्षेत्रीय रेलों की वेबसाइटें भी द्विभाषी हैं। रेल कार्यालयों में हिंदी में कार्य करने को बढ़ावा देने के लिए 967 संहिताएं/नियमावलियां और 6,653 स्टेशन संचालन नियम द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड सहित क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों आदि में 24,346 स्थानीय, सांविधिक और मानक फार्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं। इस समय भारतीय रेल में 986 हिंदी पुस्तकालय हैं जिनमें हिंदी की लगभग 17 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा अधिकांश पुस्तकालयों के नाम हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकारों के नाम पर रखे गए हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समितियां

हिंदी के प्रयोग की समीक्षा करने के लिए क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों आदि में कुल 979 राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गठित की गई हैं और इन समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड स्तर पर रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति भी गठित की गई है, जिसकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गई थीं।

राजभाषा पखवाड़ा

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्रालय एवं क्षेत्रीय रेलों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के उद्देश्य से, माननीय रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति गठित की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव देना है। दिनांक 05.05.2022 को माननीय रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति की 61वीं बैठक का आयोजन किया गया था, जिसमें हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों ने हिंदी के कार्यान्वयन व प्रसार के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

हिंदी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहन योजनाएं

रेल कर्मियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं। इनमें मुख्यत: कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक पुरस्कार योजना, रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक पुरस्कार योजना, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्रॉफी और अन्य चलायमान शील्ड पुरस्कार योजना, व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना, रेल मंत्री हिंदी निबंध पुरस्कार योजना, प्रेमचंद पुरस्कार योजना, मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार योजना, लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना, रेल यात्रा वृतांत पुरस्कार योजना, क्षेत्रीय रेलवे/अखिल भारतीय स्तर पर हिंदी निबंध, हिंदी सप्ताह तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता तथा अखिल रेल हिंदी नाटयोत्सव प्रतियोगिता शामिल हैं।

25 से 27 मई, 2022 तक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर, उत्तर पश्चिम रेलवे में अखिल भारतीय रेल हिंदी निबंध, हिंदी वाक् तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा 14 और 15 सितंबर, 2022 को सूरत में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष 2021-22 के दौरान राजभाषा नीति के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए रेल मंत्रालय को 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए 14 से 29 सितंबर, 2022 तक रेल मंत्रालय में 'हिंदी पखवाड़े' का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ माननीय गृह मंत्री जी एवं माननीय रेल मंत्री जी के संदेश वाचन से किया गया। इस अवधि के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी वाक् प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, अंताक्षरी प्रतियोगिता, राजभाषा संगोष्ठी, संगीत संध्या (रंगोली) का आयोजन किया गया। दिनांक 29.09.2022 को कविवर रामधारी सिंह दिनकर की जयंती का आयोजन किया गया और हिंदी पखवाड़े के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

दिनांक 21 नवंबर 2022 को रेल भवन के सम्मेलन कक्ष में 'कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इसके अलावा, 11 से 14 मार्च 2023 तक रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला में अखिल भारतीय रेल हिंदी नाट्योत्सव-2022 का भी आयोजन किया गया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र

गुवाहाटी स्टेशन पर सोलर पीवी माड्यूल्स

पूर्वोत्तर क्षेत्र में 8 राज्य अर्थात् असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम शामिल हैं जिन्हें पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल अवसंरचना का विकास रेल मंत्रालय का एक वरीयता-प्राप्त क्षेत्र है। सरकार प्रयास कर रही है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में रेल-संपर्क सुलभ कराया जाए और तत्पश्चात इसका इन राज्यों की राजधानियों तक विस्तार किया जाए। अब पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों में से 7 राज्यों में रेल-संपर्क मौजूद है। सिक्किम को नई रेल लाइन परियोजना सिवोक-रंगपो (44 किलोमीटर) के साथ जोड़ा जा रहा है।

इस समय, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अंशतः/पूर्णतः स्थित ₹81,941 करोड़ की लागत पर 1,909 किलोमीटर लंबाई की 19 रेल परियोजनाएं (14 नई लाइन और 5 दोहरीकरण) योजना बनाने/अनुमोदन/निष्पादन के चरणों में हैं।

इन परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति इस प्रकार है:-

नई लाइनें

1. न्यू माल-मयनागुड़ि रोड और न्यू चांगराबांधा-चांगराबांधा के आमान परिवर्तन के साथ न्यू मयनागुड़ि-जोगीघोपा नई लाइन

लंबाई	285 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹4,159 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹4,149 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹10 करोड़

स्थिति: यह पूरी परियोजना चालू कर दी गई है।

2. बइरबी-सैरंग

लंबाई	51 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹6,527 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹6,139 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹915 करोड़

स्थिति: कार्य शुरू किया गया है और दिसंबर 2024 तक पूरा किया जाने का लक्ष्य है।

3. अगरतला (भारत)-अखौरा (बांग्लादेश)

लंबाई	12.03 किलोमीटर (भारत में 5.46 किलोमीटर + बांग्लादेश में 6.57 किलोमीटर)
प्रत्याशित लागत	₹865 करोड़ (भारतीय हिस्सा)
31.03.2023 तक व्यय	₹746 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹200 करोड़

स्थिति: इस परियोजना पर कार्य शुरू किया गया है।

4. बर्णिहाट-शिलौंग

लंबाई	108 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹8,324 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹267 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹0.0001 करोड़

स्थितिः खासी स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) के विरोध के कारण मेघालय के हिस्से में भूमि अधिग्रहण रुका हुआ है।

5. दीमापुर (धनसिरी) - कोहिमा (जुब्जा)

लंबाई	82 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹6,663 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹2,210 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹1,100 करोड़

स्थितिः 16 किलोमीटर रेलखंड चालू कर दिया गया है और शेष लंबाई में कार्य शुरू किया गया है।

6. जीरीबाम-इम्फाल

लंबाई	111 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹14,323 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹13,530 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹800 करोड़

स्थितिः 55 किलोमीटर रेलखंड चालू कर दिया गया है और शेष लंबाई में कार्य शुरू किया गया है।

7. सिवोक-रंगपो

लंबाई	44 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹8,043 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹4,868 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹2,250 करोड़

स्थितिः इस परियोजना पर कार्य शुरू हो गया है।

8. तेतेलिया-बर्णिहाट

लंबाई	22 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹1,146 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹1,071 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹65 करोड़

स्थितिः तेतेलिया-कमलजरी रेलखंड (10 किलोमीटर) पूरा हो गया है और चालू कर दिया गया है। असम में शेष रेलखंड में कार्य शुरू किया गया है। मेघालय राज्य में कानून-व्यवस्था की समस्या के कारण कार्य रुका हुआ है।।

9. मरकोंगसेलेक-पासीघाट

लंबाई	27 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹984 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹347 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹400 करोड़

स्थितिः इस परियोजना पर कार्य शुरू हो गया है।

10. दीमापुर-तिजित

लंबाई	257 किलोमीटर
प्रत्याशित लागत	₹4,274 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹0.0001 करोड़

स्थिति: इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो जाने के अधीन बजट 2013-14 में शामिल किया गया है।

11. सलौना-खुमतई

लंबाई	99 किमी
प्रत्याशित लागत	₹6,542 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹0.0001 करोड़

स्थिति: कार्य को अपेक्षित अनुमोदनों के अध्यधीन बजट 2017-18 में शामिल किया गया है।

12. शिबसागर-जोरहाट

लंबाई	62 किमी
प्रत्याशित लागत	₹1,832 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹0.0001 करोड़

स्थिति: इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो जाने के अधीन 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है।

13. तेजपुर-सिलघाट

लंबाई	25 किमी
प्रत्याशित लागत	₹2,696 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹0.0001 करोड़

स्थिति: इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो जाने के अधीन 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है।

14. महिशासन (भारत) - जीरो पाइंट (बांग्लादेश)

लंबाई	3 किमी
प्रत्याशित लागत	₹39 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹7 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹10 करोड़

स्थिति: इस परियोजना को 2020-21 में स्वीकृत किया गया था। कार्य शुरू कर दिया गया है।

दोहरीकरण

1. न्यू बंगाई गांव-कामाख्या बरास्ता रंगिया

लंबाई	143 किमी
प्रत्याशित लागत	₹2,048 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹1,718 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹600 करोड़

स्थिति: 64 किलोमीटर रेलखंड का कार्य पूरा हो गया है। शेष रेलखण्ड में कार्य शुरू किया गया है।

2. न्यू बंगाई गांव-कामाख्या बरास्ता गोलपारा

लंबाई	176 किमी
प्रत्याशित लागत	₹4,060 करोड़
31.03.2023 तक व्यय	₹2,661 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹500 करोड़

स्थिति: 115 किलोमीटर रेलखंड पूरा हो गया है। शेष भाग में कार्य शुरू कर दिया गया है।

3. कामाख्या-गुवाहाटी के बीच तीसरी लाइन

लंबाई	5.74 किमी
प्रत्याशित लागत	₹395 करोड़
परिव्यय 2023-24	-

स्थिति: 27.04.2023 इस परियोजना को कामाख्या-न्यू गुवाहाटी चौहरीकरण के स्थान पर स्वीकृत किया गया है।

4. सरायघाट पुल (दोहरीकरण)

लंबाई	7 किमी
प्रत्याशित लागत	₹1,127 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹15 करोड़

स्थिति: इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो जाने के अधीन बजट 2017-18 के बजट में शामिल किया गया है।

5. लामडिंग-तिनसुकिया जंक्शन दोहरीकरण

लंबाई	381 किमी
प्रत्याशित लागत	₹2,166 करोड़
परिव्यय 2023-24	₹100 करोड़

स्थिति: इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त हो जाने के अधीन 2019-20 के बजट में शामिल किया गया है।

यात्री सेवा में सुधार

वर्ष 2022-23 के दौरान, पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14 नई रेलगाड़ियाँ (एकल) सेवाएं शुरू की गई और 14 रेलगाड़ियाँ (एकल) सेवाओं का विस्तार किया गया। इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र को सेवित करने वाली 02 रेलगाड़ियाँ (एकल) के फेरों में वृद्धि की गई।

कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली

पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 168 स्थानों पर कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों में कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली सुलभ है। उपरोक्त में से कुछ स्थान एकीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकट प्रणाली (पीआरएस-सह-यूटीएस) के साथ एकीकृत हैं।

जन-संपर्क

जनसंपर्क निदेशालय, रेलवे द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली विभिन्न नीतिगत पहलों, सेवाओं, रियायतों, परियोजनाओं, कार्यनिष्पादनों और विकासात्मक गतिविधियों की सूचना का प्रचार-प्रसार करने के लिए उत्तरदायी है। रेल उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए संरक्षा और सुरक्षा मानदंडों सहित रेल कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बारे में उन्हें शिक्षित करने हेतु प्रचार अभियान भी चलाए जाते हैं। जनसंपर्क विभाग के लिए प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया द्वारा रेल उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद करना एक सतत प्रक्रिया है।

वर्ष 2022-23 के दौरान (01.04.2022 से 31.03.2023 तक) रेलवे बोर्ड के जनसंपर्क निदेशालय ने भारतीय रेल की कारपोरेट और सोशल, दोनों प्रकार की छवि का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेल मंत्रालय के साथ-साथ क्षेत्रीय रेलों के सोशल मीडिया हैंडल की विभिन्न पोस्टों और ट्वीटों पर फॉलोअर्स और लाइक्स की संख्या में अत्याधिक वृद्धि देखी गई है। अब ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि जैसी सोशल मीडिया सेवाओं का उपयोग न केवल विभिन्न नीतिगत पहलों/यात्री सुविधाओं के बारे में सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है, अपितु यह एक रियल टाइम यात्री समस्या निवारण संबंधी माध्यम के रूप में भी कार्य कर रहा है। भारतीय रेल के सभी सोशल मीडिया हैंडल का फॉलोअर्स बेस अर्थात ट्विटर पर लगभग 19.39 लाख, फेसबुक पेज पर लगभग 9.28 लाख, यूट्यूब चैनल के लगभग 99.09 हजार सब्सक्राइबर्स और इंस्टाग्राम पर लगभग 1.32 लाख फॉलोअर्स हैं जो कि भारत सरकार के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मंत्रालयों में से एक है। एक आम आदमी (रेल उपयोगकर्ता या अन्यथा) रेल संबंधी शिकायत को आसानी से ट्विटर पर दर्ज कर सकता है और तत्पर निवारण प्राप्त कर सकता है। दिन-प्रतिदिन के आधार पर नई पहलों, नवोन्मेषों और रेलवे से संबंधित अन्य सूचना को दिखाने वाले छोटे वीडियो और अन्य रेल वृत्तचित्रों को यूट्यूब पर अपलोड किया जाता है। ऐसे सभी समारोहों/कार्यक्रमों का, जहां रेलवे नई रेलगाड़ियों/यात्री सुविधाओं का लोकार्पण करती है, यूट्यूब लाइव द्वारा प्रसारण किया जाता है, ताकि बड़े पैमाने पर आम जनता को रियल टाइम सूचना प्राप्त हो सके। कभी-कभी ऐसी पोस्टों की पहुंच 10 लाख से अधिक व्यक्तियों को भी पार कर जाती है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों ने स्वच्छता पखवाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, फिट इंडिया अभियान, संविधान दिवस के उत्सव हेतु जागरूकता अभियान जैसे विभिन्न विषयों पर अनेक प्रचार अभियान भी चलाए हैं। लगभग 25,202 प्रेस विज्ञप्तियां जारी की गईं; 1,652 संवाददाता सम्मेलन आयोजित किए गए; 18,917 प्रचार विवरणिकाएं प्रकाशित की गईं। भारतीय रेल द्वारा विभिन्न रेडियो/टीवी चैनलों पर लगभग 14,059 रेडियो/टीवी स्पॉट का निर्माण और प्रसारण किया गया। रेलवे बोर्ड के जन-संपर्क निदेशालय के साथ-साथ रेलों द्वारा उनके क्षेत्र में नई सुविधाओं/पहलों/नई राष्ट्रीय परियोजनाओं की शुरूआत के कारण रेल उपयोगकर्ताओं को उपचित होने वाले लाभों को विशिष्ट रूप से दर्शाने के लिए लगभग 60 संवाददाता दौरों का आयोजन किया गया। भारतीय रेल ने देश भर में 147 प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

रेल मंत्रालय के जनसंपर्क निदेशालय द्वारा अपनी मासिक पत्रिकाओं अर्थात अंग्रेजी में 'इंडियन रेलवेज' और हिंदी में 'भारतीय रेल' का प्रकाशन किया जा रहा है ताकि भारत में रेलों और रेल उपयोगकर्ताओं के बीच कारगर कड़ी सुलभ कराई जा सके। दोनों पत्रिकाओं के वार्षिक विशेषांक भी प्रकाशित किए गए थे। उपयोगकर्ता अब आईआरसीटीसी पोर्टल द्वारा इन दोनों पत्रिकाओं संबंधी सदस्यता शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं और इन पत्रिकाओं का ई-संस्करण भी भारतीय रेल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वाणिज्यिक विज्ञापन

भारतीय रेल द्वारा उपलब्ध परिसंपत्तियों का उपयोग करके रेल परिसंपत्तियों पर वाणिज्यिक प्रचार करने की अनुमति दी जाती है जैसे चल परिसंपत्तियों पर विनाइल रैपिंग; डिजिटल विज्ञापन; ऑडियो और वीडियो डिस्प्ले द्वारा कन्टेंट ऑन डिमांड; रेलवे स्टेशन परिसरों में, परिचलन क्षेत्रों में, रोड ओवर ब्रिज पर, रोड अंडर ब्रिज पर, रेल फाटकों पर, रेलवे कॉलोनियों में, रेल कारखानों में, रेल उत्पादन इकाइयों में, रेलपथ के आस-पास की भूमि पर होर्डिंगों द्वारा विज्ञापनों का प्रदर्शन और नवोन्मेषी विचारों/ प्रत्ययों/थीमों/योजनाओं को अनुमति देना। वाणिज्यिक प्रचार हेतु पीआरएस/यूटीएस टिकटों और आरक्षण चार्टों/फॉर्मों का भी उपयोग किया जाता है।

दार्जिलिंग, पूर्वोत्तर सीमा रेल में चाय, रेलगाड़ी एवं पर्यटन

उपक्रम तथा अन्य संगठन

मोजांबिक को निर्यात किया जा रहा एक केप गेज डेमू सेट

रेल मंत्रालय के अंतर्गत 14 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अन्य संगठन कार्य कर रहे हैं, जो इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	नाम	नियमित/शुरू किए जाने का वर्ष	मुख्य कार्यक्षेत्र
1.	राइट्स	1974	भारत में और भारत से बाहर रेल और अन्य क्षेत्रों/उद्योगों से संबंधित सभी प्रकार और विवरणों की परियोजनाओं/प्रणालियों के विकास के लिए इंजीनियरी, तकनीकी एवं परामर्श सेवाएं डिजाइन करना, स्थापित करना, उपलब्ध कराना, परिचालन करना, अनुरक्षण और निष्पादन करना।
2.	इरकॉन	1976	भारत और विदेश में रेल, पुलों, सड़कों, राजमार्गों, औद्योगिक और आवासीय परिसरों, विमानपत्तनों आदि जैसे अवसंरचना के विभिन्न क्षेत्रों में टर्नकी आधार पर अथवा अन्यथा निर्माण कार्यकलाप करना।
3.	क्रिस	1986	क्रिस भारतीय रेल का सूचना प्रौद्योगिकी संगठन है। यह भारतीय रेल के सभी विभागों के लिए केन्द्रीकृत सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन तथा अनुरक्षण करता है।
4.	आईआरएफसी	1986	भारतीय रेल के योजना परिव्यय का आंशिक वित्तपोषण करने के लिए बाजार से धन जुटाना।
5.	कॉनकोर	1988	भारत के अंतर्राष्ट्रीय और देशीय कंटेनर कार्गो और व्यापार के लिए मल्टी-मोडाल संभार-तंत्र आधार विकसित करना।
6.	केआरसीएल	1990	रेल लाइनों का निर्माण और परिचालन करना, रोड ओवर ब्रिज और रेल लाइन परियोजनाओं का निर्माण करना।
7.	आरसीआईएल (रेलटेल)	2000	राष्ट्रव्यापी ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित ब्रॉडबैंड दूरसंचार और मल्टीमीडिया नेटवर्क का निर्माण करने के लिए भारतीय रेल के पास उपलब्ध अधिशेष दूरसंचार क्षमता एवं मार्गाधिकार का उपयोग करना।
8.	आईआरसीटीसी	2001	रेलवे की खान-पान और पर्यटन गतिविधियों का निर्वहन करना। साथ ही, अपनी वेबसाइट द्वारा इंटरनेट टिकट की सुविधा साध्य बनाता है।
9.	केएमआरसीएल	2008	युगल शहरों कोलकाता और हावड़ा को जोड़ने वाले साल्ट लेक से एस्प्लेनेड तक ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर को क्रियान्वित करना।
10.	आरवीएनएल	2003	रेल अवसंरचना क्षमता का निर्माण और संवर्धन करना। मुख्यत: बहुपक्षीय/द्विपक्षीय वित्तपोषण एजेंसियों के माध्यम से और परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए देशीय बाजार से भी संसाधनों को जुटाना।
11.	आरएलडीए	2005	भारतीय रेल के लिए गैर-दर सूची उपायों द्वारा राजस्व जुटाने के प्रयोजनार्थ से वाणिज्यिक उपयोग हेतु खाली रेल भूमि का विकास करना।
12.	डीएफसीसीआईएल	2006	गलियारों पर मालगाड़ियों के संचलन के लिए समर्पित रेल माल यातायात गलियारों की योजना बनाना और निर्माण करना।
13.	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	1999	मुंबई महानगर क्षेत्र में रेल परियोजनाओं की योजना बनाना और क्रियान्वयन करना।
14.	बीसीएल	1976 (रेल मंत्रालय में 2010 से)	मालडिब्बों का निर्माण, संरचनात्मक विरचन कार्य और विनिर्माण, ईओटी क्रेन का रिट्रोफिटमेंट।

लमडिंग, असम में डेमू/मेमू शेड का निर्माण

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज लिमिटेड (राइट्स)

राइट्स लिमिटेड ने, जो रेल मंत्रालय के अधीन नवरत्न केंद्रीय लोक क्षेत्र उद्यम है, एक ऐसे पथ का अनुसरण किया है जिसने भारत की विकास गाथा में अद्वितीय सक्रिय सहायता की है। वर्ष 1974 में अपनी स्थापना के बाद से राइट्स ने, जो एक बहुविभागीय परामर्शदात्री संगठन है, दूरदृष्टि और धुति के साथ चुनौतियों का सामना किया है। भविष्य-उद्यत संगठन, राइट्स भारत और विदेश में परिवहन अवसंरचना क्षेत्र में अनुकूलित, विविध, व्यापक और प्रत्यय-से-प्रवर्तन-तक सेवाएं और एकीकृत समाधान उपलब्ध करा रहा है।

राइट्स की रेलवे, राजमार्गों, विमानपत्तनों, पत्तनों, रज्जु-मार्गों, मेट्रो रेलगाड़ियों, पुलों और सुरंगों, शहरी इंजीनियरी और सतत-संपोषयता, हरित गतिशीलता, अंतर्देशीय जलमार्गों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भौगोलिक पहुंच और परामर्शदात्री सेवाओं के मामले-में अद्वितीय स्थिति है। परिष्कृत सॉफ्टवेयर (डिजाइनों के लिए सहित) और आधुनिक उपस्कर से सुसज्जित, राइट्स राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन/प्रमाणन रखने वाली आंतरिक सामग्री-परीक्षण प्रयोगशालाओं के साथ एक अद्वितीय निरीक्षण संगठन भी है। स्वतंत्र संरक्षा मूल्यांकक प्रमाणपत्र के साथ, राइट्स भारत में यह प्रमाणन रखने वाली दूसरी कंपनी बन गया है।

राइट्स ने एशिया, अफ्रीका, लातिन अमरीका, दक्षिण अमरीका और मध्य पूर्व क्षेत्र में सर्वत्र 55 से अधिक देशों में ग्राहकों को सेवा प्रदान की है।

वित्त वर्ष 2023 राइट्स के लिए एक अन्य निर्णायक वर्ष था। अच्छे विविधीकृत व्यवसाय मॉडल के साथ, कंपनी ने स्फूर्ति और अनुकूलनशीलता का प्रदर्शन किया है, जिसके फलस्वरूप इसने निर्यात की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद परामर्श क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्यनिष्पादन दर्ज किया है।

अंतर्राष्ट्रीय परामर्श सहित अभी तक सर्वाधिक परामर्श के साथ, राइट्स ने वित्त वर्ष 2023 में ₹2,639 करोड़ की कुल आय दर्ज की, जबकि पिछले वर्ष यह ₹2,661 करोड़ थी। इस वर्ष के लिए करोपरांत लाभ ₹531 करोड़ था, जबकि पिछले वर्ष यह ₹497 करोड़ था। इसने गत वर्ष में ₹2,575 करोड़ की तुलना में ₹2,520 करोड़ का परिचालनिक कारोबार अर्जित किया। यह राजस्व, निर्यात को छोड़कर सभी क्षेत्रों में वृद्धि के कारण प्राप्त किया गया है। निवल संपत्ति ₹2,399 करोड़ से बढ़कर ₹2,503 करोड़ हो गई है और राइट्स ऋण-मुक्त बना रहा है। साथ ही, वित्त वर्ष 2023 में कंपनी ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों के प्रति ₹14.10 करोड़ का व्यय किया है।

ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए लगातार संतोषजनक कार्यनिष्पादन और व्यापार विकास हेतु प्रयास, वित्त वर्ष 2023 के अंत में ₹5,769 करोड़ के बही क्रयादेशों में परिणत हुए हैं, जिनमें से ₹3,080 करोड़ के क्रयादेश केवल वित्त वर्ष 2023 में ही प्राप्त किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 कार्यनिष्पादन

वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल से सितंबर) में राइट्स का अन्य आय को छोड़कर परिचालनिक राजस्व (समेकित) ₹1,127 करोड़ था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की तदनुरूपी अवधि में यह ₹1,264 करोड़ था। कुल राजस्व ₹1,171 करोड़ था, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तदनुरूपी अवधि में यह ₹1,321 करोड़ था। कर पूर्व आय, कर, मून्यह्रास और ऋणपरिशोध तथा करोपरांत लाभ पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तदनुरूपी अवधि में ₹361 करोड़ और ₹285 करोड़ की तुलना में क्रमश: ₹301 करोड़ और ₹230 करोड़ है।

चुनिंदा परियोजनाएं (वित्त वर्ष 2022-23)

- सीएमएफ, मोजाम्बिक को 1 रेलइंजन, 4 डेमू ट्रेनसेट और 25 सवारीडिब्बों की आपूर्ति
- गोट्टी-धर्मावरम के रेल दोहरीकरण कार्यों को पूरा करना
- लामडिंग, असम में डेमू/मेमू शेड का निर्माण
- मावली-बड़ी सादड़ी रेल विद्युतीकरण कार्य
- कई स्थानों पर रेल साइडिंग के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्श
- आबू रोड और तरंगा हिल के बीच सुरंगों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
- अयोध्या और वाराणसी रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास
- मॉरीशस मेट्रो चरण-III परियोजना के लिए परामर्श
- बेंगलूरु मेट्रो के लिए डिपो निर्माण कार्य
- अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना चरण-II के लिए परामर्श
- कर्नाटक में शिवमोगा हवाई अड्डे के लिए परामर्श सेवाएँ
- जल जीवन अभियान के तहत कार्यों का तृतीय पक्ष निरीक्षण

राइट्स लिमिटेड

हरित स्पर्श

- 'हरियाली में कायाकल्प', राइट्स ने अवसंरचना और हरित समाधानों के एकीकरण पर बल देने, हरियाली की वृद्धि में तेजी लाने और भविष्य के परिवहन के अनुकूल स्मार्ट समाधान उपलब्ध कराने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है। सतत-संपोषित परामर्श के लिए अपनी परिदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए, एक समर्पित सतत-संपोषणीयता इकाई बनाई गई और अल्प अवधि में ही, इसे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु परियोजना और स्वच्छ भारत मिशन आदि के क्षेत्रों में क्रयादेश मिलने शुरू हो गए हैं।
- राइट्स की सहायक कंपनी आरईएमसी लिमिटेड बिजली प्रबंधन और उत्पादन का कार्य करती है और इसे नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा-कुशलता परियोजनाओं का प्रबंधन करने के साथ-साथ भारतीय रेल के लिए ओपन एक्सेस के अंतर्गत संपूर्ण बिजली अधिप्राप्ति का प्रबंधन करने का अध्यादेश दिया गया है।

पुरस्कार और सम्मान

राइट्स को कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस-2023 में टाइम्स एसेंट द्वारा **ड्रीम कंपनीज टू वर्क फॉर (इन्फ्रास्ट्रक्चर)।**
- **वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई पुरस्कार** 2021-22 (सिल्वर शील्ड)
- डिप्लोमैटिक नाइट-2022 में **'बेस्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी फर्म' का पुरस्कार**
- द्वितीय अर्बन इंफ्रा बिजनेस समिट एंड अवार्ड्स में **'मोस्ट एडमायर्ड कंसल्टेंसी फॉर रेल एंड मेट्रो सेक्टर्स'** अवार्ड (पीएमसी और कंसल्टेंसी कैटेगरी)

बेहाला/कोलकाता में बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम

- 'बेस्ट प्रेजेंटिड ऐन्युअल रिपोर्ट अवाड्र्स, इंटीग्रेटिड रिपोर्टिंग अवाड्र्स एवं सार्क एनीवर्सिरी अवाड्र्स फॉर कार्पोरेट गर्वनेंस डिस्कलोजर्स 2021' समारोह में **साफा गोल्ड अवार्ड फॉर बेस्ट प्रेजेंटिड ऐन्युअल रिपोर्ट (इंफ्रा एंड कंस्ट्रक्शन कैटेगरी)**

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन)

28 अप्रैल 1976 को इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम), जिसे पूर्व में औपचारिक रूप से भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, का निगमन मुख्यत: भारतीय रेल की विशेषज्ञता के साथ भारत और विदेश में रेल अवसंरचना के निर्माण एवं विकास के प्रयोजन से किया गया था।

47 वर्षों के अपने संचालन के दौरान, कंपनी ने राजमार्गों, सुरंगों, पुलों, फ्लाईओवर, रोड ओवर ब्रिज, विमानपत्तन हैंगर और विमान पट्टी, मेट्रो रेल और इमारतों (औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय परिसरों), बिजली उच्च वोल्टता संप्रेषण लाइन और ग्रिड उप-स्टेशनों, औद्योगिक विद्युतीकरण, सिगनल-प्रणाली और दूरसंचार प्रणालियां आदि जैसे अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार किया है और सबसे महत्वपूर्ण सामर्थ्य विकसित किया है। विदेश में परियोजनाओं से व्यापार के इसके बड़े हिस्से को देखते हुए, 17 अक्टूबर 1995 से इसका नाम बदलकर 'इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड' कर दिया गया था।

अभी तक इरकॉन भारत में 401 से अधिक अवसंरचना परियोजनाएं और विश्व भर में 25 से अधिक देशों में 128 परियोजनाएं पूरी कर चुका है।

इरकॉन अनेक एशियाई और अफ्रीकी देशों में अवसंरचना के विकास में सक्रियतापूर्वक व्यस्त है। इरकॉन के अनुभव के साथ युग्मित इसकी विशेषज्ञता ने मलेशिया में 1 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक मूल्य की विशालकाय परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा और प्रवर्तन करने में सहायता की है, जो किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में पूरी की गई अभी तक की सबसे बड़ी परिवहन परियोजना है। इसके अलावा, इरकॉन श्रीलंका, बांग्लादेश, अल्जीरिया और नेपाल में रेल परियोजनाओं का निष्पादन कर रहा है। वर्ष 2021-22 में इरकॉन ने इंजीनियरी, प्रापण, निर्माण विधि से म्यांमार में कलादान मल्टी मोडाल पारवहन परिवहन परियोजना के अंतर्गत पलेतवा (म्यांमार) से जोरिनपुरी (मिजोरम) तक सड़क निर्माण के लिए एक सामरिक सड़क परियोजना हासिल की है।

साझा भूमि सीमाओं के साथ करीबी पड़ोसियों के रूप में, भारत का नेपाल और बांग्लादेश के साथ मित्रता और सहयोग का एक अनूठा रिश्ता है। द्विपक्षीय संबंधों को नई बुलंदियों पर पहुंचाते हुए, इरकॉन नेपाल और बांग्लादेश के लिए रेल संपर्क परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा है। ये परियोजनाएं अखौरा (बांग्लादेश)-अगरतला (भारत) रेल कड़ी के डिजाइन और निर्माण के साथ-साथ जोगबनी (भारत) और बिराटनगर (नेपाल) एवं जयनगर (भारत) और बर्दीबास (नेपाल) के बीच बड़ी लाइन की नई रेल लाइनें हैं।

भारत में इरकॉन ने विभिन्न प्रतिष्ठित परियोजनाएं शुरू की हैं जो वैश्विक अवसंरचना मानचित्र पर देश के उत्थान का प्रतीक हैं। कंपनी जम्मू और कश्मीर में सबसे बड़ी रेल निर्माण परियोजना में शामिल है। इरकॉन सिक्किम के लिए रेल संपर्क सुलभ कराने हेतु सिक्किम में रंगपो से उत्तरी बंगाल के सिवोक तक नई बड़ी लाइन का निर्माण भी कर रहा है।

वित्त वर्ष 2022-23 में उपलब्धियाँ

समग्र रूप से

जयनगर बर्दीबास रेल लिंक परियोजना

- **वर्ष 2022-23 में इरकॉन ने निम्नलिखित परियोजनाएं हासिल की हैं:**
  - चरण-III अर्थात् "तालचेर में आशोधित मार्ग (अर्थात महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के अनंता और भरतपुर ओपर कास्ट प्रोजेक्ट के खोदे गए कोयला-विमुक्त क्षेत्र के रास्ते से) पर जगन्नाथ क्षेत्र, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के अनंता ओपन कास्ट प्रोजेक्ट हेतु प्रस्तावित 02 अदद द्रुत लदान स्टेशन (20 मिलियन टन वर्ष) के लिए रेल अवसंरचना का विकास" हेतु विस्तृत इंजीनियरी एवं परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाएँ।
  - गारे पेल्मा सेक्टर-III कोयला खान की खदान पट्टा सीमा से सटे रेलवे स्टेशन के साथ-साथ रेल साइडिंग की स्थापना।
  - भारतीय ऋण सहायता के अंतर्गत महो जंक्शन (सहित) से अनुराधापुरा (छोड़कर) तक सिगनल-प्रणाली और दूरसंचार प्रणाली के डिजाइन, संस्थापना, परीक्षण, प्रवर्तन और प्रमाणन की प्राप्ति।
  - केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में नई औद्योगिक संपदा के विकास के लिए केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम की नियुक्ति।
- **वर्ष 2022-23 में इरकॉन ने निम्नलिखित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है:**
  - संकरित वार्षिक-वृत्ति विधि (चरण I-ए पैकेज II) में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-VI के अंतर्गत गुजरात राज्य में किलोमीटर 323.000 से 355.00 (वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे का सानपा से पद्रा खंड) तक आठ लेन वडोदरा किम द्रुतमार्ग का निर्माण।
  - पूर्व मध्य रेल - विद्युतीकरण परियोजना सहित हाजीपुर-बछवारा के बीच दोहरीकरण (72 किलोमीटर), जिसमें सभी रेलवे स्टेशनों की सभी सेवा और आवासीय इमारतें, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्लेटफॉर्म, सबवे, सायबान तथा विद्युत, सिगनल व दूरसंचार कार्यों एवं अन्य कार्यों सहित अन्य संबद्ध संरचनाओं की योजना, डिजाइन और निर्माण शामिल है।

वित्त वर्ष 2022-23 में चालू परियोजनाओं की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

1. जयनगर (भारत) बिजलपुरा (नेपाल) परियोजना में जयनगर (किलोमीटर 0.00) से कुर्था (किलोमीटर 34.90) तक सीमा पार रेलखंड का उद्घाटन किया गया।
2. 30 मई 2022 को बेहाला में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले पूर्णतः वातानुकूलित बहुउद्देश्यीय इनडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया गया।
3. वर्ष के दौरान यूएसबीआरएल परियोजना में इस परियोजना की सबसे लंबी सुरंग (टी49-12.76 किलोमीटर लंबी) सहित दो मुख्य सुरंग और तीन निकास सुरंग के भेदन का मील-पत्थर हासिल किया।
4. सिवोक रंगपो नई लाइन परियोजना में, दिनांक 18.06.2022 को सुरंग टी-5 के दूसरे भेदन, दिनांक 19.10.2022 को सुरंग टी-9 के तीसरे भेदन, दिनांक 23.11.2022 को सुरंग टी-2 (896 मीटर) के चौथे भेदन, दिनांक 24.12.2022 को सुरंग टी-12 (1404 मीटर) के पांचवे भेदन, दिनांक 23.01.2023 को सुरंग टी-11 (3232 मीटर) तथा 19 फरवरी 2023 को इस परियोजना की सबसे लंबी आदित सुरंग अर्थात सुरंग टी-10 के आदित-1 (1144 मीटर) के छठे भेदन का मील-पत्थर हासिल किया।

पीर पंजाल सुरंग, जम्मू एवं कश्मीर

5. वर्ष के दौरान कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना में चार ब्लॉक रेलखंडों का प्रवर्तन किया गया।

   i. सरायग्राम से गजराबहरा (10.7 किलोमीटर)।

   ii. गजराबहरा से देवराग्राम (10.4 किलोमीटर)।

   iii. खन्नाबंजारी से महरोई रेलखंड (11.9 किलोमीटर) और

   iv. निवास रोड से सरायग्राम रेलखंड (28.7 किलोमीटर)।

6. दिनांक 28.09.2022 को हाजीपुर बछवाड़ा दोहरीकरण परियोजना के अक्षयवटराय नगर-सहदेई बुजुर्ग (14.5 किलोमीटर) का सीआरएस निरीक्षण किया गया था और 80 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति से यात्री और मालगाड़ियों को चलाने के लिए इस रेलखंड को खोलने की अनुमति दी गई थी। इस रेलखंड के प्रवर्तन के साथ, बछवाड़ा यार्ड के ढांचे में परिवर्तन सहित पूरे हाजीपुर-बछवाड़ा के दोहरीकरण की अति महत्वपूर्ण परियोजना का प्रवर्तन कर दिया गया है।

7. दिनांक 02.09.2022 को किऊल-गया दोहरीकरण परियोजना में, वजीरगंज-तिलैया रेलखंड (18.01 किलोमीटर) का सीआरएस निरीक्षण किया गया था और इस रेलखंड का 100 किलोमीटर प्रति घंटे की अनुमेय गति पर प्रवर्तन किया गया था।

8. दिनांक 21.02.2023 को किऊल-गया दोहरीकरण परियोजना में संपूर्ण लखीसराय-शेखपुरा रेलखंड (25.32 किलोमीटर) का 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के साथ प्रवर्तन किया गया था।

सम्मान

- इंजीनियरिंग न्यूज रिकॉर्ड, यूएसए द्वारा शीर्ष 250 अंतर्राष्ट्रीय ठेकेदारों और शीर्ष 250 वैश्विक ठेकेदारों में स्थान दिया गया। फॉर्च्यून इंडिया पत्रिका में शीर्ष 500 भारतीय कंपनियों में भी स्थान दिया गया।

- दीर्घावधि और अल्पावधि गैर-निधि आधारित ऋणों के लिए एएए/ए1+ की इसकी केयर क्रेडिट रेटिंग के साथ सुदृढ़ लाभप्रदता मार्जिन और नकदी की आरामदेह स्थिति। अपनी स्थापना के बाद से लगातार लाभ अर्जित करने वाली कंपनी।

- पिछले दो वर्षों में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बीच राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कारों में कार्पोरेट सामाजिक दायित्व प्रतिबद्धता श्रेणी में गवर्नेंस नाउ 8वां पीएसयू पुरस्कार शामिल हैं।

- (श्रेणी: इनोवेशन सोशल मीडिया आउटरीच), सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बीच राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कारों (श्रेणी: जियो-स्ट्रेटीजिक पहुंच को बढ़ाना), निर्माण संरक्षा के लिए ग्रीनटेक फाउंडेशन संरक्षा पुरस्कार, पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार, ईएनआर-कंस्ट्रक्शन वर्ल्ड ग्लोबल अवार्ड और डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू एंड गवर्नमेंट समिट-आत्मनिर्भर भारत पहल कदमियां।

वित्तीय कार्यनिष्पादन

वर्ष 2022-23 में कंपनी ने कुल ₹10,262 करोड़ की आय दर्ज की है। कंपनी द्वारा प्राप्त कर पूर्व लाभ ₹883 करोड़ है और करोपरांत लाभ ₹777 करोड़ है। कंपनी की निवल संपत्ति ₹5178 करोड़ है।

रेल सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस)

बेहाला/कोलकाता में बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम

रेल सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस) रेल मंत्रालय का एक स्वायत्त संगठन है जिसका प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में है और क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, सिकंदराबाद और चेन्नै में हैं। यह कारगिल से कन्याकुमारी तक, और तवांग से पोर्ट ब्लेयर तक देश भर में फैले हुए टर्मिनलों और कांउटरों के साथ भारतीय रेल की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों का विकास और प्रबंधन करता है। समृद्ध व्यावहारिक अनुभव रखने वाले सूचना प्रौद्योगिकी व्यवसाइयों के दल के साथ, क्रिस ने स्वयं को भारतीय रेल के डिजिटल कायापलट के नायक के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

क्रिस रेल कार्यप्रणाली के सभी क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का विकास और प्रबंधन कर रहा है, और भारतीय रेल के लिए एक एकीकृत सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म सुलभ कराने के लिए इन अनुप्रयोगों को इंटरफेस द्वारा जोड़ने पर फोकस कर रहा है। वर्ष 2022-23 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023) के दौरान क्रिस द्वारा किए गए कार्यकलापों और प्रगतियों का विवरण नीचे दिया गया है-

1. यात्री व्यवसाय

भारतीय रेल हेतु परिष्कृत ई-टिकटिंग प्रणाली - एंड्रॉइड आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट संस्करण 4.2.2 और 4.2.3, दोनों को 31 मार्च 2023 को सुलभ कराया गया था। इसी प्रकार, आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट के रेल सारथी संस्करण के लिए, उसी दिन संस्करण 5.2.2 और 5.2.3 का भी गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से लोकार्पण किया गया था। विभिन्न परिष्करणों को शामिल करने वाले एक एंड्रॉइड मोबाइल ऐप अपडेट निष्पादित किया गया था। सर्वप्रथम, अब हिंदी भाषा क्षमता को समाविष्ट करते हुए आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप को अपग्रेड मिला था। इसके अतिरिक्त, पुश नोटिफिकेशन के लिए उपयोग किए जाने वाले मोमैजिक एसडीके को भी अपग्रेड किया गया था। इसके अलावा, नेट बैंकिंग के साथ संगति दर्शाने के लिए आईपे पेमेंट प्रोवाइडर का लोगो अपडेट किया गया था। इस अपडेट की एक उल्लेखनीय विशेषता ई-वॉलेट पंजीकरण विकल्प को सक्रियण था। उपयोगकर्ताओं को ऐप के अंदर ई-वॉलेट का पंजीकरण करने की सुविधा सुलभ कराई गई थी। 20 फरवरी 2023 को एप्पल ऐप स्टोर पर एक आईओएस आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट संस्करण 3.1.32 जारी किया गया था। सुधार के लिए, आस्कदिशा चैटबॉट यूआरएल को अपडेट किया गया था, और मोबाइल ऐप में सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ बनाने के लिए अकामाई पीओसी के अंतर्गत वेब सेवाओं की श्रृंखला का विस्तार किया गया था।

एकीकृत कम्प्यूटरीकृत आरक्षण और टिकटिंग प्रणाली (कॉन्सर्ट) - जन शताब्दी रेलगाड़ियों के लिए सामान्य कोटे में पास/पीटीओ बुकिंग अनुमेय करने के लिए प्रणाली को आशोधित किया गया था।

कॉन्सर्ट चरण 1 और 2 का आधुनिकीकरण (एमओसी1 और एमओसी2) - टिकट रद्दकरण की स्थिति को शामिल करने के लिए पीएनआर खोज रिपोर्ट को आशोधित किया गया था और स्थिति-वार यात्री रिपोर्टों के लिए सतर्कता श्रेणी के अंतर्गत एक नई रिपोर्ट जोड़ी गई थी। ये रिपोर्टें अब प्राइम्स (यात्री आरक्षण सूचना प्रबंधन संवर्धित प्रणाली) पर सुलभ हैं, जिनमें भविष्य के डेटा के लिए निगरानी रिपोर्टों में 'जब्त पीएनआर' के साथ-साथ विशेष रिपोर्टों के अंतर्गत 'रद्दकरण से स्थिति-वार राजस्व' और 'कार्यभार विश्लेषण रिपोर्ट' शामिल हैं। कॉन्सर्ट का आधुनिकीकरण चरण-2 - दिव्यांगजन एप्लिकेशन लॉन्च किया गया। कोर मॉड्यूल में विभिन्न व्यावसाय नियम क्रियान्वित किए गए, जिनमें सामान्य बुकिंग में पीएनआर सर्विस कॉल के साथ-साथ ही छात्र रियायत, विदेशी पर्यटक आरक्षण, डुप्लिकेट टिकट जारी करना, प्रतीक्षा-सूची से कोटा आरक्षण, पहले से खरीदी गई बुकिंग और विभिन्न टीडीआरसी में कोटा आरक्षण शामिल हैं।

भारतीय रेल में चल टिकट परीक्षकों के लिए हैंड-हेल्ड टर्मिनलों का विस्तार - कुल 10,000 हैंड-हेल्ड टर्मिनल उपकरणों का उनके सहायक उपकरणों के साथ प्रापण किया गया और तत्पश्चात् क्षेत्रीय रेलों के बीच वितरण किया गया। सेन्ट्रल साइट को, जो सभी 10,000 हैंड-हेल्ड टर्मिनल

उपकरणों को शामिल करती है, क्रिस क्लाउड प्लेटफॉर्म पर सफलतापूर्वक संस्थापित किया गया और समनुरूप बनाया गया। क्षेत्रीय रेलों की सिफारिशों के अनुरूप टिकट जांच कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए।

रेल मदद, शिकायत प्रबंधन प्रणाली – यात्रियों, माल और पार्सल ग्राहकों के लिए पूछताछ, सहायता और शिकायत सेवाओं के लिए एक इकहरा पोर्टल। 12 भाषाओं में सरल उपयोग इंटरफेस, जो 9 चैनलों (रेल मदद मोबाइल ऐप, वेब ब्राउजर, ईमेल, 139 अंत:संवादात्मक ध्वनि प्रत्युत्तर प्रणाली, उमंग ऐप, सोशल मीडिया, सीपीग्राम्स, सरफेस मेल और 112 आपातकालीन हेल्पलाइन) के माध्यम से सुलभ है, शिकायतों/सुझावों को सही प्राधिकारी तक भेजता है तथा समयबद्ध सेवा सुलभ कराने के लिए ऑटो-एस्केलेशन का उपयोग करता है।

उमंग (यूनिफाइड मोबाइल ऐप्लिकेशन फॉर न्यू ऐज गवर्नेंस) एकीकरण – भारतीय रेल के एपीआई गेटवे के जरिये एपीआई आधारित एकीकरण द्वारा भारत सरकार के उमंग ऐप में भारतीय रेल की सेवाएं जैसे उपलब्धता और किराया पूछताछ, पीएनआर स्थिति, रेलगाड़ी की समय-सारणी और चालन स्थिति, माल और पार्सल दरें और परेषण की स्थिति, तथा रेल मदद सेवाएं सुलभ कराई गई हैं। हाल ही में, उमंग के जरिए सीजन टिकट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूएम01) – अनारक्षित टिकट प्रणाली, स्वचल टिकट विक्रय मशीनों और मोबाइल ऐप के माध्यम से पुद्दुच्चेरी केंद्र-शासित क्षेत्र में स्थानों के लिए तमिल या मलयालम क्षेत्रीय भाषा में टिकट छापने की व्यवस्था सुलभ है। प्राइम्स पोर्टल पर मोबाइल नंबरों के आधार पर लेनदेन के सारांश ऑनलाइन सुलभ कराए गए थे, जिनमें 30 दिन की अवधि के अंदर मोबाइल द्वारा किए गए लेनदेनों का विवरण होता है। वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के दौरान, संवर्धित यात्री सीमा के साथ अनारक्षित टिकट प्रणाली टिकट सुलभ कराए गए थे। अन्य कोचिंग आय रिपोर्ट ईदृष्टि पोर्टल पर सुलभ कराई गई थी। नया भुगतान विकल्प, जैसे स्वचल टिकट विक्रय मशीन/नकदी/सिक्का एवं स्मार्ट कॉर्ड चालित टिकट विक्रय मशीन में एसबीआई क्यूआर कोड शुरू किया गया है। 30 सितंबर 2022 को वंदे भारत रेलगाड़ी के उद्घाटन चालन के लिए अनारक्षित टिकट प्रणाली में वंदे भारत रेलगाड़ी प्रकार के टिकट जारी किए गए थे।

रेल सुरक्षा बल सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली – अखिल भारतीय स्तर पर रेल सुरक्षा बल सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को क्रियान्वित किया गया है। रेल सुरक्षा बल सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का उद्देश्य संदेशों के तुरंत संप्रेषण, जनशक्ति उपयोग को यथेष्ट बनाने, एकबारगी डेटा प्रविष्टि साध्य बनाने और एमसीआर के ऑनलाइन जनरेशन द्वारा रेल सुरक्षा बल में कागजरहित कामकाज को क्रियान्वित करना है।

2. माल और पार्सल व्यवसाय

माल परिचालन और सूचना प्रणाली – टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली में कई रेल रसीदों के अंतर्गत विलंब-शुल्क माफी, खाली तोल तथा उतराई के दौरान भार की गलत घोषणा से संबंधित आशोधन किए गए। यह टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली एप्लिकेशन संस्करण 9.7.2 में किया गया था। सैन्य यातायात के लिए दर-सूची की गणना साध्य बनाने के लिए मिलिट्री फ्रेट कैलकुलेटर की शुरुआत की गई। टीआई (यातायात निरीक्षक) निरीक्षण और निगरानी को दर्ज करने के लिए 'सतर्क' मोबाइल ऐप शुरू किया गया। नवंबर 2022 में, मालडिब्बों की गणना की गई, जिसमें 48,000 मालडिब्बों को एक-एक करके गिना गया और निगरानी के प्रयोजनार्थ मालडिब्बों की स्थिति और अपवाद रिपोर्ट तैयार की गईं।

पार्सल प्रबंधन प्रणाली का प्रारंभ – भारतीय डाक को बुकिंग और सुपुर्दगी प्रयोजनों हेतु पहुंच एक्सेस सुलभ कराने के लिए पार्सल प्रबंधन प्रणाली का अनुकूलन किया गया। इस नई विशेषता को समायोजित करने हेतु आवश्यक व्यावसायिक परिवर्तनों को सुचारू ढंग से एकीकृत किया गया। सूरत और

वाराणसी स्थलों से इस सेवा को प्रारंभ किया गया। एक अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि वीएपी थी, जिसमें माल परिचालन सूचना प्रणाली [एफबीडी (माल व्यवसाय विकास) पोर्टल] के साथ एकीकरण शामिल था।

वाणिज्यिक संपत्ति प्रबंधन प्रणाली चरण-II की कार्यान्वयन स्थिति – विनिर्दिष्ट समयावधि के दौरान संभार-तंत्र और परिचालन परिदृश्य में अनेक प्रमुख मील-पत्थर हासिल किए गए। सफल परीक्षण ने माल परिचालन सूचना प्रणाली नेटवर्क पर पार्सल प्रबंधन प्रणाली एप्लिकेशन के प्रकार्य का मूल्यांकन किया। दिसंबर 2022 में, भारतीय रेल और भारतीय डाक के संयुक्त पार्सल उत्पाद नामक एक सहयोगी उद्यम को विभिन्न स्थानों पर प्रारंभ किया गया।

3. रेलगाड़ी परिचालन

भारतीय रेल रियल-टाइम रेलगाड़ी सूचना प्रणाली – नवंबर 2022 की स्थिति के अनुसार, लगभग 6,702 रेलइंजन उपकरणों का संचलन जीपीएस डेटा रेल गाड़ी सूचना प्रणाली के केंद्रीय सर्वर के माध्यम से केंद्रीय परिचालन प्राधिकरण को संप्रेषित किया जा रहा था। चरण-1 में 2,700 उपकरणों और चरण-2 में 1821 उपकरणों सहित कुल 4,521 रेल गाड़ी सूचना प्रणाली रेलइंजन उपकरणों को स्वचालित नियंत्रण चार्ट प्लॉटिंग के प्रयोजनार्थ बिजली रेलइंजनों में सफलतापूर्वक संस्थापित और एकीकृत किया जा चुका था। अअमासं ने अंतिम फिटमेंट योजना को अनुमोदित कर दिया था जो सभी प्रकार के बिजली रेलइंजनों के लिए लागू है। ये सॉफ्टवेयर परिवर्तन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सहयोग से क्रियान्वित किए गए थे। रेल नेटवर्क निगरानी और नियंत्रण का संवर्धन करने में सार्थक प्रगति करते हुए इस परियोजना को आगे सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है।

नियंत्रण कार्यालय ऐप्लिकेशन – परिचालनिक संवर्धन और इष्टतमीकरण के निरंतर अनुसरण में, उल्लेखनीय उपलब्धियों और प्रगतियों की श्रृंखला को साकार किया गया। दैनिक आधार पर, सभी मंडलों द्वारा नियंत्रण कार्यालय एप्लिकेशन के अंदर लगभग 5.70 लाख आगमन, प्रस्थान और गुजरने के वृतांतों को अद्यतन करने के लिए कर्मठ प्रयास किया गया। नियंत्रण कार्यालय एप्लिकेशन प्रणाली ने लगभग 640 विभिन्न स्थानों पर अवस्थित डेटा लॉगर्स के साथ-साथ रेलइंजन और रेलगाड़ी सुदूर निगरानी एवं प्रबंधन/रेल गाड़ी सूचना प्रणाली उपकरणों से लैस लगभग 5,500 रेलइंजनों से डेटा को सुचारू ढंग से एकीकृत किया। नियंत्रण कार्यालय एप्लिकेशन प्रणाली के अंदर रेलगाड़ी संचलनों को अद्यतन करने की प्रक्रिया को एल्स्टॉम, मेधा और सीमेंस जैसे उद्योग अग्रणी द्वारा उपलब्ध कराए गए रेलइंजनों से जीपीएस अपडेटों के सफल एकीकरण द्वारा आगे और परिष्करण किया गया।

सॉफ्टवेयर ऐडिड ट्रेन शेड्यूलिंग प्रणाली (समय-सारणी परियोजना) – दिसंबर 2022 में रेल सेवाओं का संवर्धन करने में सार्थक प्रगति हुई। डब्ल्यूए परियोजना के साथ एकीकरण को सफलतापूर्वक पूरा किया गया जिसका उद्देश्य वेब एपीआई के जरिये रेल सेवा ऐप के लिए रेलगाड़ी समय-सारणी और रेलगाड़ी मास्टर डेटा को साझा करना था। फरवरी 2023 में, 14 मंडलों से नए अवसंरचना डेटा का सतर्कतापूर्वक संकलन और साझा किया गया। छह अलग-अलग मार्गों: रानी कमलापति-नई दिल्ली, अजमेर-नई दिल्ली, कोयम्बत्तूर-चेन्नई, सिकंदराबाद-तिरुपति, न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम-कण्णूर पर वंदे भारत रेलगाड़ियों (टी18) के लिए स्पष्ट प्रचालन अवधि का सतर्कतापूर्वक सिमुलेशन सफलतापूर्वक किया गया।

कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली – विगत के दौरान कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली के क्षेत्र में लॉबी कार्यनिष्पादन सूचक रिपोर्ट में उल्लेखनीय प्रगति हुई थी। यह संवर्धन चार अलग-अलग फिल्टरों के एकीकरण द्वारा अभिव्यक्त हुआ, जिसके द्वारा अनेक स्तरों पर अर्थात लॉबी, मंडल, क्षेत्रीय रेल और भारतीय रेल में

कार्यनिष्पादन की जांच करना साध्य हो गया। इन फिल्टरों ने सामूहिक रूप से भारतीय रेल के कर्मीदल बुकिंग लॉबी का विस्तृत तुलनात्मक विश्लेषण साध्य बनाया, जिससे बहुमूल्य अंतदृष्टियां सामने आईं। प्रगति का यह इतिवृत्त जारी रहा क्योंकि जुलाई 2022 में विनिपर्दिष्टत: गोल परियोजना को सेवित करने लिए क्रिस क्लाउड पर एप्लिकेशन सर्वर डेवलपमेंट वर्चुअल मशीन की संस्थापना के साथ निर्णायक प्रगति हुई थी। अक्टूबर 2022 में कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली डैशबोर्ड इंटरफेस में, जो भारतीय रेल, क्षेत्रीय रेल, मंडल और लॉबी कोटियों को शामिल करती है, असाधारण कर्मीदल कार्यनिष्पादन पर प्रकाश डालने वाले रेखा-चित्रीय निरूपण को सन्निहित किया गया था।

कोचिंग परिचालन सूचना प्रणाली अनुरक्षण - सतर्कता आदेश में सुधारों के साथ वाहन मार्गदर्शन को छापने के लिए भौतिक संख्याओं के आधार पर रेलगाड़ी बनावट स्थिति के इनपुट की प्रविष्टि करने में कोचिंग परिचालन सूचना प्रणाली के उपयोगकर्ताओं की सहायता के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित और क्रियान्वित किया गया। परिसंपत्ति संबंधी खराबी डेटा साझा करने के लिए रेलइंजन परिसंपत्ति प्रबंधन सॉफ्टवेयर परियोजना के साथ एकीकरण किया गया। नियंत्रण कार्यालय एप्लिकेशन ने तुल्यकालन के लिए एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली और नियंत्रण कार्यालय एप्लिकेशन के लोको मॉड्यूल के बीच एकीकरण के साथ, चालित रेलगाड़ियों में जीपीएस निर्देशांकों पर आधारित स्वचल जीपीएस रेलइंजन संलग्नी को क्रियान्वित किया। राष्ट्रीय रेलगाड़ी पूछताछ प्रणाली आईओएस ऐप में स्पॉट योर ट्रेन का विकल्प चालित रेलगाड़ी दृष्टांतों और रेलवे स्टेशन खोज क्षमता को पेश करता है।

संरक्षा सूचना प्रबंधन प्रणाली - दुर्घटना रिपोर्टिंग, दुर्घटना जांच (रेल संरक्षा आयोग/विभागीय), अनुशासन एवं अपील नियम जांच, संरक्षा अभियान, निरीक्षण, लेखापरीक्षा, संरक्षा जोखिम रिपोर्टिंग, संरक्षा अभियान, मासिक संचयी अर्ध शासकीय, संरक्षा शील्ड आदि। लॉग शीट द्वारा दुर्घटनाओं की रियल टाइम निगरानी। 10000 से अधिक दुर्घटनाएं रिपोर्ट की गईं और 14000 से अधिक अनुशासन एवं अपील नियम जांचें की गईं। रेलवे बोर्ड और क्षेत्रीय रेल/मंडल के संरक्षा अधिकारियों के बीच संदेश और दस्तावेज साझा करने के लिए कार्यनीतिक संदेश प्रेषण और दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली। आम जनता को दुर्घटना का विवरण सुलभ कराने के लिए '139' अंत:संवादात्मक ध्वनि प्रत्युत्तर प्रणाली के साथ एकीकरण। बड़ी रेल दुर्घटनाआ रिपोर्ट करने के लिए गृह मंत्रालय की घटना रिपोर्ट प्रणाली के साथ एकीकरण।

4. परिसंपत्ति प्रबंधन - चल स्टॉक

कोचिंग के लिए अनुरक्षण मॉड्यूल (सीडीएमएम) का प्रारंभ चरण I - विगत में रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार कई महत्वपूर्ण विकास और सुधार किए गए थे। इसमें 'वात ब्रेक दाब परीक्षण' और 'अध:बन्धित गियर जांच' डीडीआर प्रारूपों का कार्यान्वयन शामिल था, जो रेक ब्रेकन शक्ति प्रमाणपत्र जेनरेशन के लिए अनिवार्य हो गया था। इसके अलावा, व्हील ड्राइव के लिए 'आईसीएफ बोगी प्रकार' पैरामीटर को दर्ज करने हेतु किए गए संवर्धनों के साथ एक नया इंटरफेस विकसित किया गया था। इसके अतिरिक्त, कोच मास्टर शेयरिंग के लिए कोच अनुरक्षण प्रबंधन और डब्ल्यूआईएसई के बीच एन्टप्राइज सर्विस बस को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया था।

माल अनुरक्षण प्रबंधन रोल आउट (एफएमएमआर) - भारतीय रेल में पहली बार, ऐसे अलग-थलग मालडिब्बों के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए जिनकी पिछले छह महीनों के दौरान माल परिचालन सूचना प्रणाली/माल अनुरक्षण प्रबंधन में रेलगाड़ी निरीक्षक जांच नहीं की गई है या ब्रेकन शक्ति प्रमाणपत्र तैयार नहीं किया गया है, भारतीय रेल माल अनुरक्षण प्रबंधन का उपयोग करते हुए मालडिब्बों की ऑनलाइन गणना की गई। इसके लिए एक समर्पित मॉड्यूल विकसित किया गया, जिसे मोबाइल ऐप और वेब ब्राउजर द्वारा एक्सेस किया जा सकता है। मालडिब्बों की गणना में कुल 6,082 मालडिब्बों की पहचान की गई। मालडिब्बा अनुरक्षण प्रबंधन के उपयोग के मामले में, चालू

वित्त वर्ष के लिए 131,478 ब्रेकन शक्ति प्रमाणपत्रों के संचयी जोड़ में अंशदान करते हुए भारतीय रेल में सर्वत्र 170 माल यार्डों ने मार्च 2023 में कुल 10,875 ब्रेकन शक्ति प्रमाणपत्र जेनरेट किए।

आरएफआईडी का उपयोग करते हुए स्वचल मालडिब्बा रेलपथ और अनुरेखण प्रणाली – सितंबर 2022 में, कुल 8,009 माल डिब्बों और 537 सवारीडिब्बों में नए टैग लगाए गए, जिनमें से 334 सवारीडिब्बों में राइट्स द्वारा एक क्रिस संविदा के माध्यम से टैग लगाया था। 31 मार्च 2023 तक, 182,101 मालडिब्बों और 18,533 सवारीडिब्बों में टैग लगाने का कार्य पूरा किया जा चुका था। इसके अतिरिक्त, मार्च 2023 में 1,828 मालडिब्बों और 1,083 सवारीडिब्बों में नए टैग लगाए गए।

रेलइंजन परिसंपत्ति प्रबंधन प्रायोगिक सॉफ्टवेयर चरण-II – रेलइंजन परिसंपत्ति प्रबंधन सॉफ्टवेयर प्रारंभ करने की प्रगति में अनेक मील-पत्थर हासिल किए गए। रेल नेट/माल परिचालन सूचना प्रणाली नेट का उपयोग करते हुए तीन शेडों अर्थात काजीपेट जंक्शन/दक्षिण मध्य रेल, रोयापुरम/दक्षिण रेल और इटारसी/पश्चिम मध्य रेल में रेलइंजन परिसंपत्ति प्रबंधन सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन सफलतापूर्वक लाइव हो गया। सभी 27 शेडों में रेलइंजन परिसंपत्ति प्रबंधन सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन के लिए प्रशिक्षण पूरा किया गया, और दो अतिरिक्त बैचों ने भी, जिनमें 12 फेरा शेड और 31 कर्षण रेलइंजन नियंत्रक शामिल थे, प्रशिक्षण प्राप्त किया।

5. परिसंपत्ति प्रबंधन – अचल अवसंरचना

सिगनल अनुरक्षण प्रबंधन प्रणाली – यह एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया था क्योंकि मैसर्स रेलटेल को सिगनल अनुरक्षण प्रबंधन प्रणाली कार्य का हस्तांतरण करने के लिए 6 मई 2022 को हस्ताक्षर करके समझौता ज्ञापन को औपचारिक रूप दिया गया था। इसके अलावा, इस परियोजना की गतिशीलता के प्रत्युत्तर में, मैसर्स रेलटेल के अनुरोध पर क्रिस में सिगनल अनुरक्षण प्रबंधन प्रणाली अवसंरचना को बंद किया गया था। बंद करने की इस अवधि के सुचारू समन्वय और निष्पादन ने उदीयमान आवश्यकताओं के लिए हितधारकों की अनुकूलन क्षमता को प्रदर्शित किया।

रेलपथ प्रबंधन प्रणाली – विभिन्न उपकरणों में उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए रेलपथ प्रबंधन प्रणाली लॉगिन पेज को नया स्वरूप दिया गया। संवर्धित सुरक्षा के लिए कैप्चा द्वारा समर्थित द्वि-कारक पुष्टीकरण क्रियान्वित किया गया। घिसी हुई पटरी की पहचान करने की प्रक्रिया को इंजीनियरी नियंत्रण द्वारा रेलपथ मशीन (आरजीएम) प्रगति की प्रविष्टियों के साथ सहक्रियात्मक बनाते हुए पुनः डिजाइन किया गया। कांटों और पारणों के मध्यवर्ती निरीक्षण को साध्य बनाने के लिए, एक निरीक्षण रजिस्टर और खराबी अनुपालन प्रकार्य के साथ एक निरीक्षण प्रोफार्मा तैयार किया गया। अनेक पराश्रव्य दोष संसूचन अग्रिम शुद्धि पर्ची-6 विशेषताओं को एकीकृत किया गया, जिनमें लूप लाइनों पर वेल्डन परीक्षण स्थिति और सीसी+8+2टी मार्गों पर परिवर्ती परीक्षण बारम्बारताएं शामिल हैं। लंबी वेल्डित पटरी, स्विच विस्तार जोड़, बफर पटरी, कांटे और पारण, रेल फाटक और वक्र जैसे निरीक्षण मॉड्यूलों को नई भारतीय रेल रेलपथ नियमावली में यथा परिभाषित प्रभाव सीमा के अंदर दोषों का निवारण करने के लिए सुधारा गया।

रेल सड़क पारण अनुमोदन एवं निगरानी प्रणाली – विभिन्न हितधारकों (सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और राज्य सरकार आदि) द्वारा प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज के लिए रेलवे से सामान्य व्यवस्था आरेखण के अनुमोदन और प्रस्ताव की स्थिति निगरानी करने के लिए वेब एप्लिकेशन। रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज के त्वरित निर्माण और राष्ट्रीय राजमार्गों पर रेल फाटकों को समाप्त करना साध्य बनाने के लिए रेल मंत्रालय तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का संयुक्त प्रयास। इसे भारतीय रेल के सभी 68 मंडलों में क्रियान्वित किया जा चुका है।

6. संसाधन प्रबंधन - सामग्री

ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली - चरण I - सहक्रिया का संवर्धन करने और प्रणाली की कार्यकुशलता को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न मंडलों में सर्वत्र 'गति शक्ति' इकाइयां स्थापित की गईं, फलस्वरूप रेल अवसंरचना का विस्तार हुआ। पंजीकरण के दौरान वापसी अनुरोध की अनुमति देते हुए विक्रेता पंजीकरण प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया, फलस्वरूप नए अनुरोधों की आवश्यकता समाप्त हुई। ई-डिस्पैच की शुरुआत की गई, फलस्वरूप विक्रेताओं को सामग्री प्रेषण के दौरान भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करनी होती है।

ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली अनुरक्षण - भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली के विभिन्न मॉड्यूलों के लिए आशोधित फीडबैक तंत्र क्रियान्वित किया गया।

7. संसाधन प्रबंधन - वित्त और लेखा

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली - भारतीय रेल देश में सर्वत्र फैले हुए हजारों स्थानों पर लगभग 12 लाख लोगों को रोजगार देती है। आंतरिक रूप से विकसित मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन को उत्तरोत्तर स्वचालित बनाया जा रहा है। इम्प्लॉयी मास्टर, संवर्ग प्रबंधन, ई-सेवा रिकॉर्ड, भुगतान, ऋण एवं अग्रिम, शिकायत आदि के लिए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। कर्मचारी स्वयं सेवा मॉड्यूल और मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली द्वारा कर्मचारी आसानी से अपनी सूचना और संबंधित सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं।

लेखांकन सुधार प्रबंधन प्रणाली (लेखांकन सूचना प्रबंधन प्रणाली का भाग) - विगत में भारतीय रेल के अंदर एकीकृत कुल वेतन भुगतान और लेखांकन प्रणाली के लाइव डेटा पर संव्यवहार-आधारित उपचय लेखांकन प्रणाली का समानांतर प्रायोगिक परीक्षण किया गया था। इस अवधि के दौरान, मार्च 2023 के लिए एकीकृत कुल वेतन भुगतान और लेखांकन प्रणाली संव्यवहार डेटा में 8 से 10-अंक के आवंटन कोड (रोकड़ से लेकर उपचय कोड) के मापचित्रण ने सार्थक प्रगति प्रदर्शित की, फलस्वरूप 96.7% की मापचित्रण परिशुद्धता हासिल हुई।

भारतीय रेल यातायात लेखा प्रबंधन प्रणाली - त्रुटि शीट मॉड्यूल-माल के लिए माल परिचालन सूचना प्रणाली और यातायात लेखा प्रबंधन प्रणाली के बीच निर्बाध एकीकरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। माल परिचालन सूचना प्रणाली से प्राप्त 'गुड्स-ई-सीआर नोट्स' की निगरानी करने के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया गया है, जो विस्तृत नोट सारांश, लेखा-समाधान और यथा अपेक्षित शुद्धियों को साध्य बनाता है।

भारतीय रेल एकीकृत और कुल वेतन भुगतान लेखांकन प्रणाली - एकीकृत और कुल वेतन भुगतान लेखांकन प्रणाली को सिक्योर फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल द्वारा रेल पेंशनभोगियों के डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए 'जीवन प्रमाण पोर्टल' के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया। उत्तर पश्चिम रेल के जोधपुर कारखाने में कारखाना लेखांकन प्रबंधन प्रणाली के वर्कशॉप जनरल रजिस्टर मॉड्यूल को प्रारंभ किया गया। एकीकृत कुल वेतन भुगतान लेखांकन प्रणाली में एक राजस्व व्यय डैशबोर्ड विकसित किया गया था, जो चार्टों और बजट एवं पिछले वर्षों के साथ तुलनाओं द्वारा व्यय विश्लेषण को साध्य बनाता है। रेल डिब्बा कारखाना में कुल वेतन भुगतान और पेंशन मॉड्यूल क्रियान्वित किए गए, उसी अवधि में भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली एकीकरण ने विलंब शुल्क/घाट शुल्क के ऑनलाइन प्रतिदाय की अनुमति दी। एकीकृत कुल वेतन भुगतान लेखांकन प्रणाली में वारंटी-आधारित भुगतान रोककर रखने, ई-एमसीडीओ प्रविष्टि और विनिर्माण उचंत मॉड्यूल शुरू किए गए। एक वेब सर्विस ने माई-दृष्टि के साथ पूंजी और राजस्व व्यय साझा करना साध्य बनाया। रेल कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली आईडी का उपयोग करते हुए रेल कर्मचारी स्वयं सेवा डेस्कटॉप और मोबाइल ऐप सुलभ कराया गया।

विविध ई-रिसीप्ट प्रणाली - सफल परीक्षण के बाद, यात्री टिकट सेवा केंद्र एजेंटों से इलेक्ट्रॉनिक अग्रिम भुगतान के लिए यात्री आरक्षण प्रणाली का विविध ई-रिसीप्ट प्रणाली के साथ एकीकरण उत्पादन परिवेश में परिवर्तित हुआ। मार्च 2023 के दौरान, विविध ई-रिसीप्ट प्रणाली के जरिए लगभग ₹89.54 करोड़ प्राप्त हुए।

8. अवसंरचना, व्यवसाय सांतत्य

राष्ट्रीय कंप्यूटर साक्षरता अभियान - रेल क्लाउड चरण-1 - मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली परियोजना का क्रिस प्राइवेट क्लाउड में सफल स्थानांतरण किया गया। विकास चरण में कुल 27 परियोजनाओं का परिनियोजन किया गया, जबकि उत्पादन परिवेश के लिए 23 परियोजनाओं का परिनियोजन किया गया।

राष्ट्रीय आसूचना ग्रिड के साथ डेटा शेयरिंग - क्रिस की समर्पित केंद्रीकृत उत्पादन अवसंरचना से राष्ट्रीय आसूचना ग्रिड में उपयोग मामलों/एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेसों का परिनियोजन सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

भारतीय रेल सूचना सुरक्षा समूह परियोजना - क्रिस की साइबर संकट प्रबंधन योजना को भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रत्युत्तर टीम (सर्ट-इन) से अनुमोदन प्राप्त हुआ। सी-डेक, हैदराबाद द्वारा आयोजित मल्टी-एजेंसी लेखापरीक्षा (एनएएटी) को अंतिम रूप दिया गया।

06 यात्री आरक्षण प्रणाली/अनारक्षित टिकट प्रणाली डेटा केंद्रों में नेटवर्क सुरक्षा अवसंरचना (एनएस-I) - मार्च 2023 तक, लगभग 5.27 लाख साइबर हमलों को सफलतापूर्वक अवरुद्ध किया गया।

9. डैशबोर्ड, इंटीग्रेशन और एनालिटिक्स

ई-दृष्टि (डीआरएसटी) का संवर्धन - भारतीय रेल के लिए एक डैशबोर्ड - वित्त वर्ष 2021-22 और 2022-23 के प्रारंभ से, ई-दृष्टि के आंकड़ों का डेटा प्रारंभिकीकरण, अभिलेखन और पुष्टीकरण किया गया। रेल कौशल विकास योजना के आंकड़ों को ई-दृष्टि से जोड़ने के लिए एक उत्पादन-स्तर पर एकीकरण स्थापित किया गया। इसके अलावा, भारतीय रेल की फुटकर आमदनी से संबंधित एक नए डैशबोर्ड टैब को डिजाइन, विकसित और प्रारंभ किया गया। इसमें पिछले वर्ष के डेटा संचयन से संबंधित कार्यकलापों के साथ-साथ सैद्धांतिक अनुमोदनों के साथ एकीकरण शामिल था।

भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड

रेल मंत्रालय के योजना परिव्यय का अंशतः वित्तपोषण करने और उसकी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाजार से धन जुटाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ, दिसंबर 1986 में स्थापित पब्लिक लिमिटेड कंपनी। वर्ष दर वर्ष भारतीय रेल वित्त निगम अपने लिए नियत ऋण लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। बांड, 54 ईसी कैपिटल गेन बांड, बैंकों/वित्तीय संस्थानों से सावधी ऋण और बाह्य वाणिज्यिक ऋणों आदि के जरिए धन जुटाया जाता है। लोक उद्यम विभाग ने समझौता ज्ञापन में स्थापित मापदंडों की तुलना में कंपनी के कार्यनिष्पादन के लिए इसे लगातार 'उत्कृष्ट' वर्ग में रखा है।

31 मार्च 2023 तक, कंपनी ने रेलवे को ₹30,0267 करोड़ की चल स्टॉक परिसंपत्तियां पट्टे पर दी हैं। 2022-23 के दौरान, लगभग ₹16,634 करोड़ की चल स्टॉक परिसंपत्तियों का वित्तपोषण किया गया। भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेलइंजनों, मालडिब्बों और सवारीडिब्बों का वित्तपोषण किया गया है। वर्षों के दौरान इस अभिग्रहण ने भारतीय रेल में यातायात निपज और राजस्व वृद्धि को बढ़ाने में सहायता की है। 31 मार्च, 2023 तक भारतीय रेल वित्त निगम ने सांस्थानिक वित्त द्वारा ₹1,62,743 करोड़ की रेल परियोजनाओं का वित्तपोषण भी किया है। इसके अलावा, इससे पहले 31 मार्च, 2023

तक भारतीय रेल वित्त निगम ने ₹7,578.70 करोड़ की राष्ट्रीय परियोजनाओं और बजटेतर संसाधन-एस के अंतर्गत ₹55,991.91 करोड़ की रेल परियोजनाओं का वित्तपोषण भी किया है।

भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा वित्तपोषित चल स्टॉक परिसंपत्तियों को रेल मंत्रालय को पट्टे पर दिया जाता है। भारतीय रेल वित्त निगम ने पट्टा किरायों को 1996-97 में 17.5% प्रति वर्ष से सफलतापूर्वक घटाकर 2022-23 में 11.0653% प्रति वर्ष किया है, जो भारत सरकार के ऋण की तुलना में प्रशंसात्मक है। भारतीय रेल वित्त निगम को मंत्रालय द्वारा नियमित रूप से पट्टा भुगतान किया जा रहा है।

भारतीय रेल वित्त निगम की निरंतर लाभ अर्जित करने की पिछली उपलब्धियां है। अभी तक इसने सरकार को लाभांश के रूप में ₹7,469.08 करोड़ का भुगतान किया है। इसकी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और ऋण साख के आधार पर, इसे तीन प्रमुख देशीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से यथासंभव उच्चतम रेटिंग और चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से 'सॉवरेन' समतुल्य निवेश रेटिंग मिली है।

भारतीय रेल वित्त निगम ऐसा सर्वप्रथम केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम भी बन गया है, जिसने गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी), गांधीनगर में अपने 500 मिलियन अमरीकी डालर के ग्रीन ऑफशोर बॉन्ड को अनन्य रूप से एनएसईआईएफएससी और इंडिया आईएनएक्स में सूचीबद्ध किया है।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2022-23 के वित्तीय आंकड़ों के आधार पर भारतीय रेल वित्त निगम को फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों की सूची में 95वां स्थान दिया गया है।

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकोर)

मार्च 1988 में कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का, जो भारत सरकार के रेल मंत्रालय का एक नवरत्न केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम है, निगमन किया गया था और इसने नवंबर, 1989 में परिचालन शुरू किया था। कॉनकोर ने भारतीय रेल से अधिगृहीत 7 अंतर्देशीय कंटेनर डिपुओं से प्रारंभ करते हुए पूरे भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार किया है जिसमें अब 61 अंतर्देशीय कंटेनर डिपुओं/कंटेनर फ्रेट स्टेशनों का टर्मिनल नेटवर्क है। रेल द्वारा कंटेनरों के लिए अंतर्देशीय परिवहन सुलभ कराने के अलावा, इसने बंदरगाहों, एयर कार्गो परिसरों का प्रबंधन करने और कोल्ड चेन स्थापित करने के लिए भी विस्तार किया है। इसने अपने आधुनिक रेल मालडिब्बा बेड़े, ग्राहक-हितैषी वाणिज्यिक पद्धतियों और व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली सूचना प्रौद्योगिकी के आधार पर भारत में कंटेनरीकरण को प्रोत्साहन देने का कार्य किया है और भविष्य में भी करता रहेगा। यद्यपि, रेल हमारी परिवहन योजना का मुख्य आधार है, तथापि द्वार-से-द्वार तक सड़क सेवाएं भी सुलभ कराई जाती हैं, भले यह निर्यात-आयात में या देशीय व्यवसाय में हों।

पूरे भारत में मल्टी-मोडाल संभार-तंत्र पार्क विकसित करके व्यापार और उद्योग-जगत/हितधारकों की सहायता करने के मुख्य उद्देश्य के साथ इस कंपनी की स्थापना की गई थी। तीन अलग-अलग कार्य कॉनकोर के मुख्य व्यवसाय का चरित्र-वर्णन करते हैं अर्थात वाहक, टर्मिनल संचालक और भंडार संचालक।

वाहक

कॉनकोर की परिवहन योजनाओं और कार्यनीति का मुख्य आधार रेल है। कॉनकोर के अधिकांश टर्मिनल रेल से जुड़े हुए हैं, जिनमें ढुलाई के लिए मुख्य वाहक रेल है। बहरहाल, सड़क द्वारा प्रथम और अंतिम छोर तक परिवहन भी सुलभ कराया जाता है। चूंकि रेल लंबी दूरी के लिए मूल्य-प्रतिस्पर्धी है, इसलिए कीमत का लाभ ग्राहकों को अंतरित किया जा सकता है, इस प्रकार कीमत-निर्धारण को

लचीला बनाने और प्रतिस्पर्धी कीमत-निर्धारण की गुंजाइश मिलती है। रेल-संपर्क हमारे बंदरगाहों और इन बंदरगाहों तक जाने वाले सड़क गलियारों को विसंकुलित करने में भी प्रमुख भूमिका निभाता है।

यद्यपि, कॉनकोर की परिवहन योजना का मुख्य आधार रेल है, तथापि कुछ कॉनकोर टर्मिनल अनन्यत: सड़क यातायात द्वारा भी सेवित हैं। सड़क सेवाएँ, रेल द्वारा अधिकांश लंबी गमन-दूरी तय किए जाने के बाद द्वार-से-द्वार तक संपर्क सुलभ कराने हेतु अधिकांशत: पूरक सेवाएं हैं। बहरहाल, जहाँ भी यह परिचालन या किफायत की दृष्टि से बेहतर विकल्प है, वहां रेल के विकल्प के रूप में भी सड़क का उपयोग किया जाता है।

टर्मिनल और कंटेनर फ्रेट संचालक

नवंबर 1989 में कॉनकोर ने 7 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के साथ कामकाज शुरू किया था। उसके बाद कंपनी ने नेटवर्क का कुल 61 टर्मिनलों तक विस्तार किया है, जिनमें से 5 निर्यात-आयात कंटेनर डिपो, 17 अनन्य देशीय कंटेनर डिपो हैं, साथ ही 36 टर्मिनल देशीय और अंतरराष्ट्रीय टर्मिनलों का संयुक्त कार्य करते हैं जिनमें से 3 टर्मिनलों के कार्यनीतिक सहयोग-करार हैं।

कॉनकोर के सीमा-शुल्क अनुबंद्ध अंतर्देशीय कंटेनर डिपो भीतरी प्रदेशों में ड्राय-पोर्ट हैं, और सीमा-शुल्क स्वीकृति निकासी सहित बंदरगाह की सभी सुविधाओं को ग्राहकों के द्वार तक पहुंचाने के प्रयोजनार्थ कार्य करते हैं। ये टर्मिनल लगभग हमेशा रेल द्वारा भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़े होते हैं, जब तक कि उनका आकार या स्थान यह निर्धारित नहीं करता कि वे सड़क मार्ग द्वारा जुड़े हों। रेल संपर्क सर्वाधिक लागत-फलकारी विधि से लंबी दूरियों पर बड़ी मात्रा का संचलन साध्य बनाने में कॉनकोर को समर्थ बनाता है।

कॉनकोर के टर्मिनल माल-भण्डारण, कंटेनर पार्किंग, मरम्मत सुविधाएं और यहां तक कि कार्यालय परिसरों के मामले में विभिन्न प्रकार की सुविधाएं सुलभ कराते हैं। कंटेनर फ्रेट संचालक के रूप में, कॉनकोर निम्नलिखित मूल्यवर्धित सेवाएं पेश करके संभार-तंत्र श्रृंखला में मूल्य का परिवर्धन करता है, जैसे:

- आयात और निर्यात कार्गो के लिए पारगमन माल-भण्डारण।
- अनुबद्ध माल-भण्डारण, जो आयातकों को कार्गो का भण्डारण करने और आंशिक सुपुर्दगी लेने, फलस्वरूप आस्थगित शुल्क भुगतान करने में समर्थ बनाता है।
- कंटेनर भार से कम भारों का समेकन और नामित केंद्रों में कंटेनर भार से कम कार्गो पर पुन: कार्य करना।
- अनुबद्ध ट्रक से माल परिवहन का उपयोग करते हुए एयर कार्गो स्वीकृति।
- प्रथम मील एवं अंतिम मील और वितरण संभार-तंत्र।

देशीय व्यापार के क्षेत्र में, द्वार से एकत्रण और द्वार पर सुपुर्दगी सेवाएं सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। कंपनी हब और स्पोक संचलनों की योजना बनाने के लिए अपने टर्मिनल नेटवर्क का भी उपयोग करती है जो इकहरे ग्राहकों को एक ही समय में कई स्थानों के लिए कार्गो का संचलन करने की अनुमति देता है, जिसमें कॉनकोर वितरण और पुनर्वितरण आवश्यकताओं को पूरा करता है।

कंपनी द्वारा पेश की जाने वाली मुख्य उपयोगिता सीमा-शुल्क, प्रवेशद्वार पत्तनों और रेल से लेकर सड़क परिवहन व्यवसाइयों, समेकनकर्ताओं, फॉरवर्डर्स, कस्टम हाउस एजेंटों और पोतपरिवहन कंपनियों तक कंटेनरीकृत कार्गो व्यापार में अंतर्ग्रस्त सभी विभिन्न एजेंसियों और सेवाओं के साथ समन्वय करने वाली एकल-खिड़की सुविधा की व्यवस्था है। अनुकूलन की उच्च मात्रा हासिल करने के लिए, यह ऐसे पैकेज पेश करता है जिनकी रूपरेखा सड़क और रेल का सर्वाधिक लागत-फलकारी संयोजन सुलभ कराने हेतु बनाई गई है। यह इसे ऐसी सेवाएं पेश करने में समर्थ बनाता है जो स्वयं

ग्राहक की मेहनत को न्यूनतम बनाते हुए प्रत्येक ग्राहक की विशिष्टियों के अनुरूप निजी तौर पर अनुकूलीकृत की जा सकती हैं।

वर्ष के दौरान दो नई सुविधाएं विकसित की गईं, जिनके नाम पारादीप (ओडिशा) में मल्टी-मोडाल संभार-तंत्र सुविधा और डहेज (गुजरात) में मल्टी-मोडाल संभार-तंत्र सुविधा शामिल हैं।

वित्तीय और भौतिक कार्य निष्पादन

कार्यनिष्पादन के मामले-में, कॉनकोर ने कुल 4.36 मिलियन टीईयू की सम्हलाई करके ₹8,103.40 करोड़ का सकल परिचालन कारोबार हासिल किया। टन भार के मामले-में, कंपनी ने कुल 49 मिलियन टन की ढुलाई की।

सूचना प्रौद्योगिकी पहल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कॉनकोर ने टर्मिनल के समस्त कामकाज को स्वचालित बनाने के लिए अपने एक सर्वोत्कृष्ट टर्मिनल अर्थात अंतर्देशीय कंटेनर डिपो-तुगलकाबाद में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग आधारित कंटेनर टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की है।

गेट, रेक यार्ड, कार्गो सम्हलाई क्षेत्र, मालगोदाम और सीमा-शुल्क जांच ब्लॉक जैसे प्रत्येक मुख्य परिचालन क्षेत्र में समस्त कामकाज को विभिन्न स्वचालन प्रौद्योगिकियों और डिजिटल अनुप्रयोगों के संयोजन का उपयोग करके डिजिटल बनाने की योजना है।

प्रत्येक परिचालन क्षेत्र संगठन व्यापी डैशबोर्ड, रिपोर्टों और व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य दृष्टिकोणों एवं निर्णयों के लिए केंद्रीकृत प्रणालियों में सूचना का प्रभरण करते हुए विनिर्दिष्ट स्थल के लिए रियल टाइम डैशबोर्ड और रिपोर्टें सुलभ कराएगा।

यह प्रत्याशा है कि यह समस्त डिजिटलीकरण प्रक्रिया कॉनकोर और इसके हितधारकों/ग्राहकों को रियल टाइम सूचना के साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में समर्थ बनाएगी।

व्यापारजगत और उद्योगजगत के लिए कॉनकोर द्वारा अपनी संभार-तंत्र सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अन्य सूचना प्रौद्योगिकी पहलें नीचे उल्लिखित हैं:

1. नो योर कंटेनर लोकेशन
2. संविदा प्रबंधन/बिलिंग का स्वचालन
3. डिजिटल कार्यस्थल समाधान: ईऑफिस
4. सड़क परिवहन के लिए ई-रिवर्स ऑक्शन - ई-लॉजिस्टिक ऐप

मध्यावधि और दीर्घावधि कार्यनीति

- कॉनकोर एजेंसी बिजनेस और बल्क कार्गो संचलन की भी संभावनाएं तलाश रहा है जो व्यापारजगत के लिए बेहतर अवसर और उपयोगिता परिवर्धन का सृजन करेगा।
- कॉनकोर अपने चल स्टॉक के कुशल उपयोग के लिए अधिकाधिक डबल स्टैक परिचलनों का संवर्धन करने, न्यूनीकृत संभार-तंत्र लागत पर पत्तन एवं अपने टर्मिनलों पर कंटेनरों के विराम समय में सुधार लाने की योजना बना रहा है।

- कॉनकोर नए अवसरों के लिए सीमेंट, मिलावों, तरल कार्गो और ऑटो कार आदि के थोक परिवहन के लिए उदीयमान माल डिजाइनों का बारीकी से अध्ययन कर रहा है।
- कॉनकोर पड़ोसी देशों में अपनी अपतट उपस्थिति के लिए भी योजना बना रहा है।

कोंकण रेल निगम लिमिटेड

वर्ष 1990 में कंपनी की स्थापना भारत के पश्चिमी तट पर रेल के निर्माण एवं परिचालन के प्रयोजनार्थ रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र (22%), कर्नाटक (15%), केरल (6%) और गोवा (6%) की इक्विटी भागीदारी द्वारा की गई थी।

वित्तीय कार्यनिष्पादन:

वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी का कुल राजस्व ₹5152 करोड़ था, जबकि वर्ष 2021-22 में ₹3364 करोड़ (आंकड़ा पुनः प्रस्तुत किया गया) था। वर्ष के दौरान शुद्ध लाभ ₹279 करोड़ था, जबकि 2021-22 में ₹141 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था (आंकड़ा पुनः प्रस्तुत किया गया)।

प्रमुख वित्तीय विशेषताएं:

(करोड़ ₹ में)

विवरण	2021-22	2022-23
कुल आय	3,363.70	**5,152.24**
परिचालन मार्जिन	132.42	**632.91**
करोपरांत लाभ	(-) 140.87	**278.93**
निवल मूल्य	1,473.77	**1,792.44**

रेलगाड़ी परिचालन कार्यनिष्पादन:

क. वर्ष 2022-23 के दौरान इस इकहरी लाइन रेलखंड पर प्रतिदिन औसतन 46 यात्री रेलगाड़ियां चलाई गईं। इस समय, कोंकण रेल में छियालीस (46) जोड़ी मेल/एक्सप्रेस और चार (04) जोड़ी पैसेंजर रेलगाड़ियां चल रही हैं। इसके अलावा, वर्ष 2022-23 के दौरान गर्मी, गणपति, दिवाली, सर्दी, आंगणेवाडी यात्रा एवं होली त्योहार के समय यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ की निकासी करने के लिए 629 अदद स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गईं। इसके अलावा, वर्ष के दौरान 1529 अदद अन्य स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गईं जिनमें एफटीआर स्पेशल, इलेक्शन स्पेशल, मिलिट्री स्पेशल आदि शामिल हैं । वर्ष के दौरान, कोचिंग से अभी तक की सर्वाधिक ₹975.10 करोड़ की आय (यात्री एवं अन्य कोचिंग राजस्व) अर्जित की गई, जो पिछले वर्ष के ₹602.83 करोड़ से 61.75 प्रतिशत अधिक है।

ख. माल यातायात के क्षेत्र में, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान रोल ऑन - रोल ऑफ (रोरो) सेवाओं सहित प्रति दिन औसतन 17 मालगाड़ियां चलाई गईं। वित्त वर्ष के दौरान माल राजस्व ₹746.41 करोड़ था, जो पिछले वर्ष के ₹543.15 करोड़ रुपये की तुलना में 37% अधिक है, और यह अभी तक सर्वाधिक है।

ग. **भारत-नेपाल क्रॉस बॉर्डर रेल का परिचालन:** नेपाल रेलवे कंपनी ने एक वर्ष की अवधि के लिए परिचालन एवं अनुरक्षण सहायता के लिए निगम को नियुक्त किया है। इस करारनामे के भाग के रूप में, कोंकण रेल ने रेलगाड़ी सेटों का परिचालन और अनुरक्षण किया, नेपाल

रेलवे के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया, विशेषज्ञ जनशक्ति और न्यूनतम उपस्कर की आपूर्ति की, रेल परिचालन के लिए बुनियादी प्रणालियों का सृजन किया और रेलपथ एवं सिगनल-प्रणाली के अनुरक्षण के लिए तकनीकी सहायता सुलभ कराई। यह रेल परिचालन एवं अनुरक्षण में कोंकण रेल निगम लिमिटेड की पहली अंतर्राष्ट्रीय परियोजना है। दिनांक 02.04.2022 को रेलगाड़ी सेवाओं के उद्घाटन के साथ हर दिन दो अप और दो डाउन रेलगाड़ी सेवाओं के साथ दिनांक 03.04.2022 से कोंकण रेल निगम लिमिटेड द्वारा नेपाल रेलवे के जयनगर और कुर्था स्टेशनों के बीच भारत-नेपाल क्रॉस बॉर्डर रेल का परिचालन शुरू किया गया। कोंकण रेल ने जयनगर (भारत) और कुर्था (नेपाल) के बीच सीमा पार रेल लिंक के परिचालन हेतु नेपाल रेलवे कंपनी द्वारा दिए गए एक साल के ठेके को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस अवधि के दौरान, कोंकण रेल ने 100% समयपालन के साथ 528 डीईएमयू सेवाओं का परिचालन किया।

परियोजना कार्यनिष्पादन:

क. **उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क (उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क परियोजना, जम्मू और कश्मीर):** निगम द्वारा उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क (उधमपुर बारामूला रेल लाइन) परियोजना के कटरा-धरम रेलखंड का निर्माण करते हुए कुल 44.59 किलोमीटर में से 44.36 किलोमीटर सुरंग की खुदाई पूरी कर ली गयी है। वर्ष के दौरान, 2,343 मीटर सुरंग की खुदाई 9,504 मीटर सुरंग की लाइनिंग तथा 5,202 एमटी लॉन्चिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। पिछले वर्ष 2021-22 के ₹1,997.88 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) की तुलना में इस वर्ष ₹3,135.15 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का टर्नओवर प्राप्त किया गया, जो अब तक का सर्वाधिक है। 26 मार्च 2023 को, प्रतिष्ठित चिनाब पुल का मोटर ट्रॉली निरीक्षण किया गया जो संपूर्ण उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल संपर्क परियोजना के सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य के पूरा होने का प्रतीक था।

ख. **अनाक्कमपोयिल-कालडि-मेप्पाटि सुरंग सड़क परियोजना:** केरल सरकार ने अनाक्कमपोयिल-कालडि-मेप्पाटि सड़क सुरंग परियोजना के निष्पादन के लिए कोंकण रेल निगम लिमिटेड को विशेष प्रयोजन वाहन समनुदिष्ट किया है। इस परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए कोंकण रेल, लोक निर्माण (एच) विभाग और केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड के बीच एक त्रिपक्षीय करारनामे पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कोंकण रेल निगम लिमिटेड ने ₹2,043.74 करोड़ की अनुमानित लागत पर दक्षिणी छोर पर 4 लेन के पहुँच मार्ग और दो समांतर बड़े पुलों के साथ ट्विन ट्यूब एकदिशीय सुरंग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली है। केरल सरकार से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। विस्तृत पर्यावरण अध्ययन, भूमि अधिग्रहण और निविदा प्रक्रिया का कार्य प्रगति पर है।

ग. **विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह, केरल के लिए रेल संपर्क:** विझिंजम बंदरगाह (11 किलोमीटर) को जोड़ने के लिए कोंकण रेल निगम लिमिटेड और विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दक्षिण रेल द्वारा गैर-सरकारी रेल मॉडल के अंतर्गत ₹980.935 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट अनुमोदित की जा चुकी है। परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

घ. **रक्सौल-काठमांडू नई विद्युतीकृत बड़ी लाइन के लिए अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण:** पूर्व मध्य रेल ने कोंकण रेल को रक्सौल (भारत) और काठमांडू (नेपाल) के बीच नई बड़ी लाइन (136 किलोमीटर) के लिए अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण का कार्य सौंपा है। इस पूरी दूरी के लिए चंक्रमण सर्वेक्षण, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण, भूविज्ञानी मापचित्रण एवं फील्ड सर्वेक्षण पूरे किए जा चुके हैं। पूर्व मध्य रेल द्वारा अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित की

जा चुकी है। परियोजना मूल्यांकन समिति/गतिशक्ति, रेलवे बोर्ड ने इस रिपोर्ट स्वीकार कर ली है और परियोजना को आगे बढ़ाने की सिफारिश की है।

ङ. **टाटा केमिकल्स मगादी लिमिटेड (केन्या):** कोंकण रेल ने मैसर्स टाटा केमिकल्स लिमिटेड, मगादी, केन्या के साथ 24/12/2022 को रेलपथ, रेलइंजन और चल स्टॉक सहित रेल प्रणालियों के पुनर्स्थापन के लिए करारनामे पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना पर कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है और प्रथम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है। नेपाल में सफल कार्यनिष्पादन पश्चात यह कोंकण रेल द्वारा अफ्रीकी महाद्वीप में पहली अंतर्राष्ट्रीय परियोजना होगी।

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (रेलटेल)

26 सितंबर 2000 को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (लघु रत्न श्रेणी-1 केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम) का गठन एक आंतरिक इकाई के माध्यम से भारतीय रेल को अत्याधुनिक संचार नेटवर्क अवसंरचना सुलभ कराकर रेलगाड़ी परिचालन और संरक्षा प्रणालियों को तेजी से आधुनिकीकरण करने में रेलवे की सहायता करने के लिए किया गया था। इस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने भारतीय रेल के प्रतिभाशाली, अनुभवी और प्रेरित मुट्ठीभर सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियरों के साथ कार्य करना शुरू किया था।

पिछले कुछ वर्षों में, यह एक छोटे निकाय से देश का एक सबसे बड़ा सुरक्षित न्यूट्रल दूरसंचार सेवा प्रदाता और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता बन गया है। इसके दो अपटाइम, यू.एस.ए. प्रमाणित टियर-III डाटा सेंटर हैं और इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पैनलबद्ध रेल क्लाउड हैं। रेलटेल का अनूठा विक्रय बिंदु (यूएसपी) पूरे भारत में 21,000 से अधिक किलोमीटर के एक्सेस नेटवर्क के साथ 61,000 से अधिक मार्ग किलोमीटर का ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क का स्वामित्व है, जो पूर्वोत्तर राज्यों के सभी बड़े कस्बों और शहरों तथा अनेक देहाती क्षेत्रों को सेवा प्रदान करता है। रेलटेल का इसके अद्वितीय नेटवर्किंग हाई बैंडविड्थ बैकबोन सेग्मेंट के साथ एक गौरवान्वित स्थान है। इस नेटवर्क में संवर्धित कार्यकुशलता और वृद्धि के लिए मिशन हेतु अत्यावश्यक अनुकूलित कनेक्टीविटी प्लेटफॉर्म सुलभ कराने की क्षमता है। इस समय यह नेटवर्क एसटीएम-64/16 के बहुल वलयों में 800 से अधिक शहरों में सुलभ है।

रेलटेल नेटवर्क में 2 एमबीपीएस से 800 जीबीपीएस लिंक तक सेवा सुपुर्दगी की क्षमता है और विभिन्न प्रौद्योगिकियों को शामिल करता हैं नामत नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क (एनजीएन), सिंक्रोनस डिजिटल हाइआर्की (एसडीएच), पैकेट ट्रांसपोर्ट नेटवर्क (पीटीएन), डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (डीडब्ल्यूडीएम), इंटरनेट प्रोटोकॉल-मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपी-एमपीएलएस) जिनका नेटवर्क परिचालन केन्द्रों और प्रशिक्षित फील्ड जनशक्ति द्वारा चौबीसों घंटे अनुरक्षण किया जाता है। नेटवर्क पर उपलब्ध कराए गए सभी उपस्कर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के हैं और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार मानकों के अनुरूप हैं। इसके अतिरिक्त, रेलटेल द्वारा नौएडा में सार्वजनिक निजी भागीदारी विधि में एक अन्य अत्याधुनिक डाटा सेंटर स्थापित करने पर सक्रियतापूर्वक विचार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, कंपनी टियर-2 और टियर-3 शहरों की आवश्यकताओं पर विशेष बल के साथ, रेल परिसरों/भूमि के अंदर अनेक स्थानों पर तीव्र डेटा सेंटर्स का परिनियोजन कर रही है। इन पहलों को एक सुदृढ़ सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के अंतर्गत उद्योग भागीदारों के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

कंपनी ने निजी और सरकारी ग्राहकों के लिए अनेक सेवाएं पेश करते हुए अनेक क्षेत्रों में विस्तार किया है नामत इंटरनेट बैंडविड्थ, लीज्ड लाइनें, टावर को-लोकेशन, हाई डेफिनेशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा, एमपीएलएस-वीपीएन सेवाएं, डाटा सेंटर संबंधी सेवाएं जैसे को-लोकेशन होस्टिंग, प्रबंधित सेवाएं, क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं, डाटा रिकवरी सेवाएं ई-ऑफिस कार्यान्वयन, एचएमआईएस (अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली), एक सेवा के रूप में सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसीएएएस) और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं आदि।

सुरक्षा संचालन केन्द्र

वित्तीय कार्यनिष्पादन

अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार परिदृश्य के बावजूद, रेलटेल ने ₹2002 करोड़ की कीर्तिमान भंजक कुल आय अर्जित की है, जो पिछले वित्त वर्ष में ₹1,578 करोड़ की आय की तुलना में 27% की विलक्षण वृद्धि है। वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी के परिचालन राजस्व में 27% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो ₹1,964 करोड़ के कारोबार तक पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह ₹1,548 करोड़ रुपए था। रेलटेल ने भारतीय रेल को राजस्व हिस्सेदारी के रूप में ₹42 करोड़ और लाइसेंस शुल्क के लिए दूरसंचार विभाग को ₹77 करोड़ का भुगतान किया है। कंपनी ने अंतरिम लाभांश के रूप में प्रति शेयर ₹1.50 का भुगतान भी किया है जो सभी शेयरधारकों के लिए समादत्त शेयर पूंजी का 15% है। इसके अलावा, बोर्ड ने प्रति शेयर ₹1.05 का अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जो समादत्त शेयर पूंजी का 10.5% है। नए दृष्टिकोण और फोकसशुदा प्रयासों के साथ, कंपनी बेहतर वित्तीय परिणाम हासिल करने और उद्योग में अपनी स्थिति को अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर आश्वस्त है।

फोकस क्षेत्र

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस)

रेलटेल ने भारतीय रेल के 709 अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों/पॉलीक्लिनिकों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली सुलभ कराने का कार्य पूरा कर लिया है। यह सटीक, इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहीत मेडिकल रिकॉर्ड सुलभ कराने के लिए उन्नत अस्पताल प्रशासन और रोगी स्वास्थ्य देखभाल हेतु एकीकृत रोग-विषयक सूचना प्रणाली है।

इस सॉफ्टवेयर की विशेषताओं में विभागों और प्रयोगशालाओं के अनुसार रोग-विषयक डेटा को अनुकूलीकृत करना, बहु-अस्पताल विशेषता शामिल है जो कि सर्वत्र परामर्श; चिकित्सा और अन्य उपस्कर के साथ निर्बाध इंटरफेस सुलभ कराता है। रोगियों को उनके मोबाइल पर उनके सभी चिकित्सा रिकॉर्ड को एक्सेस करने का लाभ मिलेगा। सामान्य उपचार के लिए रेल अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों में आगंतुकों की संख्या को न्यूनतम बनाने के लिए, एक टेली-परामर्श ऐप और एचएमआईएस लाभार्थी ऐप विकसित किया गया है और अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। यह लाभार्थी ऐप चिकित्सा लाभार्थियों को एक इकहरे पॉइन्ट से उनके चिकित्सा रिकॉर्ड को एक्सेस करने में समर्थ बनाता है। रेल अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ भी एकीकृत किया गया है।

रेलवे स्टेशन वाई-फाई

रेलटेल द्वारा सभी रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई सुलभ कराकर रेलवे स्टेशनों का डिजिटल हब में कायापलट किया जा रहा है। कश्मीर घाटी के 15 रेलवे स्टेशनों सहित 6,108 रेलवे स्टेशन रेलटेल के रेलवायर वाई-फाई के साथ लाइव हैं। यह विश्व का एक विशालतम और सर्वाधिक तीव्र सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क है। यात्रियों द्वारा इस सुविधा का उपयोग हाई डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, फिल्में, गाने, गेम डाउनलोड करने और ऑनलाइन अपने कार्यालय कार्य करने के लिए किया जाता है। चालू किए गए रेलवे स्टेशनों में से 70% देहाती क्षेत्रों में हैं जो देहाती आबादी के एक बड़े भाग के सान्निध्य में नि:शुल्क हाई-स्पीड वाई-फाई सेवाएं सुलभ करा रहे हैं।

सुरक्षा संचालन केंद्र

विश्व के डिजिटल होने के साथ, साइबर सुरक्षा खतरों से डेटा के सुरक्षा करना उत्तरोत्तर जरूरी होता जा रहा है। संगठनों के लिए केंद्रीकृत और समेकित साइबर सुरक्षा समाधान सुलभ कराने हेतु

कंपनी ने गुरुग्राम में एक सुरक्षा संचालन केंद्र स्थापित किया है। यह ऑनसाइट और ऑफसाइट साइबर सुरक्षा वारदात रोकथाम और सुरक्षा वारदात निगरानी सेवाएं सुलभ कराता है। रेलटेल का एक सेवा के रूप में सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसीएएएस) संसूचन और प्रत्युत्तर क्षमताओं के साथ डेटा सुरक्षा के लिए बढ़ते खतरे का अग्रसक्रियतापूर्वक निवारण करता है।

तेज, नि:शुल्क रेलवायर वाई-फाई, रेलटेल

भारतीय रेल में ई-ऑफिस

रेलटेल ने अधिक कार्यकुशल, कारगर और पारदर्शी सरकारी संव्यवहारों एवं प्रक्रियाओं के लिए भारतीय रेल में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन शुरू किया है। ई-ऑफिस राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित एक क्लाउड सक्षम सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन है, जिसे गुरुग्राम में आपदा समुत्थान के साथ सिकंदराबाद में रेलटेल टियर-III प्रमाणित डाटा केंद्र में होस्ट किया गया है। भारतीय रेल की 236 इकाइयों में ई-ऑफिस को क्रियान्वित किया जा चुका है। आज तक भारतीय रेल के 1.54 लाख से अधिक उपयोगकर्ता ई-ऑफिस एप्लिकेशन का उपयोग कर रहे हैं। संकट के समय में ई-ऑफिस एक वरदान साबित हुआ है और रेल कर्मचारियों में से काफी अधिक कर्मचारी घर से कार्य कर पाए थे, जो कि हस्तचालित फाइल प्रणाली के मामले में असंभव होता। कंपनी द्वारा यह सेवा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों जैसे डीएफसीसीआईएल, इरकॉन, आरवीएनएल, आईआरसीटीसी और सीडब्ल्यूसी आदि को भी सुलभ कराई गई है।

हाई डेफिनेशन वीडियो कॉन्फ्रेंस

रेलटेल द्वारा आदि से अंत तक, पूर्ण हाई-डेफिनेशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा पेश करता है जो उपयोगकर्ताओं को वर्चुअल, प्रत्यक्ष बैठक का अनुभव देता है। वीडियो कॉन्फ्रेंस सेवा को अपनाने से पहले, भारतीय रेल द्वारा बैठकों/कार्यक्रमों के लिए अधिक धन/समय का व्यय किया जा रहा था, अब बैठकों/कार्यक्रमों के लिए यात्राओं की संख्या में भारी गिरावट आई है, जिससे समय, यात्रा और अस्थायी निवास स्थान संबंधी व्यय की बचत हो रही है। इसने कार्बन फुटप्रिंट की बहुत अधिक मात्रा की बचत करने में भी सहायता की है। यह सफलता अन्य सेवा प्रदाताओं के साथ प्रकट होने वाली चुनौतियों की तुलना में उपयोग की बहुत अधिक सहूलियत और रेलटेल की टीम चौबीसों घंटे ग्राहक प्रत्युत्तरशीलता का परिणाम है।

वीडियो निगरानी प्रणाली

रेलटेल द्वारा 5000 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा-आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली की व्यवस्था को भी क्रियान्वित किया जा रहा है। यह भारतीय रेल नेटवर्क पर यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा का संवर्धन करने में बहुत ही सफल होगा। रेलटेल द्वारा संबंधित क्षेत्रीय रेलों द्वारा विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर संस्थापित विभिन्न स्टैंडअलोन वीडियो निगरानी प्रणाली को भी एकीकृत किया जा रहा है ताकि वीडियो रिकॉर्डिंग को मंडल और क्षेत्रीय रेल मुख्यालय में केंद्रीय रूप से देखा जा सके और निगरानी की जा सके।

सुरंग रेडियो संचार

रेलटेल द्वारा परिचालन संरक्षा को बेहतर बनाने के लिए दुर्गम भूभागों में अनेक महत्वपूर्ण रेल सुरंगों में अत्याधुनिक एकीकृत सुरंग रेडियो संचार प्रणाली संस्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। इस समय रेलटेल द्वारा विभिन्न रेलों के विभिन्न रेलखंडों पर इस प्रणाली को क्रियान्वित किया जा रहा है। सुरंगों के अंदर खराब सिगनल व्याप्ति के कारण संचार भंग हो जाता है, जिससे रेलगाड़ी परिचालन और अनुरक्षण कार्यों में बाधा आ सकती है। इस अत्याधुनिक एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली को सुरंग के भीतर हैंडहेल्ड रेडियो से बेस स्टेशन पर सुरंग नियंत्रण कक्षों और निकटवर्ती स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के बीच निर्बाध रेडियो संचार सुलभ कराने के लिए डिजाइन किया गया है। भारतीय

रेलटेल - डिजिटल परिवर्तन की गति को तेज करते हुए

रेल में पहली बार इस प्रौद्योगिकी का उपयोग इन परियोजनाओं के अंतर्गत किया जा रहा है। इससे इन रेलखंडों पर रेलगाड़ी परिचालन में काफी सुधार आएगा।

रेल वायर - फुटकर ब्रॉडबैंड सेवा

यह अंतिम मील संपर्क सुलभ कराने के लिए स्थानीय उद्यमियों और स्थानीय केबल ऑपरेटरों के साथ सहभागिता में एक सहयोगी मॉडल है। इसके लघु और मध्यम उद्यम/घरेलू क्षेत्र में 5.45 लाख से अधिक रेलवायर ब्रॉडबैंड ग्राहक हैं। ग्रामीण रेलवे स्टेशनों पर मौजूदा स्टेशन वाई-फाई के प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी) का उपयोग करके, कंपनी निकट के अनेक गांवों और कस्बों तक इस सेवा का विस्तार कर रही है।

डेटा सेंटर और रेल-क्लाउड

रेलटेल के पास सिकंदराबाद और गुरुग्राम में दो अपटाइम (यूएसए) प्रमाणित टियर-III डाटा सेंटर और इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सूचीबद्ध एक 'रेलक्लाउड' है। कंपनी द्वारा 6000 वर्ग फुट से अधिक सर्वर फार्म क्षेत्रफल की कुल संयुक्त सकल क्षमता वाले इन दो अत्याधुनिक डाटा केंद्रों से कोलोकेशन सेवाएं, प्रबंधित सेवाएं, क्लाउड कंप्यूटिंग, प्रबंधित ई-ऑफिस, आधार प्रमाणीकरण सेवाएं, समर्पित समाधान इत्यादि जैसी अनेक डेटा सेंटर और क्लाउड सेवाएं पेश की जाती हैं।

सिगनल-प्रणाली का आधुनिकीकरण

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रेलटेल एंटरप्राइजिज लिमिटेड को उत्तर रेलवे के 26 रेलवे स्टेशनों पर पुराने यांत्रिक सिगनल-प्रणाली उपस्कर को अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली से बदलने का कार्य दिया गया है। अब नई इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन सिगनल-प्रणाली माउस के एक क्लिक से सिगनल को नीचे करने और रेलपथों को बदलने में समर्थ बनाएगी और संरक्षा का संवर्धन करेगी और रेलगाड़ी परिचालन की कार्यकुशलता में सुधार लाएगी।

उत्कृष्टता केंद्र - सिगनल-प्रणाली और साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षण के लिए

रेल सिगनल-प्रणाली के क्षेत्र में सक्षम और कुशल जनशक्ति की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए, रेलटेल ने एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। इस उत्कृष्टता केंद्र द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय प्रबंधन संस्थानों जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से अनेक प्रमाणन और डिप्लोमा पाठ्यक्रम पेश किए जाएंगे। ये पाठ्यक्रम कवच के मूलभूत प्रत्ययों, कवच स्टेशन की उन्नत डिजाइनिंग, आरएफआईडी नेटवर्क, ऑनबोर्ड उपस्कर और साइबर सुरक्षा को शामिल करेंगे।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

रेलटेल अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की पहलों द्वारा समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए समर्पित है। रेलटेल के कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पहलें मुख्यतः स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सतत-संपोषणीयता जैसे क्षेत्रों पर फोकस करती हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में, कंपनी द्वारा विभिन्न कार्पोरेट सामाजिक दायित्व परियोजनाओं के लिए ₹436.87 लाख की राशि आवंटित की गई थी। इस प्रकार, रेलटेल का लक्ष्य समाज की समुन्नति में अंशदान करना और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सार्थक एवं सतत-संपोषित परिवर्तन लाना है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी)

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जिसकी स्थापना 27 सितंबर 1999 को रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाले उद्यम के

रूप में की गई थी, ऐसा एकमात्र निकाय है जिसे भारतीय रेल के नेटवर्क पर रेल टिकट, रेलों के लिए खानपान सेवाएं और पर्यटन एवं आतिथ्य सेवाओं के साथ बोतलबंद पेयजल सुलभ कराने का अध्यादेश दिया गया है।

नेक्स्ट जेनरेशन ई-टिकटिंग प्रणाली का अप्रतिम कार्यनिष्पादन एवं सफलता, नवोन्मेषी एवं तकनीकी प्रगति के प्रति आईआरसीटीसी की प्रतिबद्धता की एक अन्य सफलता है। इस प्रणाली की शानदार वृद्धि, कार्यकुशलता और निर्बाध अनुभव ने लाखों लोगों को किफायती और सुविधाजनक ऑनलाइन टिकटिंग सेवा को एक्सेस करने में समर्थ बनाया है, जिससे एशिया और भारत में एक अग्रणी ई-कॉमर्स वेबसाइट के रूप में इसकी स्थिति और सुदृढ़ हुई है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, ई-टिकटिंग राजस्व के रूप में उपयोगकर्ताओं से टिकट किराए के रूप में कुल ₹54,313.46 करोड़ की राशि एकत्र की गई, जो कि पिछले वर्ष के ₹38,178.32 करोड़ रुपए के संग्रहण से 42.26% अधिक है।

वर्ष 2022-23 में कुल 4313.00 लाख टिकटें बुक करवाई गई हैं जबकि वर्ष 2021-22 में यह संख्या 4,174.49 लाख टिकट थी। कुल मिलाकर, वर्ष 2022-23 में 7,706.40 लाख यात्रियों ने ई-टिकट बुक करवाई हैं जबकि वर्ष 2021-22 में यह संख्या 7,343.26 लाख यात्री थी।

कंपनी के मुख्य कार्यों का विवरण इस प्रकार है:

इंटरनेट टिकटिंग

आईआरसीटीसी देशभर में इंटरनेट आधारित रेलवे टिकटिंग के क्षेत्र में पथप्रदर्शक रहा है। आज कंपनी की वेबसाइट www.irctc.co.in पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली ई-कॉमर्स साइट है।

वित्त वर्ष 2022-23 में, आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप ने 11.82 लाख टिकटों की औसत दैनिक टिकट बिक्री दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष के औसत से 11.44 लाख टिकटों की वृद्धि का द्योतक है।

आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट मोबाइल ऐप बुकिंग - 31 मार्च 2023 तक कुल 9.95 करोड़ मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस पर) डाउनलोड किए गए। वर्ष 2022-23 के दौरान औसत मोबाइल ऐप बुकिंग 5.60 लाख टिकट प्रति दिन थी, जबकि वर्ष 2021-22 में यह संख्या 5.25 लाख टिकट थी। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 47.35% आईआरसीटीसी ई-टिकट आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट मोबाइल ऐप द्वारा बुक कराए गए हैं।

रेलगाड़ियों में निर्बाध यात्रा करने के लिए इस पोर्टल से ई-टिकट बुक करवाने के लिए, आईआरसीटीसी ने वारंट प्रबंधन प्रणाली के साथ-साथ ई-टिकटिंग प्रणाली का अनुरक्षण करने के लिए एक समर्पित वेबसाइट विकसित की है। इस प्रगति पर आगे बल देते हुए, दिनांक 09-02-2023 को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के लिए ई-टिकटिंग सेवा का शुभारंभ किया गया था। इस समय यह सात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, अर्थात् राष्ट्रीय सुरक्षा गारद, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, असम राइफल्स, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस को सेवाएं सुलभ करा रहा है।

कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

वर्ष 2008 में कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन का गठन भारत सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार की 50:50 इक्विटी भागीदारी के साथ ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर, कोलकाता परियोजना को

'विशेष प्रयोजन योजना' के रूप में क्रियान्वित करने हेतु किया गया था। बाद में अगस्त 2012 में, इस परियोजना को भारत सरकार के रेल मंत्रालय और शहरी विकास मंत्रालय के बीच 74:26 अनुपात की इक्विटी भागीदारी के अंतर्गत रेल मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया था।

परियोजना का संक्षेप

फरवरी 2009 में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा साल्ट लेक सेक्टर-V से हावड़ा मैदान तक 14.67 किलोमीटर की लंबाई के लिए ₹4,874.58 करोड़ की लागत पर परियोजना स्वीकृत की गई थी। सेंट्रल स्टेशन पर भूमि अधिग्रहण और पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास की समस्याओं तथा महाकरन क्षेत्र में यातायात घेराबंदी के कारण, दिसंबर 2012 से अगस्त 2015 तक कार्य पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। अगस्त, 2015 में मार्ग का संरेखण बदला गया था, जिससे नए मार्ग पर एस्प्लेनेड में स्टेशन के साथ परियोजना की लंबाई 1.88 किलोमीटर बढ़ गई थी। संरेखण बदलने के बाद मौजूदा परियोजना लंबाई संशोधित होकर 16.55 किलोमीटर हो गई है। संरेखण बदलने और अन्य परिवर्तनों के कारण, अक्टूबर 2020 में ₹8,574.98 करोड़ का संशोधित लागत अनुमान स्वीकृत किया गया था। परियोजना को पूरा करने के लिए, ₹10,442.41 करोड़ का प्रस्तावित संशोधित लागत अनुमान रेलवे बोर्ड को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया था। इस गलियारे की कुछ अद्वितीय विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- भारत में किसी भी विशालकाय नदी के नीचे प्रथम परिवहन सुरंग।
- यह गलियारा बड़े टर्मिनलों हावड़ा और सियालदह, उत्तर-दक्षिण मेट्रो लाइन को एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर आगामी जोका एस्प्लेनेड मेट्रो लाइन के साथ जोड़ता है।
- हावड़ा मेट्रो स्टेशन भारत के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में से एक है।
- स्ट्रैंड रोड पर भारत का सबसे गहरा मेट्रो निकास शाफ्ट
- इंस्टीटियूट ऑफ सिविल इंजीनियर्स, यूके/आईसीई ने इस परियोजना को 200 ऐसी वैश्विक परियोजनाओं में से एक माना है, जिसने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर बहुत अधिक प्रभाव डाला है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

क्र.सं.	मद	विवरण
1	परियोजना की लंबाई	16.55 किलोमीटर [उत्थापित: 5.74 किलोमीटर और भूमिगत: 10.81 किलोमीटर]
2	स्टेशन	12 अदद [उत्थापित - 6 अदद और भूमिगत - 6 अदद]
3	आमान	मानक आमान: 1,435 मिलीमीटर
4	गति	डिजाइन गति - 90 किलोमीटर प्रति घंटा, परिचालन गति - 80 किलोमीटर प्रति घंटा
5	चल स्टॉक	2.88 मीटर चौड़ी 6-बोगी गाड़ी [मेक इन इंडिया के अंतर्गत बीईएमएल द्वारा विनिर्मित], गाड़ी की अधिकतम क्षमता 2068 यात्री
6	कर्षण प्रणाली	750 वोल्ट डीसी, करंट संग्रहण: तृतीय बोगी [ऊपर से]
7	सिगनल-प्रणाली	संचार आधारित गाड़ी नियंत्रण [सीबीटीसी: ऑनबोर्ड सिग्नल]
8	यातायात पूर्वानुमान	दैनिक राइडरशिप वर्ष 2025 में 7.5 लाख यात्री प्रतिदिन
9	मुख्य विशेषताएं	गिरने से रक्षा करने के लिए प्लेटफार्म स्क्रीन दरवाजे/गेट, दिव्यांगजन अनुकूल [गाड़ी में व्हील चेयर का स्थान], जीवन और अग्नि संरक्षा के लिए एनबीसी-2016 और एनएफपीए संगत
10	डिपो	39 एकड़ में सेंट्रल पार्क [ग्रेड पर]

वास्तविक प्रगति

इस गलियारे के 16.55 किलोमीटर में से, पहले चरण में साल्ट लेक सेक्टर-V से सियालदह तक 9.30 किलोमीटर मार्ग को जनता के लिए खोल दिया गया है। शेष 7.25 किलोमीटर भूमिगत खंड चरण-II में पूरा किया जाएगा। विवरण इस प्रकार हैं:

चरण-II	शेष खंड	लंबाई	लक्ष्य
II क	हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड [भूमिगत स्टेशन - 04 अदद, हावड़ा मैदान, हावड़ा, महाकरन और एस्प्लेनेड]	4.80 किलोमीटर	जनवरी 2024
II ख	एस्प्लेनेड-सियालदह	2.45 किलोमीटर	जून 2024

मुख्य वित्तीय विशेषताएँ

विवरण	राशि (करोड़ ₹ में)
अनुमानित बजट	8,574.98
प्रस्तावित संशोधित बजट	10,442.41
वित्त वर्ष 2023-24 के लिए व्यय (नवंबर 2023 तक)	286.49
परियोजना की शुरुआत से व्यय	8,889.01

कोलकाता मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड को कोलकाता में 16.55 किलोमीटर लंबे ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर परियोजना के निर्माण का अध्यादेश दिया गया है। पूरी हो चुकी मेट्रो परियोजना का परिचालन मेट्रो रेल के पास है, जो रेल मंत्रालय के अधीन एक क्षेत्रीय रेल है। कोलकाता मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड कोई राजस्व अर्जित नहीं करता और इसलिए कोई लाभ अर्जित नहीं करता है और न ही किसी लाभांश का भुगतान करता है।

निर्माण के दौरान सामने आई चुनौतियाँ

कोलकाता की मृदु भूमि दशाओं, हुगली नदी के नीचे सुरंग बनाना, व्यस्त रेलवे यार्ड (हावड़ा स्टेशन यार्ड), बंकिम सेतु, ब्रेबॉर्न रोड फ्लाईओवर, सियालदह फ्लाईओवर, एस्प्लेनेड पर मौजूदा नॉर्थ साउथ मेट्रो स्टेशन और घनी आबादी वाले शहरी परिवेश एवं पुरानी इमारत क्षेत्र के नीचे के कारण अनोखी इंजीनियरी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हुगली नदी के नीचे सुरंग बनाने जैसे कई मील-पत्थर हासिल किए गए हैं, जो भारत में किसी भी विशाकालय नदी के नीचे पहली परिवहन सुरंग है। हावड़ा में भूमिगत स्टेशन और स्टैंड रोड पर मध्यवर्ती संवातन शाफ्ट क्रमशः सबसे गहरे मेट्रो स्टेशन और संवातन शाफ्ट हैं।

ईस्ट वेस्ट मेट्रो परियोजना के लाभ

यह गलियारा हावड़ा और सियालदह में बड़े टर्मिनस को जोड़ता है और एस्प्लेनेड स्टेशन पर मौजूदा उत्तर दक्षिण मेट्रो और जोका-बी.बी.डी. बाग परियोजना को भी जोड़ता है। स्वयं कोलकाता ईस्ट वेस्ट मेट्रो परियोजना एक आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल जन परिवहन प्रणाली है जो कोलकाता शहर और आसपास के शहरी क्षेत्रों में काफी बड़ी सीमा तक वाहन प्रदूषण का उन्मूलन करेगी; यातायात संकुलन, यात्रा समय, कार्बन पदचिह्नों और सड़क दुर्घटनाओं का न्यूनीकरण करेगी तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं शहरी वातावरण को भी बढ़ावा देगी। यह हावड़ा और कोलकाता के युगल शहरों के लिए नदी के आर-पार तीव्र गाड़ी परिचालन सुलभ कराकर इस क्षेत्र के जन परिवहन परिदृश्य को बढ़ावा देगी।

रेल विकास निगम लिमिटेड

रेल विकास निगम लिमिटेड अपने अस्तित्व की तीन कसौटियों अर्थात गुणवत्ता, गति और पारदर्शिता के साथ एक नयी यात्रा प्रारंभ कर रहा है। वर्षों के दौरान हमारे सभी व्यावसायिक कार्यों में पारदर्शिता को बढ़ावा देने का सतत प्रयास किया जा रहा है। इससे अपने ग्राहकों और हितधारकों का विश्वास अर्जित करने में हमारी सहायता की है और हमें उनके साथ सुदृढ़ सहभागिताएं स्थापित करने में समर्थ बनाया है। यद्यपि हम परियोजनाओं को समय पर सुपुर्द करने का प्रयास करते हैं, तथापि हम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि हमारी परियोजनाएं सर्वोच्च गुणवत्ता मानकों को पूरा करें। हमारी मेहनत को सम्मानित किया गया है और दिनांक 1 मई, 2023 को हमें नवरत्न का दर्जा प्राप्त हुआ।

कम परिसंपत्तियों के मॉडल को अपनाते हुए, हमने विगत में सुदृढ़ वित्तीय उपलब्धियां हासिल की हैं। टर्नकी विधि, नवोन्मोषी कार्यनिष्पादन मॉडल और कार्यकुशल संविदा प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने के पश्चात, हमने बड़ी संख्या में परियोजनाओं के विस्तृत क्रयादेश भी प्राप्त किए हैं जिनका निष्पादन किया जा रहा है। हम परियोजना विकास और निष्पादन के सभी चरणों को क्रियान्वित करते हैं, जो प्रत्ययों का प्रवर्तन में परिवर्तन करने में हमारी विशेषज्ञता को रेखांकित करता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनुसार, रेल विकास निगम लिमिटेड का भारत में सर्वत्र 30 परियोजना कार्यान्वयन यूनिटों के साथ सुदृढ़ आधार है, जिसमें मालदीव में 1 परियोजना भी शामिल है और कुल जनशक्ति 425 है।

प्रभावशाली भौतिक और वित्तीय कार्यनिष्पादन

वित्तीय कार्यनिष्पादन

वर्ष 2022-23 में, रेल विकास निगम लिमिटेड ने परियोजना क्रियान्वयन पर अपना व्यय ₹19,381.71 करोड़ से बढ़ाकर ₹20,281.57 करोड़ कर दिया, इस प्रकार ₹20,000 करोड़ के आकांक्षित मील-पत्थर को पार किया, जिसमें माल एवं सेवा कर के ₹3343.47 करोड़ शामिल नहीं है। यह 4.64% वृद्धि का द्योतक है। वर्ष 2021-22 में कर पूर्व लाभ ₹1406.10 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2022-23 में ₹1644.38 करोड़ हो गया, और कंपनी का करोपरांत लाभ ₹1267.41 करोड़ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.57% वृद्धि का द्योतक है। बेहतर वित्तीय कार्यनिष्पादन को देखते हुए, आपकी कंपनी के निदेशकों ने 2022-2023 के लिए ₹444.11 करोड़ के कीर्तिमान लाभांश (अंतरिम और अंतिम) के भुगतान की अनुशंसा/भुगदान किया की है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹329.43 करोड़ था। फलस्वरूप, रेल विकास निगम लिमिटेड का वास्तविक प्रबंधन शुल्क 8.5% से घटकर 6.58% हो गया, इसके साथ, मंत्रालय को प्रदत्त संचयी लाभांश ₹1826.34 करोड़ हो गया है (निदेशक मंडल द्वारा शेयरधारक के लिए अनुशंसित अंतिम लाभांश के ₹75.06 करोड़ को छोड़कर)। वित्तीय वर्ष 2023-24 में सफलता का सफर जारी है।

वास्तविक कार्यनिष्पादन

वर्ष के दौरान, रेल विकास निगम लिमिटेड ने नई लाइन, दोहरीकरण और आमान परिवर्तन के लिए 1000 किलोमीटर के प्रवर्तन निर्देश-मानक को पुनः पार किया। 1343.30 किलोमीटर परियोजना लंबाई का प्रवर्तन किया जिसमें 119 किलोमीटर नई लाइन, 925.00 किलोमीटर दोहरीकरण और 299.3 किलोमीटर रेल विद्युतीकरण शामिल था। इन्हें परिचालन हेतु क्षेत्रीय रेलों को सौंप दिया गया था। इसके अतिरिक्त, दोहरीकरण के भाग के रूप में 655 किलोमीटर का रेल विद्युतीकरण कार्य भी किया गया।

निर्माणाधीन सामरिक रेल परियोजनाएँ ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई रेल संपर्क परियोजना - 125 किलोमीटर

दोहरीकरण/नई लाइन/आमान परिवर्तन

जोका तरातला खंड (6.5 कि.मी.), जोका-एस्प्लेनेड मेट्रो गलियारे का एक भाग (14.21 कि.मी.)

वर्ष 2022-23 के दौरान, 67.06 किलोमीटर नई लाइन, 497.88 किलोमीटर दोहरीकरण, 271.12 किलोमीटर रेल विद्युतीकरण और 26.96 किलोमीटर महानगर परिवहन परियोजना सहित 863.02 किलोमीटर परियोजना लंबाई पूरी की गई। इसके अलावा, दोहरीकरण के भाग के रूप में 334.59 किलोमीटर का रेल विद्युतीकरण कार्य भी किया गया। वर्ष के दौरान, आठ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का पूर्णतः परिवर्तन किया गया। ये इस प्रकार हैं:

क. संबलपुर-टिटलागढ़ (182 किलोमीटर)।

ख. रेल विद्युतीकरण सहित भीमसेन-झांसी (206 किलोमीटर)।

ग. दौंड-गुलबर्गा-दोहरीकरण कार्य (224.9 किलोमीटर)।

घ. पुणे-गुंतकल विद्युतीकरण कार्य (641.37 किलोमीटर)।

ङ. विजयवाड़ा-गुड़ीवाड़ा-भीमावरम-नरसापुर, गुड़ीवाड़ा-मछलीपट्टनम और भीमावरम-निदादावोलु (221 किलोमीटर)-विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण।

च. बीना-कोटा (282.66 किलोमीटर) विद्युतीकरण सहित, पालनपुर-सामाख्याली (247.73 किलोमीटर)।

रेल विद्युतीकरण

रेल विकास निगम लिमिटेड ने महत्वपूर्ण मार्गों पर 299.3 मार्ग किलोमीटर (681.6 रेलपथ किलोमीटर) के केवल रेल विद्युतीकरण कार्यों का प्रवर्तन किया। केवल रेल विद्युतीकरण कार्य के अलावा, दोहरीकरण परियोजनाओं के साथ 655 किलोमीटर रेल विद्युतीकरण कार्य का भी प्रवर्तन किया गया। इस प्रकार, वर्ष 2022-23 में 924.30 किलोमीटर विद्युतीकृत रेलखंडों का प्रवर्तन किया गया। वर्ष के दौरान संबलपुर-टिटलागढ़ दोहरीकरण परियोजना (96.596 किलोमीटर) और पालनपुर-समाख्याली (247.73 किलोमीटर) परियोजना के रेल विद्युतीकरण कार्य का प्रवर्तन किया गया।

सिगनल-प्रणाली और दूरसंचार

सिगनल-प्रणाली और दूरसंचार प्रक्षेत्र भारतीय रेल में रेलगाड़ियों के कुशल और संरक्षित परिचालन हेतु सिगनल-प्रणाली समाधान सुलभ कराने की एक मुख्य विशेषज्ञता है।

दोहरीकरण, तीसरी लाइन, नई लाइन और आमान परिवर्तन की सर्वाधिक जटिल परियोजनाओं के संबंध में भारतीय रेल में ईलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन संस्थापनाओं के लिए रेल विकास निगमल लिमिटेड एक बड़ा अंशदाता है। अपनी परम्परा को बुलंदी पर कायम रखते हुए, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान रेल विकास निगम लिमिटेड ने भारतीय रेल में 93 नई ईलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन/पैनल अंतर्पाशन संस्थापनाओं का प्रवर्तन किया। नए ईलेक्ट्रानिक अंतर्पाशनों के अलावा, रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा भारतीय रेल में 53 ईलेक्ट्रानिक अंतर्पाशन/पैनल अंतर्पाशन संस्थापनाओं में प्रत्यावर्तनों का प्रवर्तन किया गया।

भटिंडा रूट रिले अंतर्पाशन स्टेशन (717 सिगनल-प्रणाली मार्ग), कोटा स्टेशन (534 सिगनल-प्रणाली मार्ग), गढ़वा रोड स्टेशन (336 सिगनल-प्रणाली मार्ग), टिटलागढ़ (254 सिगनल-प्रणाली मार्ग), वेंकटाचलम स्टेशन (249 सिगनल-प्रणाली मार्ग), अम्मनब्रोलु स्टेशन (192 सिगनल-प्रणाली मार्ग) और पडगपाड़ स्टेशन (177 मार्ग) के कई बड़े यार्डों के ढांचे में परिवर्तन कार्य का भी प्रवर्तन किया गया है, जो इसकी तकनकी + प्रबंधकीय क्षमता का निरूपण करता है।

वर्ष के दौरान रेल विकास निगम लिमिटेड ने दोहरीकरण और तीसरी लाइन परियोजनाओं का प्रवर्तन करने के लिए 146 गैर-अंतर्पाशन स्टेशनों को निष्पादित किया। रेल विकास निगम लिमिटेड ने 52 मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल/स्वचल सिगनलों और 46 रेलखंड मध्य रेलफाटकों के अंतर्पाशन की बड़ी संख्या का भी प्रवर्तन किया है। वर्ष के दौरान रेल विकास निगम लिमिटेड ने न केवल सिगनल-प्रणाली के मोर्चे पर, अपितु 1350 किलोमीटर फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क और 6 क्वाड केबल नेटवर्क सुलभ कराकर दूरसंचार में भी अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की है।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

रेल विकास निगम लिमिटेड अपने सामाजिक दायित्व के प्रति सचेत है। वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पहलों पर ₹26.26 करोड़ का व्यय किया, जो पिछले तीन वित्त वर्षों के करोपरांत लाभग के 2 प्रतिशत से अधिक अर्थात ₹23.68 करोड़ है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 2 प्रतिशत से अधिक व्यय के कारण कंपनी (कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुपालन में ₹22.13 लाख अलग करे गए थे। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2022-23 में रेल विकास निगम लिमिटेड की कार्पोरेट सामाजिक दायित्व देयताएं ₹23.46 करोड़ रुपए थीं। कंपनी का मुख्य फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्रों पर है।

पुरस्कार और सम्मान

हाल ही में रेल विकास निगम लिमिटेड को कई पुरस्कार मिले हैं, उनमें से कुछ-एक इस प्रकार है:

- 21वें ग्रीनटेक संरक्षा पुरस्कार 2023 में संनिर्माण संरक्षा कोटि में उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार।
- निदेशक (वित्त) रेल विकास निगम लिमिटेड को मध्य पूंजी 2023 श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मुख्य वित्त अधिकारी अवसंरचना पुरस्कार।
- सरकारी लोक उद्यम उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 में परिचालन कार्यनिष्पादन उत्कृष्टता पुरस्कार।
- इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड 2023 के दौरान गुणवत्ता नवोन्मेष पुरस्कार जीता।
- उत्कृष्ट भौतिक और वित्तीय निष्पादन के लिए एसकेओसीएच गोल्ड पुरस्कार 2023।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण

रेल भूमि विकास प्राधिकरण, रेल मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक प्राधिकरण है, जिसे गैर-दरसूची उपायों द्वारा राजस्व का सृजन करने के प्रयोजनार्थ रेल अधिनियम, 1989 में संशोधन द्वारा केंद्र सरकार द्वारा व्यावसायिक उपयोग के लिए सौंपी गई रेल भूमि के विकास हेतु स्थापित किया गया है। दिनांक 05.01.2007 को यथासंशोधित दिनांक 31.10.2006 की असाधारण राजपत्र अधिसूचना के मामले में रेल भूमि विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण के कामकाज के नियमों को दिनांक 04.01.2007 के असाधारण राजपत्र में भी अधिसूचित किया गया है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण के कार्य

धारा 4(घ) के मामले में, रेल भूमि विकास प्राधिकरण को रेल भूमि के विकास के संबंध में, जैसा कि रेलवे बोर्ड द्वारा इसे विनिर्दिष्टत: समनुदिष्ट किए जाएं, कार्यों का निर्वहन करना होगा और केंद्र सरकार की ऐसी शक्तियों का प्रयोग करना होगा। अधिनियम की धारा 4(ङ) के मामले में,

विनिर्दिष्टत: ऐसे निर्देशों के अधीन जो केंद्र सरकार द्वारा दिए जाएं, रेल भूमि विकास प्राधिकरण को केंद्र सरकार की ओर से करारनामा करने और संविदाएं निष्पादित करने की शक्ति प्रदान की गई है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (गठन) नियम 2007 की धारा 24 के मामले में, प्राधिकरण द्वारा केंद्र सरकार के अनुमोदन से इस अधिनियम के अंतर्गत अपने समस्त अथवा किसी कार्य के निष्पादन हेतु कोई विशेष प्रयोजन योजना, संयुक्त उद्यम अथवा अन्य विधिक निकाय स्थापित कर सकता है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण

प्राधिकरण के कार्य

खाली रेल भूमि का वाणिज्यिक विकास

वर्ष 2022-23 के दौरान रेल विकास निगम प्राधिकरण को ₹508.54 करोड़ की कुल आमदनी हुई। रेल मंत्रालय द्वारा रेल विकास निगम प्राधिकरण को व्यावसायिक विकास हेतु साइटों का कार्य सौंपा जाता है। वर्ष 2022-23 की शुरुआत तक कुल 122 साइटें सौंपी गई थीं। वर्ष 2022-23 के दौरान 15 अदद नई साइटों का कार्य सौंपा गया और 11 साइटों का कार्य वापस लिया गया, जिससे वर्ष 2022-23 तक वाणिज्यिक विकास हेतु रेल विकास निगम प्राधिकरण के पास कुल 126 साइटें उपलब्ध हैं।

रेल विकास निगम प्राधिकरण को वाणिज्यिक साइटों के अलावा, 18 स्टेडियम और 4 रेल लाइनों (दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, कालका शिमला रेलवे, नेरल-माथेरान रेलवे और नीलगिरि माउंटेन रेलवे) का कार्य भी वाणिज्यिक विकास के लिए सौंपा गया है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, 16 अदद व्यावसायिक साइटों के लिए स्वीकारोक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 3 साइटों के स्वीकारोक्ति पत्र (अर्थात 1. स्टेशन रोड सहित भुसावल, 2. वॉलटेक्स रोड चेन्नई, और 3. गुड लक कॉलोनी सोलापुर) को चयनित बोलीदाता द्वारा पट्टा प्रीमियम की पहली किस्त नहीं चुकाने करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

वर्ष 2022-23 की शुरुआत में कुल 24 व्यावसायिक साइटें प्रदान की गईं। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 16 साइटें दी गईं। परन्तु वर्ष 2022-23 में दी गई 3 साइटें और पूर्व में दी गई 2 साइटें वर्ष के दौरान रद्द कर दी गईं। इस प्रकार, आज तक कुल 35 वाणिज्यिक साइटें दी गईं हैं।

रेलवे कॉलोनी का पुनर्विकास

वर्ष 2022-23 की शुरुआत तक कुल 84 साइटें सौंपी गईं। वर्ष 2022-23 के दौरान 20 अदद नई कॉलोनी की साइटें सौंपी गईं, जिससे वर्ष 2022-23 तक कॉलोनी पुनर्विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण के पास कुल 104 कॉलोनी पुनर्विकास साइटें उपलब्ध हैं।

वर्ष 2022-23 की शुरुआत में कुल 4 कॉलोनी पुनर्विकास साइट दी गईं। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 09 साइट दी गईं। वर्ष 2022-23 में दी गई 01 साइट को वर्ष के दौरान रद्द कर दिया गया। इस प्रकार, आज तक कॉलोनी पुनर्विकास हेतु दी गई कुल 12 साइट हैं।

मुंबई में दो कॉलोनियां माटुंगा रोड रेलवे कॉलोनी और डब्ल्यूए कॉलोनी धारावी पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत हैं, जिसके लिए दिनांक 18.10.2022 को महाराष्ट्र सरकार के साथ पट्टा विलेख करारनामा किया गया है। इसके अलावा, वर्ष 2022-23 के दौरान 9 कॉलोनियों अर्थात् 1. एषुंबूरकॉलोनी, चेन्नई, 2. भोपाल पश्चिम कॉलोनी, 3. लुधियाना कॉलोनी नंबर 13, 4. झूसी कॉलोनी, प्रयागराज 5. रामगढ़ ताल कॉलोनी गोरखपुर, 6. ब्रह्मपुर कॉलोनी मुजफ्फरपुर, 7. कण्णूर कॉलोनी, 8. चौपला कॉलोनी बरेली, और 9. बैरक कॉलोनी न्यू जलपाईगुड़ी के लिए स्वीकारोक्ति पत्र दिए जा चुके हैं, जिनमें से चयनित बोलीदाता द्वारा पट्टा प्रीमियम की पहली किस्त नहीं चुकाने के कारण झूसी कॉलोनी, प्रयागराज हेतु स्वीकारोक्ति पत्र रद्द कर दिया गया है। अभी तक 89 कॉलोनियों

के लिए वास्तुकला परामर्श कार्य दिया जा चुका है, 64 कॉलोनियों के लिए विपणन और मूल्यांकन परामर्श कार्य भी दिया जा चुका है।

बहुकार्य परिसरों का निर्माण

बहुकार्य परिसरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को राजस्व भागीदारी मॉडल पर 30 से 45 वर्ष के पट्टे पर भूमि दी जाती है। बहरहाल, रेल भूमि विकास प्राधिकरण ने प्राइवेट डेवलपर्स के माध्यम से विकास हेतु संयुक्त मॉडल (अग्रिम पट्टा प्रीमियम और निश्चित वार्षिक पट्टा किराया मॉडल) को अपनाया है, जिसके लिए खुली प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी बोली प्रक्रिया द्वारा बोलीदाताओं का चयन किया जाता है। कुल मिलाकर, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों [इरकॉन (24), राइट्स (14), और रेल विकास निगम लिमिटेड(02)] को विकास के लिए बहुकार्य परिसर समनुदिष्ट किए गए थे। इनमें से इरकॉन द्वारा 24 बहुकार्य परिसरों का प्रवर्तन कर किया जा चुका है। बहरहाल, रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार, राइट्स द्वारा पूरे किए गए 14 बहुकार्य परिसर भवनों को बिना किसी लागत के वापस रेलवे को सौंप दिया गया है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने भी संबंधित क्षेत्रीय रेलों को 02 अदद बहुकार्य परिसर सौंपे हैं। रेल भूमि विकास प्राधिकरण को प्राइवेट डेवलपर्स के माध्यम से विकास हेतु 123 बहुकार्य परिसर सौंपे हैं। इनमें से 53 बहुकार्य परिसर दिए जा चुके हैं; और तकनीकी एवं वित्तीय परिप्रेक्ष्य में कम अर्थक्षमता के कारण, दिनांक 11.03.2021 के पत्र द्वारा रेलवे बोर्ड से 39 बहुकार्य परिसर साइट रेल भूमि विकास प्राधिकरण से वापस लेने का अनुरोध किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास

रेल भूमि विकास प्राधिकरण को 104 रेलवे स्टेशन पुनर्विकास के लिए सौंपे गए हैं (इनमें से 02 रेलवे इस्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, 13 रेलवे स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर है, 49 रेलवे स्टेशनों पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करके क्षेत्रीय रेलों को सौंप दी गई है, 04 रेलवे स्टेशनों पर निविदाएं आमंत्रित की गई हैं/आमंत्रित की जाएंगी और 32 रेलवे स्टेशनों की योजना बनाने का कार्य प्रगति पर है)। इसके अलावा, 04 रेलवे स्टेशनों के कार्यों को त्यागने का प्रस्ताव किया गया है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल)

डीएफसीसीआईएल का संक्षिप्त परिचय

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) भारत सरकार (रेल मंत्रालय) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। भारतीय रेल के लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता के चार बड़े महानगरों को जोड़ने वाला स्वर्णिम चतुर्भुज और उसके विकर्ण कार्यनीति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह मार्ग कुल मार्ग का 16% है, किंतु 52% यात्री यातायात और 58% माल यातायात की ढुलाई करता है। पूर्वी गलियारा (कोलकाता-दिल्ली) और पश्चिमी गलियारा (मुंबई-दिल्ली) अत्यधिक संतृप्त थे। इन मार्गों को विसंकुलित करने के लिए समर्पित माल गलियारा विकसित किया गया था। समर्पित माल गलियारे की स्थापना कार्यकुशलता सुनिश्चित करते हुए और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में सुस्पष्ट न्यूनीकरण को समर्थ बनाते हुए संतृप्त सड़क नेटवर्क को विसंकुलित और रेल माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। 9 राज्यों से होकर गुजरने वाले समर्पित माल गलियारों की कुल परिधि 2,843 किलोमीटर है।

डीएफसीसीआईएल के लाभ

- परिवहन की इकाई लागत में सुस्पष्ट कमी आने की प्रत्याशा है।
- दोहरी लाइनों के साथ समर्पित माल गलियारा मार्गों का निर्माण किया जाता है और स्वचालित सिगनल प्रणाली भी सुलभ कराई जाती है; फलस्वरूप प्रत्येक दिशा में 120 से अधिक रेलगाड़ियां चलाई जा सकती हैं।

- सड़क मार्ग से रेल मार्ग तक मोडाल अंतरण। प्रारंभ में, भारतीय रेल के समानांतर मार्गों पर चालित 70% माल यातायात को इन मार्गों पर लाने की योजना है और समय के दौरान, सड़क यातायात भी रेल मार्गों पर आ जाएगा क्योंकि समर्पित माल गलियारे परिवहन का अत्यधिक कुशल, किफायती, संरक्षित और तीव्रतर साधन सुलभ कराएंगे।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारे और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के किनारे पर औद्योगिक गलियारे भी बन रहे हैं।
- 30 साल की अवधि के दौरान 457 मिलियन टन कार्बन-डाई-ऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन की बचत। यह वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता करेगा।

यमुना पुल, प्रयागराज डीएफसीसीआईएल

वर्ष 2022-23 की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

डीएफसीसीआईएल द्वारा विनियोजित 2,843 मार्ग किलोमीटर में से 2,089 मार्ग किलोमीटर समर्पित माल गलियारा नेटवर्क का सफलतापूर्वक प्रवर्तन किया जा चुका है। इस मील-पत्थर से भारतीय रेल के अत्यावश्यक फीडर मार्गों के रास्ते गुजरात और उत्तर भारत के पत्तनों के बीच संपर्क का बहुत अधिक संवर्धन हुआ है।

विशिष्टताएं

समर्पित माल गलियारों के दो महत्वपूर्ण रेलखंड - दिनांक 18.06.2022 को पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का न्यू पालनपुर-मदार रेलखंड (353 किलोमीटर) और दिनांक 30.09.2022 को पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का न्यू पालनपुर-महेसाणा रेलखंड (75 किलोमीटर) राष्ट्र को समर्पित किया गया। ये रेलखंड पश्चिमी भारत के भागों को उत्तरी भाग से जोड़ने और तीव्रतर पहुंच सुलभ कराने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ियां हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, पश्चिमी समर्पित माल गलियारा के 812 किलोमीटर (28.6%) के रेलखंडों के कार्यों को पूरा किया गया और प्रवर्तन किया गया। इसके महत्वपूर्ण रेलखंड इस प्रकार हैं:-

- पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का रेवाडी-दादरी (127 किलोमीटर) रेलखंड।
- पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का पालनपुर-साणंद नॉर्थ (पालनपुर संपर्क लाइन सहित) (152 किलोमीटर) रेलखंड।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारे का खुर्जा-दादरी (46 किलोमीटर) बड़ी दोहरी लाइन विद्युतीकृत रेलखंड, जो पूर्वी समर्पित माल गलियारे और पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के बीच निर्बाध रेलगाड़ी परिचालन साध्य बनाता है।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारे का भाऊपुर-भीमसेन (50 किलोमीटर) बड़ी दोहरी लाइन विद्युतीकृत रेलखंड।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारे का शुजातपुर-न्यू अहरौरा रोड (195 किलोमीटर) बड़ी दोहरी लाइन विद्युतीकृत रेलखंड।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारे का खुर्जा-खतौली (134 किलोमीटर) बड़ी इकहरी लाइन रेलखंड।
- ऊंचे सिरोपरि उपस्कर सहित पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का भेस्तान-संजन (108 किलोमीटर) बड़ी दोहरी लाइन विद्युतीकृत रेलखंड।
- दिनांक 30.03.2023 को अहमदाबाद में पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के अत्याधुनिक परिचालन नियंत्रण सेंट्रल का प्रवर्तन किया गया।

संचालन नियंत्रण केन्द्र (ओसीसी), अहमदाबाद

निर्माण-कार्यों की प्रगति

वित्त वर्ष 2022-23 में, 75 बड़े पुल, 13 रेल फ्लाई ओवर और 36 रेल ओवर ब्रिज पूरे किए गए।

- वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, आधुनिक नई रेलपथ निर्माण मशीन के साथ अभी तक सर्वाधिक 988 रेलपथ किलोमीटर का संपर्कन किया गया, फलस्वरूप संचयी संपर्कन 5,151 रेलपथ किलोमीटर हो गया।
- वित्त वर्ष 2022-23 में, यंत्रीकृत तार-स्थापन रेलगाड़ी द्वारा अभी तक सर्वाधिक 1,343 रेलपथ किलोमीटर सिरोपरि उपस्कर तार-स्थापन का कार्य पूरा किया गया। दिनांक 31.03.2023 तक, संचयी 4,454 रेलपथ किलोमीटर सिरोपरि उपस्कर तार-स्थापन का कार्य पूरा किया जा चुका है।
- वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, डीएफसीसीआईएल द्वारा ₹13,851.57 करोड़ (भूमि सहित) का पूंजीगत व्यय और दिनांक 31.03.2023 तक ₹1,03,287.57 करोड़ का पूंजीगत व्यय हासिल किया गया।

भूमि अधिग्रहण

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, पूर्वी समर्पित माल गलियारे के लिए कुल भूमि अधिग्रहण 24,170 हेक्टेयर, पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के लिए 46,452 हेक्टेयर और सोननगर-दानकुनी के लिए 35,860 हेक्टेयर था। संचयी भूमि अधिग्रहण क्रमशः पूर्वी समर्पित माल गलियारे के लिए 4743.5 हेक्टेयर, पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के लिए 6081.45 हेक्टेयर और सोननगर-दानकुनी के लिए 1191.95 हेक्टेयर था।

परिचालन

वित्त वर्ष 2022-23 में, कंपनी द्वारा प्रतिदिन औसतन 170 रेलगाड़ियों का सफलतापूर्वक परिचालन किया गया। रेलगाड़ियों की प्रति दिन संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। वित्त वर्ष 2022-23 में, कंपनी द्वारा 1,340 लाख सकल टन-किलोमीटर और 612 लाख निवल टन-किलोमीटर की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई।

- **समर्पित माल गलियारा गति:** समर्पित माल गलियारे ने दर्ज की गई उच्चतम 99.82 किलोमीटर प्रति घंटे के साथ प्रभावशाली औसत गति हासिल की है। वित्त वर्ष 2022-23 में, पूर्वी समर्पित माल गलियारे ने 52 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत गति को बनाए रखा, जबकि पश्चिमी समर्पित माल गलियारे ने 51 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत गति के साथ बराबर गति को बनाए रखा। ये गति माल परिवहन को सुविधाजनक बनाने में समर्पित माल गलियारे की कार्यकुशलता और कारगरता का उदाहरण हैं।
- **माल परिवहन हेतु बेहतर गति और संकुलन उन्मूलन:** समर्पित माल गलियारे भारतीय रेल की पटरियों पर संकुलन से तुल्याकालिक राहत प्रदान करते हुए माल यातायात की औसत गति का बहुत अधिक संवर्धन करता है। यह विशेषतः अत्यधिक संकुलित मार्गों पर अधिक यात्री रेलगाड़ियों और रेलगाड़ी समयपालन में परिणत होता है।
- **उच्च वहन क्षमता:** भारतीय रेल की मौजूदा रेलपथ संरचना पर 20.32/22.9 टन धुरा भार वाली रेलगाड़ियों की अनुमति है। समर्पित माल गलियारे की रेलपथ संरचना को 25 टन धुरा भार वहन करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसे बाद में 32.5 टन धुरा भार तक ग्रेडोन्नत किया जा सकता है। समर्पित माल गलियारे पर

अधिकतम संचलन आयाम भी भारतीय रेल के आयाम से अधिक है। अतः समर्पित माल गलियारे पर अधिक वहन क्षमता वाले बड़े मालडिब्बों का परिचालन किया जा सकता है।

डब्ल्यूडीएफसी पर डबल स्टैक कंटेनर रेलगाड़ी का चालन

आज तक, 17 रेल-संपर्क परियोजनाओं को समर्पित माल गलियारा नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। अभी तक 33 माल शेड (26-पश्चिमी समर्पित माल गलियारा, 7-पूर्वी समर्पित माल गलियारा) अधिसूचित किए जा चुके हैं। समर्पित माल गलियारे के 112 रेलवे स्टेशनों पर गति शक्ति कार्गो टर्मिनल को विकसित करने के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है और 28 स्थलों के लिए प्रत्युत्तर प्राप्त हो चुके हैं। रेवाडी में पहला गति शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू हो गया है। न्यू भाऊपुर में दूसरा गति शक्ति कार्गो टर्मिनल प्रदान किया गया है।

- **औद्योगिक केन्द्रों का विकासः** पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के किनारे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, अंतर्देशीय जलमार्गों से संपर्क और पूर्वी समर्पित माल गलियारे के किनारे अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा।

- **निर्यात-आयात यातायात को प्रोत्साहनः** समर्पित माल गलियारे द्वारा बड़े औद्योगिक केंद्रों, खनन क्षेत्रों और पत्तनों को जोड़ा गया है। इन क्षेत्रों के लिए आवागमन के तीव्रतर संपर्क से निर्यात-आयात यातायात को बढ़ावा मिलेगा। इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के साथ पश्चिमी तट के पत्तनों का संपर्क है, जहां समर्पित माल गलियारे पर पत्तनों से कंटेनर यातायात में पहले की तुलना में लगभग एक-तिहाई समय लगता है। समयावधि में यह कमी नश्य पण्यों के परिवहन हेतु रेल साधन को खोल सकती है जहां समय ही सार है।

- **परिवहन का पर्यावरण अनुकूल साधनः** रेलगाड़ी परिवहन द्वारा कार्बन उत्सर्जन 28 ग्राम प्रति शुद्ध टन किलोमीटर है जो कि सड़क परिवहन हेतु 64 ग्राम प्रति शुद्ध टन किलोमीटर से बहुत अधिक कम है। यह रेल परिवहन को पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बनाता है। इस प्रक्रिया में, समर्पित माल गलियारे द्वारा 30 वर्षों में पर्यावरण में 45.7 करोड़ टन कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन की बचत करके महत्वपूर्ण अंशदान किया जाएगा।

- **संरक्षित परिचालनः** समर्पित माल गलियारे के संरेखण के साथ कोई रेलफाटक नहीं होगा (304 रोड ओवर ब्रिज और 557 रोड अंडर ब्रिज द्वारा 861 से अधिक रेलफाटक समाप्त किए गए हैं), जो इसे रेल पटरियों के आसपास आने-जाने और रहने वाले लोगों के लिए अधिक सुरक्षित बनाएगा। संरक्षित परिचालन को बनाए रखने के लिए समर्पित माल गलियारे पर रेलगाड़ी रक्षण प्रणालियों जैसी उन्नत सिगनल-प्रणाली और संरक्षा प्रणालियों का उपयोग किया जाता है।

- **नवोन्मेषी सेवाएँः** कंपनी के पास ट्रक ऑन ट्रेन, ईएमयू-आधारित पार्सल एक्सप्रेस, नश्य पण्यों के लिए प्रशीतित स्पेशल रेलगाड़ियाँ, ई-कॉमर्स स्पेशल रेलगाड़ियाँ, ट्रिपल स्टैक ड्वार्फ कंटेनर सेवाएँ आदि जैसी नवोन्मेषी सेवाएँ शुरू करने की क्षमता है।

विद्युतघर रेकों का परिचालन समर्पित माल गलियारा संरेखण पर किया जा रहा है, जो ताप विद्युत संयंत्रों को शीघ्र कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करता है और बिजली संकट को दूर करने एवं अनिवार्य आरक्षित मात्रा को कम करने में अहम सिद्ध हुआ है। कंपनी द्वारा कार्यकुशलता में सुधार लाने, डाउनटाइम को कम करने और प्रणाली के समग्र कार्यनिष्पादन को बढ़ाने के लिए दैनिक आधार पर नवोन्मेषी रेलखंड उपलब्धता कार्यनिष्पादन के माध्यम से परिसंपत्ति की कारगर निगरानी की जाती है।

ईडीएफसी में आरएफओ से गुजरते हुए डीएफसी रेलपथ

गतिशीलता में सुधार, खाली मालडिब्बों की सुनिश्चित और समय पर आपूर्ति के साथ समर्पित माल गलियारे से जुड़े माल शेडों और साइडिंगों ने प्रारंभिक लदान में बहुत अधिक सुधार दर्शाया है। सोननगर और दादरी के बीच पारगमन समय 34 घंटे था; परन्तु पूर्वी समर्पित माल गलियारे से संपर्क पश्चात, पारगमन समय 19-20 घंटे की सीमा में है, जो कि पारगमन समय में 40% की प्रभावशाली कमी है। खपत केंद्रों तक अनिवार्य पण्यों का संचलन तीव्रतर बन गया है। पालनपुर से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक दूध आपूर्ति में पहले लगभग 24 घंटे लगते थे, जो अब घटकर 16 घंटे रह गया है (पारगमन समय में लगभग 30% की कमी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से पश्चिमी पत्तनों तक आने-जाने वाले आयात-निर्यात यातायात का पारगमन समय लगभग 72 घंटे से घटकर 24-28 घंटे हो गया है।

ट्रक ऑन ट्रेन लदान: प्रतिष्ठित ट्रक ऑन ट्रेन (टीओटी) सेवा पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के रेवाड़ी-पालनपुर रेलखंड पर परिचालित की जा रही है- 4845 ट्रकों को 238 रेकों में ले जाया गया, जिससे कुल ₹14.91 करोड़ (लगभग) की आमदनी हुई, और 11.62 लाख लीटर डीजल (लगभग) की बचत हुई, फलस्वरूप देश की विदेशी मुद्रा की बचत हुई और लगभग 3075 टन कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन की कमी आई। सपाट रेल मालडिब्बों पर भरे हुए और खाली ट्रकों की ढुलाई रेलपथ पर तीव्र और संरक्षित संचलन पर सवार द्वार-से-द्वार तक सेवा को समर्थ बनाएगी। रेलगाड़ी सेवा पर ट्रकों के परिवहन के लाभ हैं: कम कार्बन उत्सर्जन (64 ग्राम कार्बन-डाई-ऑक्साइड उत्सर्जन प्रति शुद्ध टन किलोमीटर की तुलना में 28 ग्राम), सड़कों पर कम संकुलन। प्रत्येक ट्रक ऑन ट्रेन रेक एक बार में 45 ट्रकों को सड़क से हटाता है। इसके अन्य लाभ ट्रकों की कम टूट-फूट के फलस्वरूप अनुरक्षण पर कम व्यय, कार्य के नए कार्यदिवसों का सृजन, डीजल आयात बिलों में बचत हैं।

व्यवसाय विकास

डीएफसीसीआईएल द्वारा समर्पित माल गलियारा नेटवर्क के भाग के रूप में भारतीय रेल की गति शक्ति मल्टीमोडाल कार्गो टर्मिनल नीति से सुमेलित नए टर्मिनलों के विस्तार पर फोकस किया जा रहा है। इस पहल में विभिन्न संगठनों से विभिन्न रेल-संपर्क परियोजनाओं का डीएफसीसीआईएल नेटवर्क में एकीकरण शामिल है। विशेषत:, राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम से दो रेल-संपर्क परियोजनाएं, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) से चार, तथा प्रिस्टिन लॉजिस्टिक्स और नवकार, प्रत्येक से 1 रेल-संपर्क परियोजनाएं हैं। इन सभी परियोजनाओं को समर्पित माल गलियारा नेटवर्क में निर्बाध ढंग से समाविष्ट किया जा रहा है।

डीएफसीसीआईएल द्वारा रेल परिवहन के क्षेत्र में ई-कॉमर्स क्षेत्र की विशाल संभावनाओं का दोहन करने के अवसरों का अनुकरण किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए, कंपनी द्वारा भारतीय रेल के पुराने जीएस सवारीडिब्बों से परिवर्तित अत्याधुनिक एनएमजीएचएस सवारीडिब्बों का उपयोग करते हुए कायापलट करने वाली प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

डीएफसीसीआईएल ने भारतीय रेल के कुल किलोमीटर मार्ग किलोमीटरों में 2089 मार्ग किलोमीटर समर्पित माल रेलपथ जोड़ने, इसकी माल लदान क्षमता को बढ़ाने तथा भारतीय रेल नेटवर्क पर पहले चालित मालगाड़ियों के एक बडे हिस्से का भार ग्रहण करके यात्री नेटवर्क का संवर्धन करने में उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। डीएफसीसीआईएल से देश के अंदर माल परिवहन को बेहतर बनाने, कम संभार-तंत्र लागत के साथ पारगमन समय को न्यूनतम बनाने और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में अंशदान करने में अहम भूमिका निभाए जाने की प्रत्याशा है।

मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड (एमआरवीसी)

मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड (एमआरवीसी लिमिटेड), रेल मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) के रेल संघटक को क्रियान्वित कर रहा है।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I

2003-04 के रेल बजट में मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I को स्वीकृत किया गया था। 2012 में इसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया और इसे पूरा करने की लागत ₹4,452 करोड़ थी।

₹260 करोड़ की लागत पर चरण-II पर एलिवेटेड मेट्रो वायडक्ट पर चलती हुई नागपुर मेट्रो

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I (रेल संघटक) में प्रमुख अवसंरचनात्मक इनपुट

- 93 रेलपथ किलोमीटर का परिवर्धन (5वीं और 6ठी लाइन कुर्ला-ठाणे, तीसरी और चौथी लाइन बोरीवली-विरार)।
- 101 नए 9-कार रेकों (909 कोच) को सेवा में शामिल करना।
- परियोजना प्रभावित 15,857 परिवारों का पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास।
- सभी प्लेटफार्मों की लंबाई बढ़ाकर (हार्बर लाइन को छोड़कर) सभी लाइनों पर 12 कार रेकों का चालन।
- मध्य और पश्चिम रेल में 1,500 वोल्ट डीसी से 25 किलो वोल्ट एसी में परिवर्तन-समूची पश्चिम रेल में कर्षण परिवर्तन कार्य।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-II

परियोजना की लागत ₹8,087 करोड़ है, परियोजना को मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2क और 2ख में इस प्रकार विभाजित किया गया है:

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2क - पूरी हो चुकी है। लागत ₹4,803 करोड़। विश्व बैंक से ऋण ₹1,727 करोड़।

क्र.सं.	कार्य का नाम	निष्पादन एजेंसी	मौजूदा स्थिति
1	ईएमयू प्रापण/विनिर्माण (सवारी डिब्बा कारखाना)	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड/ अअमासं/सवारी डिब्बा कारखाना	पूरा हो गया है।
2	1,500 वोल्ट डीसी से 25 किलो वोल्ट एसी में परिवर्तन	मध्य रेल, मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	पूरा हो गया है।
3	ईएमयू अनुरक्षण सुविधाएं और ईएमयू खड़ी करने की लाइनें	मध्य रेल, पश्चिम रेल, मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	पूरा हो गया है।
4	अनधिकार प्रवेश नियंत्रण उपाय	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	पूरा हो गया है।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2ख - प्रगति पर है। लागत - ₹3,284 करोड़।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निष्पादन एजेंसी	पूरा करने का लक्ष्य/ मौजूदा स्थिति
1	अंधेरी-गोरेगांव के बीच हार्बर लाइन का विस्तार	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	दिसंबर 2017 में पूरा हो गया है।
2	ठाणे-दिवा के बीच 5वीं और 6ठी लाइनें	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	फरवरी 2022 में पूरा हो गया है।
3	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-कुर्ला के बीच 5वीं और 6ठी लाइनें	मध्य रेल	मार्च 2025
4	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली के बीच 6ठी लाइन	पश्चिम रेल	मार्च 2025
5	पुनर्स्थापन और पुनर्वास	मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण	परियोजना के साथ-साथ

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत (करोड़ ₹ में)
1	नया उपनगरीय रेल गलियारा पनवेल-कर्जत (दोहरी लाइन) (28 किलोमीटर)	2,782
2	मध्य रेल में ऐरोली-कलवा (उत्थापित) के बीच नई उपनगरीय गलियारा लिंक (4 किलोमीटर)	476
3	पश्चिम रेल में विरार-दहानू रोड का चौहरीकरण (31.5 किलोमीटर)	3,578
4	चल स्टॉक का प्रापण (565 कोच)	3,491
5	रेलखंड के बीच अनधिकार प्रवेश नियंत्रण	551

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत (करोड़ ₹ में)	निष्पादन एजेंसी
1	गोरेगांव-बोरीवली के बीच हार्बर लाइन का विस्तार (7 मार्ग किलोमीटर)	826	पश्चिम रेल
2	बोरीवली-विरार के बीच 5वीं और 6ठी लाइन (26 मार्ग किलोमीटर)	2,184	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
3	कल्याण-आसनगांव के बीच चौथी लाइन (32 मार्ग किलोमीटर)	1,759	मध्य रेल
4	कल्याण-बदलापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन (15 मार्ग किलोमीटर)	1,510	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
5	कल्याण यार्ड-लंबी दूरी और उपनगरीय यातायात का पृथक्करण	866	मध्य रेल
6	क) हार्बर लाइन और ट्रांस हार्बर पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-पनवेल में संचार-आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	1,391	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
	ख) मध्य रेल में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-कल्याण में संचार-आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	2,166	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
	ग) पश्चिम रेल में चर्च गेट-विरार में संचार-आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	2,371	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
7	स्टेशन सुधार - 19 रेलवे स्टेशनों पर	947	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
8	चल स्टॉक की खरीद - 191 वातानुकूल ईएमयू रेक	15,802	मुंबई रेल विकास निगम/ सवारी डिब्बा कारखाना/ आधुनिक रेल कोच फैक्टरी
9	चल स्टॉक के लिए अनुरक्षण सुविधाएं	2,353	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
10	ईएमयू खड़ी करने की लाइनें	557	मध्य रेल और पश्चिम रेल
11	विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का संवर्धन	708	मध्य रेल और पश्चिम रेल
12	तकनीकी सहायता	250	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड
	कुल जोड़	**33,690**	

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड, रेल मंत्रालय के अधीन अनुसूची-ख, 'लघुरत्न-I' भारी इंजीनियरी केन्द्रीय सरकारी लोक उद्यम है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है, दिल्ली और मुंबई में इसके कार्यालय हैं, कोलकाता और उसके आसपास 2 विनिर्माण इकाइयां हैं और पूरे भारत में परियोजना साइटें हैं। ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड दशकों से भारत में रेल चल स्टॉक उद्योग, विशेषकर मालडिब्बों

के विनिर्माण में एक प्रमुख कंपनी रही है। इसके अन्य प्रमुख उत्पादों और सेवाओं में मालडिब्बों की मरम्मत, पुलों का सिविल निर्माण और संरचनात्मक इस्पात विरचन, कंटेनर विनिर्माण, रेल कारखाने का संचालन और अनुरक्षण, क्रेनों का विनिर्माण और उनका अनुरक्षण, इस्पात सांचे (बोगी, कपलर आदि), मालडिब्बा सब-असेंबली आदि शामिल हैं।

हाल ही में, ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड ने रेलवे स्टेशनों के विकास, सौर फोटोवोल्टेक संयंत्रों की स्थापना और वेल्डन प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार किया है। क्रेन और मालडिब्बा विनिर्माण और सेवाओं में अग्रणी होने नाते, कंपनी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए एकल खिड़की सेवा का सृजन करने का प्रयास कर रही है।

वास्तविक मोर्चे पर, कंपनी ने नए मालडिब्बों और बोगियों का उच्चतम उत्पादन किया और वित्तीय मोर्चे पर भी, 2022-23 के दौरान अभी तक सर्वाधिक विक्रय और लाभ हासिल किया है। इसके मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

विवरण	2021-22	2022-23
संचालन से राजस्व (₹ करोड़ में)	764.14	**1,043.30**
कर पूर्व लाभ (₹ करोड़ में)	46.43	**64.03**
निवल मूल्य (₹ करोड़ में)	150.59	**200.32**
नए मालडिब्बे (अदद)	1,201	**1,800**
बोगी (अदद)	1,673	**2,230**

2022-23 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

- जैसा कि ऊपर एक-एक करके बताया गया है, ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड पिछले वर्ष की उपलब्धियों को पार करने की अपनी यात्रा जारी रखी हुई है, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, अभी तक सर्वाधिक विक्रय, कर पूर्व लाभ और निवल मूल्य दर्ज किया गया है।
- रेलवे के वडलापुडी कारखाने में 2005 अदद रेलइंजनों की आवधिक ओवरहाल, गैर-आवधिक ओवरहाल और संक्षारण मरम्मत का अभी तक सर्वाधिक कार्य किया गया है।
- वर्ष के दौरान ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड ने कुल ₹183 करोड़ के क्रयादेश प्राप्त किए हैं और 31.03.2023 तक, हाथ में मौजूद कुल क्रयादेश ₹2,346 करोड़ के हैं जो अभी तक सर्वाधिक है।
- निम्नलिखित 2 बड़े नए व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में प्रवेश किया -
  - ➢ महाराष्ट्र सरकार की मुख्य मंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना के अंतर्गत 500 मैगा वाट सौर ऊर्जा संयंत्र और दामोदर वैली कार्पोरेशन से 10 मैगा वाट सौर फोटोवोल्टेक बिजली संयंत्र की संस्थापना।
  - ➢ पूर्व तट रेल से इंजीनियरी, प्रापण, निर्माण विधि पर विशाखपट्टणम रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास। इस संबंध में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।
- कंटेनर विनिर्माण की नए व्यवसाय लाइन को अंतिम रूप दिया, वर्ष में ₹12.13 करोड़ मूल्य के क्रयादेशों का निष्पादन किया।
- सिविल निर्माण और पुलों के विविध व्यवसाय का सवंर्धन किया, पिछले वर्ष के ₹5.68 करोड़ की तुलना में इस वर्ष ₹27.51 करोड़ के क्रयादेश निष्पादित किए।
- क्रेन सेवाओं के विरासती कारोबार के लिए बाजार का विस्तार किया और मरम्मत एवं ओवरहालिंग के डिजाइन और विनिर्माण का कार्य प्रारंभ करके मौजूदा बाजारों में गहरी पैठ बनाई। विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ भागीदारी की, फलस्वरूप ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड एक व्यापक क्रेन सेवा प्रदाता बन गया।
- एचसीएसएल यार्ड, हावड़ा के लिए पोत अवतरण क्रैडल का प्रवर्तन करके समुद्री बाजार में प्रवेश किया।
- नए डिजाइन के माल डिब्बे - बीएलसीएस, बीएलएसएस सफलतापूर्वक विकसित किए।
- ई-एमएसटीसी पोर्टल के अनुकूलित उपयोग के साथ ई-प्रोक्योरमेंट का कार्यान्वयन।
- इंड 4.0 संगत मशीनों और पूंजीगत व्यय को शामिल करके सुविधाओं को स्वचालित बनाया।

सलाहकार बोर्ड

मंडल/क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री परिषद आदि।

रेल उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाओं में सुधार हेतु प्रबंधक-वर्ग और रेल उपयोगकर्ताओं के बीच औपचारिक परामर्श के अवसर सुलभ कराने के लिए विभिन्न स्तरों पर रेल उपयोगकर्ताओं की सलाहकार समितियां। रेल प्रशासन के लिए मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, कोंकण रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, मेट्रो रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री परिषद और रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समितियां उपयोगी सूचना सुलभ कराती हैं।

मंडल रेल उपयोगकर्ता समितियों का 01.01.2022 से 31.12.2023 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए पुनर्गठन किया गया है। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियों, कोंकण रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, मेट्रो रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का 01.02.2023 से 31.01.2025 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए पुनर्गठन किया गया है। राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री परिषद का 01.04.2022 से 31.03.2024 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए पुनर्गठन किया गया है। उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति और रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समिति का गठन स्वयं क्षेत्रीय रेलों द्वारा किया जाता है।

केन्द्रीय रेल अनुसंधान बोर्ड

केंद्रीय रेल अनुसंधान बोर्ड में अअमासं के महानिदेशक बतौर अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बतौर सदस्य और अपर महानिदेशक, अअमासं बतौर सदस्य सचिव शामिल हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, प्रख्यात वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, अन्य सरकारी विभागों, उद्योगजगत आदि के गैर-रेलवे सदस्यों को भी प्रतिनिधित्व दिया जाता है। यह बोर्ड रेलवे के अनुसंधान परियोजनाओं की अनुशंसा और समीक्षा करता है और अन्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं से समन्वय और सहायता भी सुनिश्चित करता है।

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्रालय और क्षेत्रीय रेलों में हिंदी के उपयोग का प्रचार-प्रसार करने के लिए माननीय रेल मंत्री की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति का गठन किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव देना है। दिनांक 05.05.2023 को माननीय रेल मंत्री की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति की 61वीं बैठक की गई थी, जिसमें हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों ने भी हिंदी के कार्यान्वयन और प्रचार-प्रसार के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

महत्वपूर्ण घटनाएं

2022-23

02.04.2022	भारत और नेपाल के बीच नए आमान परिवर्तित जयनगर (भारत)-जनकपुर धाम-कुर्था (नेपाल) रेलखंड पर यात्री सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
09.04.2022	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गोड्डा रेलवे स्टेशन पर गोड्डा-दुमका एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और रांची-दुमका एक्सप्रेस का विस्तार गोड्डा तक किया गया।
18.04.2022	पूर्व रेलवे में विश्व धरोहर दिवस मनाया गया। मुख्यालय, मंडलों और कारखानों के रेल अधिकारियों का अगली पीढ़ी के लिए 'धरोहर और जलवायु' के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में संवेदीकरण किया गया।
20.04.2022	दाहोद में 9000 अश्व शक्ति क्षमता के बिजली रेलइंजनों के विनिर्माण करने वाली उत्पादन इकाई का शिलान्यास।
20.05.2022	तमिलनाडु में: • रेल मंत्रालय और खेल मंत्रालय के बीच भारत के सर्वप्रथम राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की न्यू कूचबिहार में स्थापना हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। • सवारी डिब्बा कारखाने में विनिर्मित 12000वें एलएचबी सवारी डिब्बे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और निर्माणाधीन वंदे भारत सवारी डिब्बों का निरीक्षण किया गया। • डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से बेंगलूरु छावनी रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण किया गया।
26.05.2022	ताम्बरम-चेंगलपट्टू तीसरी लाइन का लोकार्पण किया गया और ईएमयू सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, मदुरै-तेनी नई बड़ी लाइन रेलखंड तथा तमिलनाडु के चेन्नई एग्मोर, मदुरै जंक्शन, काटपाडी जंक्शन, रामेश्वरम और कन्याकुमारी रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य का उद्घाटन किया गया।
01.06.2022	भारत-बांग्लादेश को जोड़ने वाली मैत्ती एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
20.06.2022	• सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु राष्ट्र को समर्पित किया गया, • बेंगलूरु छावनी और यशवंतपुर रेलवे स्टेशनों तथा नागनहल्ली और मैसूर सवारी डिब्बा परिसर के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया।
12.07.2022	• झारखंड में देवघर से कई अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। • रांची रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया।

12.08.2022	•	सवारी डिब्बा कारखाने में नई वंदे भारत रेकों का निरीक्षण किया गया।
	•	सवारी डिब्बा कारखाना सिल्वर जुबली के विद्यार्थियों के साथ ध्वज रैली में भाग लिया।
	•	तिरूवल्लिक्केणी रेलवे स्टेशन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा
	•	स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया।
19.09.2022	डिब्रुगढ़ में रेलवे द्वारा निर्मित बोगीबील रेल सह सड़क पुल के पास नदीतट यात्री घाट का उद्घाटन किया गया।	
30.09.2022	गांधीनगर से मुंबई सेंट्रल के बीच वंदे भारत रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।	
03.10.2022	औरंगाबाद में सवारी डिब्बा अनुरक्षण सुविधाओं के विकास के लिए शिलान्यास किया गया।	
13.10.2022	निम्नलिखित रेलगाड़ी सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया:	
	•	मणिपुर में खोंगसांग तक रेलगाड़ी संख्या 12097/12098 (अगरतला-जिरिबाम-अगरतला) जन शताब्दी एक्सप्रेस, और
	•	रेलगाड़ी संख्या 02518/02517 (गुवाहाटी-कोलकाता-गुवाहाटी) एक्सप्रेस।
22.10.2022	•	रेलवे सहित केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्तियों को भरने के लिए देश भर में विभिन्न स्थानों पर रोजगार मेले का शुभारंभ किया गया।
11.11.2022	मैसूर-बेंगलूरु सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।	
12.11.2022	भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली के बीच नई रेल लाइन का लोकार्पण किया गया।	
11.12.2022	•	नागपुर-बिलासपुर के बीच वंदे भारत रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
	•	नागपुर और अजनी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया।
	•	सरकारी अनुरक्षण डिपो, अजनी और नागपुर - इटारसी तीसरी लाइन परियोजना के कोहली-नरखेड रेलखंड का लोकार्पण किया गया।
30.12.2022	हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।	

30.01.2023	मेट्रो परियोजना की पर्पल लाइन के जोका-तारातला दूरी का उद्घाटन किया गया।
10.02.2023	दो वंदे भारत रेलगाड़ियों छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस-शिरडी साईनगर और छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस-सोलापुर का उद्घाटन किया गया।
27.02.2023	शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-राणिबेन्नूर नई लाइन और कोटे गंगूर रेल सवारी डिब्बा डिपो का शिलान्यास किया गया।
12.03.2023	• होस्पेट हुब्बल्लि-तिनईघाट ग्रेडोन्नत रेल लाइन का विद्युतीकरण और विश्व के सबसे लंबे प्लेटफार्म का लोकार्पण किया गया। • दो रेलगाड़ियों अर्थात रेलगाड़ी संख्या 17317 (एसएसएस हुब्बल्लि-दादर) और रेलगाड़ी संख्या 07319 (एसएसएस हुब्बल्लि-सिकंदराबाद) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

शब्दों की परिभाषा

लेखा

पूंजीगत निवेश	रेल की पूंजीगत परिसंपत्तियों का बही मूल्य।
सकल राजस्व	एक लेखाकंन समयावधि में वास्तविक आमदनी, भले वसूल हुई हो या नहीं
सकल प्राप्तियां	एक लेखाकंन समयावधि में वसूल हुई वास्तविक आमदनी
शुद्ध राजस्व	सकल यातायात प्राप्तियां घटा कुल संचालन व्यय।
परिचालन अनुपात	सकल राजस्व से संचालन व्यय का अनुपात।
उचंत	वसूल नहीं हुई आमदनियां, देयताएं जो एक लेखाकंन समयावधि में अदा नहीं की गई।
संचालन व्यय	प्रशासन, परिचालन, अनुरक्षण एवं मरम्मत पर व्यय, मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि में अंशदान।

सांख्यिकी

घनत्व	रेल प्रणाली में किन्हीं दो स्थानों के बीच संचलित यातायात की मात्रा जिसका निरूपण यात्री किलोमीटर या शुद्ध टन किलोमीटर प्रति मार्ग किलोमीटर/चालित रेलपथ किलोमीटर या रेलगाड़ी किलोमीटर प्रति चालित रेलपथ किलोमीटर के रूप में किया जाता है।
रेलइंजन किलोमीटर	एक रेलइंजन का स्वयं अपनी शक्ति से एक किलोमीटर तक चलना।
सकल टन किलोमीटर	एक रेलगाड़ी द्वारा एक किलोमीटर तक कर्षित सकल टनभार जिसमें आयभार और धड़ाभार शामिल होता है।
गमन-दूरी	एक यात्री या एक टन माल जितनी औसत दूरी तक ढोया जाए।
भारित माल डिब्बा किलोमीटर	माल से लदे एक माल डिब्बे का एक किलोमीटर तक संचलन।
शुद्ध भार या शुद्ध टनभार	किसी यान या रेलगाड़ी द्वारा ढोए गए यात्रियों, सामान या पण्यों का आयभार।
शुद्ध टन किलोमीटर	एक किलोमीटर तक वाहित एक टन माल का आयभार।
गैर-राजस्व यातायात	वह यातायात जो रेलों के कार्य संचालन के लिए नि:शुल्क ढोया जाए।
यात्री किलोमीटर	एक यात्री का एक किलोमीटर तक परिवहन।
राजस्व अर्जक यातायात	वह यातायात जिसके परिवहन के लिए परेषक अथवा परेषिती द्वारा भुगतान किया जाता है।
चालित रेलपथ किलोमीटर	साइडिंगों, यार्डों तथा पारणों के रेलपथ को छोड़कर सभी चालित रेलपथों की लंबाई।

रेलपथ किलोमीटर	साइडिंगों, यार्डों तथा पारणों के रेलपथ को शामिल करते हुए सभी चालित रेलपथों की लंबाई।
रेलगाड़ी किलोमीटर	रेलगाड़ी का एक किलोमीटर तक संचलन।
वाहन/माल डिब्बा किलोमीटर	एक यान/माल डिब्बे का एक किलोमीटर तक संचलन।
माल डिब्बा फेरा	एक माल डिब्बे के दो आनुक्रमिक लदानों के बीच का समयांतर।

यातायात

दर	पार्सल, सामान और माल की एक इकाई की ढुलाई के लिए दरसूची द्वारा नियत मूल्य।
किराया	वसूल किए गए 'दण्ड' को छोड़कर यात्रियों के परिवहन से रेलवे को प्राप्त धन।

अन्य

कर्मचारियों की संख्या	सभी कर्मचारी जिन्हें सीधे रेल प्रशासन द्वारा भुगतान किया जाता है।
भण्डार	रेल संचालन के लिए अपेक्षित सामान या पुर्जों की आपूर्ति, जिसे रेलवे द्वारा खरीदा गया हो या रेल कारखानों में विनिर्माण किया गया हो।
कर्षित प्रयास	रेलइंजन की भार कर्षण क्षमता जिसका निरूपण रेलइंजन द्वारा पहिए पर लगाए गए कर्षित बल के रूप में किया जाता है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक - केंद्र सरकार (रेलवे) की रिपोर्ट की महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा टिप्पणियों का सार तथा की गई कार्रवाई संबंधी लंबित नोट पर वस्तु-स्थिति रिपोर्ट

भारतीय रेल पर अवशिष्ट प्रबंधन के विषय पर 2022 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट सं. 16

यह रिपोर्ट स्टेशनों, कोचिंग डिपो, रखरखाव और उत्पादन इकाइयों, अस्पतालों में उत्पन्न होने वाले जैव-चिकित्सा कचरे के प्रबंधन संबंधी विभिन्न पहलुओं पर लेखापरीक्षा के परिणाम प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के विशिष्ट निर्देशों का पालन भी शामिल है। लेखापरीक्षा ने देखा है कि भारतीय रेल में कोई भी एकल निकाय/एजेंसी नहीं है जो रेलों में अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित मुद्दों की सम्हलाई के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है। साथ ही, अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विशेष रूप से समर्पित निधि आवंटन की कोई व्यवस्था नहीं थी। क्षेत्रीय और मंडल स्तर पर इंजीनियरी और स्वास्थ्य प्रबंधन निदेशालय स्थापित करने के लिए लोक लेखा समिति को आश्वासन देने के बावजूद, भारतीय रेल द्वारा आंशिक अनुपालन किया गया था। लेखापरीक्षा के लिए चुने गए 109 स्टेशनों में से 59 स्टेशनों में, संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) से स्थापना संबंधी सहमति (सीटीई) प्राप्त करने के लिए एनजीटी के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया था। भारतीय रेल 36 प्रमुख स्टेशनों पर अपशिष्ट प्रबंधन की निगरानी के लिए 24 सत्यापन योग्य संकेतकों को लागू करने हेतु एनजीटी के निर्देशों का पूरी तरह से पालन करने में विफल रही। ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सेवाओं (ओबीएचएस) वाली पैंट्री कारों और रेलगाड़ियों से एकत्र किए गए अलग-अलग कचरे को 45 प्रतिशत निरीक्षित स्टेशनों पर सुरक्षित बैगों में नहीं डाला गया। 86 प्रतिशत निरीक्षित स्टेशनों पर पैंट्री कारों अथवा ओबीएचएस गाड़ियों से एकत्र किए गए कचरे को अलग-अलग निर्धारित कूड़ेदानों में नहीं डाला गया था। रेलों द्वारा 65 प्रतिशत निरीक्षित स्टेशनों और 87 प्रतिशत निरीक्षित सवारी डिब्बा डिपो में जनित प्लास्टिक कचरे की मात्रा का आकलन नहीं किया गया। इसके अलावा, योजना के अनुसार रेलवे द्वारा प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीन (पीबीसीएम) की स्थापना सुनिश्चित नहीं की जा सकी। जैव-नश्य और गैर-जैव नश्य कचरे को अलग-अलग करने की मूल अवस्था सुनिश्चित नहीं की गई। लेखापरीक्षा के लिए चुने गए 70 प्रतिशत स्टेशनों और 90 प्रतिशत कोचिंग यार्डों में ठोस कचरे के प्रबंधन के लिए गीला कचरा प्रसंस्करण, सामग्री पुनर्प्राप्ति इकाई, खाद संयंत्र की व्यवस्था, कचरा पृथक्करण और पुनर्चक्रण केंद्र जैसी सुविधाएं प्रदान नहीं की गईं। यद्यपि, 19 प्रमुख कोचिंग डिपो और 40 कारखानों में अपशिष्ट शोधन संयंत्र/सीवेज शोधन संयंत्र (ईटीपी/एसटीपी) को चालू करने की योजना बनाई गई थी, परन्तु मार्च, 2020 तक चालू नहीं किया गया था। जल पुनर्चक्रण संयंत्र और स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र मुहैया कराने की धीमी प्रगति के कारण भारतीय रेलवे जल नीति, 2017 में परिकल्पित उद्देश्य प्राप्त नहीं हो सके। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के शोधन के लिए आवश्यक उपकरणों की अनुपस्थिति में, 15 अस्पतालों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य की संरक्षा को संकट में डालते हुए विभागीय रूप से अपशिष्ट निपटान का प्रबंधन किया।

भारतीय रेल में गाड़ी पटरी से उतरने संबंधी विषय पर 2022 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट संख्या 22

इस रिपोर्ट में गाड़ियों के पटरी से उतरने की घटनाओं को रोकने के लिए पटरियों का निरीक्षण और रखरखाव, गाड़ियों के पटरी से उतरने/टक्करों की जांच और निवारक सिफारिशों के कार्यान्वयन, रेलपथ आदि की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) का उपयोग जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है।

लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ:

- रेलपथ रिकॉर्डिंग कारों द्वारा निरीक्षण में 30-100 प्रतिशत तक की कमी थी। परिचालन विभाग द्वारा आवश्यक यातायात ब्लॉकों, मंडलों द्वारा ब्लॉकों की योजना नहीं बनाने, परिचालन संबंधी समस्याओं आदि के कारण रेलपथ मशीनें निष्क्रिय पड़ी रहीं।
- रेलगाड़ी के पटरी से उतरने की दुर्घटनाओं संबंधी 'निरीक्षण रिपोर्ट' के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि गाड़ियों के पटरी से उतरने के लिए मुख्य रूप से 24 कारक जिम्मेदार थे। गाड़ियों के पटरी से उतरने के लिए जिम्मेदार प्रमुख कारक 'रेलपथ का रखरखाव', 'अनुमेय सीमा से इतर रेलपथ संबंधी मानदंडों का विचलन', 'पॉइन्टों की गलत सेटिंग', 'पहियों के व्यास में भिन्नता और सवारी डिब्बों/माल डिब्बों में दोष' आदि थे। इन मामलों में परिसंपत्तियों की कुल क्षति/हानि 32.96 करोड़ रु. दर्ज की गई थी।
- 540 मामलों (63 प्रतिशत) में, 'जांच रिपोर्ट' निर्धारित समय-सीमा के भीतर पावती अधिकारी को प्रस्तुत नहीं की गई थी। 421 मामलों (49 प्रतिशत) में पावती अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट को स्वीकार करने में भी विलंब हुआ था।
- वर्ष 2017-20 के दौरान, रेलपथ नवीनीकरण कार्यों के लिए निधि के आवंटन और आरआरएसके से उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों पर व्यय में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई। रेलपथ नवीनीकरण कार्यों के लिए आवंटित निधियों का भी पूरा उपयोग नहीं किया गया। आरआरएसके को ₹48.21 करोड़ के व्यय की त्रुटिपूर्ण बुकिंग हुई। वर्ष 2017-21 के दौरान, गाड़ियों के पटरी से उतरने की 1,127 घटनाओं में से 289 घटनाएं (26 प्रतिशत) रेलपथ नवीनीकरण से जुड़ी हुई थीं।
- रेलवे संबंधी स्थायी समिति (2016-17) ने पाया है कि रेलपथ को सुरक्षित और उपयुक्त स्थिति में बनाए रखा जाना चाहिए। समिति ने यह भी पाया कि रेलपथ नवीनीकरण के लिए रखे गए लक्ष्य जमीनी स्तर पर वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप नहीं थे। लेखापरीक्षा ने पाया कि वर्ष 2017-20 के दौरान पूर्ण रेलपथ नवीनीकरण के लक्ष्य को हासिल नहीं किया गया था। रेल कर्मचारियों की ओर से होने वाली विफलता के कारण दुर्घटनाओं की बढ़ती प्रवृत्ति पर स्थायी समिति की टिप्पणी के संबंध में, लेखापरीक्षा द्वारा नोट किया गया कि वर्ष 2017-21 के दौरान 128 एसपीएडी (खतरे पर सिगनल पार करना) संबंधी मामले थे।

रेल वित्त संबंधी 2022 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट संख्या 23

इस रिपोर्ट का **अध्याय 1** पिछले वर्ष के संदर्भ में भारतीय रेल के वित्तीय निष्पादन के साथ-साथ समग्र रुझानों पर केंद्रित है। वर्ष 2020-21 के दौरान, भारतीय रेल ने ₹2,25,913 करोड़

के बजट अनुमान (ब.अ.) की तुलना में ₹1,40,783.55 करोड़ की कुल प्राप्तियां अर्जित कीं। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2020-21 के दौरान मुख्यत: कोविड-19 महामारी के कारण तालाबंदी से यात्री आमदनी और अन्य कोचिंग आमदनी संबंधी कुल प्राप्तियों में 19.41 प्रतिशत की गिरावट आई थी। माल यातायात से प्राप्त संपूर्ण लाभ का उपयोग यात्री यातायात और अन्य कोचिंग सेवाओं के परिचालन से होने वाली हानि की भरपाई के लिए किया गया था। वर्ष 2020-21 के दौरान यात्री यातायात के परिचालन में ₹54,917 करोड़ की हानि की भरपाई नहीं हो पाई। आंतरिक संसाधनों के अपर्याप्त सृजन के परिणामस्वरूप सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) और ईबीआर पर निर्भरता बढ़ गई है।

वर्ष 2019-20 के दौरान 98.36 प्रतिशत के परिचालनिक अनुपात (ओआर) की तुलना में, वर्ष 2020-21 में सुधार हुआ क्योंकि रेलवे द्वारा 97.45 प्रतिशत का परिचालनिक अनुपात हासिल किया जा सका। इसका अर्थ यह हुआ कि रेलवे ने वर्ष 2020-21 में ₹100 अर्जित करने के लिए ₹97.45 का व्यय किया। 'वर्ष 2020-21 में कोविड से कारण संसाधनों में अंतर' के लिए केंद्रीय बजट में व्यवस्थित किए गए 'विशेष ऋण' से पेंशन निधि को नियोजित ₹79,398 करोड़ पर निवल आधिक्य और परिचालनिक अनुपात की गणना के लिए विचार नहीं किया गया।

इस रिपोर्ट के **अध्याय 2** में रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) के वित्तीय निष्पादन का अवलोकन शामिल है। मार्च, 2021 के अंत तक रेलवे पीएसयू में इक्विटी और ऋण में निवेश की राशि ₹4,15,992 करोड़ थी। भारत सरकार ने रेलवे के वाणिज्यिक उपक्रमों की प्रदत्त शेयर पूंजी में ₹43,645 करोड़ (83.67 प्रतिशत) का योगदान दिया। शेष प्रदत्त शेयर पूंजी का योगदान वित्तीय संस्थानों (6.18 प्रतिशत), केंद्र सरकार की कंपनियों (5.73 प्रतिशत), राज्य सरकार/राज्य सरकार की कंपनियों (4.42 प्रतिशत) द्वारा किया गया था। कुल लाभ वर्ष 2018-19 में ₹6,141 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2020-21 में ₹7,067 करोड़ हो गया।

वर्ष 2020-21 के दौरान, 27 रेलवे वाणिज्यिक उपक्रमों द्वारा लाभ (₹7,627 करोड़) अर्जित किया था, जिसमें से रेलों के केवल 10 वाणिज्यिक उपक्रमों ने लाभांश (₹2,799.47 करोड़) घोषित किया था। इक्विटी पर प्रतिफल, कंपनियों के वित्तीय निष्पादन का मानदण्ड, वर्ष 2019-20 में 9.36 प्रतिशत से निरंतर घटकर वर्ष 2020-21 में 7.45 प्रतिशत हो गया था।

इस रिपोर्ट के **अध्याय 3** में मौजूदा आंतरिक नियंत्रण तंत्र में कुशलता का आकलन करने के अलावा पेंशन के प्रसंस्करण, प्राधिकार और संवितरण पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां शामिल हैं। अशक्त आंतरिक नियंत्रण और प्रासंगिक नियमों एवं प्रक्रियाओं का अनुपालन नहीं होने के कारण पेंशन के अधिक/कम भुगतान के कई मामले सामने आए। रेलवे बोर्ड की निर्धारित समाधान प्रक्रियाओं और अनुदेशों का कड़ाई से पालन नहीं किया गया। पीपीओ की कमियों और पेंशन के संशोधन में विलंब के परिणामस्वरूप पेंशन के संवितरण को अधिकृत करने में विलंब हुआ। एडवांस्ड रेलवे पेंशन एक्सेस नेटवर्क (एआरपीएएन) का मास्टर डाटा संपूर्ण, सटीक और विश्वसनीय नहीं था। एआरपीएएन के अंतर्गत बनी आपत्ति रिपोर्टों के अनुसार सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई थी।

इस रिपोर्ट के **अध्याय 4** में भारतीय रेल में लेखांकन संबंधी सुधार परियोजना (एआरपी) के कार्यान्वयन की स्थिति और एआरपी के सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों को विकसित करने की स्थिति पर लेखापरीक्षा की टिप्पणियां शामिल हैं। भारतीय रेल (आईआर) द्वारा अपने वित्तीय खातों को लेखा महानियंत्रक और भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएंडएजी) द्वारा अधिदेशित प्रपत्रों और प्रारूपों में नकदी आधारित सरकारी लेखा प्रणाली के तहत रखा जाता है। वित्तीय रिपोर्टिंग और राजकोषीय विवेक में पारदर्शिता लाने के लिए, भारतीय रेल द्वारा प्रोद्भवन आधारित लेखांकन प्रणाली

को अपनाने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, 'लेखांकन संबंधी सुधार परियोजना' (एआरपी) को वर्ष 2015-16 में शुरू किया गया था और वर्ष 2018 तक भारतीय रेल में कार्यान्वयन का लक्ष्य रखा गया था। लगभग 17 महीने के विलंब के पश्चात, प्रोद्भवन आधारित वित्तीय विवरणियां तैयार करने के लिए मार्च, 2022 तक कार्य की प्रगति केवल 65 प्रतिशत थी।

18.10.2023 की स्थिति के अनुसार की गई कार्रवाई संबंधी लंबित नोट (एटीएन) के संबंध में स्थिति रिपोर्ट

क्र.सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	उन पैरा/सीएंडएजी रिपोर्ट की संख्या जिन के संबंध में एटीएन प्रस्तुत किए गए	पैरा/सीएंडएजी रिपोर्ट का विवरण जिस के संबंध में एटीएन लंबित हैं			
			मंत्रालय द्वारा पहली बार भी नहीं भेजे गए एटीएन की संख्या	भेजे गए परन्तु टिप्पणियों के साथ लौटाए गए एटीएन की संख्या और लेखापरीक्षा को मंत्रालय की ओर से पुनः प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है	एटीएन की संख्या जिन्हें लेखापरीक्षा द्वारा अंतिम रूप से जांचा गया परन्तु मंत्रालय द्वारा लोक लेखा समिति को प्रस्तुत नहीं किया गया	लेखापरीक्षा
1	2016 के 13, 14, 32 और 37	45/43	0	1	1	0
2	2017 के 13, 14, 22, 36 और 45	43/43	0	0	0	0
3	2018 के 1, 5, 17 और 19	44/41	0	1	1	1
4	2019 की 10 और 19	50/43	0	2	2	3
5	2020 के 2 और 8	4/1	0	1	1	1
6	2021 के 5, 13 और 22	68/43	2	8	3	12
7	2022 के 16, 22, 23, 25-35	44/7	2	4	8	23
8	2023 का 13	4/0	0	0	0	4
	कुल	**302/221**	**4**	**17**	**16**	**44**

वित्तीय विवरण
एवं परिचालनिक सांख्यिकी

विषय-सूची

वित्तीय विवरण

समेकित लाभ और हानि लेखा 160

लाभ और हानि लेखे के पूरक विवरण

सकल यातायात प्राप्तियां 160

साधारण संचालन व्यय 161

आरक्षित निधियों में अंशदान 161

सामान्य राजस्व को लाभांश और अन्य भुगतान 161

तुलन-पत्र 162

रेल परिसंपत्तियों का मूल्य 164

योजना में रेलवे का अंशदान-निधियों का स्रोत/निधियों का उपयोग 166

परिचालन सांख्यिकी

परिसंपत्तियां....................168

परिचालन 169

यातायात और आमदनी 170

चल स्टॉक का उपयोग 172

सामान्य 173

सांख्यिकीय संक्षेप-भारतीय रेल

वित्तीय विवरण

समेकित लाभ और हानि लेखाः 2020-21

2021-22 (₹ करोड़ में)	अनुषंगी विवरण		2022-23 (₹ करोड़ में)	अनुषंगी विवरण
1,91,206.48	I क	**सकल यातायात से प्राप्तियां**	**2,39,982.56**	**I क**
		साधारण संचालन व्यय		
1,56,506.34	I ख	(इसमें चालित लाइनों को भुगतान शामिल है)	**1,80,255.78**	**I ख**
		आरक्षित निधियों में अंशदान		
48,100.00	I ग	(मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि)	**55,400.00**	**I ग**
2,04,606.34		कुल संचालन व्यय	**2,35,655.78**	
(-)13,399.86		यातायात से शुद्ध प्राप्ति (परिचालन लाभ)	**4,326.78**	
(-)1,624.72		विविध संव्यवहार (शुद्ध)	**(-)1,809.40**	
(-)15,024.58		**शुद्ध राजस्व (सकल लाभ)**	**2,517.38**	
		घटाइए		
—	I घ	**(क) सामान्य राजस्व को लाभांश तथा अन्य भुगतान**	**—**	**I घ**
—		**(ख) आस्थगित लाभांश दायिता को भुगतान**	**—**	
$(-) 15,024.58		**आधिक्य (+)/कमी (—)**	**$$ 2,517.38**	

$ आधिक्य का विकास निधि (डीएफ) और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) में विनियोजन किया गया था।

$$ आधिक्य का विकास निधि (डीएफ) और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) में विनियोजन किया गया था।

लाभ और हानि लेखे के पूरक विवरण

2021-22 (₹ करोड़ में)		I क	2022-23 (₹ करोड़ में)	I क
		सकल यातायात से प्राप्तियां कोचिंग		
		यातायात से आमदनी यात्री यातायात		
# —		पूरे किराये	**#—**	
# —	39,214.40	पूरे किराये से कम	**#—**	**63,416.85**
		पार्सल तथा अन्य कोचिंग यातायात		
1,808.28		पार्सल	**1,975.10**	
115.97		सामान	**105.63**	
2,975.31	4,899.56	अन्य	**3,877.59**	**5,958.32**
		माल यातायात से आमदनी		
71,547.88		कोयला, कोक आदि	**86,456.54**	
67,870.02		सामान्य पण्य	**74,782.81**	
871.62		अन्य यातायात	**811.71**	
1,317.41		स्थान शुल्क और विलम्ब शुल्क	**1,713.12**	
(-)510.54	1,41,096.39	वापस की गयी रकम घटाइए	**1,501.28**	**1,62,262.90**
	6,067.96	**विविध (फुटकर)**		**8,498.60**
		अन्य आमदनी		
	1,91,278.31	**कुल सकल आय**		**2,40,136.67**
	(-)71.83	उचंत (प्राप्य बिल)		**154.11**
		सकल यातायात से प्राप्तियां		
	1,91,206.48	(वस्तुतः प्राप्त)		**2,39,982.56**

आंकड़े उपलब्ध नहीं

2021-22 (₹ करोड़ में)	कुल का प्रतिशत		2022-23 (₹ करोड़ में)	कुल का प्रतिशत
	I ख	**साधारण संचालन व्यय**		**I ख**
8,498.39	5.43	सामान्य अधीक्षण और सेवाएं	**8,992.67**	**4.99**
16,320.31	10.43	रेलपथ तथा निर्माण कार्यों से संबंधित मरम्मत तथा अनुरक्षण	**17,856.23**	**9.91**
5,921.98	3.78	मोटिव पॉवर की मरम्मत और अनुरक्षण	**6,709.42**	**3.72**
16,969.86	10.84	सवारी और माल डिब्बों की मरम्मत और अनुरक्षण	**19,733.39**	**10.95**
8,641.56	5.52	संयंत्र और उपस्कर की मरम्मत और अनुरक्षण	**9,631.38**	**5.34**
16,746.64	10.70	परिचालन व्यय-चल स्टाक और उपस्कर	**20,056.04**	**11.13**
32,943.48	21.05	परिचालन व्यय-यातायात	**37,074.57**	**20.57**
30,515.17	19.50	परिचालन व्यय-ईंधन	**37,899.73**	**21.03**
8,278.89	5.29	कर्मचारी कल्याण और सुविधाएं	**8,486.33**	**4.71**
7,538.58	4.82	विविध संचालन व्यय	**8,260.64**	**4.58**
4,937.71	3.15	भविष्य निधि, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	**5,472.43**	**3.04**
1,57,312.57		**सकल व्यय**	**1,80,172.82**	
(-)806.23	(-)0.52	उचंत (देय बिल)	**82.95**	**0.05**
1,56,506.34	100.00	साधारण संचालन व्यय (वस्तुत: संवितरित)	**1,80,255.78**	**100.00**
	I ग	**आरक्षित निधियों में अंशदान**		**I ग**
–		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**700.00**	
48,100.00		पेंशन निधि	**54,700.00**	
48,100.00		निधि में कुल अंशदान	**55,400.00**	
2,04,606.34		**कुल संचालन व्यय**	**2,35,655.78**	
	I घ	**सामान्य राजस्व को लाभांश और अन्य भुगतान**		**I घ**
	—	दिया गया लाभांश (वर्तमान)		—
—		यात्री किराए पर कर के बदले भुगतान	—	
—	—	रेल संरक्षा निधि की सहायता के लिए	—	—
	—	**कुल देय लाभांश**		—
	—	आस्थगित लाभांश का भुगतान		—
	—	शुद्ध देय लाभांश		—

तुलन पत्र

31 मार्च, 2022 को (₹ करोड़ में)			31 मार्च, 2023 को (₹ करोड़ में)
		दायिताएं	
	क.	**ऋण पूंजी**	
*5,08,599.65		(सामान्य राजकोष द्वारा अग्रिम)	**#6,17,614.79**
	ख.	**निम्नलिखित से निवेश वित्तपोषित**	
53,449.91		रेलवे पूंजी निधि	**53,449.91**
66,314.33		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**66,813.65**
41,136.71		विकास निधि	**42,122.10**
47,157.20		रेलवे संरक्षा निधि	**77,158.48**
15,756.05		विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**15,756.05**
1,252.31		राजस्व	**1,252.31**
74,175.75		राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**85,973.17**
—		संप्रभु हरित निधि	**10,239.00**
2,076.68		अन्य विविध स्रोत	**2,354.72**
3,01,318.94		**जोड़**	**3,55,119.39**
	ग.	**आरक्षित**	
136.21		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**428.14**
0.65		विकास निधि	**15.52**
87.52		पेंशन निधि	**360.90**
427.83		रेलवे पूंजी निधि	**442.16**
6.66		रेलवे संरक्षा निधि	**3.38**
—		विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**—**
1,144.93		राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**864.89**
229.46		रेलवे दायिता सेवा निधि	**237.15**
2,033.26		**जोड़**	**2,352.14**
	घ.	**निक्षेप**	
40,226.99		(i) राज्य रेल भविष्य निधि	**39,570.32**
26,639.02		(ii) विविध निक्षेप	**30,974.90**
65.53		(iii) वित्तीय ऋण और अग्रिम	**71.48**
66,931.54		**जोड़**	**70,616.70**
	ङ.	**चालू दायिताएं**	
6,456.46		(i) निर्वाह न की गयी (देय मांगें)	**6,389.80**
3.25		(ii) अन्य सरकारी विभागों को देय बकाया रकम	**3.25**
6,459.71		**जोड़**	**6,393.05**
8,85,343.10		**कुल जोड़**	**10,52,096.07**

इसमें एसआरएसएफ को ₹11,954.00 करोड़ का विनियोग, आरआरएसके को ₹80,000.00 करोड़, आरएसएफ को ₹62,957.03 करोड़ और ₹10,239.00 करोड़ का विनियोग एसजीएफ को शामिल नहीं है।

* इसमें एसआरएसएफ को ₹11,954.00 करोड़, आरआरएसके को ₹70,000.00 करोड़ का विनियोग और आरएसएफ को ₹32,957.03 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं है।

II 31 मार्च, 2022 को (₹ करोड़ में)				II 31 मार्च, 2023 को (₹ करोड़ में)
			परिसंपत्तियां	
	च.		**ब्लॉक परिसंपत्तियां**	
		(i)	**अचल परिसंपत्तियां**	
43,505.54			भूमि	**50,178.86**
3,67,258.77			इमारतें और रेलपथ	**4,34,975.54**
1,88,145.28			चल स्टॉक	**2,38,853.12**
74,099.37			संयंत्र और उपस्कर	**83,040.33**
–			विविध परिसंपत्तियां	**–**
6,73,008.96			**कुल**	**8,07,047.85**
		(ii)	**निवेश**	
2,392.63			भण्डार-सूची	**2,082.32**
2,167.71			कार्य प्रगति पर (डब्ल्यूएमएस)	**3,799.70**
17,947.08			विविध अग्रिम (पूंजी)	**17,869.17**
22,507.42			**जोड़**	**23,751.19**
		(iii)	**अन्य उपक्रमों में निवेश**	
—			सड़क परिवहन उपक्रमों में हिस्से	**—**
1,14,402.21			अन्य सरकारी उपक्रम	**1,41,935.14**
8,09,918.59			कुल ब्लॉक परिसंपत्तियां	**9,72,734.18**
	छ.		**केन्द्रीय सरकार के अधीन निधियां**	
68,964.80			(कोंट्रा – मद ग और घ)	**72,968.84**
	ज.		**चालू परिसंपत्तियां**	
1,770.58			फुटकर देनदार	**1,786.87**
			अन्य सरकारी विभागों से	
1,536.73			प्राप्य बकाया	**1,534.04**
2,031.46			यातायात संबंधी बकाया आमदनी	**1,971.09**
623.17			हस्ते रोकड़	**446.47**
497.78			वसूलनीय मांगें	**654.58**
8,85,343.10			**सकल जोड़**	**10,52,096.07**

31 मार्च, 2022 को कुल बही मूल्य

(₹ करोड़ में)

	ब्याज देय पूंजी (ऋण/लेखा सहित)	पूंजी निधि	मूआनि एवं विनि सुधार घटक सहित	ओ एल डब्ल्यू आर	यू. एस. मशीनरी और अन्य विविध औजार	रेल संरक्षा निधि	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	विशेष रेल संरक्षा निधि	कुल
भूमि	41,896.58	441.51	378.54	3.83	–	558.73	196.87	29.48	43,505.54
संरचना संबंधी इंजीनियरी कार्य									
स्टेशन और कार्यालय	73,574.73	8,404.82	26,722.10	405.74	0.27	6,122.00	6,200.80	561.84	1,21,992.31
कारखाने और भंडार की इमारतें	14,003.82	403.25	5,030.75	126.29	–	669.12	888.29	38.79	21,160.31
रिहायशी इमारतें	7,342.18	330.50	4,392.26	75.80	–	1,006.13	184.10	45.27	13,376.24
रेलपथ									
संरचना	59,930.57	6,684.08	8,901.92	55.60	0.01	15,177.87	14,093.77	1,558.79	1,06,402.61
रेल-पथ का सामान	34,769.45	4,598.24	21,384.59	146.39	–	7,890.08	33,872.53	6,570.15	1,09,231.44
पुल	16,345.04	1,555.91	5,282.74	36.09	–	8,536.77	5,296.97	1,494.41	38,547.93
चल-स्टॉक									
रेल इंजन और अतिरिक्त बॉयलर	45,579.11	10,139.39	8,571.96	3.80	–	17.87	2,833.45	1,086.84	68,232.42
रेलकार और ई.एम. यू. स्टॉक सहित सवारी डिब्बे	22,830.73	5,110.67	4,908.13	0.64	–	4.39	1,758.30	686.02	35,298.89
माल डिब्बा	20,132.51	4,750.38	3,615.36	1.04	–	9.17	1,679.70	985.73	31,173.90
फेरी व्यवस्था	251.04	81.94	12.28	0.01	–	3.15	77.15	–	425.57
रेल-सह-सड़क सेवाएं	2,886.73	9.11	1,087.83	21.56	0.23	2,255.99	1,013.96	63.09	7,338.50
सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क मोटर कारें और वाहन	606.16	0.01	-33.26	–	–	1,715.64	-64.60	–	2,223.94
चल स्टॉक से इतर उपस्कर (मशीनरी और संयंत्र)	37,747.62	6,833.85	17,172.22	375.51	3.01	3,190.19	6,141.33	2,635.64	74,099.37
उचंत (चल परिसंपत्तियां, जैसे सूचीगत सामान या भण्डार में सामान)@									
भण्डार उचंत	2,366.03	–	23.60	–	–	0.08	2.93	–	2,392.63
निर्माण उचंत	2,167.71	–	–	–	–	–	–	–	2,167.71
विविध अग्रिम	15,853.38	20.53	0.01	–	2,073.15	–	–	–	17,947.07
सरकारी व अन्य वाणिज्यिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश-सड़क सेवाएं	79,505.24	2,984.39		0.01	–	–	0.20	–	82,489.85
सरकारी वाणिज्यिक तथा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश	30,811.02	1,101.33	0.01	0.01	–	–	–	–	31,912.36
जोड़	5,08,599.63	53,449.91	1,07,451.04	1,252.31	2,076.68	47,157.20	74,175.75	15,756.05	8,09,918.58

नोट: @ इसमें वि.रे.सं.नि. के विनियोग से संबंधित ₹11,954.00 करोड़ शामिल नहीं है।

31 मार्च, 2023 को कुल बही मूल्य

(₹ करोड़ में)

	ब्याज देय पूंजी (ऋण/ लेखा सहित)	पूंजी निधि	मूआनि एवं विनि सुधार घटक सहित	ओ एल डब्ल्यू आर	यू. एस. मशीनरी और अन्य विविध औजार	रेल संरक्षा निधि	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	विशेष रेल संरक्षा निधि	एस जी एफ	कुल
भूमि	48,535.35	441.51	378.79	3.83	–	568.88	221.01	29.48	–	50,178.86
संरचना संबंधी इंजीनियरी कार्य										
स्टेशन और कार्यालय	1,16,822.65	11,861.27	26,883.05	405.74	0.27	11,155.99	11,387.67	561.84	–	1,79,078.49
कारखाने और भंडार की इमारतें	16,010.95	466.82	4,937.49	126.29	–	901.61	1,048.11	38.79	–	23,530.05
रिहायशी इमारतें	8,097.38	330.50	4,638.46	75.80	–	1,390.76	211.36	45.27	–	14,789.53
रेलपथ										
संरचना	54,407.74	6,684.08	8,918.74	55.60	0.01	24,737.75	11,679.69	1,558.79	–	1,08,042.41
रेल-पथ का सामान	41,960.07	4,598.24	21,398.76	146.39	–	16,070.50	37,816.49	6,570.15	–	1,28,560.60
पुल	19,694.97	1,555.91	5,310.01	36.09	–	10,381.61	6,556.50	1,494.41	–	45,029.50
चल-स्टॉक										
रेल इंजन और अतिरिक्त बॉयलर	49,613.34	8,876.75	8,737.52	3.80	–	18.58	3,680.33	1,086.84	10,239.00	82,256.17
रेलकार और ई.एम. यू. स्टॉक सहित सवारी डिब्बे	29,149.94	5,110.67	4,919.33	0.64	–	4.39	1,925.05	686.02	–	41,796.04
माल डिब्बा	27,342.86	4,750.38	3,623.65	1.04	–	520.42	2,081.72	985.73	–	39,305.80
फेरी व्यवस्था	231.72	15.46	9.98	0.01	–	3.15	116.62	–	–	376.94
रेल-सह-सड़क सेवाएं	3,238.82	9.11	1,115.36	21.56	0.23	2,422.30	1,150.38	63.09	–	8,020.85
सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क मोटर कारें और वाहन	-99.15	0.01	-70.02	–	–	3,256.18	-44.74	–	–	3,042.27
चल स्टॉक से इतर उपस्कर (मशीनरी और संयंत्र)	43,610.93	4,640.04	18,102.71	375.51	3.01	5,726.30	7,946.23	2,635.64	–	83,040.35
उचंत (चल परिसंपत्तियां, जैसे सूचीगत सामान या भण्डार में सामान)@										
भण्डार उचंत	1,852.27	2.91	31.90	–	–	0.08	195.17	–	–	2,082.32
निर्माण उचंत	3,799.70	–	–	–	–	–	–	–	–	3,799.70
विविध अग्रिम	15,496.06	20.53	0.01	–	2,351.19	–	1.37	–		17,869.17
सरकारी व अन्य वाणिज्यिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश-सड़क सेवाएं	1,07,038.17	2,984.39	0.01	0.01	–	–	0.20	–	–	1,10,022.78
सरकारी वाणिज्यिक तथा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश	30,811.02	1,101.33	–	0.01	–	–	–	–	–	31,912.35
जोड़	6,17,614.79	53,449.91	1,08,935.75	1,252.31	2,354.72	77,158.48	85,973.17	15,756.05	10,239.00	9,72,734.18

नोट: @ इसमें वि.रे.सं.नि. के विनियोग से संबंधित ₹11,954.00 करोड़ शामिल नहीं है।

योजना में रेलों का अंशदान: स्रोत/निधियों का उपयोग

2021-22 (₹ करोड़ में)	निधियों का स्रोत	2022-23 (₹ करोड़ में)
	आंतरिक स्रोत से सृजन	
0.00	वर्ष में आधिक्य (+)	**2,517.38**
	राजस्व और पूंजी से आरक्षित निधियों में अंशदान	
200.00	मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**900.00**
0.00	विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**0.00**
0.00	पूंजी निधि	**0.00**
(-) 3235.24	पेंशन निधि (शुद्ध)	**266.00**
0.00	रेल संरक्षा निधि	**0.00**
0.00	रा.रे.सं.को.	**0.00**
105.21	निधि शेषों पर ब्याज	**38.97**
(-) 2930.03	कुल आंतरिक रोकड़ शेष	**3,722.35**
	सामान्य राजस्व से बजटीय सहायता	
81,670.53	(क) पूंजी लेखे पर	**1,09,017.15**
-	(ख) एस.आर.एस.एफ. के लिए	**-**
20,600.00	(ग) आर.एस.एफ. के लिए	**30,000.00**
25,000.00	(घ) आर.आर.एस.के. के लिए	**10,000.00**
-	(ङ) एस.जी.एफ. के लिए	**10,239.00**
-	(च) अस्थायी ऋण के रूप में:	
0.00	(i) आरक्षित निधि	**0.00**
0.00	(ii) विकास निधि	**0.00**
0.00	(iii) पूंजी निधि	**0.00**
	सामान्य राजस्व से अंशदान (ब्याज रहित)	
-	(क) एस.आर.एस.एफ. के लिए	**-**
-	(ख) आर.एस.एफ. के लिए	**-**
-	(ग) आर.आर.एस.के. के लिए	**-**
-	(घ) एस.जी.एफ. के लिए	
1,27,270.53	सामान्य राजस्व से प्राप्त कुल अंशदान	**1,59,256.15**
1,24,340.50	**निधियों का समग्र स्रोत**	**1,62,978.50**

2021-22 (₹ करोड़ में)	निधियों का उपयोग	2022-23 (₹ करोड़ में)
	नयी परिसम्पत्तियों की खरीद और वर्तमान परिसम्पत्तियों का बदलाव	
	निम्नलिखित को प्रभारित खरीद :	
81,670.53	पूंजी	**1,09,017.15**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
1,032.66*	विकास निधि	**985.39**
21,105.43	रेलवे संरक्षा निधि	**30,001.29**
24,731.54	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**11,797.42**
—	एस.जी.एफ.	**10,239.00**
0.00	चालू लाइन निर्माण (राजस्व)	**0.00**
661.02	मूल्यह्रास आरक्षित निधि को प्रभारित प्रतिस्थापन	**617.38**
1,29,201.18*	**कुल निवेश**	**1,62,657.63**
	निम्नलिखित के लिए प्राप्त ऋणों की अदायगी :	
0.00	विकास निधि	**0.00**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
	अस्थायी ऋणों पर दिया गया ब्याज	
0.00	विकास निधि	**0.00**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
(-)4,860.68	निधि शेषों में वृद्धि (+)/कमी (-)	**320.87**
1,24,340.50	**निधियों का कुल उपयोग**	**1,62,978.50**
	नोट:	
6,893.95	1 अप्रैल को सभी निधियों में अथशेष	**2,031.27**
2,033.27	31 मार्च को इतिशेष	**2,352.14**
	वृद्धि (+) कमी (–)	
(-) 4,860.68	शेष का ब्यौरा इस प्रकार है:	**320.87**
(-) 449.13	मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**291.92**
(-) 1,015.90	विकास निधि	**14.87**
(-) 3,179.97	पेंशन निधि	**273.39**
13.87	रेल पूंजी निधि	**14.33**
(-)505.43	रेल संरक्षा निधि	**(-)1.29**
268.45	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**(-)280.04**
7.44	ऋण सेवा निधि	**7.69**
—	एस.जी.एफ.	**–**
(-)4,860.67	**जोड़**	**320.87**

*संशोधित

परिसम्पत्तियां

2021-22 बड़ी लाइन	2021-22 मीटर लाइन	2021-22 छोटी लाइन सहित जोड़	मार्ग/रेलपथ किलोमीटर (000)	2022-23 बड़ी लाइन	2022-23 मीटर लाइन	2022-23 छोटी लाइन सहित जोड़
			मार्ग किलोमीटर			
51.80	–	51.80	विद्युतीकृत	58.07	–	58.07
65.09	1.66	68.04	कुल	65.98	1.34	68.58
			चालित रेलपथ किलोमीटर			
82.65	–	82.65	विद्युतीकृत	92.36	–	92.36
99.93	1.60	102.83	कुल	103.90	1.33	106.49
			कुल रेलपथ किलोमीटर			
100.67	–	100.67	विद्युतीकृत	113.77	–	113.77
125.19	1.69	128.31	कुल	129.51	1.41	132.31
7,099.00	110.00	7,308.00	**स्टेशनों की संख्या**	7,180.00	97.00	7,364.00
			चल स्टॉक (यूनिटों में)			
			रेल इंजन			
–	26	39	भाप	–	27	39
4	–	84	डीजल हाईड्रोलिक एवं यांत्रिक	4	–	90
4,616	45	4,663	डीजल बिजली	4,619	45	4,666
8,429	–	8,429	बिजली	9,565	–	9,565
			सवारी डिब्बे			
60,327	353	60,986	हॉल्ड रेल इंजन	63,662	261	64,192
7,912	–	7,912	ई.एम.यू. ट्रेलर	7,718	–	7,718
3,861	–	3,861	ई.एम.यू. मोटर कोच	3,946	–	3,946
1,969		1,969	डेमू/डीएचएमयू	1,914		1,914
7	2	16	रेल कार	5	2	12
			सीटें/शायिकाएं (000)			
928.50	0.11	928.61	वातानुकूलित	1,193.98	0.11	1,194.09
109.22	0.12	109.34	वातानुकूलित कुर्सी-यान	108.51	-	108.51
0.13	0.17	1.68	पहला दर्जा	0.11	0.09	1.45
3,411.55	18.07	3,439.08	दूसरा दर्जा	3,395.94	12.93	3,417.24
1,390.84	–	1,390.84	ई.एम.यू. ट्रेलर (सभी दर्जे)	1,164.90	–	1,164.90
597.53	-	597.53	ई.एम.यू. मोटर कोच (सभी दर्जे)	609.65	-	609.65
174.07		174.07	डेमू/डीएचएमयू	169.10		169.10
0.36	0.19	0.67	रेल कार (सभी दर्जे)	0.36	0.19	0.67
7,530.00	44.00	7,590.00	अन्य कोचिंग वाहन (यूनिटों में) (ब्रेक यान सहित)	8,530.00	41.00	8,587.00
2,456.00	41.00	2,513.00	रेल सेवा वाहन (यूनिटों में)	2493	31	2,540
			माल डिब्बे (000)			
70.00	1.00	71.00	बंद माल डिब्बे	71.00	1.00	72.00
204.00	0.07	204.10	खुले माल डिब्बे	201.17	0.07	201.26
25.74	0.21	25.95	मवेशी-माल डिब्बे, विस्फोटकों के लिए माल डिब्बे, टिम्बर रेल माल डिब्बे, टंकी और विविध माल डिब्बे।	25.21	0.20	25.41
18.19	0.10	18.30	विभागीय माल डिब्बे (ब्रेक यान सहित)	17.02	0.09	17.12
			फैरी स्टॉक			
–	–	–	पॉवर वेसेल	–	–	-
–	–	–	डम्प क्राफ्ट	–	–	–

(मिलियन में)

परिचालन

2021-22 बड़ी लाइन	2021-22 मीटर लाइन	2021-22 छोटी लाइन सहित जोड़		2022-2023 बड़ी लाइन	2022-2023 मीटर लाइन	2022-2023 छोटी लाइन सहित जोड़
			गाड़ी किमी.			
			सवारी गाड़ियों और मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	0.02	0.03*	भाप	—	0.03	0.05
145.00*	0.52	145.55*	डीजल	134.08	1.08	135.25
365.85*	—	365.85*	विद्युत	471.02	—	471.02
71.05*	—	71.05*	विद्युत मल्टीपल यूनिट	89.09	—	89.09
22.46*	—	22.46*	#मेमू	37.16	—	37.16
—	—	—	डीएचएमयू	—	—	—
11.35*	—	11.35*	डेमू	17.88	—	17.88
—	—	0.07*	रेल कार	—	—	0.04
0.04	0.01	0.05*	रेल बस	0.07	0.01	0.08
			माल गाड़ियों व मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	—	—	भाप	—	—	—
114.17*	—	114.17*	डीजल	113.35	—	113.35
365.58*	—	365.58*	विद्युत	439.72	—	439.72
			विभागीय			
—	—	0.02*	भाप	—	—	0.01
1.90*	—	1.90*	डीजल	1.79	—	1.79
2.50	—	2.50	विद्युत	2.27	—	2.27
0.26	—	0.26	विद्युत मल्टीपल यूनिट	0.21	—	0.21
0.33	—	0.33	मेमू	0.15	—	0.15
			शटिंग तथा अन्य इंजन किलोमीटर			
			शटिंग			
—	—	—	भाप	—	—	—
38.23*	0.03	38.27*	डीजल	44.50	0.09	44.60
15.88*	—	15.88*	विद्युत	22.41	—	22.41
			लाइट, अपेक्षित सहायता, सहायता अपेक्षित नहीं है, साइडिंग और विभागीय			
—	—	—	भाप	—	—	—
165.65*	0.01	165.66*	डीजल	154.75	0.02	154.77
334.68*	—	334.68*	विद्युत	359.43	—	359.43
			इंजन किलोमीटर (ईएमयू और रेल कारों को छोड़कर)			
			सवारी गाड़ियों तथा मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	0.03*	0.05*	भाप	—	0.02	0.02
176.13*	0.57	176.74*	डीजल	173.95	1.18	175.24
389.23*	—	389.24*	विद्युत	521.24	—	521.24
			माल गाड़ियों तथा मिलीजुली गाड़ियों का भाग			
—	—	—	भाप	—	—	—
287.00*	—	287.00*	डीजल	272.88	—	272.88
692.78*	—	692.78*	विद्युत	771.77	—	771.77
			विभागीय			
—	0.02*	0.02*	भाप	—	0.01	0.01
2.17*	—	2.18*	डीजल	2.20	—	2.20
2.86	—	2.93*	विद्युत	2.99	—	3.01
			कुल			
—	0.04	0.05	भाप	—	0.04	0.04
465.03*	0.57	465.64*	डीजल	448.62	1.19	449.91
1,084.51*	—	1084.58*	विद्युत	1,295.28	—	1,295.30
			वाहन किलोमीटर			
17,498.72*	5.37	17,514.64*	कोचिंग वाहन	21,115.45	10.46	21,138.69
1,731.26*	—	1,731.26*	इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट सवारी डिब्बे	2,160.37	—	2,160.37
527.35*	—	527.35*	#मेमू	1,748.46	—	1,748.46
—	—	—	डीएचएमयू	—	—	—
417.38*	—	417.38*	डेमू	393.80	—	393.80
—	—	—	रेल कार	—	—	—
—	—	—	रेल बस	—	—	—
			माल डिब्बा किलोमीटर			
14,067.05*	—	14,067.05*	लदे हुए	16,097.77	—	16,097.77
22,112.17*	—	22,112.17*	कुल	25,459.26	—	25,459.26
63.62*	—	63.62*	कुल से लदे हुए का प्रतिशत	63.23	—	63.23

* संशोधित

* वंदे भारत सहित

2021-22 बड़ी लाइन	2021-22 मीटर लाइन	2021-22 छोटी लाइन सहित जोड़	यात्री यातायात	2022-23 बड़ी लाइन	2022-23 मीटर लाइन	2022-23 छोटी लाइन सहित जोड़
			प्रारंभिक यात्री (मिलियन में)			
			उपनगरीय			
120.54*	0.00	120.54*	पहला दर्जा	264.27	0.00	264.27
2,048.28	0.00	2,048.28	दूसरा दर्जा	3,527.93	0.00	3,527.93
2,168.82*	0.00	2,168.82*	कुल उपनगरीय	3,792.20	0.00	3,792.20
			अनुपनगरीय			
3.18	0.00	3.18	वातानुकूल पहला दर्जा	6.25	0.00	6.25
23.20	0.00	23.20	वातानुकूल शयनयान	39.47	0.00	39.47
103.19	0.00	103.19	वातानुकूल 3-टीयर	180.36	0.00	180.36
0.45	0.01	0.62	पहला दर्जा	1.03	0.21	1.52
21.85	0.02	21.93*	वातानुकूल कुर्सीयान	40.32	0.07	40.45
			शयनयान दर्जा			
293.27*	0.00	293.27*	मेल/एक्सप्रेस	382.49	0.00	382.49
0.45	0.00	0.45	साधारण	0.49	0.00	0.49
			दूसरा दर्जा			
588.83	0.51*	589.93*	मेल/एक्सप्रेस	1,310.18	1.37	1,312.29
313.04	0.88	314.25	साधारण	637.36	2.33	640.23
1,347.46*	1.42*	1,350.02*	कुल गैर उपनगरीय	2,597.95	3.98	2,603.55
3,516.28*	1.42*	3,518.84	कुल-उपनगरीय और गैर उपनगरीय	6,390.15	3.98	6,395.75
			यात्री किलोमीटर (मिलियन में)			
			उपनगरीय			
4,155.44	0.00	4,155.44	पहला दर्जा	8,421.70	0.00	8,421.70
65,642.59	0.00	65,642.59	दूसरा दर्जा	1,05,928.04	0.00	1,05,928.04
69,798.03	0.00	69,798.03	कुल उपनगरीय	1,14,349.74	0.00	1,14,349.74
			गैर उपनगरीय			
1,905.20	0.00	1,905.27	वातानुकूल पहला दर्जा	3,657.59	0.00	3,657.67
18,535.48	0.00	18,535.48	वातानुकूल शयनयान	31,471.96	0.00	31,471.96
90,487.56	0.00	90,487.56	वातानुकूल 3-टीयर	1,55,765.16	0.00	1,55,765.16
28.28	0.39	37.23	पहला दर्जा	99.01	4.98	116.98
6,597.49	0.34	6,602.43	वातानुकूल कुर्सीयान	12,280.59	0.43	12,286.39
			शयनयान दर्जा			
2,25,636.95*	0.00	2,25,636.95*	मेल/एक्सप्रेस	2,80,259.76	0.00	2,80,259.76
39.33	0.00	39.33	साधारण	93.58	0.00	93.58
			दूसरा दर्जा			
1,58,759.30	30.82	1,58,819.39	मेल/एक्सप्रेस	3,23,506.36	82.17	3,23,628.41
18,279.16	69.15	18,354.85	साधारण	37,036.57	239.09	37,289.71
5,20,268.75*	100.70	5,20,418.49*	कुल अनुपनगरीय	8,44,170.58	326.67	8,44,569.62
5,90,066.78*	100.70	5,90,216.52*	जोड़-उपनगरीय और गैर उपनगरीय	9,58,520.32	326.67	9,58,919.36
			औसत गमन दूरी (किमी)			
			उपनगरीय			
34.50	0.00	34.50	पहला दर्जा	31.90	0.00	31.90
32.00	0.00	32.00	दूसरा दर्जा	30.00	0.00	30.00
32.20	0.00	32.20	कुल उपनगरीय	30.20	0.00	30.20
			अनुपनगरीय			
598.60	0.00	598.40	वातानुकूल पहला दर्जा	585.20	0.00	585.10
798.80	—	798.90	वातानुकूल शयनयान	797.30	—	797.30
876.90	0.00	876.90	वातानुकूल 3-टीयर	863.30	0.00	863.60
62.70	32.90	60.40	पहला दर्जा	96.30	23.90	77.10
301.90	0.00	301.10	वातानुकूल कुर्सीयान	304.60	0.00	303.70
			शयनयान दर्जा			
769.40	—	769.40	मेल/एक्सप्रेस	732.70	—	732.70
87.10	—	87.10	साधारण	190.20	—	190.20
			दूसरा दर्जा			
269.60	57.70	269.20	मेल/एक्सप्रेस	246.90	60.10	246.60
58.40	65.20	58.40	साधारण	58.10	102.40	58.20
386.10	61.90	385.50	कुल गैर उपनगरीय	324.90	82.00	324.40
167.80	61.90	167.70	जोड़-उपनगरीय और गैर उपनगरीय	150.00	82.00	149.90

*संशोधित

2021-22				2022-23		
बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़	**यात्री यातायात से आमदनी (₹ करोड़ में)**	**बड़ी लाइन**	**मीटर लाइन**	**छोटी लाइन सहित जोड़**
			उपनगरीय			
179.12	—	179.12	पहला दर्जा	**475.24**	**—**	**475.24**
1,190.86*	—	1,190.86*	दूसरा दर्जा	**2,163.84**	**—**	**2,163.84**
1,369.98*	—	1,369.98*	कुल उपनगरीय	**2,639.08**	**—**	**2,639.08**
			गैर -उपनगरीय			
635.63	—	635.69	वातानुकूल पहला दर्जा	**1,213.19**	**—**	**1,213.26**
3,385.12	—	3,385.12	वातानुकूल शयनयान	**5,857.79**	**—**	**5,857.79**
12,225.21	—	12,225.21	वातानुकूल 3-टियर	**21,344.52**	**—**	**21,344.52**
3.60	0.53*	14.44	पहला दर्जा	**4.83**	**6.89**	**33.07**
1,161.18	0.53	1,163.36	वातानुकूल कुर्सीयान	**2,293.00**	**0.69**	**2,296.01**
			शयनयान दर्जा			
12,848.79	0.00	12,848.79	मेल/एक्सप्रेस	**15,928.74**	**0.00**	**15,928.74**
2.50*	0.00	2.50*	साधारण	**6.08**	**0.00**	**6.08**
			दूसरा दर्जा			
7,164.71	2.60	7,169.58	मेल/एक्सप्रेस	**13,523.00**	**6.73**	**13,532.60**
394.85	3.62	399.72	साधारण	**552.46**	**11.14**	**565.69**
37,821.60	7.28*	37,844.42	कुल गैर-उपनगरीय	**60,723.61**	**25.45**	**60,777.76**
39,191.57	7.28*	39,214.40*	जोड़-उपनगरीय और गैर-उपनगरीय	**63,362.69**	**25.45**	**63,416.84**
			औसत दर/यात्री किलोमीटर (पैसों में)			
			उपनगरीय			
43.1	—	43.1	पहला दर्जा	**56.4**	**—**	**56.4**
18.1	—	18.1	दूसरा दर्जा	**20.4**	**—**	**20.4**
19.6	—	19.6	सभी दर्जे (उपनगरीय)	**23.1**	**—**	**23.1**
			अनुपनगरीय			
333.6	—	333.6	वातानुकूल पहला दर्जा	**331.7**	**—**	**331.7**
182.6	—	182.6	वातानुकूल शयनयान	**186.1**	**—**	**186.1**
135.1	—	135.1	वातानुकूल 3-टियर	**137.0**	**—**	**137.0**
127.3	1343.0	387.8	पहला दर्जा	**48.8**	**1,382.90**	**282.7**
176.0	—	176.2	वातानुकूल कुर्सीयान	**186.7**	**—**	**186.9**
			शयनयान दर्जा			
56.9	—	56.9	मेल/एक्सप्रेस	**56.8**	**—**	**56.8**
63.7	—	63.7	साधारण	**65.0**	**—**	**65.0**
			दूसरा दर्जा			
45.1	84.3	45.1	मेल/एक्सप्रेस	**41.8**	**81.9**	**41.8**
21.6	52.4	21.8	साधारण	**14.9**	**46.6**	**15.2**
72.7	72.2	72.7	सभी दर्जे (अनुपनगरीय)	**71.9**	**77.9**	**72.0**
66.4	72.2	66.4	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**66.1**	**77.9**	**66.1**
			माल यातायात			
			प्रारंभिक टन (000' में)			**Total of BG**
14,15,869.00	—	14,15,869.00	राजस्व उपार्जक	**15,09,103.00**	**—**	**15,09,103.00**
2,974.00	—	2,974.00	गैर राजस्व	**1,657.00**	**—**	**1,657.00**
14,18,843.00	—	14,18,843.00	कुल	**15,10,760.00**	**—**	**15,10,760.00**
			शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन में)			
8,71,816.00	—	8,71,816.00	राजस्व उपार्जक	**9,59,566.00**	**—**	**9,59,566.00**
296.00	—	296.00	गैर राजस्व	**322.00**	**—**	**322.00**
8,72,112.00	—	8,72,112.00	कुल	**9,59,888.00**	**—**	**9,59,888.00**
1,39,287.00		1,39,287.00	ढोये गये माल यातायात से आमदनी (₹ करोड़ में)	**1,60,158.00**		**1,60,158.00**
			औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)			
616.00	—	616.00	राजस्व उपार्जक	**636.00**	**—**	**636.00**
100.00	—	100.00	गैर राजस्व	**195.00**	**—**	**195.00**
615.00	—	615.00	कुल	**635.00**	**—**	**635.00**
159.77	—	159.77	औसत दर/टन किलोमीटर (पैसों में)	**166.91**	**—**	**166.91**

*संशोधित

2021-22				2022-23		
बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन	**वाहन और माल डिब्बों का उपयोग :**	**बड़ी लाइन**	**मीटर लाइन**	**छोटी लाइन**
			वाहन किलोमीटर/वाहन दिन			
411	27	77	सवारी वाहन	**470**	**28**	**84**
363	35	2	अन्य कोचिंग वाहन	**404**	**6**	**14**
211.80	–	–	माल डिब्बा किलोमीटर/माल डिब्बा दिन	**223.00**	**–**	**–**
4.74	–	–	माल डिब्बा फेरा (दिन)	**4.70**	**–**	**–**
8,384.00	–	–	शुद्ध टन किलोमीटर/माल डिब्बा दिन	**8,670.00**	**–**	**–**
62.9	–	–	चालन में औसत माल डिब्बा भार (टन) (8-पहियों के हिसाब से)	**60.00**	**–**	**–**
			माल गाड़ियों की औसत रफ्तार (किलोमीटर प्रति घंटा)			
			थ्रू माल गाड़ियां			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
36.5	–	–	डीजल	**31.10**	**–**	**–**
38.1	–	–	बिजली	**30.10**	**–**	**–**
37.8	–	–	सभी कर्षण	**30.30**	**–**	**–**
			सभी माल गाड़ियां			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
36.5	–	–	डीजल	**31.10**	**–**	**–**
38.1	–	–	बिजली	**30.10**	**–**	**–**
37.8	–	–	सभी कर्षण	**30.30**	**–**	**–**
			इंजन का उपयोग			
			लाइन पर इंजन कि.मी./दिन/इंजन			
–	10	12	भाप	**–**	**9**	**17**
807	42	19	डीजल	**361**	**63**	**50**
445	–	–	बिजली	**425**	**–**	**–**
			लाइन पर शुद्ध टन किलोमीटर/माल इंजन दिन			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
2,61,932	–	–	डीजल	**2,54,603**	**–**	**–**
3,81,507	–	–	बिजली	**7,38,358**	**–**	**–**
			प्रयोग में शुद्ध टन किलोमीटर/माल इंजन दिन			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
2,85,920*	–	–	डीजल	**2,66,918**	**–**	**–**
3,99,744	–	–	बिजली	**7,47,995**	**–**	**–**
14,189*	–	–	शुद्ध टन कि.मी/माल इंजन घंटा (सभी कर्षण)	**13,899**	**–**	**–**
			माल गाड़ियों का औसत भार (टन)			
1,817	–	–	शुद्ध भार	**1,735**	**–**	**–**
3,071*	–	–	सकल भार (इंजन के वजन सहित)	**3,007**	**–**	**–**

*संशोधित

2021-22 बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड		2022-23 बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़
			घनत्व			
			गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित			
30.15*	1.00	29.34*	रेलपथ किलोमीटर प्रतिदिन	**34.45**	**2.30**	**33.66**
20.52*	0.92	19.90*	यात्री गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ किलोमीटर प्रतिदिन	**22.33**	**2.30**	**21.78**
15.94*	0.04	15.40	माल गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ	**16.40**	**0.02**	**15.98**
			चल स्टॉक की मरम्मत- (निष्क्रिय प्रतिशत)			
9.79	11.40	7.33	रेल इंजन	**10.40**	**46.57**	**6.80**
5.68	13.50	5.75	सवारी डिब्बे	**4.96**	**1.92**	**4.96**
5.55	—	5.48	अन्य कोचिंग वाहन	**7.38**	**—**	**7.33**
10.40	—	10.40	ईएमयू के डिब्बे	**7.31**	**—**	**7.31**
3.13	0.95	3.13	माल डिब्बे	**3.11**	**0.00**	**3.11**
			रेल इंजनों में ईंधन की खपत			
—	—	1.00	कोयला (000 टन)	**—**	**—**	**—**
1,459.00	1.44	1,463.00	डीजल तेल (000 किलोमीटर)	**1,434.42**	**2.32**	**1,438.42**
17,756.60	—	17,756.60	बिजली (मिलियन किलोवाट घंटा)	**21,823.73**	**—**	**21,823.73**
			ई.एम.यू. द्वारा बिजली खपत			
1549.13*	—	1549.13*	उपनगरीय सेवा (मिलियन किलोवाट घंटा)	**1,915.66**	**—**	**1,915.66**
			प्रति 1000 सकल टन किलोमीटर खपत			
			सवारी तथा मिश्रित			
—	—	204.00	कोयला (किलोग्राम)	**—**	**—**	**2.30**
3.33	7.15	3.34	डीजल तेल (लीटर)	**3.59**	**6.09**	**3.60**
19.30	—	19.30	बिजली (कि.वा.घं.)	**18.70**	**—**	**18.70**
—	—	—	माल तथा मिश्रित	**—**	**—**	**—**
			कोयला (किलोग्राम)			
1.75	—	1.75	डीजल तेल (लीटर)	**1.97**	**—**	**1.97**
7.29	—	7.29	बिजली (कि.वा.घं.)	**6.40**	**—**	**6.40**

वर्ग क और ख	वर्ग ग	वर्ग घ	जोड़	कार्मिक	वर्ग क और ख	वर्ग ग	वर्ग घ	जोड़
				संख्या (000)				
14.00	1,135.61	–	1,149.61	चालू लाइन	**13.66**	**1,114.72**	**–**	**1,128.38**
1.71	12.96	–	14.67	निर्माण	**1.61**	**12.26**	**–**	**13.87**
0.95	39.87	–	40.82	उत्पादन इकाईयाँ	**0.95**	**39.00**	**–**	**39.95**
1.66	6.12	–	7.78	रेलवे बोर्ड तथा अन्य रेलवे कार्यालय	**1.59**	**5.82**	**–**	**7.42**
18.32	1,194.56	–	1,212.88	कुल	**17.81**	**1,171.08**	**–**	**1,189.62**
6,054.25*	1,45,440.02*	–	1,51,494.27*	कुल वेतन (₹ करोड़ में)	**6,483.70**	**1,54,935.18**	**–**	**1,61,418.87**
3,301.66*	1,217.36*	–	1,248.86*	प्रति कर्मचारी औसत वार्षिक वेतन (₹000 में)	**3,639.46**	**1,322.20**	**–**	**1,356.90**

2021-22	भण्डार की खरीद (₹ करोड़ में)	2022-23
48,055	स्वदेशी आयातित	**64,317**
227	प्रत्यक्ष	**588**
432	भारत में खरीद	**51**
48,714	**जोड़**	**64,956**

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
Government of India
रेल मंत्रालय
Ministry of Railways
(रेलवे बोर्ड)
(Railway Board)

सांख्यिकी एवं अर्थ निदेशालय, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)
भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

Design & Printed by **Viba Press Pvt. Ltd.**, 9810049515